

अपनी बात

—X○÷○X—

वि० सं० २००० का चातुर्मास मेरे शिरच्छत्र पूज्येश्वर आचार्य वैद्य श्रीजिनमणिसागरसूरिजी महाराज का बीकानेर में श्री नाहटाजी के शुभ प्रासाद शुभविलास में हुआ। उस समय मेरी अवस्था १६ वर्ष की थी। पूज्येश्वर गुरुदेव ने अध्ययन के लिये व्यवस्था कर रखी थी। शिक्षक व्याकरण-भाष्य आदि का अभ्यास करवाता था। उस समय मैं सिद्धान्त-कौमुदी का दूसरा खण्ड पढ़ रहा था; पर बाल्यावस्था के कारण अध्ययन में तनिक भी रुचि नहीं थी और व्याकरण जैसा शुष्क विषय होने के कारण मैं अध्ययन से घबड़ाता था तथा बहाने किया करता था। ऐसी मेरी मानसिक स्थिति और पढ़ाई चोर भावना को देखकर श्री अग्र-चन्दजी नाहटा ने (जो पूज्येश्वर गुरुदेव के भक्त होने के साथ साथ मुझे विद्वान और क्रियापात्र साधु देखना चाहते थे) गुरु महाराज की आज्ञा प्राप्त कर साहित्य की तरफ मेरी रुचि को बढ़ाना प्रारंभ किया। उन्होंने सर्वप्रथम हस्तलिखित ग्रन्थों की लिपि के अभ्यास की ओर मुझे प्रवृत्त किया। मैं भी उस समय 'पढ़ाई' से विरक्तमना सा था। अतः मुझे भी यह मार्ग रुचिकर प्रतीत हुआ और मैं इस प्रयत्न में अग्रसर हुआ। बड़ों के आशीर्वाद से इसमें मैं सफल भी हुआ। उन्हीं दिनों मैंने नाहटा जी के संग्रह के लगभग ३००० हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची भी तैयार की।

इन्हीं दिनों चातुर्मास में ही गुरुदेव भक्तवर्ग को 'उपधानतप' की तपश्चर्या करवा रहे थे। इसी समय बीकानेर के प्रमुख मन्दिर (चिन्ता-मणिजी) के भण्डारस्थ लगभग १२०० प्रतिमाएँ, जो विशिष्ट समय पर भण्डार से बाहर निकाली जाती थी और अष्टाहिका महोत्सव, शान्तिस्नात्र, रथयात्रादि महोत्सव के साथ पुनः भूमिगृह में विराजमान करदी जाती थी, इस 'उपधानतप' महोत्सव के उपलक्ष्य में बाहर निकाली गईं। वहाँ के दूसरे प्रधान मन्दिर महावीरस्वामी जी के भण्डारस्थ प्रतिमाएँ भी इस समय प्रयत्नपूर्वक निकाली गई थीं।

श्री नाहटाजी का कई वर्षों से विचार और प्रयत्न था कि 'बीकानेर जैन लेख संग्रह' निकाला जाय। वे बीकानेर नगर और उस राज्य के समस्त स्थित मन्दिरों के लेख ले चुके थे। पर चिन्तामणिजी के भण्डारस्थ मूर्तियों के लेख जो उन्होंने पूर्व लिये थे, वे गुप्त हो गये थे। अतः उनकी पुनः आवश्यकता थी। इस प्रसंग को लेकर लेखों की लिपि-वाचन के उद्देश्य से उन्होंने मुझे भी इस कार्य में लगाया। मैं उत्साह पूर्वक तैयार था ही, जुट गया। श्री अगरचन्दजी एवं श्री भँवरलालजी नाहटा के सहयोग से उस समय लगभग २००—२५० लेख मैंने लिये थे। उस समय से मेरा लेखों की लिपि वाचने का भी अभ्यास हो गया।

सं० २००२ में बीकानेर से विचरण करते हुए गुरुश्री एवं मैं नागौर आये। इस कार्य में मेरी रुचि भी थी और अब तो अभ्यास भी हो चला था; साथ ही नाहटाजी की तरफ से समय समय पर प्रोत्साहन मिलता रहता था। अतः मैंने नागौर के सब मन्दिरों के पाषाण और धातु दोनों के लेख लेना प्रारम्भ किया। तदनन्तर तो हम अहाँ कहीं भी गये, वहाँ के मन्दिरों के दर्शन करना और मूर्तियों के लेख लेना, यह एक ध्येय सा बन गया था। इस प्रकार नागौर से चलने के बाद, कुचेरा, सजवाना, मेड़तारोड, जड़ाड, गोविन्दगढ़, अजमेर, किशनगढ़ आदि स्थानों से मैंने लगभग ८०० लेख एकत्र कर लिये।

सं० २००२ का चातुर्मास जयपुर में हुआ। इस चातुर्मास में भी मैंने वहाँ के श्वे० जैन मन्दिरों के लेख लेने का क्रम चालू रखा। शहर के सब मन्दिर और गृहदेरासरो के लेख मैं ले चुका था। इस चातुर्मास में नाहटाजी गुरुदेव के दर्शनार्थ जयपुर आये। उस समय उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया कि—“जिस प्रकार हमने 'बीकानेर लेख संग्रह' तैयार किया है; उसी प्रकार आप भी 'जयपुर लेख संग्रह' तैयार कर लें तो बहुत अच्छा रहेगा। शहर के तो सारे लेख आपने ले ही लिए हैं; जयपुर राज्य के अन्य स्थानों में भ्रमण कर अवशिष्ट लेख भी ले लें, फिर इन्हें स्वतन्त्र ग्रन्थ रूप में प्रकाशित कर दिए जायें।” राजस्थान-मान्य प्रसिद्ध श्री गुलाबचन्दजी ढङ्गा की भी यही भावना थी कि यह कार्य मैं पूर्ण कर दूँ। इसमें जितने भी सहयोग या सहायता की आवश्यकता थी, उसको भी उन्होंने देना स्वीकार किया और यह भी कहा कि जयपुर जैन समाज की तरफ से ही इसको प्रकाशित भी करवा दिया जायगा।

अस्तु, मैं भी नामलिप्सा से अभिभूत होकर इस कार्य में संलग्न हो गया। पूज्येश्वर गुरुदेव की आज्ञा और आशीर्वाद को प्राप्त कर फाल्गुन मास में श्रीसंघ के, विशेषतः श्री गुलाबचन्दजी सा० ढढा और श्री सोहन-मलजी गोलेछा, सा० श्री हमीरमलजी गोलेछा के सहयोग से विहार के लिये जयपुर से चल पड़ा। दोसा, बसवा, मण्डावर, महावीर जी, हिएडोन, बजीरपुर, गंगापुर, मलारणा का झूंगर, सवाई माधोपुर, टोंक, चाडसू, सांगानेर होकर मैंने प्रथम दौरा १५ दिवस में २२५ मील चलकर पूर्ण किया और पुनः गुरुदेव की सेवा में जयपुर आ पहुँचा। दूसरे दौरे में जोवनेर, फुलेरा सांभर, नरेना, दूधु, पचेवर, मालपुरा, टोडारायसिंह, पनवाड़ होकर मैं कोटा पहुँच गया। इस प्रकार लगभग ४० गाँवों के लेख संग्रह कर चुका था केवल शेखावाटी प्रदेशस्थ ग्राम ही अवशिष्ट रहे थे।

दोसा महावीरजी तथा सवाई माधोपुर वाले प्रथम प्रवास में मुझे वहाँ के दि० जैन मन्दिरों के व्यवस्थापकों की साम्प्रदायिक मनोवृत्ति का अवांछनीय परिचय मिला। सर्व प्रथम महावीरजी का ही लीजिये। यह तीर्थ वस्तुतः श्वेताम्बरों का ही है। इसके निर्माता और प्रतिष्ठाता श्वेताम्बर ही थे। लगभग इसी एक शती से इसकी व्यवस्था दिगम्बर जैनों के हाथ में गई। व्यवस्था दिगम्बर जैनों के हाथों में होते हुए भी कई विशिष्ट अधिकार पल्लीवाल श्वेताम्बर जैनों को प्राप्त थे। पर जो देवालय और देवमूर्तियाँ आदर्श की, सन्मार्ग की और आध्यात्मिकता की प्रतीक थीं, उनको अहम्मन्यता की भावना से साम्प्रदायिक कर्दम के दल-दल में फँसाकर सारे 'आदर्श' समाप्त कर दिये थे। यहां तक कि श्वेताम्बर जैनों का पूजन दर्शन आदि व्यवहार भी बन्द कर दिया गया। फलतः 'कानून' की उपासना में दोनों दलों ने अपने रक्तसिञ्चित द्रव्य को न्योछावर करना प्रारंभ कर दिया। वस्तुतः इन साम्प्रदायिक तत्त्वों ने जैनत्व क्या मानवता को ही कलंकित किया है।

प्रवास में भ्रमण करता हुआ, मैं महावीरजी के दर्शन करने और वहाँ के लेख लेने की भावना से लगभग १२ बजे पहुँचा। द्वार पर ही द्वारपाल ने श्वेताम्बर जैन साधु का वेष देखकर मुझे रोका और कहा—“आप श्वे० साधु हैं, इसलिये आप अन्दर नहीं जा सकते।” खैर वहाँ के आफिस से इजाजत प्राप्त करने पर मैं भीतर गया, पर मन्दिर के प्रवेश द्वार पर फिर द्वितीय द्वारपाल ने मेरे 'रजोहरण' (धर्म-चिह्न, जो प्रत्येक श्वेताम्बर साधु के पास रहता है) को देखकर प्रश्न किया कि,

“क्या यह ऊन का है ?” मैंने कहा—“हाँ।” तो उस द्वारपाल ने कहा—“तो आप भीतर नहीं जा सकते ?” मैंने कहा—“क्यों ?” उत्तर—“पहिले तो आप श्वे० साधु हैं दूसरे आपके पास ऊन है !” जब पुनः आफिस से इजाजत प्राप्त कर मन्दिर के सभामण्डप में पहुँचा, तो आफिस की तरफ से एक कर्मचारी मेरे साथ साथ जासूस की तरह लगा रहा, मानों मैं कोई भेदू मन्दिर के भेद लेने आया हूँ। अस्तु, मेरी दर्शन करने की भावना भी कुण्ठित हो गई और इस साम्प्रदायिक मनोवृत्ति पर कुछ जोश भी हुआ। मैं ऐसी परिस्थिति में दर्शन भी ठीक तरह से नहीं कर सका अतः वहाँ से चलकर मैंने ‘डिप्लोम’ आकर विश्राम किया।

इस प्रकार की तथा इससे कुछ भिन्न प्रकार की कई घटनाएं इस प्रवास में अन्यत्र भी हुईं। उनका यहाँ उल्लेख करना भी अनवश्यक सा प्रतीत होता है।

इस प्रकार केवल जयपुर राज्य के लगभग १००० लेख मैंने संगृहीत कर लिये, किन्तु ८—१० ग्रामों के लेख अवशिष्ट रहने के कारण इसको मुद्रण के लिए प्रेस में न दे सका। विचार था कि भविष्य में इधर का एक दौरा और करके इस कार्य को पूर्ण कर लूँगा, पर विचार विचार ही रहा और वह आज तक ७ वर्ष पूर्ण होने पर भी पूर्ण नहीं हो सका और अब तो आशा भी नहीं रही।

हाँ, तो दूसरा प्रवास पूर्ण कर कोटा आगए थे। यहाँ आने के कुछ समय पश्चात् अर्थात् सं० २०२४ में मेरी मानसिक वृत्तियाँ बदली। अब मुझे अपनी अपूर्णता का अनुभव हुआ। इस समय ‘पढ़ाई-चोर’ जीवन पर हृदय में पश्चाताप भी हुआ। अतः अन्य सारी प्रवृत्तियों को (चाहे वे साहित्यिक भी क्यों न हों) त्याग कर विद्याभ्यास में ही मैं एकनिष्ठ हुआ। कुछ समय पश्चात् मेरे विद्यागुरु डा० फतहसिद्दीकी के संरक्षण व प्रयत्न और परिश्रम से मैंने साहित्याचार्य, जैन दर्शनशास्त्री, साहित्यरत्न, काव्यतीर्थ आदि उपाधियाँ सं० २००७ के अन्त तक प्राप्त कीं। तदनन्तर सम्पादन कार्य में व्यस्त हो गया।

मेरा गत चातुर्मास अहमदावाद था। उस समय मैं ‘सहस्रदलकमलभय अरजिनस्तव’ के सम्पादन और ‘वल्लभ-भारती’ के ग्रन्थों की प्रेसकापी करने में व्यस्त था। इन्हीं दिनों सुहृदों ने मुझ से कहा कि “आपने जो मूर्तियों के लेख संग्रह किए हैं उनको प्रकाशित क्यों नहीं करवा देते? प्रकाशित हो जाय तो पुरातत्त्वज्ञ उसका उपयोग करेंगे अन्यथा परिश्रम पूर्वक

की गई उनकी प्रेस कोपी वैसे ही नष्ट हो जायेगी ।” मैंने भी विचार किया कि वस्तुतः यह कथन युक्तियुक्त है । मुझे इन लगभग २००० लेखों को लिए हुए सात वर्ष व्यतीत हो गए । प्रेस कापी के कागज भी जीर्ण हो रहे हैं और स्याही फीकी पड़ जाने के कारण लिपि भी अस्पष्ट होती जा रही है अतएव ग्रह का प्रकाशन कर देना ही उचित प्रतीत हुआ ।

उस समय मेरे लेख संग्रह की कापी कोटा में थी । अतः तत्काल कार्य प्रारम्भ न कर सका । संयोगवश चातुर्मास पश्चात् मेरा अहमदाबाद से कोटा आना हुआ और पूर्व विचारों के अनुसार लेख संग्रह का प्रकाशित कराना निश्चित कर लिया । उसके लिये प्रेस कोपी का पुनर्नीरिक्षण किया । पूर्ववर्ती क्रम (जो प्रत्येक मन्दिर के पापाण, धातु आदि के आधार पर था) उपयुक्त नहीं जँचा । अतः उनका सवतानुसार वर्गीकरण किया गया । वर्गीकरण करते समय यह विचार आया कि—“लेख तो लगभग २२०० है । यदि सम्पूर्ण एक साथ प्रकाशित करेंगे- तो पुस्तक बहुत बड़ी हो जायेगी । अतः १७ वीं शती तक के ही लेखों का इस प्रथम भाग में समावेश में किया जाय, अवशिष्ट १८ वीं शती से २० वीं शती तक के लेख द्वितीय भाग में रखे जायें ।”

इसी विचारानुसार इस प्रथम भाग में ११ वीं शती से लेकर १७ वीं शती तक के १२०० लेख संकलित किये गये हैं । मूर्ति किस स्थान पर और किस मन्दिर में है, इसका उल्लेख लेखांक नम्बर के अनुसार ही नीचे टिप्पणी में सूचित कर दिया है । साथ ही मूर्ति पापाण की है अथवा धातु की, इसका स्पष्टीकरण लेखांक नम्बर के साथ ही हो जाता है यदि नम्बर के साथ ‘आदिनाथपचतीर्थीः’ अथवा ‘पार्श्वनाथचतुर्विंशतिपट्टः’ अथवा ‘शान्तिनाथ एकतीर्थीः’ है-तो धातु की मूर्ति समझनी चाहिये और यदि केवल ‘नमिनाथः’ आदि भगवान का ही नाम है तो पापाण की मूर्ति समझनी चाहिये ।

लेखों के प्रारम्भ में जहाँ “॥ ६० ॥” यह चिह्न आता है, उसके स्थान पर मैंने सब ही जगह ॥ ॐ ॥ का प्रयोग किया है ।

ये सारे लेख मेरे बाल्यकाल के ही लिये हुये हैं । अतः लिपिवाचन आदि में भ्रम रह जाने से कई जगह अस्पष्ट से रह गये हैं उनपर प्रश्नवाचक चिह्न रख दिया है ।

श्वेताम्बर मन्दिरों में स्थित दिगम्बर लेखों को भी इसमें स्थान दिया गया है जोकि लगभग ५० होंगे ।

अन्त में मैं मान्यवर डा० श्री वासुदेवशरण अग्रवाल एम० ए० पी० एच० डी० का बहुत ही आभारी हूँ कि जिन्होंने मेरे आग्रह को स्वीकार कर अत्यन्त व्यस्त रहने पर भी भूमिका लिखकर भेजने की कृपा की । डा० श्री फतहसिंहजी का भी मैं कम कृतज्ञ नहीं हूँ जिनके तत्वावधान में यह ग्रन्थ प्रकाशित हो रहा है । साथ ही श्राद्धवर्य श्री उम्मेद-मल्लजी नाहटा को भी धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता, जिन्होंने इसका मुद्रण करवाकर आप लोगों के सन्मुख रखा है ।

आ० शु० ५

कोटा.

उपाध्याय विनयसागर



भूमिका



उपाध्याय श्री विनयसागर जी ने अपने प्रवासकाल में नागौर मेड़ता, अजमेर, किसनगढ़, जयपुर, कोटा और रतलाम आदि स्थानों, के जैन मंदिरों में सुरक्षित मूर्तियों के लेखों का संग्रह किया था। वही इस संग्रह के रूप में प्रस्तुत है। इस संग्रह में बारह सौ लेख हैं। श्री विनय सागर जी साहित्यके अभिरुचि के व्यक्ति हैं। धर्म प्रचार के साथ साथ अपनी यात्रा को उन्होंने इस प्रकार के सुन्दर और उपयोगी साहित्यिक यज्ञ में परिणत कर लिया, इसके लिये मैं ऐतिहासिक जगत् की ओर से उनका विशेष अभिनन्दन करता हूँ। सचमुच जहाँ कुछ नहीं था वहाँ से भी उन्होंने ऐतिहासिक सामग्री का यह बड़ा सुमेरु खड़ा कर दिया है। अपने देश में यदि उचित रीति से ऐतिहासिक अनुसंधान का कार्य किया जाय तो कितनी अपरिमित सामग्री सकलित की जा सकती है, इसका सुन्दर दृष्टान्त विनय सागर जी का यह प्रयत्न है। मेरा अनुभव है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, मध्य-प्रदेश, मालवा, गुजरात आदि विस्तृत भूभाग के सब मंदिरों की छान-बीन की जाय तो ऐसे मूर्ति-लेखों की संख्या बारह सौ क्या, बारह सहस्र तक पहुँच सकती है। जैन इतिहास और साहित्य के समृद्ध भण्डार का सचमुच कोई अन्त नहीं जान पड़ता। जैन-भण्डारों से जैन ग्रन्थराशि हाल में ही प्रकाश में आई है उसने देश के विद्वानों को आश्चर्य में डाल दिया है। अभी तो इन भण्डारों की कुंजियाँ खुलने का आरम्भमात्र ही हुआ है। इन भण्डारों में मानों प्राकृत, अपभ्रंश प्राचीन हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती आदि देश्य भाषाओं के सहस्रों ग्रन्थों की पर्वताकार-राशि ही भारतीय-साहित्य के गोप्ता किसी अधिदेवता ने हमारे सामने लाकर पूज्यभूत कर दी है। इस प्रकार साहित्य और इतिहास के क्षेत्रों में काम करने वाले भारतीय विद्वानों के सामने बीसवीं शती के उत्तरार्ध भर करते रहने के लिये कार्य का पुष्कल अंश सामने आगया है। कलकत्ते से जैसलमेर तक एवं अमृतसर अम्बाला से दक्षिण के

मूडविट्टी तक जैन मंदिरों में कितने सरस्वती भण्डार हैं और इन भण्डारों में कितनी ग्रन्थ-सामग्री है यह प्रश्न राष्ट्रीय महत्व का है एवं उसी धरातल पर अनुसंधान चाहता है। यहाँ न धर्म भेद का प्रश्न है, न जाति का। यह तो भारत के अतीत इतिहास साहित्य और संस्कृति का ऐसा वैश्रवण-कोश है जिसकी सार-सँभाल होनी ही चाहिए। क्योंकि काल के विस्मृत गर्भ से बची हुई इस सामग्री में देश और विदेश के सभी विद्वानों में रुचि है। विशेषतः भारत की मध्यकालीन संस्कृति के परिचय के लिये तो इस साहित्य का अत्यधिक महत्व है। दूसरा लाभ यह है कि हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती आदि भाषाओं के विकास और इतिहास के शोधन की भी अपरिमित सामग्री इस साहित्य में मिलने की आशा है।

प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों के अन्त में लिखी हुई प्रशस्तियों में धार्मिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक इतिहास के कितने ही महत्व पूर्ण उल्लेख पाए जाते हैं। उसी प्रकार मूर्तियों की चरण चौकी पर या उनके पृष्ठभाग में खुदे हुए प्रतिष्ठा लेखों में भी इस प्रकार की सामग्री पाई जाती है। श्री मुनि जिनविनय जी ने 'जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह' नाम से पाँच सौ से अधिक ग्रन्थ प्रशस्तियों का एक संग्रह सिध्दी जैन ग्रन्थ माला में प्रकाशित किया था। उसमें स० ११०६ से सवत् १५०८ तक के बीच में लिखे हुए ताडपत्रीय-ग्रन्थों की पुष्पिकाओं का संग्रह है। इसी प्रकार दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी जयपुर की ओर से श्री कस्तूरचंद कासलीवाल ने आमेर शास्त्र भण्डार के संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दी भाषा के उपलब्ध ग्रन्थों की प्रशस्तियों का सकलन करके 'प्रशस्ति संग्रह' नाम ग्रन्थ प्रकाशित किया। प्रशस्ति लेख और मूर्ति लेखों की इस बढ़ती हुई सामग्री को देख कर भविष्य के लिये नई आशा का उदय होता है कि इनके द्वारा साहित्य और इतिहास की कितनी अपूर्व जानकारी हमारे ज्ञान-क्षेत्र में आ-जायगी। इन लेखों में अनेक जैनाचार्य ग्रन्थकार विद्वान् साधु-एव साध्वियों के नाम, अनेक गण, गच्छ, जाति एवं कुलों के नाम, अनेक स्थान (ग्राम, नगर, दुर्ग आदि) और तत्कालीन नृपति तथा अन्यान्य राज्याधिकारियों के नाम एवं कई सौ श्रावक श्रावकियों के नाम आए हैं। मुनि जिन विजय द्वारा संपादित 'जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह' की भाँति उपाध्याय विनय सागर जी ने भी नामों की इन सूचियों का कई परिशिष्टों में संग्रह किया है। सांस्कृतिक इतिहास निर्माण के लिये

ये मूल्यवान हैं। भाषाशास्त्र की दृष्टि से श्रावक-श्रावकियों के नामों का कम महत्व नहीं है, क्योंकि अधिकांश नाम अपभ्रंश और तत्कालीन लोक भाषा के रूप को प्रकट करते हैं। मध्यकालीन भारतीय नाम अपभ्रंश के सांचे में ढल गए थे। भाषाशास्त्र की दृष्टि से उन नामों का अध्ययन करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिये चौदहवीं शती के लेखों में जल्हण, माहण, गोलण, भाँभण, चाहड़, कल्हण, वीसल, कडुआ, वाहड़, लूणग, राजड़, आहड़, देदा, गोगा, माल्हण, उजोअण, तिहुण, गोसल, दाहड़, आदि नाम मिलते हैं। इनमें से कुछ नामों की व्युत्पत्ति तो समझ में आती है। जैसे—वाहड़, वाग्भट्ट का रूप है। चाहड़—त्यागभट्ट, वीसल—विश्वमल्ल, लूणग—लावण्य-प्रसाद, तिहुण—त्रिभुवन, उजोअण—उद्योतन, कल्हण—कल्यदेव, कडुआ—कटुक से लोक भाषाओं में बने हुए रूप हैं। गोगा, गोगाक, गोगिल ये तीन नाम जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह में भी आए हैं। 'पाइय सह महणणवो' के अनुसार गौग्गह (सं० गोग्रह) नाम का शब्दार्थ गौओं को आक्रमणकारियों से छीनने वाला, ऐसा विदित होता है। गौग्गह से देश भाषा में गोगा नाम विकसित हुआ जान पड़ता है। गोसल (प्रश० संख्या १०७) और उससे सवन्धित गोसली, गोसा जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह में भी आए हैं (पृ० १७१) हेमचन्द्र की देशी नाममाला के अनुसार गोस=प्रभात। अतएव गोसल उस बच्चे का नाम हुआ जिसका जन्म ब्राह्ममृहूर्त में हुआ हो। माल्हण (प्रशस्ति संख्या १०३) से मिलते जुलते अन्य नाम मल्हना, मल्हा, मल्हादे मुनि जिन विजय जी की सूचियों में हैं। इन नामों का सम्बन्ध लीला वाचक अपभ्रंश मल्ह धातु से है। भविस्सयत्त कहा (दलाल पृष्ठ १५३) में मल्हते=लीलायमाना। देशीनाममाला ६। ११६ में मल्हण=लीला। अथवा महापुराण २६। २५। ५ वैद्य सस्करण के अनुसार मल्हण=मदयुक्त। इस प्रकार अपभ्रंश, देशी और लोक भाषाओं में कई शताब्दियों की सामग्री हमारे सामने भाषा शास्त्र के अनुसंधान का नया क्षेत्र प्रस्तुत करती है। नामों के इस प्रकार के रूप प्रस्तुत संग्रह के बारह सौ लेखों में से यदि सब एकत्र किये जाय तो उनके अध्ययन में एक स्वतंत्र पुस्तक ही लिखी जा सकती है। रोचक होते हुए भी इस विषय को यहाँ आगे बढ़ाना उचित नहीं जान पड़ता। देदा नाम देहक से भी और आगे घिस कर बना हुआ जान पड़ता है। भण्डारकर लेख सूची सं० १३७८ के अनुसार देहक एक शिल्पी का नाम था मूल में संस्कृत देवदत्त से देहक रूप का विकास संभव ज्ञात होता है।

इन्हीं नामों में प्रवृत्ति यह भी ज्ञात होती है कि विवाह के उपरांत स्त्रियों के नाम पति के नाम के अनुसार परिवर्तित हो जाते थे। पितृ गृह में कन्या का जो नाम होता था वह 'पैतृक नाम' कहलाता था और वह नाम पति के घर में आकर बदल दिया जाता था। जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह के सं० १३२८ की एक प्रशस्ति में इसका पक्का प्रमाण इस प्रकार उपलब्ध होता है—

“श्रेष्ठि वीरदेव पत्नी वीरमति मोल्ही इति, पैतृक नामं ।”

(जैन पु० प्रश० सं० पृ० ६८)

प्रतिष्ठा लेख संग्रह में भी चौदहवीं शती के कई लेखों से यही बात प्रकट होती है। जैसे सं० १३६४ के एक लेख में श्रे० (श्रेष्ठि) महणा भार्या महणादे (ले० सं० ११०)। अवथा संवत् १३६२ के दूसरे लेख में श्रे० खीमसीह भार्या खीमसरि अथवा लेख सं० १६५ में श्रेष्ठिसुत नागसीह अपने पिता का नाम राजा और माता का राजदेवि लिखता है। लेख १६८ में साहु ललता की भार्या ललतादे, उसके पुत्र लखमा की भार्या लाखणदे, लेख २०२ में आसाक की भार्या आसलदे इसी प्रथा के कुछ अन्य उदाहरण हैं। इस प्रकार यह बात विचारने योग्य हो जाती है कि पति के नाम के अनुसार पत्नी के नाम के परिवर्तन की प्रथा भारतीय व्यक्तिगत नामों के इतिहास में कब से प्रारम्भ हुई और कब तक जारी रही। हरिपेण कृत बृहत्कथाकोष में भी इसका उदाहरण आया है, जहाँ सोमशर्मा की पत्नी का नाम सोमश्री रखा गया है (पृ० ३१७)। वस्तुतः नामों के अनुसंधान का यह एक ऐसा विषय है जिसमें साहित्य ग्रन्थों की प्रशस्तियाँ शिलालेख और तांबे पीतल की मूर्तियों पर खुदे हुए लेख इन सबकी सामग्री एक ही सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का चित्र हमारे सम्मुख रखती है। अतएव एक से दूसरे का समर्थन होता है। अध्ययन के ये नए नए दृष्टिकोण तभी संभव हैं जब मुनि जिन विजय जी एवं उपाध्याय श्री विनय सागर के संहस सौलिक संग्रह का कार्य हमारे सम्मुख इतने सुंदर और सुविधा जनक रूप में किया गया हो। जैन धार्मिक संघ का सांगोपांग इतिहास अनेक आचार्य और उनकी गुरु शिष्य परम्परा एवं नई नई गहियों के इतिहास निर्माण के लिये प्रशस्ति और मूर्ति इन दोनों की सामग्री अनमोल कही जा सकती है। किसी दिन इस विषय का भी पर्याप्त अनुसंधान किया जायगा ऐसी आशा है।

इन लेखों में कुछ सक्षिप्त चिह्न भी बार बार प्रयुक्त हुए हैं, जैसे व्यव० (व्यवहारिक), सा० (साहु), श्रे० (श्रेष्ठ) ठा० (ठक्कुर), सु० (सुत), पु० (पुत्र), भा० (भार्या), श्रे० सु० (श्रेष्ठ सुत), प्र० (प्रतिष्ठापित) इत्यादि। संक्षेप चिह्नों के सामने बिन्दी लगाने की प्रथा लेखक की इच्छा पर निर्भर थी, क्योंकि कितनी ही बार बिन्दी के बिना भी वे लिखे गए हैं।

भारतीय स्थापत्य शास्त्र की दृष्टि से इन लेखों में उत्तानपट्ट (लेख ३०), नागमयूरपट्टिका (लेख १६८), नवपदयत्र (लेख १०१६), चन्द्रक (लेख २६) आदि कई पारिभाषिक शब्द प्रयुक्त हुए हैं जिनको चित्रों द्वारा समझा जा सकता है।

काशी विश्वविद्यालय

७-१०-५३

वासुदेव शरण



✽ अहम् ✽

श्रीमज्जिनमणिसागरसूरिपादपद्मे भ्यो नमः

प्रतिष्ठा-लेख-संग्रहः ।



(१)

श्रीसुरसेनोपदे नेनसिहैक यशोराज नोन्नैकैः सहोदरैः संसार रूपसी-
हैः येनहिकारितमिति जयति श्रीवाराटरूप्य. ॥ संवत् १०५१ कृष्ण
पणो न ।

(२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

- [१] ॐ सवतु सु १०६६ फाल्गुन वदि २
- [२] मङलिक वसतौ प । हरि आ-
- [३] वकेण सन्तड सुतेन नित्य-
- [४] स्नात्रार्थ कारितः ॥

(३) कुन्थुनाथः

ॐ गच्छे प्र० गुरुभिः । कुन्थुनाथविवं कारितम् ॥

(४)

ॐ स० ११११ वैशाख सु० ३ स्फारकतनयै चद्रूक माणिभद्र सह
देवादिभिः कारिता ॥

(५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

नी ज सो व कारिता स० ११२० फा० सु० ३ प्रद्यु म्नाचार्य महेराल्ह प(?)

-
- १ अजमेर म्युजियम (मेग्जिन)
 - २ नागोर बडा मन्दिर
 - ३ पापडदा शान्तिनाथ मंदिर पापाण
 - ४ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
 - ५ सांगानेर महावीर मंदिर

(६)

ॐ सवत् ११३० फाल्गुन सुदि ११ सोम दिने पुनर्वसुनक्षत्रे नाभम-
वर्षे (?) सुव्रतिसुत भारती... - प्रति० ॥

(७)

श्रीवायटगच्छे वासु-सुत नेवेन कारितो । र० स० ११३५ गंभू भार्या

(८)

चन्दन-मुन वीप्रा प्रतिमा-कारापित प्रलंमां सवत् ११३७ वैशाख
सुदि ५ वा० शुक्र विसोडीयादा आमल

(९)

ॐ स० ११३८ मार्ग० सु० १० धारा० गच्छे मडाहडजस्थाने वर्द्ध-
मानश्रेयोर्थ देवचन्द्र सुतेन धरणदेवेन कारित ॥

(१०)

सं० ११४६ ज्येष्ठ सुदि ६ सुहृव कारितम् ।

(११)

ॐ सवत् ११५५ वर्षे माह वदि ५ शनौ आ० हेमसेन संग गृ... ॥

(१२) सप्तफणा-पार्श्वनाथः

ॐ सवत् ११६१ कार्तिके श्रीवायटीयगच्छे वीरणाग सुत नेमिकुमारेण
आत्मश्रेयोर्थ कारितः ॥

(१३) आदिनाथः

सवत् ११६३ चैत्र सुदि १० श्रीसहने प्रतिष्ठति लीपप्युटी ग प ।

६ अजमेर म्युजियम

७ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

८ अजमेर म्युजियम (मेगिजन)

९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

१० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

११ किशनगढ़ यति स्वरूपचन्दजी का उपाश्रय

१२ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

१३ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर. मूलनायक

(१४)

A. ॐ सं० ११८१ मा० सुदि १ शनौ सुराणा गोत्रे मेम ... ।

B ॐ संवत् १२०३ आ० सुदि ३ गुरौ वीरदेव सुतेन कोहटा कारापितमिति ॥

(१५)

ॐ सं० ११८५ बलहा सुत जिणदत्ते न मातुनिमित्तं कारित देमति श्राविकायाः

(१६) चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ संवत् ११८६ वैशाख सुदि ११ वणिग्मुत्र पत्री जाला सुत दामोदर-गोविन्द-महोर्वचादिभिः [.] कर्मक्षयार्थं 'त्वसन्निकाप्रतिष्ठापिता ॥

(१७)

ॐ सं० ११६१ वैशाख सप्तदेव भार्या सप्तक्षण आ० श्रीशान्तिनाथ प्रतिमा कारिता ॥

(१८) शान्तिनाथः

ॐ सं० ११६५ वैशा० सुदि ३ आचार्यनन्दीकृते पण्डित-गुणचन्द्रेण शान्तिनाथ-प्रतिमा-कारिता

(१९) महावीरः

स० ११६५ फागुण वदि ४ श्रे० भानवेन महावीरप्रतिमा कारापिता

(२०) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० ११६७ अषाढ सुदि ६ सं० घाघा भार्या सुगममति उदयराति निमित्तं प्रतिमा कारिता

१४ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

१५ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

१६ नागौर यति मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय

१७ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

१८ अजमेर म्युजियम

१९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

२० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(२१) ऋषभदेवः

सं० ११६६ वैशाख सुद [दि] ५ श्री आदिनाथजी प्रमुख विवं कारापितं फूसामल सुत राघव

(२२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी.

श्रीनागेन्द्रकुले श्रीमल्लवादिसंताने अकिकाय कारिता ।

(२३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

श्रीजालोहरीयगच्छे श्रीवच्छ सुत निमित्तं शांतनोणेन कारिता

(२४)

संवत् १२१४ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीभावदेवाचार्यगच्छे जसम भार्या सूमा पुण्यार्थ गणदेव-पहुदेवाभ्यां कारितं ॥

(२५) चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १२१६ ज्येष्ठ सुदि १० सोमे पण्डिताचार्य वर्णकीर्तिः तस्य श्रावक विमल भार्या सोहगा तयोः पुत्र पाहुलस्थार्यभिः का० प्रतिष्ठिता

(२६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १२१६ पो० सु० १३ सोमवारे प्रतिमा कारापिता

(२७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १२१६ माघ वदि ५ शुक्ले मातृ राजीश्रेयोर्थ साथा वास्तव्य श्रे० जसहरडेन श्रीऋषभनाथ-प्रतिमाकारि ॥

(२८) महावीर-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १२२० आषाढ सुदि १० गुरौ सिवदेव सुखमिणी निमित्तं श्रीवीरनाथविवं कारितं प्रतिष्ठित सूरिमिः ॥

- २१ चाडसू ऋषभदेव मन्दिर
- २२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
- २३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
- २४ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर
- २५ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर
- २६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
- २७ सांगानेर महावीर मन्दिर
- २८ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(२६)

ॐ संवत् १२२१ मार्गसिर सुदि ६ श्रीफलवर्द्धिकायां देवाधिदेव-
श्रीपार्श्वनाथचैत्ये श्रीप्राग्वाटवंशीय श्रे० पिमुणि भं० द्रसाढाभ्यो आत्म-
श्रेयोर्थ श्रीचित्रकूटीय सिलफट-सहितं चन्द्रको प्रदत्तः शुभंभवतु ॥

(३०)

चैत्ये नरवरे येन श्रीमल्लदमट कारिते । मंडपो मडनं लक्ष्म्या कारितः
संघभास्वता ॥१॥ अजयमेरु श्रीवीरचैत्ये येन विधापिताः श्रीदेवा कलिकाः
ख्याताश्चतुर्विंशतिशिखराणि ॥२॥ श्रेष्ठि श्रीमुनिचद्राख्यः श्रीफलवर्द्धिकापुरे
उत्तानपट्टं श्रीपार्श्वचैत्येऽचीकरदद्मुतं ॥३॥

(३१) महावीर-पंचतीर्थीः

सं० १२२३ वर्षे आपाद वदि ६ सुत वयजाकेन स्वपित्रोः
श्रे० श्रीमहावीरविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयप्रभसूरिभिः ॥

(३२)

ॐ सं० १२२३ फागुण व० २ भोमे ब्रह्मा० गच्छे रायणभार्या
धणदे कारिता ॥

(३३) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

१२२७ वर्षे उ० णि उपशम ऊ सुत वहदे आपाद वदि १ ।

(३४) पार्श्वनाथः

ॐ संवत् १२३१ चैत्र सुदि १३ शनौ साढा सुत हुलाकः श्रीपार्श्वनाथ
कर्मक्षयनिमित्त नित्यं प्रणमति ॥ श्री माथुरसधे ।

(३५) पंचतीर्थीः

१२३१ आ० सु० ११ बुधे १ जोला सुत पोही विजसीह भार्या
सूरतनी पुण्यार्थकारितं ॥

२६ मेढतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर-देहली के पत्थरों पर

३० मेढतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर-देहली के पत्थरों पर

३१ प गानेर महावीर मन्दिर

३२ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

३३ भैंसरोडगढ़ आदिनाथ मन्दिर

३४ अजमेर म्युजियम

३५ मेढतासिटी उपकेशग० शांतिनाथ मन्दिर

(३६)

ॐ श्रीधारा० गच्छे मडाहडे श्रा० ब्रह्मा पुत्र आसल भार्या राजमति
उभयश्रेयोर्थ श्रीवीरनाथ प्रतिमा-कारित ॥ ॐ सं० १२३४ माघ सु० १०
बुध ।

(३७) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

श्रीमूलसघे भ० श्रीभुवनकीर्त्यादेशात् १२३४

(३८) सरस्वती मूर्तः

संवत् १२३६ वैशाख सुदि ४ माथुर सघे आचार्य-चारुकीर्ति भक्त
गहिल भार्या सोनल तयो [ः] पुत्रो वोग (?) प्रणमति नित्य ॥ कुरु विणी ।
(मस्तक के आस पास) केला बेला

(३९)

संवत् १२३६ चैत्र सुदि १५ बुधे श्रीलाडवागड सघे सा कमानस
साधु लखम लाडण लाला सुत सुककि भार्या चामणि सुत बाहडसोमे भार्या
माणिक सुत क सुत राम सुनित्य न सुत कान्हा महीपाल
चांप.... सीरु डगासे नामनागदे यशःकीर्त्याचार्य नणवण समुत्पन्न विपुल
सुद्रव्येण सतल पल्ही सुल्हा चूल्हेरायं तालीसुत ।

(४०) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

ॐ संवत् १२३७ ज्येष्ठ सुदि १३ गुरौ राहड तद्धार्या गुणदेवि
तत्पुत्र जिनचन्द्रादिभिः गुणदेवि श्रीपास प्रतिमाकारिता प्रतिष्ठा प०
अभयभद्रेण ।

(४१) महावीर-पंचतीर्थीः

सं० १२३७ पौष सु० १३ आ सवर भार्या राणी स्वश्रेयसे श्रीमहावीर
प्रति । कारिता ।

३६ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

३७ बेतेह विमलनाथ मन्दिर

३८ अजमेर न्युजियम

३९ अजमेर न्युजियम

४० जयपुर स्टेशन पर पुग लियों का मन्दिर

४१ पापड़दा शांतिनाथ मन्दिर

(४२) ऋषभदेव-पञ्चतीर्थीः

व्यव० कुलिचन्द्र पुत्र व्यव० वीरेण स्वश्रेयोर्थं श्रीऋषभदेव प्रतिमा कारिता ॥ ॐ सस्वत् १२३६ वैशाख सुदि ६ शुक्रे प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः

(४३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १२४२ श्रे० महारासीह भा० सहिणी पु० महीपालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वविं कारित प्र० आसोम वद्धन ।

(४४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १२५४ वर्षे माघ सुदि १३ गुरौ पितामह ठ० देवसा नामके मातृ श्रियादेव्या वाचाऊ आम्बणाय च सुत ठ. मगारोने श्रीपार्श्वनाथाय प्रतिमा कारापिता ॥

(४५) सरस्वती मूर्तिः

१ सवत् १२५४ वर्षे फागुण सुदि ११ गुरौ साह उदरण श्रीनाथ पितुरु सर्व्वये नागभट्ट जातीय नानकराज श्रीपठ सुत नाय० वीजुत... भार्या हिता मीता नायवी सुत आसा दूकू सुत राज वयजल स्वस्य सुत रत्न सुत शुभ मूर्ति प्रणमति सुत भोज जय श्रेयोर्थ सरस्वती प्रणमति... विविधनाय० दादूसहिता सलखमते प्रणमति (मस्तक के आस पास) मूलसघे पांडित्याचार्ये दाननन्दिशिष्य आचार्य उमहचन्द्र आभितु सरस्वती श्रीनमिवाद्य प्रतिवय ।

(४६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १२६० वर्षे फागुण सुदि २ बुधौ श्रे० सोहिय भार्या सलखणदे पुत्र श्रेयोर्थ प्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीअकलकसूरिभिः ।

(४७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

स० १२६१ ज्येष्ठ सुदि ७ गुरौ जिदा भार्या चंददेवि पुत्र रोयत... मसा सुत सा० देवस श्रीमहावीर प्रतिमा कारापितं प्रतिष्ठित श्रीदेवचन्द्र-सूरिभिः ।

४२ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

४३ सांगानेर महावीर मन्दिर

४४ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

४५ अजमेर न्युजियम

४६ भिनाय महावीर मन्दिर

४७ जयपुर पचायती मन्दिर

(४८) महावीर-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १२६५ आपाढ सुदि ५ वीरागच्छे हरिपाल लखमादेव्या
आत्मश्रेयोर्थ श्रीमहावे २-कारितः प्रतिष्ठित श्रीशालिभद्रसूरिभिः

(४९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १२६८ वर्षे आपाढ वदि ६ शनौ श्रीसंडेरगच्छे देल्हण पुत्रेण
वीसलेन स्वपुत्र गुणधर, सहितेन आत्मपुण्यार्थ श्रीपार्श्वनाथ प्रतिमा कारिता
प्रतिष्ठिता श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(५०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १२८२ वर्षे... श्रीदेवपालसूरि पार्श्वनाथ त्रि० क० (का०)
जिनपाल ।

(५१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १२८३ वर्षे पोप वदि ११ शुक्रे श्रीवागर .. पद्मेन ..
श्रीपार्श्वनाथविव कारित प्रतिष्ठितं श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

(५२) महावीर-पञ्चतीर्थीः

ॐ संवत् १२८४ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ रवौ हारीजवास्तव्य
श्रीमहावीरविव...प्रतिष्ठितं श्रीमहेन्द्रसूरिणा ।

(५३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२८७ आभू भार्या ललत्तश्रेयोर्थ सुत लूलरायेण श्रीऋषभदेव-
विवं कारापितं ॥

(५४)

ॐ सं० १२८८ वर्षे वैशाख वदि सा (तम) । ठ० पृथ्वीपाल श्रयोथ
पुत्र आल्हणेन विव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिशि (ज्य हरशेखर)
सूरिभिः ॥

४८ रतलाम मोतीसा० का मन्दिर

४९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

५० सन्धारा

५१ सांगानेर महावीर मन्दिर

५२ सांगानेर महावीर मन्दिर

५३ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

५४ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

(५५) पंचतीर्थीः

ॐ सं० १२६० माह सुदि १० डोमेल गोत्रे श्रे० धन्नं तत्पुत्र श्रे० कल्याण-
मल्लेन कारितः ॥

(५६) चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १२६३ वर्षे फागुण सुदि २ शुक्रे खडायथगच्छे केशदेव सुत व्य०
महिलेण पुत्रेण हर्षराजेन निजमातृ व्य० वींङ्ग श्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिदेव-
प्रतिमा कारिता ॥

(५७) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

ॐ सं० १२६३ वर्षे फागुण शु० ११ शनौ श्रीनागरगच्छे श्रीजिनेश्वर-
सूरिसन्ताने शाह जाजी पितृ परमा श्रेयोर्थं गोणाकेन श्रीश्रीपार्श्वनाथविवं
कारित ॥

(५८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२६५ वर्षे वैशाख सुदि १२ रोहरीया गो० गाऊं.....सी युतेन
पार्श्वविव कारितं प्रतिष्ठित नागेन्द्रगच्छे श्रीहरिभद्रसूरि-शिष्य श्रीविजयसेन-
सूरिभिः ॥

(५९) महावीर-पंचतीर्थीः

ॐ संवत् १२६७ वर्षे आषाढ सुदि ६ रवौ से० आम्बड सुत हाथीआ
सुत अरसीह श्रीमहावीरविव कारापितं श्रेयोर्थम् ॥

(६०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ संवत् १२६८ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ श्रे० आसधर भार्या
कुमरदेवि पुत्र जसधर जसपालेन कुटुम्ब...श्रीपार्श्वनाथविवं कारितं प्र०
श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

५५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५६ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

५७ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर

५८ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

५९ पापड़दा शान्तिनाथ मन्दिर

६० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(६१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३०२ वर्षे श्रावण सुदि २ शनौ श्रीऋषभविं० भावल श्रे० साजण श्रेयसे साहारन साह । सोढल । राजा लूण काराधितं ।

(६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३०५ पौष सुदि ११ सोमे गं० दं० पार्श्वनाथ विं० कारितं ।

(६३) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३०६ फागुण वदि ३ सा० व्य० राता भार्या लखमसिरि सुत थाहू भार्या करणदेवि श्रीआदिनाथविं० प्र० श्रीश्रीभद्रसूरिशिष्यैः श्री-वर्द्धमानसूरिभिः ॥

(६४) शान्तिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३०८ वर्षे मि० वै० सु० ५ लूणियागोत्रे सा० होपा । श्री-शान्तिनाथविं० का० प्र० खरतरगच्छ ।

(६५)

॥ सं० १३११ फा० सु० १२ श्रेष्ठि-महानंदश्रेयोर्थ माणिकचदेन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः ।

(६६)

सं० १३१३ वर्षे मा सु० ६ नालग्रामवा० चो० ब्रह्मकीर्त्तिमुपदेशेनमहं० जाल्दहणेन कारित ॥

(६७) पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३१४ वर्षे फा० सुदि ११ शनौ श्रे० साजण भार्या जाल्ली पु० कर्मण-माहण-पूनसीहैः श्रे० देल्हा भार्या साचू मातृपितृश्रेयोर्थ विं० कारितं प्र० श्रीदेवेन्द्रसूरिसन्ताने श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥

६१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६२ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

६३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६५ टोडा रायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पापाण

६६ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर. श्रीमालों को दादावाड़ी

६७ मेढ़तासिटी उपकेशग० शान्तिनाथ मन्दिर

(६८) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

स० १३१४ फागुण सुदि १४ श्रीनागकीयगच्छे श्रे० जोगडेन पितृ
वाहीथ श्रेयर्थ श्रीपार्श्वनाथविवं कारितं प्रतिष्ठापित श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

(६९) पार्श्वनाथः

[१] स० १३१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ सोमे सा० केल्हण पुत्र । सा०
सलखण पुत्र हेमा लोहडेन श्रीपार्श्वनाथ-विवं

[२] कारापितं श्रीधर्मधोषसूरिपट्टे श्रीदेवप्रभसूरिः तत्पट्टे श्रीपद्मप्र-
भसूरिः तत्पट्टालकार श्रीमुनिचन्द्रसूरिशि-

[३] ष्यः प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः ॥

(७०) महावीर-पञ्चतीर्थीः

ॐ श्रे० शुभंकर भार्या देवुः तयो पुत्रेण श्रे० सोमदेवेन भार्या
पूनादेवि पुत्र वच्छ नागदेवादियुतेन आत्मश्रेयर्थ श्रीवीरजिनविव कारित
॥ संवत् १३१६ चैत्र वदि ६ भौमे श्रीवृहद्गच्छीय श्रीज्योतनसूरिशिष्यैः
श्रीहरिभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठित ॥

(७१) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं १३१८ चैत्र सुदि ४ सोमे लंवकरा वा । जयसीहै।

(७२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३१९ वर्षे पोष वदि ५ सोमे निज पितुः महं० उदयसिंह
श्रेयर्थ पुत्र जगपालेन विवं कारित प्रतिष्ठित श्रीजितेन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

(७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

१ सवत् १३१९ वर्षे माघ सुदि ६ बुधे काष्ठासंघे हुं. चाहड श्री ऋषभ-
नाथविवं कारापितं । प्रणमति ॥

६८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

६९ भानपुरा पार्श्वनाथ मन्दिर पाषाण. परिकरसह

७० नागोर शान्तिनाथ मन्दिर

७१ हिरण्योत श्रेयांसनाथ मन्दिर

७२ सांगानेर महावीर मन्दिर

७३ रतलाम सोतीसा० का मन्दिर

(७४) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३२० वर्षे । माघ सु० १३ श्रीमूलसंघे सा० गोलण भा०
जसाविति । सुत जासू प्रणमति नित्यं ॥

(७५) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३२५ उक्केशज्ञातीय व्यव० चन्द्र.....भा० पूनि पुत्र हरिवर
भा० वीरिकया स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ-विंवं कारितं प्रतिष्ठितं रु० श्रीश्री-
चन्द्रसूरिभिः ॥

(७६) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३२८ फागुण....साह लाटहृदीय गो० वरदेव पु० वीसल
लखमणेनार्थ श्रीपार्श्वनाथविंवं कारितं । श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(७७) चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३२६ वैशाख सु० ८ बुधदिने सा० पीपा सु० देउं भार्या
दूदा प्रणमति नित्यं

(७८)

सं० १३३० ज्येष्ठ व० ५ शनौ.....प्राग्वाटज्ञातीय कुंभा सुत सा०
कडुआ देदा.....

(७९) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३३० ज्येष्ठ वदि ५ श्रीसंडेरगच्छे श्रे० माणिक माता साऊ श्रे०
चाप पुत्र पुण्या० श्रीआदिनाथविंवं प्र० श्रीशालिसूरिभिः

(८०) नेमिनाथ-पंचतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १३३१ ज्येष्ठ सु० ११ श्रीबृहद्गच्छे प्राग्वाटवंशे सा०
धणदेव संताने श्रे० छूहदेव पुत्र श्रे० सांति पुत्र श्रे० सालिग पुत्र श्रे०
आमकुमार पुत्र श्रे० संकर पुत्र श्रे० चाहड भार्या रीठी पुत्र श्रे० भांभण-
जगडाभ्यां सकलनिजकुटुम्बश्रेयसे श्रीनेमिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं च
श्रीपरमानन्दसूरिभिः ॥

७४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

७५ नागोर वड़ा मन्दिर

७६ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

७७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७८ सिरोही भैरूपोल

७९ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

८० वृन्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

(८१) शान्तिनाथः

संवत् १३३१ आषाढ वद ६ रायणस्तपह ना जा वा प हा (?)
श्रीशान्तिनाथ प्रतिमा ॥

(८२) अजितनाथः

सं० १३३१ माघ सुदि १३ सो० श्रे० धरण-कल्हण-श्रेयसे अजित-
नाथविं का० प्र० प्रागल श्रीप्रभानन्द (? चन्द्र) सूरिभिः ॥

(८३) अजितनाथः

सं० १३३१ माघ सुदि १३ श्रीअजितनाथ विं का० प्र० श्री-
हरिभद्रसूरशिष्यैः श्रीगुणचन्द्रसूरिभिः ॥

(८४) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३१ वर्षे ४ सोमे श्रीनमिनाथ विं कारित प्रति०
श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनेन्द्रसूरिशि० श्रीधर्ममूर्तिसूरिभिः ॥

(८५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३२ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ व्य० महीधर सुत भाङ्गणेन आत्म-
श्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथ-विं कारितं प्रतिष्ठितं सूरिभिः ॥

(८६) पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १३३४ वैशाख सुदि ५ गुरौ ठ० साजा सुतेन ठ०
तिहुणाकेन निजपूर्वजानां श्रेयसे विं कारित प्रतिष्ठित चित्रापल्लीय
श्रीभद्रेश्वरसूरिशिष्य श्रीनरचन्द्रसूरिभिः ॥

(८७) पञ्चतीर्थीः

संवत् १३३५ वर्षे मार्ग० १३ सा० महीपाल भार्यया मिहसिरिश्राविकया
प्रति श्रेयसे प्राग्वाटान्वये ।

८१ पापङ्गदा शान्तिनाथ मन्दिर. मूलनायक

८२ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पापाण

८३ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पाषाण

८४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८५ जयपुर पंचायती मन्दिर

८६ जयपुर पंचायती मन्दिर

८७ सांगानेर महावीर मन्दिर

(८८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १३३८ माघ सु० १ सोमे सं० लूणगदेव पुत्र बाहडदेव यामाहि
.....श्रीशान्तिनाथ-विंशं कारित प्र० श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्रीशील-
प्रभसूरिभिः ।

(८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३९ फागुण सुदि ८ श्रीनाणक्रीयगच्छे श्रे० गुणधर भार्या गुण-
सिरि पुत्र मना भा० कपूरदे पुत्र कर्मण श * राणा कुमरसीह सहितेन स्वपृथुज
श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविव कारितं प्र० श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ।

(९०) महावीर-पञ्चतीर्थीः

ॐ संवत् १३४० वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्ले निज-पितृ-मातृ श्रेयर्थ
गा० मलवसीहेन श्रीमहावीरविवं कारितं प्रतिष्ठित सूरिभिः ।

(९१) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

स० १३४० वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शनौ सिमउझातीय पूना सुत श्रे०
धरणाकेन श्रीशान्तिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारित ।

(९२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ॥ सं० १३४० वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ रवौ गुर्जरज्ञातीय ठ० राजड सुत
मह० देल्हणेन पितृव्य व्यव० वीरमश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीचैत्रगच्छीय श्रीदेवभद्रसूरिसन्ताने श्रीअमरचन्द्रसूरिशिष्यैः श्रीअजित-
देवसूरिभिः ॥

(९३) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ संवत् १३४२ वर्षे वैशाख सुदि [] बुधे देवश्रीपार्श्वनाथः
मंडलाचार्य श्रीकुसुदकीर्ति प्रतिष्ठित साद्राण भार्या जाल्हाणदेविश्रेयसे सुत
सा''''कारापित प्रणमति नित्य ॥

८८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

८९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

९० सिरौही अजितनाथ मन्दिर

९१ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

९२ जयपुर पंचायती मन्दिर

९३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(६४) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १३४४ फा० सु० १० उषसगच्छे सिद्धसूरिसन्ताने श्रीमहावीर-
वि० का० प्रति० श्री..... ।

(६५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३४६ वैशाख सु० ७ सोमे प्राग्वाटजातीय व्यव० गजाकेन
आत्मपितृ व्यव० जसकुमार सुतस्य व्यव० कल्हणश्रीशान्तिनाथ
विं० प्रतिष्ठितं श्री प्रजातिलकसूरीणामुपदेशे [न] कारापित ॥

(६६) पञ्चतीर्थीः

सं० १३४४ वदि (पे) ज्येष्ठ वाहङ्गराज्ये..... लतीष मह० रानीग
भार्या सहजलदेवी सुतेन मदनमानिकेन.... शुभभूयात् ॥ शुभभवतु ॥ छ ॥
प्रतिष्ठितंश्रीरत्नप्रभसूरिशिष्यैः...भोजपुत्र .. ।

(६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३४६ ज्येष्ठ शुदि १२ श्रीखंडेरगच्छेश-यशोभद्रसूरिसन्ताने सा०
आस्वच (? मूला) भार्या केल्ह पु० रतना-गोगा-करमा-भीमादिभिः पितृ श्रे०
श्रीआदिनाथविं० कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

(६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३५१ वर्षे..... १ बुधे श्रीखंडेरकीयगच्छे सा०... सई सिंह-
देव आत्मश्रेयसे आदिनाथविं० कारा० प्र० श्रीस...

(६९)

सं० १३५२ वर्षे माह सुदि ६ गुरौ पोरवाटान्वये सा० आहड सुत देदा
दाधा.....

(१००) पार्श्वनाथः

ॐ सवत् १३५२ वर्षे फागुण सु। ११ गुरौ छोहरियान्वये सा० पोपा पु०
.....पु० सा० केनूकेन निजभ्रातृ सा० मेतू मूर्ति-कारिता ॥ शुभंभवतु

६४ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

६५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६७ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६८ सांगानेर महावीर मन्दिर

६९ सिरोही भैरुपोल

१०० कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर पापाण. परिकरसह

(१०१) पार्श्वनाथः

संवत् १३५२ वर्षे फागुण सुदि ११ गुरौ खहोडान्वये यदु देवसीहपुत्रैः
साधु श्रीमोहरण सा० उजोअण सा० दिनपाल-प्रभृतिभिस्तथा सा० पूनड
पुत्रेण सा० यगदेन भ्रातृ सा० डालू मूर्तिः कारितं ॥ सा० नयनश्री सहिता ॥

(१०२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३५२ फागुण सुदि १३ पितृ श्रे० ककुया श्रेयर्थ श्रे० पूनाकेन
श्रीआदिनाथविंव कारितं ॥

(१०३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३५३ चैत्र ३ सोमे श्रीमालजातीय श्रे० मालहण नंदि० दि०
गां० श्रीपार्श्वनाथ-विंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलयचन्द्रसूरिभिः ॥

(१०४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३५६ वर्षे माघ शुदि ६ सोमे व्य० गंगा भा० माता
श्रेयर्थ श्रीनमिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥

(१०५) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६१ श्रे० दाहड साह पुत्र देवा-कर्मणाभ्यां भा० हासल-
सहिताभ्यां श्रीमहावीरः का० प्र० श्रीमहेन्द्रसरिपट्टे श्रीआनन्दप्रभसूरिभिः ॥

(१०६)

संवत् १३६१ वर्षे द्वि० वैशाख सुदि ६ शुक्रे व्य० कुलधर सुत देव-
चंद भार्या देवसिरी पु० राजडेन पितुः श्रेयर्थ श्रीआदिनाथ-विंव कारापित
प्रतिष्ठितं सूरिभिः ॥

(१०७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६२ वैशाख वदि ५ सोमे सोखुलान्वये सा० तेजा सुत कोकटेन
पुत्र गोसल सांकरण साठा डालू सहितेन मातृ तिहुणश्री श्रेयसे श्रीमहावीर
विंव कारितं श्रीधर्मसूरिपट्टे श्रीसोमचन्द्रसूरिभिः ॥

१०१ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर. पाषाण परिकरसह

१०२ सांगानेर महावीर मन्दिर

१०३ नागोर वडा मन्दिर

१०४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

१०५ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

१०६ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

१०७ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर, श्रीमालों की दादावाड़ी

(१०८) महावीर-पंचतीर्थीः

सं० १३६३ वर्षे वैशाख सुदि २ सोमे श्रे० धणपाल भार्या ताल्ही पु० रतन कुवरसिंह श्रावकेण आत्मश्रेयोर्थ श्रीमहावीरविंव कारितं भ० श्री...

(१०९) कुन्थुनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३६४ वैशाख सुदि १२ शुके व्य० वाहा भा० लाछू पु० आसा भा० नयणादे मातृ-पितृ-श्रेयोर्थ श्रीकुन्थुनाथविंव का० प्र०...सूरीणां ॥

(११०) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संवत् १३६४ वैशाख सुदि १३ शुके श्रे० महणा भार्या महणादे पु० मूलपालेन श्रेयोर्थ श्रीमहावीरविंव कारितं प्र०

(१११) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६६ चैत्र वदि ४ सोमे सिरिकुंआर भा० वूटी निमित्तं पुत्र-रत्न मदन श्रीशान्तिनाथ श्रीयशोभद्रसूरिभिः ॥

(११२) महावीर-पंचतीर्थीः

संवत् १३७० वर्षे चैत्र वदि ५ शुके श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ महं आल्हणसिंह माता सलखणदेव्योः श्रेयार्थे सु० महं नरसीकेन श्रीमहावीरविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजाजिगसूरिभिः ॥

(११३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १३७० वर्षे वैशाख वदि ३ शनौ श्रीमालज्ञातीय श्रे० गजड रसा श्रे० वास रोहट वा० का० श्रीआदिनाथविंव कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसूरिभिः ॥

(११४)

संवत् १३७० वर्षे माघ शु० ४ महाधरेण सा० कान्हडसुत नरपति सिंहस्थ प्रति ३० श्रीगुणशेखरसूरिभिः ॥

१०८ नागोर बडा मन्दिर

१०९ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

११० सांगानेर महावीर मन्दिर

१११ सांगानेर महावीर मन्दिर

११२ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

११३ भिनाय

११४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३७० वर्षे फाल्गुण सुदि २ रवौ श्रे० वाघडसतानीय सा० पजून सु० सा० कुलधरात्मज कुडडि तोल्हा सा० समरा प्रति० श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मसूरिक्रम-श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(११६) नेमिनाथ-एकतीर्थीः

संवत् १३७२ ज्ये० वदि ३ भौम स ... (?) . . .

(११७) पचतीर्थीः

॥ सं० १३७३ वर्षे वैशाख शुदि ११ शुक्र मूलसंघे भ । . . . श्रीपदमनंदि गुरुदेशेन हुंढजातीय व्य० सीलण भार्या माल्ढणदेव्या पु० व्य० देवाकेन प्रतिष्ठापितं ॥

(११८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३७८ वर्षे वैशाख वदि ५ गुरौ प्राग्वाटजातीय पट्टक भार्या ससारदेवि पुत्र पाल्हाकेन पितृ-श्रे० श्रीशान्तिनाथविं० का० ५० श्रीमहेन्द्र सूरि कूपचैत्यं ॥

(११९) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३८० वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० खाड्ढगोत्रे सा० बहुचंद सुत भाभा-केन पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ०-श्रीगुणप्रभसूरिः ॥

(१२०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १३८० वर्षे माघ शुदि ११ शनौ श्रीमूलसंघे राउल श्रीमाघनंदि देवौ पादाकेन वोरासिद्धिवास्तव्य सिंहपरजातीय आदिनाथस्य प्रतिमा कारापिता ।

११५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

११६ महुवा नेमिनाथ मन्दिर

११७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

११८ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

११९ रतलाम चन्द्रप्रभदेरासर, महात्मा कन्हैयालालजी का

१२० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(१२१) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८१ वैशाख शुदि १५ सोमे सा० पदम भा० भेदाअरि आत्म-
श्रेयसे श्रीमहावीरविंव कारित प्रतिष्ठितं श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

(१२२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८२ ज्येष्ठ शुदि ७ रवौ डांगरूआ ग्रामे श्रीमालज्ञातीय पितृव्य
लाखा श्रेयसे व्य० भांभरणेन श्रीआदिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभि-
रुपदेशेन ॥ छ ॥

(१२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८२ ज्येष्ठ सु० १५ गुरौ श्रे० मंदन भार्या लक्ष्मी श्रेयसे
पुत्र हरिपालेन आदिनाथविंव कारितं ॥

(१२४) अम्बिकामूर्तिः

ॐ ॥ सं० १३८४ माघ सु० ५ श्रीजिनकुशलसूरिभिः प्रतिष्ठितं कारितं
च...सा० उ...पाली स ॥

(१२५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ स १३८६.....श्रीपार्श्वनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥
पूर्णिमापत्ते ॥

(१२६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८६ वैशा० सु० १३ श्रीउएसगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने
देल्हाशाखायां सा० साहड भार्या मुहडटी सुत सा० तीडा बीपा भा० तेजू
पूर्वजश्रे० श्रीऋषभविंव कारित प्रति० श्रीकक्षसूरिभिः ।... ।

(१२७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८६.....पूनसिंह भा० नायकदे श्रीमहावीरविंव का० प्र०
श्रीकमलाकरसूरिभिः ॥

१२१ पापडदा शान्तिनाथ मन्दिर

१२२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

१२३ रतलाम मोतीसा मन्दिर

१२४ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर श्रीमालों की दादावाडी

१२५ जयपुर पंचायती मन्दिर

१२६ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

१२७ सांगानेर महावीर मन्दिर

(१२८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वर्षे वैशाख व० १५...श्रे० सिरिपाल भा० गडर पितृ
चांपसिंह...श्रीपार्श्वनाथविं... ।

(१२९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वर्षे । वैशाख सुदि ११ श्रीगुर्जरवासी सा० पूनपाल पुत्र
खेतू । पुत्र भीता विं कारापितं श्रेयर्थं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीचन्द्रसूरिभिः ॥

(१३०) शांतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वैशाख शु० १५ श्रीमालज्ञा. पितृ साल्हा मातृ पोखी श्रेयसे
सुत लादाकेन श्रीशांतिविं का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥

(१३१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८९ ज्येष्ठ वदि ११ सोमे श्रीउपकेशगच्छे श्रे० लष्मा भा०
पूजल पु० खीदा पितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१३२) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १३९०...श्री...शुभवस्ता भार्या राजलश्रेयर्थं श्रे० रतना
भार्या वीमल प्रणमंति नित्यं शुभमस्तु ...

(१३३) चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३९० वर्षे माघ सुदि १३ सोमे श्रीकाष्ठासंवे श्रीलाडवागडगणे
श्रीमत् आचार्य श्रीतिहुणकीर्ति उपदेशेन हुंवडज्ञातीय व्य० बाहड भार्या लाछी
सु० व्य० खीमाभार्या राजुलदेवि श्रेयर्थं सु० का० देवाभार्या रामलदेवि
नित्यं नमति ॥

(१३४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३९२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ श्रीकोरंटगच्छे श्रे० देदा भा० खिमसिरि
पुत्र...आत्मश्रेयर्थं श्रीआदिविं कारितं प्र० श्रीकक्सूरिभिः

१२८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१२९ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

१३० रतलाम मोतीसा का मन्दिर

१३१ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

१३२ जयपुर पंचायती मन्दिर

१३३ जयपुर पंचायती मन्दिर

१३४ सांगानेर महावीर मन्दिर

(१३५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६२ वर्षे फागुणवदि सा० लखमण पु० पालकेन मातृ-पितृ
श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविवं प्र० श्रीकक्सूरिभिः ॥

(१३६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६२ व० फागुण व० ११ जावडागोत्रे श्रीशान्तिनाथविवं
का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीरामचन्द्रसूरिविनेयैः श्रीपासभद्रसूरिभिः ॥

(१३७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६३ ज्येष्ठ वदि १ शुक्ले श्रीऊकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने
ओसवालज्ञातीय श्रे० खीमसीह भा० खीमसिरि मातापिताश्रे० महणसीहेन
कारापितं श्रीपार्श्वनाथविवं प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६३ वर्षे माघ सुदि १५ शुक्ले वस्तु भार्या पूनम तत्पु० हेमा
गदा भ्रातृ सहडा संघ निमित्तं श्रीआदिनाथविवं कारितं बृह० प्रतिष्ठितं
श्रीपद्मदेवसूरिभिः ॥

(१३९) पञ्चतीर्थीः

सं० १३६४ चै० शु० ३ आ० नाणकीयगच्छे सा० जयता मा०
भायणि पु० वसताकेन भ्रातृ आसकरणनिमित्तं विवं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसिद्धसेनसूरिभिः ॥

(१४०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६४ वर्षे उपकेशज्ञातीय भूरागोत्रे सा० मगन श्रीपार्श्व-
नाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं संडेरगच्छे श्रीसाल (? लि) सूरिभिः ।

(१४१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६५ वदि २ सोमे श्रीकाष्ठा सुत पण्ड श्रेयोर्थ श्रीसुम-
तिनाथ-प्रतिमा ॥

१३५ सांगानेर महावीर मन्दिर

१३६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१३७ कोटा चन्द्रग्राम मन्दिर

१३८ नागोर यति मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय

१३९ किसनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय

१४० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१४१ जयपुर पंचायती मन्दिर

(१४२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६७ वै० सु० १ पाल्हरणसन्ताने श्रे० केल्लण भा० भावलदे
पुत्र धरणपाल मेघपाल सहितेन श्रीपार्श्वनाथविं का० प्र० श्रीधर्मदेवसूरिभिः

(१४३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १३६६ वर्षे माघ व० ५ गुरौ प्राग्वाटजातीय श्रे० देदा भार्या जेसल
श्रे० वृंटा पुत्र नणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथविं का० ५० गुरुभिः ॥

(१४४) पञ्चतीर्थीः

सं० १३०० वैशाख सुदि ११ गुरौ श्रे० धिणा पुत्र जयताकेन सा०
महं उदा श्रेयसे विं का० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवेन्द्रसूरिभिः ॥

(१४५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४०३ वैशाख सुदि ३ शनौ जा० साजण भार्या सहजलदे
पुत्र जगपाल भा० धरणी पुत्र कर्मपालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपद्मप्रभविव का०
प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(१४६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४०८ वैशाख सुदि ५ प्राग्वाट श्रे० धिरपाल भार्या तेजलदे
पुत्र जगसीहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविं का० प्रति० डेकात्रीय
श्रीपद्मप्रभसूरिभिः ॥

(१४७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४१० वर्षे माघ सुदि १ डीसावालजातीय श्रे० सजालदेव भा०
कालणदे श्रे० पु० कड्डयाकेन श्रीनेमिचन्द्रसूरीणामुपदे० ॥

(१४८) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १४११ ज्ये० सु० १२ श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः आत्मश्रे० श्रीण००० रि।

(१४९) पार्श्वनाथः

॥ सं० १४१३ वर्षे माघ सुदि ६ श्री पारस्व (? पार्श्व) नाथ हेमल ।

१४२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

१४३ मेडतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

१४४ किसनगढ़ यति स्वरूपचन्द्रजी का उपाश्रय

१४५ वामणवास सुमतिनाथ मन्दिर

१४६ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

१४७ वृन्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

१४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१४९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(१५०)

। सं० १४१४ वैशाख सुदि... जयता भा० जयतलदे पु० नदनकेन
भ्रातृ वाना निमित्तं का०... अंबडचैत्ये श्रीमाणिक्यसूरिपट्टे श्रीवयरसेण-
सूरिभिः ॥

(१५१) पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १४१५ श्रीश्रीमालजातीय सादाश्री सोमा भा० अणयसदे पु०
धिरपालेन भा० लूणसिह सा० तेजा भार्या २, १-नानगदे २-कपूरी
पुत्रेण सीहा निमित्तं श्रीपञ्चतीर्थी का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीपद्मचन्द्रसू-
रिपट्टे श्रीरत्नाकरसूरिभिः ॥

(१५२) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२० वर्षे आपाढ शुदि १० शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० बीजा
भा० वयजलदे सुत सहसाकेन पितृश्रेयोर्थ श्रीमहावीरविवं कारित ॥

(१५३) शीतलनाथः

सं० १४२२ फा० शु० ६ ऊकेश ज्ञा० सा० विजपाल सुत वंगाकेन
स्वमातृ-राजुल-श्रेयसे श्रीशीतलनाथविवं कारितं प्रति० श्रीतपाग० श्रीसोम-
सुन्दरसूरिभिः ॥

(१५४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२४ भाव शुदि... श्रीशान्तिनाथविव का० प्र० श्रीजिन-
चन्द्रसूरीणामुपदेशेन ।

(१५५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२५ वर्षे वैशाख सु० १... मं० श्रीधर पुत्र देवयाकेन भ्रातृ पव-
लणदे (?) श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविव कारित प्रतिष्ठितं खरतरगच्छीय
श्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्यैः श्रीजिनेश्वरसूरिभिः ॥

(१५६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२६ वैशाख सु० ६ रवौ श्रीकोरटकगच्छे श्रे० खीमसी भा०
धंधलदे पु० महीपाल मेहा । नाहड कजरसिह पितृ-मातृ-भ्रातृ जाणा
पुनपाल निमित्तं श्रीशान्तिनाथ पञ्चतीर्थी का० प्र० श्रीकक्षसूरिभिः ॥

१५० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

१५१ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

१५२ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

१५३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर-पापाण

१५४ जयपुर पंचायती मन्दिर

१५५ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

१५६ चोथका बरवाड़ा महावीर मन्दिर

(१५७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १४३० वर्षे वैशाख सुदि ३ सा० महीपाल पुत्र भीमा सुश्रावकेण स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं खरतरभट्टारक श्रीजिनोदयसूरिभिः ॥

(१५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३२ वर्षे फागुण सुदि २ शुक्ले महं० आमसीह भार्या मोहिणि पुत्र अरसिहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविवं का० साधुपू० श्रीधर्मतिलकसूरीणां... ।

(१५९) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३३ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ श्रीमालजा० आ.....ममी भार्या लीलादे श्रेयर्थं पितृव्य मेहाकेन श्रीअनन्तनाथविवं कारितं प्र० पूर्णिमाप० श्रीविद्याकरसूरीणामुपदेशेन ।

(१६०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४३३ वर्षे वैशाख सुदि ६ शनौ अंचलगच्छे उपकेशज्ञातीय महं० वीकम पुत्र मेधाकेन आत्मश्रेयर्थं श्रीवासुपूज्यविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीः ॥

(१६१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३४ वर्षे वैशाख वदि २ गोदुडगोत्रे सा० जयपाल गजणी धणसिह भार्या तील्ही पु० जीवराज-हालादिभिः स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वपञ्चतीर्थी कारिता प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीवीरभद्रसूरिभिः ॥

(१६२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४३५ फागुण सुदि २ शुक्ले उपकेशज्ञातीय सा० खीमा भा० खीमसिरि पु० आल्हाकेन आत्मश्रेयर्थं श्रीचन्द्रप्रभविव कारितं प्र० श्रीपल्लिगच्छे श्रीअभदेवसूरिपट्टे श्रीआमदेवसूरिभिः ॥

(१६३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३७ वर्षे द्वि० वैशाख वदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय श्रेष्ठि गोहा भार्या ललतादे पुत्र मूजाकेन । पितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ का० प्र० श्रीरत्नप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥

१५७ कोटा आदिनाथ मन्दिर

१५८ जयपुर सुमतिनथा मन्दिर

१५९ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

१६० किशनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय

१६१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१६२ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

१६३ आमरे चन्द्रप्रभ मन्दिर

(१६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३८ वर्षे ज्येष्ठ वदि ४ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० नयणसी भा० तेलनी पुत्र सामतेन पित्रोः श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंव का० प्र० ब्रह्माणीय श्रीहेमतिलकसूरिभिः ॥

(१६५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३६ पौष वदि ६ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमा० पितृ मातृ सीमा मोखलदे श्रे० सुत सामलेन श्रीशान्तिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥ श्रीः ।

(१६६) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

। सं० १४४० वर्षे पौष शुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ महं० पाल्हरासिंह मातृ पद्मलदेवि पितृव्य वसल पितृव्य लाख.....श्रेयोर्थ महं० प्रतापमल्लेन श्रीसंभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः । वृद्धथारापट्टीय श्रीशीलभद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(१६७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४१ वर्षे फागुन सुदि १० सोमे श्रीमालज्ञा० पितृ मेधा मातृ पाल्हरादे श्रेयसे सुत तेजाकेन श्रीपार्श्वनाथविंव कारितं प्र० नागेन्द्रग० श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

(१६८) नागमयूरपट्टिका

॥ सं० १४४३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ शुक्रे श्रीनागमयूरपट्टिका श्रीआदिनाथ राजादेव.....

(१६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४४ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनौ श्रीभावडारगच्छे उपकेशज्ञा० व्य० पासवीर भा० पुनसिरि पुत्र सा० लखणसीह व्य० जगमाल प्रमुख-पितृ-पितृव्य व्य० सा० धरणाकेन श्रीआदिनाथ विंव का० प्र० श्री... ।

(१७०) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४५ वर्षे फागुण वदि १० रवौ श्रीहारीजग० पल्लीवालज्ञा० सेष्टि भूमा भा० पाल्हरादे पूजू सुत कलुआ-हापाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीमहावीर-विंव कारितं प्रतिष्ठित श्रीशीलभद्रसूरिभिः ।

१६४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

१६५ जयपुर पचायती मन्दिर

१६६ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

१६७ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१६८ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

१६९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१७० हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

(१७१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४४६ वर्षे जेठ वदि ३ सोमे श्रीअंचलगच्छेश श्रीमेरुतुङ्गसूरी-
णासुपदेशेन श्रीश्रीमालजातीय व्य० सारङ्ग तत्प० (पु०) सायरेण वांधव
व्य० साल्हाश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविव कारित प्रतिष्ठितच श्रीसूरिभिः ॥

(१७२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४४७ वर्षे फागुण सुदि अष्टम्यां सोमे उसवालजातीय सा०
आमसिंह भार्या वाई आल्हादे सुत सोभाकेन निजपित्रोः श्रेयसे
श्रीशान्तिनाथविव कारित प्र० श्रीहेमचन्द्रसूरि श्रीजयतिलकसूरिवरैः ॥

(१७३) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४४७ वर्षे फा० सु० ८ सोमे व्यव० मलयसीह भार्या साऊ
पुत्र सारंगेन पितृ-मातृ-श्रेयोर्थ श्रीअजितनाथविव का० प्र० द्वि० शास्त्रायां
श्रीरत्नप्रभसूरीणासुपदेशेन० श्रीः ॥

(१७४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४४६ वर्षे वैशाख सुदि ६ शुक्रे श्रीअंचलगच्छे श्रीउकेशवंशे
सा० नेमीचन्द्र सुत सा० मूलु सुश्रावकेण भार्या सा० चाहिणिसहितेन
स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविव कारितं प्रतिष्ठित श्रीसंघेन ॥

(१७५) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४४६ वर्षे वैशाख सुदि ६ शुक्रे पितृ राजा मातृ राजलदेवि
पितृव्य त्रीकम पितृव्य वील्हण भ्रातृ हीरा श्रे० सु० नागसीहेन श्रीमहा-
वीरविं० कारित प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिपट्टे श्रीविजयदेवसू-
रिभिः श्री ॥

(१७६) महावीर-पंचतीर्थीः

॥ संवत् १४५० वर्षे माह वदि ६ सो० श्रीउपकेशजातौ सोनी भांभर
भार्या लूणादे पुत्रेण हरपतेन पित्रोः श्रेय० श्रीदेवसुंदरसूरिभिरुपदेशेन
श्रीमहावीरविं० कारितं ॥

१७१ वहेलार अजितनाथ मन्दिर

१७२ मालपुरा मुनिमुव्रत मन्दिर

१७३ नागोर चौसठियाजी का मन्दिर

१७४ मेड़तासिटी उप० शान्तिनाथ मन्दिर

१७५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

१७६ " " "

(१७७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५३ वैशाख शुदि २ श्रीपल्लीगच्छे डिडाउत्रगोत्रे श्रीमाल सा० धीणा भार्या वीरी तत्पुत्र धर्मा भा० आल्ह पुत्र हापा भा० आपू पुं० महणाकेन पितृ . . . श्रेयोर्थ श्रीपार्श्व कारितः प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(१७८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५४ वर्षे वैशाख सुदि ६ तिथौ श्रीखरतरपक्षे श्रीउसवा० पितृव्य सा० आंवा भार्या अमीदे श्रे० सुत सीसाकेन श्रीशान्तिनाथवि० का० प्र० श्रीजिनराजसूरिभिः

(१७९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५६ वर्षे ज्येष्ठ वदि १३ शनौ प्रा० ज्ञा० व्यव० मेघा भा० मेघादे पुत्र सामलेन मातुश्रेयसे श्रीआदिनाथविव कारित प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(१८०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५७ वर्षे 'सु० ६ बु० हुंवडजातीय सा० भीमा भार्या लाख पु० आल्हा भोजा तौल्हासहितेन तौल्हाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वविंब कारितं प्रतिष्ठित श्रीसूरिभिः शुभंभवतु सर्वदा

(१८१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५८ वर्षे वैशाख वदि २ बुधे चडालियागोत्रे सा० मोल्हा भा० मोहिणि पुत्रेण सा० सावडेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंब का० प्रतिष्ठितं मलधा० श्रीमतिसागरसूरिभिः ॥

(१८२) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५८ वर्षे वैशाख वदि २ बुधे उपकेशजातीय बोकडियागोत्रे सा० . . . भा० रुदी पु० जेसल भा० जसमादे पित्रोः श्रे० श्रीपद्मप्रभ-स्वामिविव का० रामसेनीय श्रीधनदेवसूरिपट्टे श्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

१७७ किशनगढ़ चिन्तामणिपार्श्वनाथ मन्दिर

१७८ सांगानेर महावीर मन्दिर

१७९ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

१८० सागोदिया ऋषभदेव मन्दिर

१८१ बून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

१८२ नागौर बडा मन्दिर

(१८३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४५८ वर्षे फागुण वदि ११ शुक्ले उपकेशज्ञा० हट्टसुरि मंडा
सा० पानात्मज सा० सजना भा० श्रीयादे पुत्र महणकेन श्रीसुमतिविं
कारितं प्रति० श्रीपल्लीगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(१८४) आदिनाथ पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६१ वर्षे श्रा० सु० ११ गुरौ प्रग्वाटज्ञा० श्रे० कालू भा०
ऊसादेव्याः सु० व्य० लूणाकेन श्रीतपागच्छे श्रीदेवसुन्दरमूरिगुरोपदेशेन
श्रीआदिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीसूरिभिः ॥

(१८५) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६१ वर्षे मार्ग० सुदि १० बुधे । प्राग्वा० ज्ञातीय श्रेष्ठि
कड्डया सुत नरसिंघेन मातृ श्रेयोर्य श्रीमहावीरविं कारित । पूर्णिमाप-
क्षीयभट्टारक श्रीसोमतिलकसूरिभिः शुभं०

(१८६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६२ वर्षे माघ व० ४ शुक्ले उपकेश सा० चांपधर पु० कड्डा
भा० पूरी पु० खररुदेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविं कारितं श्रीसीतर-
गच्छे (?) श्रीसवतसूरिभिः (?) ॥

(१८७) पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४६२ वर्षे माघ सुदि १३ शुक्ले । श्रीमूलसधे श्रीपद्मनन्दि-
देवाः गोमाराडान्वये सीषव... तयोः पुत्रास्तु यः स्वपुण्येन महोलिकर्मा-
साधारः प्रणमतिः

(१८८) अनन्तनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १४६४ आषाढ सु० १३ प्राग्वाटज्ञातीय सा० जुगा
भार्या जसु पु० सा० केल्हा कड्डया... स भार्या समीरदे श्रीअनन्तनाथ-
विं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

१८३ नागोर वडा मन्दिर

१८४ ,, ,, ,,

१८५ मालपुरा ऋषभदेव मंदिर

१८६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मंदिर

१८७ जयपुर पंचायती मंदिर

१८८ मालपुरा मुनिसुव्रत मंदिर, पाषाण

(१८६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं १४६५ वर्षे वैशाख शुदि ३ सांपुडागोत्रे सा० वेलाभार्या सा०
विल्हणदे पु० साधु स्वमराज-पेमाभ्यां पितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीशान्तिनाथ-
ब्रिंव कारितं ॥ प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसागरचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमलयचन्द्र-
सूरिभिः

(१६०) शान्तिनाथः

॥ सं० १४६५ ज्ये० च० प्राग्वाट कमीं सामंत सा० धारा सुत सा०
डूंगरेण भा० देऊती सुत पुणसी ठाकुरसी श्रीशान्तिनाथत्रिवं कारितं
प्रतिष्ठित श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६५ ज्ये० व० ११ श्रे० सोमा भा० रुडी सुतेन व्य० भीमाकेन
भा० चांपू सुत मंडणपद्युतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिविवं कारितं प्रतिष्ठितं
तपापक्षीय श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः ॥ भद्रम् ॥

(१६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ वदि पञ्चमी श्रीमालव । महं । जेसा पुत्र
आसा-पूजन श्रीपार्श्वनाथविवं कारितं प्रतिष्ठित खरतरगच्छे श्रीजिनवर्द्धन-
सूरिभिः ॥

(१६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६७ माह वदि ५ चडालियागोत्रे सा० खेहा पुत्रेण सा० रुल्हा-
केत श्रीआदिनाथविवं कारित प्र० श्रीमणिसागरसूरिभिः

(१६४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ स० १४६८ काती वदि २ सोमे श्रीअब्बलगच्छेश श्रीक०.....
मंडलीक भा० गोल्ह माता-पिता-श्रेयोर्थ श्रीपार्वनाथविंश श्रीमेरुतुङ्गसूरि-
णा उप० कारित प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(१६५) आदिनाथः

सं० १४६८ प्राग्वाट सा० धारा सुत सा० डूंगरेण स्वमातृ गांगी
पुण्यार्थं श्रीआदिनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥..... ।

१८६ जयपुर श्रीमालों का मंदिर

१६० मालपुरा मुनिसुव्रत मंदिर, पाषाण

१६१ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

१६२ , मुनिसुव्रत ,

૧૬૩ સાંગાનેર મહાવીર મન્દિર

१६४ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

१६५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

(१६६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६६ माघ सुदि २ रवौ उपकेशज्ञातीय सा० वेहड भा०
फाड़णि पु० माल्हा भा० हांसू पु० तेजाकेन स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंव
का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥ श्रीः

(१६७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे माघ सुदि ६ दिने औष..... कुसल पुत्र सा०
देवराज सुश्रावकेण पुत्र राणा डूंगर सहितेन श्रीपार्श्वनाथविंव कारितं प्र०
खरतरगच्छे श्रीजिनवर्द्धनसूरिभिः

(१६८) वासुपूज्य-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १४६६ वर्षे माघ सुदि ६ रवौ उकेश० टपगोत्रे सा० ललता
भा० ललतादे पुत्र लखमा भार्या लाखणदे पुत्र वील्हा भार्या वील्हादे पुत्र
घढसी सकुटुम्बेन श्रीवासुपूज्यविंव कारापितं श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशोभद्र-
सूरिसन्ताने प्र० श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

(१६९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे माघ सुदि ६ ऊ० सारिओहद (?) भा० केल्लू पु० पद-
माकेन पित्रो हापा निमित्तं श्रीपार्श्वनाथविंव का० प्र० श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

(२००) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे उकेशवंशे नवलखागोत्रे सा० सायर श्रावकेण
स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविंव कारितं प्रति । खरतर० श्रीजिनवर्द्धनसूरिभिः

(२०१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सम्बत् १४६६ वर्षे उकेशवंशे सा० खेता-सन्ताने सा० नूना पुत्र
नाह सुत्रण (?) भा० गोरलकेन भ्रातृ वाछा पुत्र नाला देपु युतेन श्रीशान्ति-
नाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनवर्द्धनसूरिभिः खरतरगच्छे ।

१६६ सांगानेर महावीर मंदिर

१६७ जयपुर पंचायती मन्दिर

१६८ मेडतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

१६९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

२०० जयपुर पंचायती मन्दिर

२०१ भैंसरोडगढ़ ऋषभदेव मन्दिर

(२०२) मुनिसुव्रतः

॥ सं० १४७० वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वटज्ञातीय परताप भा० अरि
सुत आसाकेन भा० आसलदे श्रेयोर्थ श्रीमुनिसुव्रतविंशं कारितं प्र० तपाग-
च्छेश श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२०३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सम्प्रत् १४७१ वर्षे आपाढ सुदि २ शनौ श्रीमाली श्रे० सूर-चांपाभ्यां
भगिनी काडं भगिनी पुत्रि वडराकयो श्रेयोर्थ तयोरेव द्रव्येन ॥ श्रीअक्चल-
गच्छे ॥ श्रीमहीतिलकसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मेनाथविव कारितं प्रतिष्ठापितं च ।

(२०४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७१ वर्षे माघ सुदि ६ गुरौ उसवालज्ञातीय चाणगोत्रे साह
जेल्हा भार्या सा० जनजीवतति (?) आतृ-पितृ-श्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंशं
कारितं उपकेश० प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(२०५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १४७१ वर्षे माघ सुदि १३ बुधे उकेशवंशे वाषणगोत्रे सा०
सोहट सु० दादू भा० कामू पुत्र डूंगरेण पितृ-पितृव्य तेजा भाद्रा निमित्तं
श्रीशान्तिनाथविव का० प्र० उकेसगच्छे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(२०६) महावीरः

स० १४७२ आषा० व० २ प्रा० ज्ञा० सा० मोहण सु० लीला भा०
रुडी पु० नरसिंहेन भा० माल्हा पूना युतेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरविंशं का०
प्रति० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२०७) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ स० १४७२ वर्षे फा० व० १ शुके हुंबडज्ञातीय गंगाआ-गोत्रे सं०
खीमा भा० काऊ सुत वरसिंह भा० साऊ पु० नीरा भा०.....धर्मपाल
श्रीमूलसधे नंदिसंधे बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे श्रीपद्मनंद्युपदेशात्
श्रीवासुपूज्यविंशं प्रतिष्ठापितं

२०२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

२०३ खैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

२०४ मेडतासिटी उप० शान्तिनाथ मन्दिर

२०५ मेडतासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

२०६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

२०७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(२०८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७३ वर्षे वैशाख वदि १ दिने उकेशवशे श्रे० पछाडा पुत्र
श्रे० केल्हाकेन कुंजरपाल दे(व)पालादियुतेन श्रीशान्तिनाथविवं स्वपुण्यार्थ
कारितं प्रतिष्ठितं स्वरतरगच्छे श्रीजिनवर्धनसूरिभिः ॥

(२०९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४७३ वै० व० ८ प्रा० ज्ञा० व्य० कान्हा भा० कानलदे पुत्र
भीमाकेन भा० भावलदे पु० केल्हादियुतेन पार्श्वविवं का० प्र० तपागच्छे
श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२१०) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४७३ व० वै० शुक्ल १ प्राग्वाटजातीय व्य० साजण भार्या
मोडी पुत्र देदा भा० देवलदे सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीअभिनन्दनविवं का०
प्र० मडाहडी श्रीमुनिप्रभसूरिभिः तपागच्छे

(२११) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ डांगीगोत्रे सा० ईल्हा भार्या
ईल्हश्री पु० सा० कालू सा० टीलण खीमसी भ्रातृ कर्मण-श्रेयसे श्रीसुपा
श्वविवं कारितं प्र० श्रीकृष्णर्षिगच्छे श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः ॥ शुभम् ॥

(२१२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७३ वर्षे माह सुदि ६ बुधवासरे उपकेशजातीय व्य० धर्मा
भा० रत्नादे पु० गोइद पितृ-मातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविवं का० प्र०
श्रीबृहद्गच्छे श्रीकमलचन्द्रसूरिभिः ॥ छ ॥

(२१३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७४ वर्षे फागुण वदि २ सुराणागोत्रे स० हेमराज भा०
हेमादे पु० सं० देल्हाकेन श्रीआदिनाथविवं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे
मलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

२०८ नागोर बडा मन्दिर

२०९ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

२१० वृन्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

२११ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

२१२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२१३ नागोर बडा मन्दिर

(२१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १४७५ वर्षे मागसिर वदि ४ दिने वडाहडा गोत्रे सा० झुंगर पुत्रेण सा० शिखरकेन निजश्रेयसे श्रीआदिनाथ-प्रतिमा कारिता प्र० तपा० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भट्टारक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२१५) महावीर-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १४७६ वर्षे चैत्र वदि १ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० रामा सु० सं० पापा भार्या मेचू श्राविकया स्वश्रेयसे श्रीआगमगच्छे श्रीअमरसिंहसू-रीणामुपदेशेन श्रीमहावीरविव कारितं ॥

(२१६) आदिनाथः

ॐ ॥ सं० १४७६ वैशाख सुदि ३ औंसे श्रीउपकेशज्ञातीय श्रेष्ठिगोत्रीय संसारदे श्रीआदिनाथविव कारित प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२१७) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १४७६ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सांड भार्या रुडी सुताभ्यां पु० आंबा-झुगराभ्यां श्रेयोर्थ श्रीशान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितं पिप्पलाचार्य-त्रिभवीया श्रीधर्मप्रभसूरिः ॥

(२१८) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४७८ वर्षे चैत्र सुदि ७ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० हीरा सुत सोमा भा० मूलही आत्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेव-गुप्तसूरिभिः..... ।

(२१९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १४७८ वर्षे चैत्र सुदि १५ सोमे रोयठाणा वा० वेजपाल भा० पूरी पु० सा० पेथा स्वमातृ-पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविव कारापितं श्रीधर्म-घोषगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

२१४ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

२१५ आंतरसूवा वासुपूज्य मन्दिर

२१६ सवाई साधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२१७ केकडी चन्द्रप्रभ मन्दिर

२१८ अलाय शान्तिनाथ मन्दिर

२१९ नागोर वडा मन्दिर

(२२०) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ ॥ सम्वत् ॥ १४७८ वष पोष वदि १ गुरौ । श्रीउपकेशवशे चिंचट गोत्रे
वेशटाय (?) सा० श्रीसमर सुत सा० सडो नरसिंह पु० सुंवरासा पितृ-मातृ-
श्रेयसे श्रीयुगादिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्य-
सन्ताने प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२२१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७६ वर्षे पोष वदि ५ शुक्रे बुधगोत्रे श्रीफूवडझातीय फू०
लीवा भा० फतु सुत भाखर-रामसीभ्या पितृ-मातृ-श्रेयोर्थ श्रीशीतलनाथ-
विवं कारितं कुलगुरु-श्रीसिधदत्तसूरिभिः ॥ भावगुरु-श्रीजयशेखरसूरिभिः
प्रतिष्ठितं ॥ श्रीः ॥

(२२२) नेमिनाथः

ॐ ॥ सं० १४७६ फागुण १० बुधवारे श्रावकान्वये सांख्येचा गोत्रे
भाधु वरदेव सुत सा० मोढ भार्या जयनुनामिकया आत्मश्रेयोर्थ श्रीनेमि-
नाथविवं कारितं प्र० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२२३) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे ज्ये० सु० ७ भौमे प्राग्वाटझातीय व्य० साढा भा०
सादी पु० सहसा भा० सीतादे पु० पाल्हा स्वआत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथविवं
का० प्र० पूर्णिमापत्ते श्रीसर्वाणंदसूरिभिः ॥

(२२४) शान्तिनाथः

॥ सं १४८० आ० व० ६ शुक्रे उकेशव० स० सहसराज भार्या पासू
लीलाई नाम्न्या पु० श्रीधरसुताया सा० कमलराजादि-कुटुम्बयुतया
श्रीशान्तिनाथविवं का० प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

(२२५) शान्तिनाथः

॥ सं० १४८० आ० व० ८ उकेश सा० परवत भा० सं० प्रथमसिरि
...वियुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविवं कारितं प्र० श्रीसोमसुंदरसू-
रिभिः ॥

२२० अलाय शान्तिनाथ मन्दिर

२२१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

२२२ नागोर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर

२२३ नागोर यडा मन्दिर

२२४ मालपुरा मुनिमुमत मन्दिर. पापाण

२२५ ,, ,, ,, ,,

(२२६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे माघ वदि ५ गुरु मूलसंधे श्रीसरस्वतीगणो भट्टार०
कुन्दाचार्यान्वये भट्टारक... देवरत्न उपदेशात् सोदागरे सु० पाल्हा-
नीदेऊ भ्रा० सार..... महीपा भट्टू श्रीसंभवनाथविबं प्रतिष्ठितं.....।

(२२७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे फा० सु० १० बुधे उ० गूगलीया गोत्रे सा० वीरा
पु० सीहाकेन श्रीआदिनाथविबं स्वश्रेयसे श्रीसन्डेरगच्छे प्रतिष्ठि० श्रीशान्ति-
सूरिभिः ॥

(२२८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १४८० वर्षे सुदि १० सोमे श्रीकोरंटकीयगच्छे प्राग्वाटज्ञातौ
ठ० मांजा सुत पर्वत भार्या वड्जणकु सुत ठ० नाथाकेन पित्रोः श्रेयसे
श्रीआदिनाथविबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनन्नसूरिपट्टे श्रीकृष्णसूरिभिः ॥

(२२९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १४८१ वर्षे वैशाख वदि ११ श्रे... भ्रा० आल्हा पु० खेता
सधारण सारंग । श्रीपार्श्वनाथविबं का० पूर्वजनि० प्र० आत्मश्रे० उपके-
शगच्छे कु० संता० प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२३०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८१ वर्षे वैशाख शु० ३ रवौ रेखाणीगोत्रे सा० बीजल भार्या
विजयश्री पु० वानु पितृ-मातृ-श्रेयोर्थ श्रीअजितनाथविबं प्र० धर्मघोष०
प्रतिष्ठित श्रीजयशेखरसूरिभिः ॥

(२३१) पद्मप्रभः

॥ सं० १४८१ वर्षे माघ सुदि ३ सोमे उसवालज्ञातीय भरटाणा
गोत्रे..... सं० पुत्र डालू श्रीपद्मप्रभविबं कारितं प्रतिष्ठितं आत्मश्रेयसे
श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

२२६ साँगानेर महावीर मन्दिर

२२७ मेडतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

२२८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२२९ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

२३० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

२३१ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पाषाण

(२३२) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १४८१ माघ सु० १० प्राग्वाटज्ञा० लाखा भा० सुल्वी सुत
सा० सोकलेन स्वश्रेयसे जा० श्रीपद्मप्रभविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोम-
सुन्दरसूरिभिः

(२३३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८२ वर्षे वैशाख वदि ८ रवौ उपकेशज्ञातीय नाहर गोत्रे
सा० जसद भा० जसमादे सु० रणसीहकेन आत्मपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथ-
विवं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

(२३४) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

। सं० १४८२ व० वैशाख वदि ८ रवौ मंडोवरागोत्रे सा० गुणराज
पु० पाडवा भा० उमादे पु० करणीसी समधर साधाकेन आत्मपुण्यार्थं
श्रीमुनिसुव्रतनाथविवं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ।

(२३५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८२ ज्येष्ठ वदि ५ ऊकेशज्ञातीय सं० देवराज भ्रातृ हेमराज
भा० । हेमादे सुत उदा भा । आल्हाणदेव्या श्रेयर्थं कारितं श्रीकुन्थुनाथ-
विवं । प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः

(२३६) अरनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८२ वर्षे फागुण सुदि ३ रवौ लोढागोत्रे सा० सुयश-पुत्रेण
सा० खेता*** श्रीअरनाथ-कारित प्र० भट्टारिक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२३७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८२ फा० शु० १५ प्राग्वा० सा० खेता सुत गा० राणा भा०
रयणादे सुत सा० जयता भा० वाक्कणदे पुत्र० सं० मोढाकेन भा०
जाणी मांजू सुत सांगा कुरपाल बांधव सं० कर्मसी सुत नरसिंह भग्नी
(भगिनी) नयण प्रमुखकुटुम्बसहितेन निजपूर्वजस्वश्रेयसे ॥ समाधि-
प्राप्तये च । सं० १४८२ श्रीसुमतिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठित तपापक्षे श्रीभ-
ट्टारिक श्रीदेवसुन्दरसूरि-शिष्य-श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः मंगलमिति ।

२३२ अजमेर विमलनाथ मन्दिर. केसरगंज

२३३ सांगानेर महावीर मन्दिर

२३४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२३५ करमदी आदिनाथ मन्दिर

२३६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

२३७ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(२३८) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख वदि ११ बुधे श्रीमालज्ञातीय सा० करणा भार्या करमलदे सुत साह नरवद भा० अमकू सुत भीमसिंह-खेताभ्यां मातृ-पितृ श्रेयोर्थ श्रीचन्द्रप्रभविं कारित प्रतिष्ठित तपागच्छे श्रीरत्नशेखर-सूरिभिः ॥

(२३९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख शु० ५ गुरौ चंडालियागोत्रे सा० ईसर पुत्र साह ठाकुर पु० शिवरीजन (?) भोजा श्रेयसे श्रीआदिनाथविं कारित प्र० मलधारी श्रीविद्यासागरसूरिभिः ॥

(२४०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरुवारे लोढागोत्रे सा० वीरा पुत्र सा० चाउं केन निजजनकनिमित्तं श्रीशीतलनाथप्रतिमा-कारिता प्र० तपा भ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२४१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ३ भौमदिने ओसवालज्ञातीय डागीयगोत्रे सा० तोल्हा भा० तिहुणश्री पु० सोमा आत्मपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविं का० प्र० कृष्णर्पिगच्छे तपापक्षे पुण्यप्रभसूरिपदे श्रीजयसिंह-सूरिभिः ॥

(२४२) अम्बिकामूर्तिः

॥ सं० १४८३ वर्षे वै० शु० ५ दिने प्राग्वाटज्ञाति सा० अभयपाल भा० अहिवदे सु० सा० रामसिंहेन भा० लली पुत्र सा० आसड अखयराज आम्बदत्तादि-कुटुम्बयुतेन श्रेयसे अम्बिकामूर्तिः का० प्रतिष्ठिता श्रीसोम-सुन्दरसूरिभिः ॥

(२४३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ७ उप० सुराणागोत्रे सा० लखमण पु० भोला भा० माणिकदे पु० सा० साढाकेन श्रीशान्तिविं का० प्र० धर्मघोषगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिप० श्रीपद्मशेखरसूरिभिः

२३८ अजवगढ़ वड़ा मन्दिर

२३९ किसनगढ़ चिन्तामणिपार्श्वनाथ मन्दिर

२४० कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

२४१ जयपुर पचायती मन्दिर

२४२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

२४३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२४४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८३ वर्षे मागसिर सुदि ५ सोमे । उच्छ्रवालगोत्रे सा० तोल्हा भा० त्रिपुरादे पु० डामरेण भ्रातृ जसा तोल्हणयुतेन स्वपितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीपद्मप्रभविं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(२४५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे माघ वंदि ५ सोमे श्रे० वीरा भा० सोहिणदे सुत मांढण भा० पीलादे सहितेन पुत्र दीना श्रीवासुपूज्यविं का० प्र० श्रीजीरापल्लीगच्छे श्रीसालिभद्रसूरिभिः

(२४६) महावीर-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८३ वर्षे माघ सुदि ३ दिने प्राग्वाटझातीय श्रे० सुहृद्भा भार्या भावल सुतया जासुनाम्ना निजश्रेयसे श्रीमहावीरविं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(२४७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४८४ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनिवारे च्यंढाल्यागोत्रे सा० खेता पुत्र सा० भूरा सा० धामा शीतलनाथविं कारापितं मातृ-पितृश्रेयसे प्रतिष्ठितं श्रीविद्यासागरसूरिभ्यः छत्र । श्रीः ॥

(२४८) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १४८४ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनिवासरे चंढालीया गोत्रे सा० गोसल भार्या गुणसिरि पुत्र सीद्दा कवरा श्रीकुंथ (थु) नाथविं कारापितं प्र० श्रीमलधारि० श्रीविद्यासागरसूरिभिः । शुभंभूयात्

(२४९) सुपार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १४८४ वर्षे वै० शु० ११ रवौ श्रीश्रीमालझा० श्रे० पांपच भा० प्रिमलदेवि सुत सं० सुहृकेन भार्या द्वी-सोहृगदेवि मेल सुत पूनादि कुटुम्ब युते स्वश्रेयोऽर्थ कारितं । अनागत चञ्जीसी श्रीसुपार्श्वप्रमुखचतुर्विंशति-पट्टकः प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीपुण्यदेवसूरिणा पट्टे श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥ श्रीमुढागपुरग्रामे ॥ मिती । ३

२४४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२४५ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

२४६ सांगानेर महावीर मन्दिर

२४७ जयपुर पंचायती मन्दिर

२४८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२४९ आमर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(२५०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १५ दिने श्रीप्राग्वंशे सा० देवा भार्या देऊ पुत्र धरणाकेन भातृ करणा । खेता पुत्र टाला परिवारसहितेन स्वपुण्यार्थ कारितं श्रीअजितविंबं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(२५१) महावीरः

॥ सं० १४८४ वर्षे माघ सुदि ५ दिने भ० भादा भार्या चाहिमदे पुत्र भ० धरमा भार्या सुत कान्हा श्रावकैः पुत्रादिपरिवारसहितैः स्वपुण्यार्थ कारितं श्रीमहावीरविंबं प्रतिष्ठित श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(२५२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८४ वर्षे माघ सुदि ५ सोमे पुत्रेण श्रीसुविधि-विंबं का० प्र० तपा-श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२५३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८५ वर्षे वैशाख सुदि ३ उप० ज्ञातीय व्य० देवसीह भा० देवलदे पु० खेढाकेन भा० कर्मादे युतेन भ्रातृ माला निमित्ता श्रीधर्मनाथ-विंबं का० प्र० मडाहडगच्छे रत्नपुरीय भ० श्रीधर्मचन्द्रसूरिभिः ॥

(२५४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ उपकेशज्ञा० वप्पणागोत्रे सा० देल्हा भा० देल्हणदे पु० नाथू भा० माल्ही पु० माणिकेन श्रीवासुपूज्यविंबं का० पूर्व० पुण्यार्थ आ० श्रे० श्रीउपकेश कुक्क० प्र० श्री सिद्धसूरिभिः ।

(२५५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८५ ज्ये० सुदि ५ उप० लेतीयागोत्रे सा० पूनसीह पु० मेवा भा० मायेअरि पुत्र हेमा भा० हीरादे पु० नरराज जसधन श्रीवासुपूज्यविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीशान्तिसूरिपट्टे श्रीयशोदेवसूरिभिः

२५० धामनोद ऋषभदेव मन्दिर

२५१ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण

२५२ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर. श्रीमालों की दादावाड़ी

२५३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२५४ किसनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय

२५५ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२५६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १४८५ वर्षे माघ सुदि १४ वृषे लिगागोत्रे सं० माला सांगू सुतेन सं० जिल्हाकेन निजपित्रो. श्रेयर्थ श्रीसुमतिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमहससूरिभिः ॥

(२५७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १४८६ वर्षे वै० शु० १३ सोमे दूगङ्गोत्रे म० डीडा पु० वील्हाकेन निजश्रेयसे श्रीअजितनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं वृहद्गच्छे श्रीमुनीश्वरसूरिपट्टधरैः श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(२५८) महावीरः

॥ ॐ ॥ सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय सा० पदमा सुत गुणराज पुण्यार्थ श्रीमहावीरविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(२५९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ सोमे श्रीनागृणागोत्रे सोमलशाखायां सा० वीरपाल जेसा.....नमिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहद्गच्छे श्रीमुनीश्वरसूरिपट्टे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

(२६०) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ सोमवासरे जाडलवाल पवित्रगोत्रे सङ्घची छीहल पुत्र स० जेजा भा० जसमार्या पु० वाहडसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(२६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८६ वर्षे माघ सुदि १ शनौ पल्लीगच्छे उप० ज्ञा० जोजाडरागो० सा० उदा पु० गोला भा० गुणसिरि सु० बीजाकेन श्रीशान्तिनाथविंव का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

२५६ अजमेर सभवनाथ मन्दिर

२५७ मालपुरा मुनिसुन्नत मन्दिर

२५८ मालपुरा मुनिसुन्नत मन्दिर. पापाण

२५९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२६० जयपुर नया मन्दिर

२६१ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८६ वर्षे माघ शु० ५ गुरौ उ० ज्ञा० बलाहडीयागो० सा०
मनां भा० मावित्री पु० देवण भा० देवत्री पु० सप्तधर-धर्माभ्यां पूर्वजनि०
श्रीपार्श्वनाथविव का० प्र० श्रीपल्लिगच्छे श्रीयशोदेवसूरिभिः।

(२६३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १४८६ वर्षे माघ सु० ११ शनौ श्रीखडेरकीयगच्छे
उपकेशज्ञा० गूगलियागोत्रे सा० सहण पु० पोना पु० नेमा पु० नेनाकेन
भा० लखी पु० करमा बाल्हासहितेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविव का० प्रति-
ष्ठित श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ शुभभूयात् ॥ श्री ।

(२६४) चिन्तामणिपट्टः

सं० १४८६ माघ सु० ११ भण० भाटा पु० कान्हाकेन चितामणिपट्ट-
कारितं प्र० मुनिरत्नसार

(२६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८७ वर्षे वैशाख सुदि ३ औंसे श्रीमाल० श्रेष्ठ साजन भा०
रूपिणि सुत अर्जन भीमा भा० माइ सु० कान्हा सा० ऊ बाल्हा भार्या
मनि सुत आल्हण भीमा पितृश्रेयसे श्रीविमलनाथविव कारित प्र० सडेर-
गच्छे श्रीरत्नप्रभमूरिमुपदेशेन श्रीशुभमस्तु ॥

(२६६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८७ वर्षे सा० वदि ५ रवौ खाटडागोत्रे सा० लीला पु० हेम-
सीह भार्या हेमश्री पु० सा० हेमराजेन पित्रो. श्रे० श्रीवासुपूज्यविव का० प्र०
श्रीधर्मबोधगच्छे श्रीपद्माशेखररिसूरिभिः ।

(२६७) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८७ वर्षे मार्गसिर सुदि ५ दुसाभगोत्रे सा० रतन भा०
रतनसिरि पुत्राभ्या गोविद-स्वीमराजाभ्यां पित्रो. श्रेयसे श्रीअरनाथविव
कारितं० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिभिः ॥

२६२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

२६३ अजमेर विमलनाथ मन्दिर केसरगञ्ज

२६४ किसनगढ खरतरगच्छीय उपाश्रय

२६५ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२६६ सवाई माधोपुर विमलनथ मन्दिर

२६७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(२६८) अजितनाथः

॥ सं० १४८७ वर्षे पोष सु० ५ प्राग्वाटज्ञातीय.....भार्या कामलदे
सुत सा० धनाकेन भार्या माल्ही सुत पदमा गोपालादि युतेन अष्टापदाव-
तारार्थं स्व-चतुर्विंशति अजितनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं तपा०
श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२६९) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८७ वर्षे माह वदि ६ भोमे उपकेश सा० मण्डन भा० माल्ह-
णदे पुत्र तिहुणा तोडा भा० पूरि पु० सहजा सहि० पितृनि० श्रीवासुपूज्यवि०
का० प्र० श्रीवृ० भ० श्रीधर्मसिंहसूरिभिः ॥

(२७०) मल्लिनाथः

संवत् १४८८ वर्षे वैशाख सुदि ७ शनौ श्रीश्रीमाल भट्टा० राना भार्या
भावलदे डूंगर चाचा पाणीरुद्रवा मातुः श्रेयोर्य श्रीमल्लिनाथविवं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२७१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८८ वर्षे आपाढ सुदि.. सोजा भार्या पुंजल सुत खीमा-
केन मातृश्रेयोर्य श्रीआदिनाथ-कारितं प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः

(२७२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८८ वर्षे पोष सुदि १२ शनौ उकेशज्ञातौ चिंचटगोत्रे वंसटा-
न्वये सा० दादू भा० अणुपमदे पु० सवतीर भा० हेतू पु० देवा श्रीवंताभ्यां-
पित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथविव का० प्र० श्रीउकेशगच्छे ककुदाचार्यसन्ताने
श्रीश्रीसिद्धमूरिभिः

(२७३) पार्श्वनाथः

॥ संवत् १४८८ वर्षे प्राग्वाट सा० काडाकेन सेठा श्रेयोर्य श्रीपार्श्व-
नाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः

२६८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पापाण

२६९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

२७० गागरद्व आदिनाथ मन्दिर

२७१ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

२७२ अजमेर सम्भवनाथ मन्दिर

२७३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पापाण

(२७४) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८६ वर्षे आषाढ वदि ६ सीखनोगोत्रे सा० हरपाल पु० सा० नला.....केन पित्रोः श्रेयसे श्रीमहावीरविं का० प्र० श्रीधर्मसूरिपट्टे श्रीगुणभद्रसूरिभिः

(२७५) नाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८६ वर्षे आषाढ सु० १ बुधवारे उपकेशन्यातीय श्रीनाह (२) गोत्रे श्री...भार्या बालू...नाथविव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनराजसूरिभिः

(२७६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १४८६ माघ सुदि १३ दिने श्रीऊकेशवशे सा० सिवा पुत्र पहिराजेन भ्रातृ मेधादि-युतेन श्रीपद्मप्रभविव कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(२७७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६० वर्षे वैशाख वदि ६ उपकेशज्ञा० कनउजगोत्रे सा० सोना भा० सोनलदे द्विप० पूंजी पु० गांगा भा० धानी श्रीआदिनाथविं का० आत्मश्रे० पुण्या० श्रीखरतरगच्छे प्रतिष्ठित श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(२७८) पद्मप्रभु-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १४६० वै० शु० ६ शनौ श्रीमूलसंवे नदीसधे बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे श्रीकुन्दकुन्दाचार्यान्वये भट्टारक श्रीपद्मनन्दिदेवा ॥ तत्पट्टे श्रीसकलकीर्तिदेवाः उत्तरसुरगोत्रे ह० ज्ञातीय ठ० आसपाल भा० शाणी सुत अजाकेन भ्रातृ बीजा भा० नानू सुत समधर भा० मेधू सुत विरु आदिकुटुम्बयुतेन श्रीपद्मप्रभुचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः त च सदा प्रणमति सकुटुम्ब ॥

२७४ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

२७५ सांगानेर महावीर मन्दिर

२७६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

२७७ जडाड पार्श्वनाथ देरासर

२७८ अजमेर सम्भवनाथ मन्दिर

(२७६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६० वर्षे वैशाख सुदि ६ शनौ श्रीकाष्ठासंघे नदीतटगणे श्रीलखमसेन प्र० श्रीनरसिंहजातीय सर्पडियागोत्रे सा० राणा भा० धरणी पु० हेमा खेता महिमा भा० गांगी भा० खेता भा० राणी युताभ्यां श्रीसुमतिनाथविवं कारितं स...यत्नहित आचन्द्रार्क नंदात् ॥

(२८०) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६० वर्षे माह सुदि पक्षे श्रीउसवशे कच्छगजातीय सा० अजीत्रा सुत जेसा भार्या जासू सुत्र पोसा सारगादिभिः श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभविवं कारितं प्रतिष्ठित श्रीसूरिभिः

(२८१) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सवत् १४६० वर्षे माह सुदि ५ दिने श्रीउसवशे सा० पैथा पुत्र सा० वील्हाकेन पितु. श्रेयसे श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकान्तिसूरीणामुपदेशात् श्रीकुन्धुनाथविव कारितं

(२८२) सुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १४६० वर्षे फा० सु० ६ जाडलवालगोत्रे सा० शिखर पुत्राभ्यां सा० सग्रामसीधनाभ्यां निज मातृ साह्वीश्रेयो० निमित्तं श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः । प्रतिष्ठित. तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रमूरिपट्टे भट्टारक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥ श्रीशुभंभवतु ॥ १

(२८३) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६१ आपा० वदि ७ श्रीश्रीमालवंशे वडलीवास्तव्य सं० सांडा भा० कामलदे पुत्र स० मन्ना भा० रत्नादे पुत्राभ्यां स० ममधर स० सालिग आभ्यां भा० राजू सुत माधू सुत सिधा माणिक रत्ना प्रमुखकुटुम्ब-महिताभ्यां श्रीसुपार्श्वनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजैः श्रीसोमसुन्दरमूरिभिः शुभभवतु कल्याणमस्तु ॥

२७६ जयपुर पार्श्वचन्द्रग ० उपाश्रय

२८० नागौर वडा मन्दिर

२८१ सांगानेर महावीर मंदिर

२८२ नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

२८३ जयपुर सुमतिनाथमन्दिर

(२८४) पद्मप्रभः

सं० १४६१ माघ सु० ५ उपकेश कलवयीय साधु विजयपाल सुत
सा० पाल्हा भा० मीयसाश्रीपद्मप्रभविवं का० प्र० श्रीसोमसुन्दर-
सूरिभिः ॥

(२८५) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधे ऊकेशवशे रांकागोत्रे सा० राणा
सुत सा० नगराज भार्या सापू तत्पुत्र सा० नरसा वरसाभ्यां । निजपुण्यार्थं
श्रीअजितनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे
श्रीजिनसुन्दरसूरिभिः ॥

(२८६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सवत् १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधवारे ऊकेशवशे लोढा-
गोत्रे सा० मोक्षसी भार्या भोली पुत्र सा० पर्वतकेन सपरिवारेण निजपितृ-
पुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसू-
रिपट्टे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभभूयात् ॥ छ ।

(२८७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६१ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ शुके ऊकेशजातौ लालणगोत्रे श्रे ।
डं गुर भार्या पूरी पुत्र सोभाकेन भार्या भीमणा युक्तेन श्रीअंचलगच्छेश्वर
श्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसंघेन । श्री

(२८८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६२ वर्षे चैत्र वदि ५ शुके सा० पेथा भा० रट्ट पु० नरसिघ
भा० राखलणदे पितृश्रेयसे श्रीश्रेयांसविव कारितं गूदा प्रति० श्रीसर (सूर)-
प्रभसूरिभिः ॥

(२८९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६२ वैशा० सुदि ३ गुरु श्रीकोर (ट) कीयगच्छे उ० ज्ञातीय
पोसालियागोत्रे सा० भाला सा० वारी पुत्र लेला मातृ-पितृश्रेयसे श्रीश्रेयां-
सविवं लोलाकेन कारा० प्र० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

२८४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

२८५ जूनीआ

२८६ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

२८७ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

२८८ चाडसू शान्तिनाथ मन्दिर

२८९ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(२६०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६२ आषाढ व० ५ मम्फेडीवास्तव्य श्रीमालज्ञा० ठ० कान्हा
भा० कामलदे ।

(२६१) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६२ वर्षे मागशिर वदि ४ गुरुवार श्रीउपकेशवंशे लूसड-
गोत्रे सा० देवराज भा० देवश्रिया पु० सा० बाहडेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीविम-
लनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषच्छे भ० श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

(२६२) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६३ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे उपकेशजातौ वांभगोत्रै स०
देपाल सुत सं० बोहिथ पु० स० नानिग भा० नयणादेवि पुत्र सा० मूंगा-
केन आत्मश्रेयोर्थ श्रीसुमतिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीरत्न-
शेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीहेमहससूरिभिः ॥

(२६३) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४६३ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे उकेशजातीय सा० टाहा
भा० कमादे पुत्र पेथा भा० अणुपमदे सहितेनात्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविवं
का० प्र० श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥

(२६४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६३ वैशाख सुदि ५ उप० जा० आदित्यनागगोत्रे । सा० पदमा
पु० पेढा भा० पूजी पुत्र खीमाकेन श्रीश्रेयांसनाथविवं का० श्रीउपकेशगच्छे
कुक्र० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२६५) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६३ वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमे प्रा० जा० डीङिलावाल व्य०
देदा भा० हांसी पु० हेमाकेन भा० हांसू सहितेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरविवं
कारितं ।

(२६६) पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६३ वर्षे माह सुदि ५ शुक्रे उकेशजातीय जेला भार्या
अमरी पुत्र मेला मातृ-पितृश्रेयोर्थ श्रीअब्बलगच्छे श्रीजयकीर्तिसूरिउपदे-
शेन

२६० मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

२६१ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

२६२ आतरमूवा वासुपूज्य मन्दिर

२६३ नागोर वडा मन्दिर

२६४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

२६५ मालपुरा मुनिमुत्रत मन्दिर

२६६ भिनाय महावीर मन्दिर

(२६७) पञ्चतीर्थी

सं० १४६३ वर्षे माघ शुक्ल प्रतिष्ठितं
पल्लीगच्छे श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

(२६८) महावीर-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १४६३ वर्षे फागुण वदि १ दिने श्रीवीरविं व प्रतिष्ठितं
श्रीजिनभद्रसूरिभिः उक्केशवंशे सा० वाहड पुत्र पूजाकेन कारितं ॥

(२६९) श्रेयासनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६३ वर्षे फागु० व० १ उपकेशज्ञातौ । रांकागोत्रे । सा० गोवल
भा० विकी पु० हीराकेन । पित्रो श्रेयसे । श्रीश्रेयासविं कारित । प्र० उपकेश-
गच्छे ककुदाचार्यसन्ताने श्रीश्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(३००) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६३ वर्षे फाल्गुन वदि १ दिने बुधचारे श्रीविमलनाथविं
प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टालङ्कार श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥
उक्केशवंशे डागागोत्रे सा० महणासन्ताने सा० कुडरपाल पुत्र सा० सादा
सुश्रावकेण पुत्र वरसिव तत्पुत्र सा० सेधराजसहितेन द्वितीयपुत्र महिपाल
जननी जनक-पुण्यार्थ कारित ॥ श्रीः ॥

(३०१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६४ वर्षे माह सुदि ५ शुके श्रीनाणकीयगच्छे उ० शीवेरा-
गोष्ठिक सा० मोहण भा० मोहणदे पुत्र डूगर भा० सोहग आत्मपुण्यार्थ
श्रीआदिनाथविं का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३०२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

१४६४ वर्षे माघ सु० ५ दिने प्रा० सा० कडुआ भार्या चारु सुत सा०
देवराज धनराज पूजा मुता हर्षुभिः स्वश्रेयसे श्रीऋषभदेवविं का० प्र०
तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

२६७ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

२६८ नागौर बड़ा मन्दिर

२६९ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३०० कोटा सेठजी का घर देरासर

३०१ नागौर बड़ा मन्दिर

३०२ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(३०३) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थः

॥ ॐ ॥ सं० १४६४ वर्षे माह सु० ११ गुरौ उ० ज्ञा० नगडियाणा जयता पु० लाखा पु० हरिचन्द भा० भीति.....पु० गोसल राजा-सहितेन पूर्वजपुण्यार्थ श्रेयसे श्रीश्रीवासुपूज्यविनं का० प्र० श्रीसडेरगच्छे श्रीयशो-भद्रसूरिपट्टे भ० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ शुभंभूयात् ॥

(३०४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६४ वर्षे माह सुदि ११ गुरौ श्रीसडेरगच्छे उ० ज्ञा० संलवाडिगोष्ठिक सा० सुरत्राण पु० धर्मा भा० धर्मसिरि पु० वीसलेन भा० कान्हू पु० नापा नाल्हा सपित्रोः श्रेयसे श्रीश्रेयांसवि० का० प्र० श्रीशान्ति-सूरिभिः शुभम् ॥

(३०५) श्रेयांसनाथः

सं० १४६४ फा० व० ५ प्राग्वाट सं० भाखर धरमादे पुत्र नन्दी भा० सरतू पुत्र पद्माकेन निजसावणसादि-कुटुम्बयुतेन श्रीश्रेयांसवि० का० प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३०६) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६४ वर्षे फागुण वदि ४.....श० दिने चू० भूणा भा० भावलदेस्मादे.....भ्रातृ लाला भेघा ठाकुर प्रभृति-सहितेन श्रीसुवि-धिनाथविनं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षीय श्रीजयप्रभसूरिपट्टे श्रीजयभद्रसूरिभिः

(३०७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६४ वर्षे प्रा० व्य० सरवण भा० सिरि सुत व्य० देपाल वीरा, द्वयोर्मध्ये व्य० वीराकेन भा० पूरी पुत्र जिनदास देवराज हेमराजा-दि-कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीवर्द्धमानविनं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोम-सुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३०८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १४ बुधवारे । श्रीकोरंटकीयगच्छे नन्ना-चार्यसंताने उप० ज्ञा० कांकरियागोत्र साह कुंरा भा० रुही पुत्र रामाकेन पिता-निमित्तं श्रीशान्तिनाथविनं कारापितं प्रति० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

३०३ भिनाय केमरियानाथ मन्दिर

३०४ जयपुर पंचायती मन्दिर

३०५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

३०६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

३०७ भेडतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर

३०८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(३०६) शान्तिनाथः

ॐ ॥ सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ बुधे खाहरडागोत्रे श्रीमाल-
ज्ञातीय सा० भूपर भार्या जसा पुत्र बाडा भार्या० लीलू पुत्र वरसिघ सा०
उदयसिघ पुण्यार्थ श्रीशान्तिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनसागर-
सूरिभिः ॥

(३१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ ज्येष्ठ सु० १३ उकेश सा० आज्ञा नीति सुत वड्डुआकेन
भा० देवलदे पुत्र हीरायुतेन श्रीसम्भवनाथविं वं का० प्र० तपा श्रीसोमसु-
न्दरसूरिभिः ॥

(३११) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ श्रीसडेरगच्छे उ० ज्ञा० भण्डारी-
गोत्रे सा० वयासी भा० वयजलद पु० रामण पु० पुंजूकेन पित्रोः श्रे०
श्रीसम्भवनाथविं वं का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३१२) धर्मनाथः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १४ शुक्रवारे उकेशवशे नवलक्ष्मगोत्रे
सा० सहसा भार्या श्रा० नारिगदेव्या निजपुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविं वं कारितं
प्र० खरतरग० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(३१३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १४ बुधे उकेशवशे साधुशाखामण्डन
सा० मडलिक भा० फदकू सुत सा० डू गर भार्या दूल्हादे पुत्र सा० सोना
जीवण निजमातृपुण्यार्थ श्रीमुनिसुव्रतविं वं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरितपट्टे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(३१४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४६५ वर्षे आषाढ वदि १३ भौम ओसवालज्ञातीय सा०
जेल्हा पु० सा० मेघा भार्या राखीनाम्न्या आत्मपुण्यार्थ श्रीपद्मप्रभनाथविं वं
कारापित प्रतिष्ठित श्रीकोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

३०६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर पाषण

३१० मेडतासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

३११ भिनाय

३१२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण

३१३ नागोर वडा मन्दिर

३१४ जयपुर पंचायती मन्दिर

(३१५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण सुदि ८ बुधे उपकेशज्ञा० व्यव० हापा भा०
चांपू पुत्र उधरणकेन भार्या देपुसहितेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविवं कारितं
प्र० वोंकडीयागच्छे भ० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥

(३१६) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे श्रीमालजाती सं० पोमा भ० सोभाड सुत सं० देव-
राज भा० हर्षस्तयोः स्वभर्तृयुतयोः श्रीसभवविवं कारितं प्र० तपागच्छेश
श्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३१७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६७ वर्षे चैत्र सुदि ११ उपकेशजातीय डागागोत्रे सा० पेथा
भार्या पूरी पुत्र गजा आत्मपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविवं कारितं प्र०
श्रीपूज्य भ० श्रीदेवसुन्दरसूरिपट्टे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३१८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ सोमे श्रीसडेगच्छे उ० श्रीसाहुला-
गोत्रे सा० मोहण पु० मग्गा पु० भीमा भा० लाडी पुत्र मेल्ला भा० मोहनी
आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविवं कारि० प्रति० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३१९) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ ज्येष्ठ सु० २ श्रीउपकेशगच्छे । राकागोत्रे । सा० भूणा पु०
रुल्ला भा० रयणादि पु० केल्लाकेन श्रीमुनिसुव्रतविवं का० कुक० प्र०
श्रीसिद्धसूरिभिः ।

(३२०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ उपकेशज्ञा० सुचिंतीगोत्रे सा० सलपा
भा० लाई पु० कोचर भा० सुखनादे पु० महीराजेन श्रीसुमतिनाथविवं
स्वपुण्यार्थं श्रीउपकेशगच्छे कुक० प्र० श्रीसिद्धमूरिभिः ॥

३१५ नागोर बड़ा मन्दिर

३१६, रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३१७ जयपुर पंचायती मन्दिर

३१८ किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर

३१९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३२० सायां पार्श्वनाथ मन्दिर

(३२१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ जेठ सुदि २ सोमे उ० सांगण भा० अगचे चाहु पु०
 सं० पासिक पु० लखमा भा० माई पु० केल्हा पोमा केल्हा भा० कोयवादे-
 व्या .. माता माई केल्हाभ्यां पितृ-मातृ-श्रे० श्रीपार्श्वविं का० प्र०
 श्रीचैत्रगच्छे श्रीजयाणंदसूरिपट्टे श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

(३२२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६७ ज्येष्ठ शुक्ला ७ सोमे लोढागोत्रे सारू पु० .. आतृ
 रूपानिमित्त श्रीकुन्धुनाथविं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भ०
 श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(३२३) आदिनाथः

सवत् १४६७ वर्षे माघ सुदि ४ सोमे उपकेशज्ञातीय
 श्रीऋषभदेवविं कारितं .. प्रतिष्ठित तपागच्छे भ० श्रीसोमसुन्दर-
 सूरिभिः ।

(३२४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सवत् १४६७ वर्षे प्राग्वटज्ञातीय व्य० गीगा भार्या माल्दणदे सुत
 सोनपाल भार्या सुहागदे सुत वनादि कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथ
 विव कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३२५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

स० १४६८ वर्षे फागुण वदि १० सोमे उपकेशज्ञातीय वरहडीयागोत्रे
 सा० पदमसीह भार्या पदमश्री पु० अर्जुन निजमातृपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्य-
 विं कारितं प्र० श्रीबृहद्गच्छे भ० मुनीश्वरसूरिपट्टे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(३२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६८ वर्षे फागुण सुदि २ कांकरियागोत्रे सा० मेहण भा०
 कुमरी पुत्र सा० मेहा-कान्हाभ्यां स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविं का० प्र० श्रीधर्म-
 घोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविजयचन्द्रसूरिभिः ॥

३२१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३२२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

३२३ भेंसरोडगढ़ केसरियानाथ मन्दिर, मूलनायक

३२४ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

३२५ चोथका बरवाडा महावीर मन्दिर

३२६ नागोर बड़ा मन्दिर

(३२७) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ उपकेशज्ञा० कर्णाटगोत्रे । सा० रेड्ड पुत्र धडसीह भा० फलू पु० सावड । तोलाकेन श्रीपद्मप्रभविं का० श्रीउपकेश० कुकदा० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(३२८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १४६६ वर्षे सावण वदि २ सनिवारे मूलनक्षत्रे लोढा-गोत्रे सा० महणसीह पुत्र सा० पन्ना नेना भार्या मुनी तत्पुत्र सा० खीमराज भ्रातृ करमसिंह निजमातृ-पितृश्रे० पुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविं कारा० प्रति० बृहद्गच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

(३२९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ माघ सु० ५ प्राग्वाट व्य० धीरा धारलदे पुत्र । भीमा भावलदे सुत व्य० वेला पत्न्या वीरणि नाम्न्या श्रीसंभवविं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६६ माघ सुदि ६ गहिलडागोत्रे सा० फमरु पु० सा० खीमपाल वाजूभ्यां पितुः पुण्यार्थं श्रीश्रेयांसविं कारित प्रति० श्रीमलधारि-गच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे माघ शुदि १० शुक्रे श्रीमूलसंघे भ० श्रीपद्मनन्दि-न्यये० भ० श्रीसकलकीर्ति त० भवनकीर्ति हुम्बडज्ञातीय सा० डूंगर भा० राणी ढाला भा० काउस्तेपां मध्ये सा० डूंगर श्रीवासुपूज्यं नमति ।

(३३२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेशज्ञाती० श्रीधरकटगोत्रे सा० हीरराज प्रसिद्धनाम सा० वगुला पुत्रेण सा० लाखा श्रावकेण भार्या गजसीरी पुत्र वलिराज युतेन श्रीसंभवनाथविं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

३२७ जयपुर पचायती मन्दिर

३२८ बूँदी पार्श्वनाथ मन्दिर

३२९ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

३३० नागौर बड़ा मन्दिर

३३१ भैंसरोड़गढ़ केसरियानाथ मन्दिर

३३२ जयपुर नया मन्दिर

(३३३) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेशज्ञातीय वरहडीयागोत्रे सा० गोसल पुत्रेण सा० दुलहत द्वे० नाम राउलेन भा० हर्षमदे पु० अर्जुन सदारङ्ग सहितेन आत्मश्रे० श्रीश्रेयांसवि० का० प्र० बृहद्ग० श्रीरत्नप्रभ-सूरिभिः ॥

(३३४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि ४ तिथौ शनिवारे धाधगोत्रे सा० अद्या पु० देल्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविं० का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(३३५) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०० वर्षे वैशाख सुदि ५ श्रीमालज्ञातीय चिणालीयागोत्रे सा० सेदू भार्या हीरी पुत्र सा० जाटाकेन भार्या प्रा० स्याणी-पुण्यार्थ श्रीमहा-वीरविं० कारितं प्रतिष्ठित श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरि-श्रीजिनसागर-सूरिभिः चिरनंद्यात् ॥ छ

(३३६) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४ सोमे वृ० लाय ठ० नायक सु० मह० छाडा भा० पुंजल सु० महं० श्रीपालेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरविं० का० प्रति० श्रीजयमङ्गलसूरिशिष्यैः अमरचन्द्रसूरिभिः ॥

(३३७)

श्रीअनिलस्वामीमू.....श्रीजिनभद्रसूरिभिः

वेदी पर (सिंहासनस्थ)

अर्पणकरनार नाजिम गुलाबचन्द ढढा की मासा सेठाणी रामकंवर बाई कार्तिक शुक्ल १५ संवत् १६६२

(३३८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे वैशाख सु० ३ शनौ ठ० इटोदियागोत्रे सा० धाना भा० खीमसिरि पु० कर्माकेन आ० तोल्हा तेजा युतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीअजितनाथविं० का० श्रीचैत्रगच्छे श्रीलक्ष्मीप्रभसूरिपट्टे प्र० श्रीसीलचन्द-सूरिभिः

३३३ गागरङ्ग आदिनाथ मन्दिर

३३४ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

३३५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

३३६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३३७ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर० मूलनायक

३३८ डग पद्मप्रभ मन्दिर

(३३६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०१ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० रवौ उ० ज्ञा० व्य० रेडा भा०
नायकदे पु० तोला भा० तारादे पु० इसर विमल यु० पितुः श्रेयसे श्रीवासु-
पूज्यविवं का० प्र० मडाहडगच्छे रत्नपुरीय भ० श्रीधर्मचन्द्रसूरिभिः

(३४०) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०१ वर्षे आषाढ सुदि ६ दिने उकेशवांशे करमदीयागोत्रे
सा० वील्हा तत्पुत्र लाखा वाल्हा वाछा प्रमुखसपरिवारेण श्रीसुविधिनाथ-
विवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीमत् श्रीजिनसागरसूरि-शिरोम-
णिभिः ॥ शुभम् ॥

(३४१) कुन्थुनाथः

सं० १५०१ मा० व० १ प्रा० श्रे० हीरा भा० करमी सुत अर्जुन का०
कुन्थुनाथ

(३४२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०१ वर्षे माह सुदि ५ उपकेशज्ञातीय प्राप्ते चागोत्रे सा०
मोहण.....पाल तत्पुत्र सा० ऊदपाल तत्पुत्र सा० सिंघराजेन आत्म-
पुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविव कारापितं श्रीभावडारगच्छे भ० श्रीविजयसिंघसू-
रिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीवीरसूरिभिः ॥

(३४३) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०१ वर्षे माह सुदि ५ बुधे कूकड़ागोत्रे सा० राजा भार्या
रयणादे पु० नयणाकेन आत्मपुण्यार्थं श्रीअजितनाथविवं कारितं प्र० उप-
केशगच्छे श्रीककुदा० श्रीककसूरिभिः ॥ १

(३४४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०१ वर्षे माह सुदि ६ गुरौ उपकेशज्ञातौ सुचितीगोत्रे
साह मंजाल भार्या मुक्तादे पुत्र वीदा भार्या विमलादे पुत्र शिवा सायर
परवत सहितेन आत्मश्रेयार्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविव कारितं श्रीउपकेशगच्छे
श्रीककुदाचार्यसन्ताने श्रीरूक (क) सूरिभिः ॥

३३६ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३४० नागोर वडा मन्दिर

३४१ नागोला कुन्थुनाथ मन्दिर. मूलनायक

३४२ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर

३४३ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर घाट

३४४ मन्दसौर

(३४५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माह सुदि १० सोमे उपकेश० छोहरयागोत्रे साह
नेतसी पुत्र सोना भार्या नङ्गसिरी पुत्र तेजा भार्या पाल्हू पुत्र हासाकेन
पारसश्रेयसे आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविव का० बृहद्गच्छे प्रति-
ष्ठितं श्रीमुनिदेवसूरिभि ॥

(३४६) चन्द्रप्रभ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५०१ माह । सुदि १० सोमे उप० ज्ञा० काठडगोत्रे मना भा०
विज्जू पु० हरिचद भा० राणू पुत्र चापड चावन चापड भा० भामसी
नरसी सा० समसीरी भाउ हेमसिरि पु० नवरग नरपति विजमलनाक पु०
पूना रामा पूवा वोदू नरपति भा० वा . . . श्रीचन्द्रप्रभविवं कारापितं
चित्रावालगच्छे श्रीसुमार्तिसूरिभि गुणाकरसूरिभिः ॥

(३४७) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०१ वर्षे माघ सु १० च० उ० ज्ञा० सांवरशाखायां टपगो०
दुलालउडके (?) सा० ज्ञीमा भा० जेसी पु० देवा सिवा देल्हा धाना गोदा
लांवा वस्तादि बौधवेन कुटुम्बौ पितृ-मातृपुण्यार्थ श्रीनमिनाथवि० का०
प्रति० श्रीसंडेरगच्छे नायक-श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३४८) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ माह सुदि १० सोमे थिरुतगोत्रे सा० माल्हा भार्या
साल्हु पुत्र कान्हाकेन भा० दूदी पु० दफरया श्रीपद्मप्रभः का० प्र० श्रीधर्म-
घोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः आ० विजयप्रभसूरिसहितैः ॥

(३४९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ माह सुदि १० सोमे श्रीज्ञानकीयगच्छे उपकेश० लोलसं-
गोत्रे साह कान्हा भा० कर्मसिरि पुत्र आल्हा भार्या जीऊ पुत्र धाना रामा
काना भार्या अरपू आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारा० प्रति० श्रीशान्ति-
सूरिभिः ।

३४५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

३४६ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

३४७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३४९ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(३५०) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माह सुदि १० सोमे श्रीसुन्दरगच्छे उपकेशज्ञा० साह कालू भार्या वाल्ही पुत्र कान्हा भार्या सारू पितृ-मातृश्रेयोर्थ श्रीनमिनाथविंव कारापितं प्रति० प० श्रीशान्तिसूरिभिः श्री ॥

(३५१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माघ सुदि १० सोमे उसवंशे जडियागोत्रे सा० काला भा० अणभू पुत्र खीमाकेन लीला दुहड वाहड्युतेन श्रीशान्तिनाथविंव का० प्र० कृष्णर्षिग० श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ।

(३५२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ माघ सुदि १० सोमे नाहरगोत्रे मना पु० पाल्हा भा० भामिणि पु० लाला हेमाभ्यां श्रीशान्तिनाथविव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषवच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः आ० विजयप्रभसूरियुतैः ॥

(३५३) अभिनन्दन-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५०१ वर्षे फाल्गुन शु० १३ शनौ । वणवटगोत्रे सं० । जयसिंह भा० सं० जसमादे पु० सं० खीदाकेन निजभ्रातृ सं० खेढा पुण्यार्थ श्रीअभिनन्दनविं का० प्र० श्रीधर्मघोषवच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे । श्रीविजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(३५४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०१ वर्षे फागु० सुदि १३ शनौ ३० ज्ञा० जोजा उराणा सा० कर्मा भा० सांगू पु० खेता जइता पेता भा० राणी पु० पञ्चायण जयता भा० मूली पित्रोः श्रे० श्रीशान्तिनाथविंव का० श्रीचैत्रगच्छे प्र० श्रीमुनि-तिलकसूरिभिः ।

(३५५) मुनिमुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ फागण सुदि १३ उकेशवंशे जावडगोत्रे । सा । वाछा पुत्रेण देवाकेन निजपितृपुण्यार्थ श्रीमुनिमुव्रतस्वामिविंव कारितं प्र । श्रीसूरिभिः ।

३५० आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५१ पनवाड़ महावीर मन्दिर

३५२ मवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३५३ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३५४ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५५ नागरडु आदिनाथ मन्दिर

(३५६) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५०१ श्रीनन्नाचार्य सन्ताने । श्रीकोरटगच्छे । मांडुत्रगोत्रे ।
सा० हीरा भा० हीरादे पु० चांपा-कृपाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीअभिनन्दन का०
प्र० श्रीसावदेवसूरि ।

(३५७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५०२ वै० सुदि २ सोमवारे । खटवङ्गगोत्रे सा० सायर पुण्यार्थ
सा० कंवरा श्रेयसे आदिनाथविवं कारापितं श्रीमल्लधारगच्छे श्रीगुणकीर्त्ति-
सूरिभिः । महा० लक्ष्मीसागरसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ।

(३५८) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५०२ वै० व ५ प्रा० व्य० लाखा लाखणदे पु० सामन्तेन
सिगारदे पु० पाल्हा रतना डीडादियुतेन श्रीकुन्थुनाथविवं का० प्र० तपा०
श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

(३५९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५०२ वर्षे माघ वदि २ रविवारे प्रा० ज्ञा० मांडण भा० मेधादे
सुत लाखण भा० फाल्हु पुत्र सांगायुतेन श्रीशान्तिनाथविवं कारितं श्रीसाधू
पू० ग० प्र० भ० श्रीहीराणंदसूरिभिः ।

(३६०) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५०२ वर्षे सा० व० ६ प्रा० म० वरना पाल्हाणदे पु० नाभा-
केन भा० तेजराजि पु० नरसी..... जइतादि कुटुम्बयुतेन श्री-
पद्मप्रभविवं का० प्र० तपा श्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(३६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५०२ वर्षे माघ सुदि २ रविवारे प्रा० व्य० मांडण भा०
मेधादे..... पुत्र सांगायुतेन श्रीशान्तिनाथविवं कारितं प्र० साधुपू०
गच्छे भ० श्रीहीराणंदसूरिभिः ॥

३५६ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५७ मेड़तासिटी

३५८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५९ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३६० करमदी आदिनाथ मन्दिर

३६१ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(३६०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५०२ वर्षे माघ शु० ५ ऊकेशज्ञा० म० चांपा पु० पूना भा०
अचू पु० राजाकेन भ्रातृ मदा रूडा राणायुतेन निजमातृ-पितृश्रेयोर्थ
श्रीश्रेयांसनाथविवं कारितं भावडारगच्छे प्र० श्रीवीरसूरिभिः ॥ उएसगच्छे
श्रीकक्षसूरिभिः ।

(३६३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे फागुण सुदि ५ गुरौ श्रीभावडारगच्छे ऊ० ज्ञा०
प्राह्मेचागोत्रे सा० वीडा भार्या हीरु पुत्र भीखा-गुणाभ्यां पूर्वजनिमित्तं
स्वश्रेयसे च श्रीसुमतिनाथविवं का० प्र० श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(३६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०३ वर्षे वैशाख सु० ५ श० श्रीमालवशे स्वर्णागिरिया-
गोत्रे सा० चाहड भार्या गौरी सुतस्य सं० चन्द्रस्य स्वपितृव्य-भ्रातुः पुण्यार्थ
सं० देहड भा० गंगा सुत सं० धनराजेन ल० भ्रातृ स० खीमराज स०
उदयराराजदियुतेन श्रीआदिनाथविव कारितं श्रीखरतरग० श्रीजिनचन्द्रसू-
रिभिः प्रतिष्ठितं नंदतात ॥

(३६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ ज्ये० सु० ३ प्रा० व्य० मांडण माह्ण सुत सा० व्य०
खीमा श्रीवासुपूज्य का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीजयचन्द्र-
सूरिभिः ॥

(३६६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ७ सोमे श्रीश्रीमालजातीय श्रे० वजसा
भार्या कजतिगदे पितृ-मातृश्रेयोऽर्थ मातृश्रेयसे व्य० चुथा आत्मश्रेयसे
श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसागर-
सूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥

(३६७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्रवारे ओसवालजातीय वहुरा-
गोत्रे वा० व० खेता भा० देल्ह पु० देवदत्तेन मातृ-पितृ-निमित्तं श्रीसंभव-
नाथविवं का० प्र० पूर्णिमापक्षे भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

३६२ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर

३६३ भिनाय महावीर मन्दिर

३६४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३६५ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

३६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३६७ जूनीआ

(३६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्ले उ० ज्ञातीय व्य० राउल भा०
रयणादे पुत्र सोढा भार्या सूरमदे सहितेन । स्वश्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का०
प्र० पू० श्रीधर्मशेखरसूरि उपदेशेन । श्रीः । श्रीः ॥

(३६९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०३ वर्षे आपाद वदि ७ सोमे श्रीदेवकुलपाटकवास्तव्य
श्रे० पातल भार्या श्रीपालनदे तयोः सुत श्रे० चादाकेन स्वमातृश्रेयसे
श्रीश्रेयांसबिंब कारितं प्रति० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(३७०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ मार्ग० वदि १० उ० डीवउडागोत्रे सा० दूदा भा० देल्ह-
णादे पु० पाल्हा भा० चांदूयुतेन नाना पु० संभवनाथबिंब का० प्र० चित्रा-
वालगच्छे श्रीसुनितिलकसूरिभिः ॥

(३७१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०३ व० माघ वदि ३ शुक्ले उपकेशगच्छे उ० ज्ञा० श्रे०
गोत्रे वैद्यशा० सा० झूंगर पु० अर्जुन ऊदा अर्जुन पु० ससारचद-सोभाभ्यां
पितृपुण्यश्रे० श्रीसुमतिनाथवि० का० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(३७२) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०३ वर्षे माघ शुदि ७ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय महं० मण्डलीक
भार्या लाडी पुत्र देवसिंहेन भा० देवलदे सुत नासण जयतादियुतेन श्रीशीत-
लनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठित श्रीद्विवन्दनीकगच्छे श्री..... सेनसूरि-
भिः.....॥

(३७३) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे माह सु०..... भ० श्रीधर्मशेखरसूरिशिष्य पु०
मित्रदत्त जीवितस्वामिविंब कारितं पु० क्षमासुदरेण प्रतिष्ठितं ।

३६८ मदसौर पोरवालों का मन्दिर

३६९ किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर

३७० रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३७१ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

३७२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

३७३ ,, ,, ,, ,,

(३७४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०३ वर्षे माल्हूगोत्रे सा० भाखर भरमी श्राविकायाः पुण्यार्थं सा० काच्छाकेन जीदा खीदा भीदा भादा पुत्रयुतेन कारितं स्वपुण्याय श्रीअजितनाथविंशं प्रतिष्ठितं श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीखरतरगच्छे ।

(३७५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०३ वर्षे श्रीमालजातीय ठाकुर पुत्र कादा नाल्हा हांसा श्रावकपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविं० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(३७६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०४ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने बुधे ऊकेशवंशे दरडा-गोत्रे सा० कालू पुत्र सा० छूदा श्रावकेण पुत्र चाचा समन्वितेन श्रीशीतल-नाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ।

(३७७) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ स० १५०४ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने ऊकेशवंशे भांडशालिक गोत्रे भ० वीकम भार्या वडलदे तत्पुत्रौ भ० जोगा गाऊदसिहो तत्र ठाकुर-सिंहेनात्मस्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेशैः श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(३७८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० सोमे श्रीओसवालजातीय सो० वरसिंग सुत सो० धनाकेन भार्या वाळू प्रमुख-कुटुम्बयुतेन निजश्रेयर्थं श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं श्रीवृहत्तपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(३७९) कुन्धुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ स० १५०४ वर्षे आपाढ सुदि २ सोमे उसवालजातीय । सुराणा-गोत्रे । सा० लखणा भा० लखणश्री पु० सा० सकर्मण सा० शिवरामेन श्रीकुन्धुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे । भट्टारिक श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

३७४ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर

३७५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

३७६ जयपुर पंचायती मन्दिर

३७७ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

३७८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

३७९ जयपुर पंचायती मन्दिर

(३८०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे मार्गशीर्ष सुदि ७ दिने उकेशवंशे साधुशाखायां
सा० लखमण सुत सा० महीपाल सा० वील्हाख्य तेत्र (?) सा० महीपा
भा० रूपी पुत्र सा० तेजा सा० वस्ताभ्यां पुत्रादिपरिवारयुताभ्यां स्वश्रेयोर्थ
श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं श्रीखरतर-श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनभद्रसूरिभिः
प्रतिष्ठितं ॥ श्रीः ॥

(३८१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे माह वदि ६ शनौ श्रीज्ञानकीयगच्छे उ० तेलहरगोत्रे
सा० लूणा भा० लूणादे पुत्र० हचिन पाल्हा सोनाभिः पितृ-मातृश्रेयोर्थ
श्रीसंभवनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं ।

(३८२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ फागुण सुदि ११ डुंगरिया श्रीमाल । सा० साधारण
पुत्रेण सा० समुधरेण श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता तपा०
भट्टारक-श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(३८३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे फागुण शुदि ११ गुरौ श्रीकाष्ठासंघे वागडगच्छे
भ० श्रीहमकी (? हेमकीर्ति) उपदेशेन भ० धर्मसेन भ० श्रीभीमसेन प्रति ॥
हुंबडज्ञातीय कमलेश्वरगोत्रे क० विरूआ भा० करपू सुत नरपाल भा० रत्नू
श्रीचन्द्रप्रभविंशं प्रतिष्ठित ॥ भ्रातृ गोपाल भ्रातृ कान्हा स्व सम—

(३८४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०४ वर्षे फागुण शुदि ११ चडालियागोत्रे सा० पाल्हा पु०
सा० साल्हाकेन पित्रोः पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं मलधा-
रिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(३८५) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ व्य० वील्हा रत्नादे पुत्र लखमण जाल्हाणदे पुत्र नाथू
भा० देदा भ्रातृ सूली नामा वीढा युतया का० श्रीसुपार्श्वः । प्र । तपा-
श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

३८० नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

३८१ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

३८२ जयपुर पचायती मन्दिर

३८३ करमदी आदिनाथ मन्दिर

३८४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

३८५ नागोर बड़ा मन्दिर

(३८६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०५ चैत्र सुदि ७ बुधे लोढागोत्रे सा० गिरराज भार्या कपूरदे
पुत्र केला स्वपूजननिमित्तं श्रेयसे श्रीशीतलनाथविं का० प्र०.....
(तपा?) गच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥१॥

(३८७) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०५ वर्षे चैत्र सुदि १३ रवौ उपके० ज्ञा० व्य० सहजा भा०
सोनलदे पु० कीता भा० कमलादे पु० गोइद गेला । सं० पु० नडला भा०
तेजू निमित्तं श्रीनमिनाथवि० का० प्र० भ० श्रीअमरप्रभसूरिभिः ॥

(३८८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०५ वैशाख शु० ३ प्राग्वाट व्य० मेघा भा० सामी सुत व्य०
मातरेण भा० वानु सुत सूरु सारङ्ग गांगा काला पांचा खीमसी वीसलादि
कुटुम्बयुतेन सुता नाल्ही श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविव कारितं प्र० तपा०
श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजयचन्द्रसूरिभिः । दीसावास्तव्य ॥

(३८९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०५ वर्षे वैशाख सु० ५ बुधे नांदेचागोत्रे सं० मना पुत्र सं०
गोगा भार्या गंगादे पुत्र नरहणतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविं कारित
श्रीधर्मघोषगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीमहीतिलकसूरिभिः ।

(३९०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ ॐ ॥ संवत् १५०५ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने उकेशवशे सा०
भांभा पु० सा० गेहाकेन भार्या गौरदे गंगादे पुत्र कालू खेता जइता दूल्हा
माल्या पौत्र तोल्हा केलू वरसिंह... ग युतेन श्रीसुमतिनाथविं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छाधीश । श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ श्रीः

(३९१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०५ वर्षे वै० शु० ११ उकेश सा० गोसल भा० तोली पुत्र
सा० धानाकेन भा० अपू० आतु सा० हासा पुत्र वरसिंगादि कुटुम्बयुतेन
स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथविं का० प्र० तपा० श्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

३८६ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

३८७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

३८८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

३८९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३९० रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

३९१ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(३६२) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५०५ वर्षे वैशाख सुदि ११ शुक्ले श्रीगिरिपुरे श्रीहुं-
वडझातीय बुधगोत्रे सा० वडा धर्मा भा० चांदी भूचर भार्या उमकू सु०
कूपा भा० पामदे अरि भा० देवी वडा वइता भार्या वइतलदे.....धना
भा० काली श्रेयोर्थ श्रीशान्तिजिनपट्टो मूलनायक.....

(३६३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०५ आषाढ सुदि ६ श्रीउप० सुचितिगोत्रे सा० सीहा भा०
मांवटही पु० सोनाकेन पुत्रपौत्रयुतेन आत्मपु० श्रीचन्द्रप्रभविव का० प्र०
श्रीउपकेशगच्छे श्रीकक्तसूरिभिः ।

(३६४) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०५ वर्षे मार्ग व० ५ सोमे दुग्गडगोत्रे सा० शिवराज भा०
मम्मी पु० सोहिल भा० सुचितिगोत्रीय सा० सारङ्ग पुत्री पुनी तथा चतुर्विं०
श्रीअनन्तनाथविं० का० प्र० उ० वा० श्री० प्र० श्री०.....

(३६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०५ वर्षे पोष सु० १५ उप० ज्ञा० वडालंबीयागोत्रे सा०
णामा पु० सीदा पु० धीरा भा० रम्यापुरी पु० वीरण द्वि० भा० पदी पु०
आंवा भादा आंवा भा० आल्हणदे पु० रिणमा भादा भा० भावलदे आत्मश्रे०
वासुपूज्यविं० का० प्र० श्रीसडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३६६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०५ वर्षे पोष सुदि १५ दिने ऊकेशवंशे प्राहमेचागोत्रे सा०
नरसी भार्या देवलदे सुत सा० कडुआकेन स्वपुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथविं०
कारितं । श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठित श्रीजिनसागर-
सूरिभिः ।

३६२ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर

३६३ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३६४ मंडावर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३६५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

३६६ वूदी ऋषभदेव मन्दिर

(३६७) मुनिसुव्रत पञ्चतीर्थीः

सं० १५०५ माह वदि ७ उ० ज्ञा० लोढागोत्रे सा० सीहा भा० रांभू
पु० पेथा रामा पेथा भा० सीतादे पु० नेमा नाथू जी०दा नेमाकेन भा०
वालहदे युतेन पितृ-मातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतवि० का० प्र० चित्रावालगच्छे
श्रीमुनितिलकसूरिभिः । श्रीः

(३६८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ ऊकेशवंशे श्रे० सांगा
भार्या पाहू पुत्र अमराकेन भार्या सहजलदे सहितेन निजश्रेयोऽर्थ श्रीमत्
श्रीवासुपूज्यविं० कारित श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ॥

(३६९) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ ऊकेशवंशे श्रे० सांगा
भार्या पाहू पुत्र अमराकेन भार्या सहजलदे सहितेन निजश्रेयोऽर्थ श्रीमत्
श्रीवासुपूज्यविं० कारित श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ॥

(४००) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ प्राग्वाटजातीय । सा० पीचन भार्या केलही पु०
देल्हाकेन भ्रातृ लखमण निमित्तं श्रीसंभवनाथविं० कारापितं प्र०.....

(४०१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ४ दिने सोनीगोत्रे सा० जीऊसन्ताने
सा० खीमा पुत्र सा० करमान्देन महणा-पुण्यार्थ श्रीआदिनाथविं० कारितं
प्रतिष्ठितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजिनराजसूरिभिः ।

(४०२)पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे कार्तिक वदि ७ शुके श्रीभावडारगच्छे । ऊकेश-
ज्ञा० आसोलियागोत्रे सा० रामा भार्या लाखू पुण्यार्थ.....

(४०३) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ पोष सु० ५ उ० पंचाणेचागोत्रे सा० मेघा भा० माणिकदे
पु० गेहा भा० पूंजी पुत्रयुतेन गेहाकेन आत्मश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविं० का०
प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

३६७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३६८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

३६९ जयपुर पंचायती मन्दिर

४०० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

४०१ भैंसरोडगढ़ आदिनाथ मन्दिर

४०२ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

४०३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(४०४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०६ पो० शु० १५ सोमे श्रीसामकठगोत्रे सा० करमा
भा० करमादे पुत्र सा० जगसी-रत्नाभ्यां पुत्र देल्हा पौत्र ब्राजू प्रमुखपरि-
वारयुताभ्यां श्रीसुविधिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं खरतर० श्रीजिनभद्र-
सूरिसर्वप्रचरागमैः ॥

(४०५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०६ पौ० शुद्ध १५ ऊकेशवंशे नाहरशाखायां सा०
सरवण भार्या धर्मिणी पुत्र सा० सामल भार्या सामलदे पुत्र सा० श्रीरंगेण
भार्या राजलदे पुत्र सा० सधारण प्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीसुम-
तिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छाधिपति-श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥
शुभभवतु पूजकानाम् ।

(४०६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५०६ वर्षे पोष सुदि १५ दिने श्रीऊकेशवंशे अजित-
नाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे-श्रीजिनभद्रसूरि गुरुराज्ञाविधेयी
सं० पूना भा० चिल्ही श्राविकया ।

(४०७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ माघ वदि ११ तिथौ श्रीमालान्वये ढोरगोत्रे सा०
तोल्हा तद्भार्या सरामानी तत्पुत्र सा० महाराजी श्रीशान्तिनाथविव कारापितं
प्रतिष्ठितं । श्रीखरतरगच्छे स० अजितचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभभवतु ।

(४०८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ वर्षे माह वदि ६ श्रीकोरटकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्य-
सन्ताने । ऊ० ती० सुचन्तीगोत्रे मा० आमरमुण्या पु० हाता भा० हुति
पु० मांडण भार्या माणिक पु० खेतादि श्रीवासुपूज्यविव कारापितं प्र०
श्रीसावदेवसूरिभिः ।

(४०९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०६ वर्षे फाल्गुन वदि ५ सोमवारे ओसवालजातीय
नाहरगोत्रे सा० कील्हा पु० सा० सहिराज भार्या महेश्वरी पु० वीजा-
पर्वताभ्यां स्वपितृपुर्यार्थ श्रीसुविधिनाथविव का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे
श्रीविजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥ श्री ॥

४०४ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

४०५ रतलाम यति लालचंदजी का मन्दिर

४०६ भिनाय महावीर मन्दिर. पाषाण

४०७ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४०८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

४०९ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

(४१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ फा० व० ८ श्रीउ० ग० ककुदाचा०..... गो० सा०
स०.....भा० रत्नादि पु० सुन्दरदास-सदारगाभ्यां पितुः श्रे०
श्रीसंभवनाथविवं कारितं । प्रतिष्ठितं । श्रीकक्षसूरिभिः ।

(४११) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ फा० शु० ६ प्रा० सा० अरसी भा० आल्ही पुत्र सा०
ऊदाकेन भा० नाडी पुत्र मोहणादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथ-
विवं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४१२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १५०६ वर्षे श्रीऊकेशज्ञातीय कांकरियागोत्रे सा० महीपाल
भार्या वारु पुत्र सा० नरसिंहसुश्रावकेण भ्रातृ अरसी पुत्र पूजा सहितेन
निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-
सूरिभिः ॥

(३१३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे चैत्र वदि ५ शनौ लोढागोत्रे । श्रे० गुणा भार्या
गुणश्री पुत्र श्रे० पूजा-काचरभ्यां पितृव्य धन्ना पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथवि०
का० प्र० खरतर० श्रीजिनभद्रसूरि-श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(४१४) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ ज्येष्ठ व० ६ उकेश श्रे० धन्ना भा० वर्जी सुत लाडउ-
लिवासि श्रे० साल्हाकेन भा० ढाही प्रमुखकुटुम्बसहितेन श्रीसुपार्श्वविवं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(४१५) धर्मनाथः

॥ संवत् १५०७ वर्षे ज्येष्ठ वदि २ दिने सोमवारे उकेशवंशे बुहरा-
गोत्रे सा० अजु तत्पुत्र सा० महिराज तत्पुत्र गोरा प्रमुखसारपरिवारयुतेन
माल्हाणदे पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

४१० जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४११ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

४१२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

४१३ ग्रामेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

४१४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

४१५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पापाण

(४१६) वासुपूज्य-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठ सु० २ भौमे ओसवालज्ञातीय खावहीगोत्रे सा० देदा भा० सांपड़ । पु० सं० मेला भा० सुहव पु० सा० जाल्हा वणवीर । दसरथ संयुतेन श्रीवासुपूज्यजिनप्रमिते श्रीचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितं श्रीकृष्णार्पिगच्छे तपापक्षे श्रीजयसिंहसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः शुभंभवतु ॥

(४१७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे कार्तिक सु० ११ शुके प्राग्वा० कोठा० लाखा भा० लाखणदे पु० को० परवत भार्या लोला डाहा नाना डंगूर युतस्तेन श्रीसंभवनाथविव का० उएसगछे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने प्रति० श्रीकृष्णसूरिभिः ॥

(४१८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे मागसिर सुदि २ नाहरगोत्रे सा० देपाल पु० धनाकेन भा० हरखु पु० भांडा सांडा ऊघायुतेन पितृपुण्यार्थं श्रीशीतल-नाथविवं कारितं प्र० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥॥ शुभंभवतु ॥

(४१९) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०७ वर्षे मार्गसिर सुदि ३ शुके उपकेशज्ञातीय जावडगोत्रे सं० धणसीह भार्या दादह बीसल भार्ता (भ्राता) महिपाल पु० नगराज साधो आत्मपुण्यार्थं श्रीविमलनाथविवं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीसागरसूरिभिः ।

(४२०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे माघ सुदि ५ शुके । श्रीगुर्जरज्ञातीय मं० परवत भा० प्रीमलदे पु० राणा भा० वीरु तयोरात्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारा-पित प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु कल्याणाम्ब ।

(४२१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ माघ सु० ५ सा० खीवर भा० खेढी पुत्र सा० जिनदत्तेन भा० अर्चू सुत भांभरणादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथविवं का० प्र० श्रीसो-मसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

४१६ सैलाना ऋषभदेव मन्दिर

४१७ नागोर वडा मन्दिर

४१८ किशनगढ खरतरग० उपाश्रय

४१९ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

४२० जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. घाट

४२१ वेंतेड विमलनाथ मन्दिर

(४२२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे माह सुदि १३ शुक्रे खटवङ्गोत्रे सा० साल्हा भार्या
सोना पुत्र सा० कुशलाकेन भा० कमलश्री पु० धन्नादियुतेन श्रीआदिनाथ-
विवं का० प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ।

(४२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०७ वर्षे माघ सुदि...भणसालीगोत्रे । श्रीकोरंटगच्छे
उसवालज्ञा० सा० सादा भा०.....पु० श्रीधर..... पितृ-मातृश्रेयोर्थ
श्रीआदिविवं कारितं प्र० श्रीकक्षसूरिपट्टे.....

(४२४) वासुपूज्यः

॥ संवत् १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ दिने श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदा-
चार्यसन्ताने श्रीउपकेशज्ञातौ श्रीचिचटगोत्रे चि० देसल.....आस
द्वयनग भार्या सुनखत पु० सा० श्रीचन्द्र भा० उमादेव्या स्वश्रेयसे श्रीवासु-
पूज्यविवं का० प्र० श्रीकक्षसूरिभिः (आगे पलांठी पर) श्रीउमादे श्रीवासु-
पूज्य सं० १५०७ वर्षे ।

(४२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे फा० व० ३ बुधे ओशवंशे बहुरा हीरा भा० हीरादे
पु० व० खेता भा० खेतलदे पुत्र व० महीपति पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविवं
कारितं खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरि-श्रीजिनसागरसूरिभिः प्रार्तिष्ठतं ।

(४२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ उ० ज्ञा० सा० महिषा भा० तेजू
पु० लोला भा० लीलादे सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविवं का० प्र०
वृत्राणा । श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

(४२७) अभिनन्दन.

॥ सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३.....श्रीसहजपालेन
श्रीअभिनन्दनविवं कारि० श्रीखरतरगच्छे प्र० श्रीजिनसागरसूरिभिः ।

४२२ नागोर वडा मन्दिर

४२३ मालपुरा सुनिसुन्नत मन्दिर

४२४ भिनाय महावीर मन्दिर. पापाण

४२५ मेडतामिटी युगादीधर मन्दिर

४२६ मेडतामिटी युगादीधर मन्दिर

४२७ केकडी चन्द्रप्रभ मन्दिर. पापाण

(४२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ गुरौ कोरटकीयगच्छे वित्रांगच्छरु-
गोत्रे..... पूजा भा० वादू सुहडाहरआदि श्रीसंभवनाथ-
विवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमदेव० पूर्णिमा..... ।

(४२९) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ प्राग्वट् सा० पांचा भार्या सरसू पु० सा० पेशाकेन भा०
जीविणी भ्रातृ सा० मूना हांपादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभुविवं
कारितं प्रति० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्री ।

(४३०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे वैशाख वदि २ श्रीपल्लिकीयगच्छे उ० छाहडगोत्रे
सा० जइता पुत्र हेला भा० करमादे पुत्र भीमड भार्या जावलदे पु० देवा सह
श्रीसुमतिनाथवि० का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

(४३१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ व० वै० शु० ५ सोमे ओसवालजा० लोढागोत्रे सा०
विजयसी भा० वारू तत्पुत्र सा० पाचू भा० अपायू आ० पुण्यार्थ श्रीशीत-
लनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(४३२) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ कुकदाचा० ओसवालजातीय सा०
कमला भा० लाघु तत्पु० गातणेन स्वश्रेयसे श्रीनेमिविवं का० प्र० श्रीओस-
वालगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ।

(४३३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० श्रीमालन्याती डीडावतगोत्रे सा०
भोजा भा० असू पुत्र तंवाभ श्रीफल श्रीधर्मनाथविवं कारापितं प्रति-
ष्ठितं..... ।

४२८ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

४२९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

४३० खजवाला धर्मनाथ मन्दिर

४३१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

४३२ भैसरोडगढ आदिनाथ मन्दिर

४३३ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

(४३४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०८ वर्षे माग० व० २ बुधवारे उसिवालन्यातीय वीरे-
चागोत्रे सा० सिधा पु० सेऊ आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथवि० का० प्र०
चित्रावालगच्छे मुक्तिवि० सूरिः ।

(४३५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०८ वर्षे मार्ग० वदि २ श्री..... सा० धीरा
पु० सुरज भा० गांगी पु० सा० श्रीचन्देन श्रीसुमतिनाथवि० का० श्रीउपके-
शगच्छे कुक्कुटाचार्यसन्ताने ॥ प्रति० श्रीकक्कसूरिभिः ॥ छः ॥

(४३६) संभवनाथः

॥ संवत् १५०८ माघ वदि ४ सोमे..... श्रीसंभवनाथवि०
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीमुनिसुन्दरसूरिभिः ।

(४३७) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे वैशाख सु० ३ उपकेशज्ञातौ आइरीगोत्रे सा० लूणा
पुत्र सा० गिरराज भा० सुगुणादे पु० सोनाकेन पु० ठाकुर देवा स० श्रीच-
न्द्रप्रभस्वामिविवं उपकेशगच्छे कक्कु० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ।

(४३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ वर्षे वैशाख सुदि ५ सोम दिने उपकेशज्ञातीय वावेल-
गोत्रे सोमा भार्या सरसा स्वआत्मपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविवं कारितं प्रति०
श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ।

(४३९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे आपाद व० २ गुरौ उ० सा० देल्हा भार्या देवलदे
पुत्र लोला लखमण लोहट सादादिभिः स्वमातृ-पितृश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथ-
विवं कारितं । ऊकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥
विशेषतो लोहटेन कारितमिति ॥

४३४ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४३५ मांगानेर महावीर मन्दिर

४३६ सवाई मावोपुर विमलनाथ मन्दिर

४३७ नागौर बड़ा मन्दिर

४३८ बूँदी पार्श्वनाथ मन्दिर

४३९ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर

(४४०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे आपाढ वदि ६ शुक्ले ऊ० जा० सोपारागो० सा० घडसी भा० खेमू पु० नोहलकेन पूर्वजपुण्यार्थं शान्तिबिब प्र० संडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(४४१) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५०६ वर्षे आपाढ सुदि २ सोमे ओसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० लखमण भा० लखणश्री पु० सा० सकर्मण भा० सावराजेन श्रीकुन्थुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे । भट्टारक श्रीपद्मानन्द-सूरिभिः ॥ श्री ॥

(४४२) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५०६ वर्षे मा० वदि ४ प्राग्वाटज्ञातीय दो० वीसल भार्या वडजलदे पुत्र दो० लाखाकेन भा० लाधू पुत्र कुरपाल मंडलिक देवराजादि कुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविवं कारितं प्रति० बृहत्तपाशाखायां श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्ट (ट्टे) श्रीजयचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४४३) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे माह सुदि ५ सोमे उपकेशज्ञातौ श्रेष्ठगोत्रे सा० कूरसी पु० पासड भा० जइतलदे पु० पारस भा० पाल्हणदे पु० महा परवत युतेन पितृश्रेयसे श्रीसभवनाथविवं कारितं ५० श्रीककुदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीककसूरिभिः ॥

(४४४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे माघ सु० ५ शुक्ले श्रीश्रीमालज्ञातीय पत्तनवास्तव्य श्रे० सादा भा० भवकू सुत श्रे० सिंघाकेन भा० रतनू पुत्र ठाकुरसी माणिकसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविवं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥ १

(४४५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे माघ सु० १० शनौ श्रीमालज्ञा० मूठियागोत्रे सा० खीवपाल पु० सोनाकेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारितं प्र० श्रीखर-तरगच्छे श्रीजिनतिलकसूरिभिः ॥

४४० मन्दसौर पोरवालों का मन्दिर

४४१ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४४२ वीबड़ोद ऋषभदेव मन्दिर

४४३ नागौर बड़ा मन्दिर

४४४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

४४५ नागौर बड़ा मन्दिर

(४४६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० ओकेशवशे गहिलडागोत्रे सा०
नेना पु० सा० तोल्हा-खिमराजाभ्यां स्वपुण्यार्थं श्रीपद्मप्रभस्वामिविवं का०
प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४४७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० उक्केशवंशे अजसेरागोत्रे सा० सधा-
रण पु० सा० लाखा बाल्हा केल्हाकैः स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविव का० प्र०
मलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४४८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० उपकेशजातीय सत्यकीशाखायां सा०
सांगा भा० सुहडादे पु० जगमाल भा० जसमादे कान्हा भा० कजतिगदे
श्रीसुमतिनाथविव का० प्र० पूर्णिमापक्षीय भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

(४४९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०६ वर्षे फाल्गुण वदि १० शनिवारे काकलवाड्यागोत्रे
सा० देवराज भार्या लखमा तयोः पुत्रेण सा० पाल्हाकेन आत्मश्रेयसे
श्रीसंभवनाथविवं कारितं धर्मघोषगच्छे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ।

(४५०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५०६ वंशे उसवशे सा० हड्डा भार्या आल्हाणदे पुत्र कोल्हा-
केन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरीसूरीणां उपदेशेन पितृश्रेयोर्थं श्रीआदिना-
थविवं कारितं प्रतिष्ठितं.....

(४५१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र वदि ४ तिथौ शनौ हिंगडगोत्रे गौडन्द पुत्रेण
सा० सिंघाकेन निजश्रेयो० निमित्तं श्रीसु (वि) धिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं
तपा० भ० श्रीहेमदससूरिभिः ।

४४६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

४४७ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४४८ किसनगढ़ खरतरग० उपाश्रय

४४९ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

४५० जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

४५१ अमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(४५२) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र व० ८ बुधे श्रीमालज्ञा० काणागोत्रे सा० जयता भा० कान्हू पुत्र । सा० हांसा-चांपाभ्यां स्वश्रेयर्थे श्रीअभिनन्दनवि० का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीमत्सुन्दरसूरिभिः ॥

(४५३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० चढचह्यागोत्रे पं० गोसल भा० गुरादे पुत्र अर्जुनेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथवि० का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीसांतिसुन्दरसूरिसूरिभिः ॥

(४५४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० हरियाणागोत्रे सा० हापा भा० करणू पु० सारंगेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुना० वि० का० प्र० श्रीरुद्र-पल्लीय श्री.....(देवसुन्दरसूरिभिः ?)

(४५५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० वराहरियागो० सा० लाहड भा० मदोयरी पुत्र राववेन भा० लाखी पु० बालापर्वत हसादियु० स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुवि० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

(४५६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र व० ८ बुधे श्रीमालज्ञातीयगोत्रे सा० वीरभ भा० भीनी पुत्र पाल्हाकेन भा० पाल्ही पु० पूणायुतेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभ० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे भ० श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

(४५७) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१० वर्षे वै० व० ५ प्रा० सा० मन्ना भा० माल्हाणदे पुत्र चाम्पाकेन भा० रतनू पुत्र चोजा सोभा रङ्गसादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रविं० का० प्र० भ० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ श्रीचिरंभूयात् ॥ मालचे ॥

(४५८) महावीरः

संवत् १५१० वर्षे वैशाख वदि १३ सोमे आलात्रामे (?) श्रीसंघ श्रीमहावीरविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे.....उसूरिभिः ॥

४५२ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

४५३ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

४५४ सांगानेर महावीर मन्दिर

४५५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

४५६ नागोर बड़ा मन्दिर

४५७ भैसरोड़गढ़ आदिनाथ मन्दिर

४५८ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

(४५६) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५१० वर्षे ज्येष्ठ सु० ३ गुरौ ऊकेशज्ञातीय छाजहडगोत्रे सा० जगडा भार्या कुंति पु० तिहुणाकेन भार्या वयजलदे पु० गेदा देदा सहितेन मातृ-पितृ-स्वपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनशेखरसूरिपट्टे । भ० श्रीजिनधर्मसूरिभिः ॥ छ ॥

(४६०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थाः

संवत् १५१० वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ महिषा मातृ माल्हाणदे श्रेयोर्थं सुत मोकलेन श्रीसंभवनाथविवं कारितं श्रीपूर्णिमापत्ते श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना ।

(४६१) महावीर-पञ्चतीर्थाः

संव० १५१० ज्येष्ठ सु० ३ रवौ प्राग्वाट पीपलियावासी सा० वीरा पुत्र सा० झंगरसी भ्रातृ खेतसी सहसा समधर देवधर कर्मा भा० जासू तीजू वई जाई कन्यादि कुटुम्बयुतैः श्रीमहावीरविवं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि भ० मुनिसुन्दरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ ॐ ॥ सं० १५१० वर्षे आपाढ वदि १० सोमे श्रीऊकेशवशे माल्हा-गोत्रे सा० जिणदत्त भा० वणु पु० गांगां भा० गांगादे पुत्र कूमादियुतेन श्रीशान्तिविव कारितं प्रति० श्रीखरतरग० श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ ।

(४६३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थाः

संवत् १५१० वर्षे आपाढ वदि १३ रवौ श्रीभावडारगच्छे उपकेश-ज्ञातीय वांहीयागोत्रे सा० साचा भा० श्रीआदे पु० वरसिंह भा० जीवादे पु० श्रीमल्ल भ्रातृ सा० होला भा० हीरादे पु० चाहड योधा प्रमुखकुटुम्बेन श्रीसंभवनाथविवं कारितं प्रति० श्रीकालिकाचार्यसन्तानीय श्रीश्रीवीरसूरिभिः ॥

(४६४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ सं० १५१० वर्षे आपाढ सुदि २ उके० सीसोदियागो० सा० कर्मा भा० कर्मादे पुत्र जागू भा० जसमादे पु० वील्हा चहुवदेवानेमाभ्यां स्व-पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथवि० का० प्र० श्रीसडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

४५६ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

४६० सांगानेर महावीर मन्दिर

४६१ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

४६२ जयपुरं पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

४६३ विलाय शान्तिनाथ मन्दिर

४६४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(४६५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० माघ सु० ५ श्रीमालवेशे नवलगोत्रे । सा० वीना पु० सा० गणपति पुत्र जगमाल । श्रीकुन्थुनाथविं कारितं श्रीखरतरगच्छे । श्रीजिनप्रभसूरिश्चान्व । प्र० श्रीजिनतिलकसूरिभिः ॥

(४६६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे माघ सुदि ५ दूगङ्गगोत्रे सा० सींहा भा० इदी पु० सहदे सा० सोढा सहजा सलखां तेषु सहदेव गौरीपुण्यार्थं कुन्थुनाथविं कारितं प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीअमरप्रभसूरिपट्टे श्रीरत्नचन्द्रसूरिभिः

(४६७) नमिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१० वर्षे माघ सुदि ५ शुके श्रीनाणकीयगच्छे उ० तेलहर-गोत्रे सा० जाला भार्या कपूरदे पुत्र करणा-कालूद्वाभ्यां पितृ-मातृश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टकं श्रीनमिनाथविं कारित । प्रतिष्ठितं श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे श्री-शान्तिसूरिभिः ।

(४६८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५१० वर्षे माघ सुद १० उकेशहाती० पीपाडागोत्रे सा० रामराज पुत्र सा० छाजूकेन सोनपाल कुंवरपाल माडादि पुत्र-पौत्र-सहितेन श्रीशीतलविं का० प्र० तपा-भट्टारक श्रीक्षेमहंससूरिभिः ॥

(४६९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१० वर्षे ओसवशे म० अर्जुन भा० लूहोला बोहथकेन सं० नाल्ह नींवा भा० नाल्हश्री पु० मेघादि कुटुम्बयुक्ते श्रीशान्तिनाथविं का० प्रति० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे मुनिसुन्दरसूरि चैत्रवदि ४ शनिवासरे ।

(४७०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१० वर्षे देवरा० उ० ज्ञा० पीपाडागोत्रे स० कमला भा० कौल्हादे सु० कलाकेन भा० कपूरदे पुत्र देल्हापद्मा कर्मसी धर्मसी भा० देवलदे पोमलदे कश्मीरदे सोनादे प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रेयसे पल्लीवालगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः ॥ शुभभवतु ॥

४६५ सांगानेर महावीर मन्दिर

४६६ सांगानेर महावीर मन्दिर

४६७ करमदी आदिनाथ मन्दिर

४६८ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

४६९ मालपुरा मुनिसुन्नत मन्दिर

४७० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(४७१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५११ वर्षे ज्ये० सु० ३ गुरौ श्रीहंगडगोत्रे सा० श्रीपोपा-
सन्ताने सं० अर्जुन भार्या सणखी पु० सं० सिवराज सु० धनराज भार्या
सालिगही सुतेन भावदेवेन भा० वीरी पु० जगमलयुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामि-
विवं का० प्र० वृ० श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे श्रीरत्नाकरसूरिभिः शुभम् ।

(४७२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५११ वर्षे ज्ये० शु० ८ प्राग्वाटजातीय ज्ये० ऊधरण भा०
सहजलदे सुत देवाकेन भा० देवलदे वृद्ध भ्रातृ भीमा खीमादिकुटुम्ब-
युतेन आत्मश्रेयोर्य श्रीविमलनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्न-
शेखरसूरिभिः । श्री

(४७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे आपाढ वदि ६ घाघगोत्रे सा० महाराज भार्या
महासिरी पुत्रेण सीहाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४७४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे आपाढ वदि १२ शनि० उस० वातरुणरागोत्रे सा०
हाला भा० रत्नु पु० ताड आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मघोष-
गच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

(४७५) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे आपाढ सुदि ६ प्राग्वाटजा० व्य० सामंत भा०
तेली पुत्र व्य० कर्मणैर्नभा० जनकूपुत्र धीरा भा० आसुप्रमुखयुतेन श्रीनमि-
नाथविवं का० प्रतिष्ठितं श्रीजयकेसरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(४७६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५११ वर्षे मार्गशिर सु० ५ रवौ उपकेशजातीय साह
आसा भा० अहविदे पु० सा० हठा कुरसी भा० जानू सहितेन पितृ-मातृ-
श्रेयोर्य श्रीआदिनाथविवं का० श्रीकोरंटगच्छे प्रति० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

४७१ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

४७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

४७३ करमदी आदिनाथ मन्दिर

४७४ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

४७५ मूँटा पार्श्वनाथ मन्दिर

४७६ नागौर बड़ा मन्दिर

(४७७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे पो० व० ५ उकेशवं० अजन भा० साऊ सु० धर-
माकेन सा० माकू पु० भ्रातृ कर्मणश्रेयसे श्रीविमलविवं का० प्र० श्रीरस्तु

(४७८) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे मा० व १ सिद्धपुरे भावसार देवा भा० कीकी पुत्र
प्रथमाकेन भा० मानू पुत्र सांगा देपालादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे
श्रीवर्द्धमानविव कारितं प्रतिष्ठित ॥ श्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्यतपागच्छेश
श्रीश्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४७९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे माघ शु० २ शनौ उपकेशज्ञातौ सुचितितगोत्रे सा०
सादा भा० कन्नुई पु० रंभुकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविव कारित
प्रति० श्रीउपकेशगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ॥ ७४

(४८०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे माघ शु० ५ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० महुणासी
भार्या नाऊ सुत कीकाकेन पितृ-मातृनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथ-
विव कारित प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः मेहुणावास्तव्य ।
श्री ।

(४८१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ फागुण सु० ११ सोमे उपकेशज्ञातौ आदित्यनागगोत्रे
धांधू शाखा० स० भांबा भा० भांवशी पु० सा० वीरा भा० विडलश्री पु०
सा० सांगाकेन भा० सुहागश्री पुत्र नरसिंह-भोजाभ्यां युतेन स्वश्रेयसे
श्रीश्रेयांसनाथविव कारित श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यस० प्रतिष्ठितं
श्रीकक्कसरिभिः ॥ श्रीः ॥

(४८२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ७ बुधे श्रीउपकेशज्ञातीय श्रे० अमरा
सुत सा० गोरआ भार्या रजादकेन श्रीजीवितस्वामि श्रीनमिनाथविव का०
प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः ।

४७७ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

४७८ आमरे चन्द्रप्रभ मन्दिर

४७९ महुवा नेमिनाथ मन्दिर

४८० जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

४८१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

४८२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(४८३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

ॐ ॥ सं० १५१२ वर्षे आषाढ वदि १ दिने श्रीऊकेशवंशे थुल्लगोत्रे सा० सादूल भार्या सूर्यवदे पुत्र सा० पासा श्रावकेण भार्या रूपादे पुत्र पूजा प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीशान्तिनाथविंश कारित प्रतिष्ठित श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(४८४) अरनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१२ व० मार्गशिर वद बीज सोमवारे । सुचितीगोत्रे । सा० खेता भा० खेतलदे पु० भोजा भा० रूपलदे पु० पन्ना पुण्यार्थ श्रीअरु-नाथविंश का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

(४८५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१२ वर्षे मार्गशिर व० १२ ऊके० ज्ञातीय चंडालियागोत्रे सा० काला भा० कमलसिरी-पु० ५ सा० सुहडा भा० सुहडसिरी हर्षमदे पु० सा० राजा भा० सरूपदे पु० २ हेमो सहदेवु श्रेयसे पितुः मातुः पु० श्रीकुन्थुनाथविंश का० श्रीमलधारग० प्र० श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४८६) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१२ मार्ग० सु० १५ कांवलीवासी प्राग्वाट् श्रे० गोधा भा० कमी सुत नरदे सहसा कान्हा आ० धीरांकेन भा० तारु सुत खीमादिकुटुम्ब-युतेन श्रेयसे श्रीअभिनन्दनविंश का० प्र० तंपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि-शिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४८७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थी:

ॐ ॥ सं० १५१२ माघ वदि ७ बुधे उपकेशजातौ आडरियागोत्रे सा० लूणा पु० राणा भा० राणादे पु० पर्वतेन भा० प्रेमलदे पु० धीरा राघव सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीसंभवनाथविंश कारित प्र० उपकेशगच्छे ककुदा-चार्यसं० श्रीकक(क)सूरिभिः ॥

४८३ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

४८४ सांगानेर महावीर मन्दिर

४८५ बीवडोद ऋषभदेव मन्दिर

४८६ नागौर बडा मन्दिर

४८७ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(४८८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१२ माघ वदि ७ बुधे उपकेशज्ञातौ आदित्यनागगोत्रे सा० तेजा पु० सुहृडा भा० सोना पु० सादा वच्छा हांसा पासा देवादिभिः पित्रोः श्रेयसे श्रीसुमतिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठित उपकेशगच्छे ककुदाचार्य-सन्ताने श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(४८९) शान्तिनाथः

सं० १५१२ व० माह सु० ५ रवौ प्रा० सा० पदम भार्या मही पुत्र धरणा.....शान्तिनाथविवं का० प्रतिष्ठितं.....सूरिभिः ॥

(४९०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ संवत् १५१२ वर्षे फागुण सु० ७ सो० गांधीगोत्रे ऊसवंशे । सा । सारिगं सुत फेरु भा० सहूवदे पुत्री वाई सोनाई पुण्यार्थः श्रीअजितनाथविम्ब कारापितं । श्रीअंचलगच्छे । प्रतिष्ठितं । श्रीभावसागरसूरिभिः ॥

(४९१) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१२ वर्षे फागुण सुदि ८ शनौ ऊ० वंशे भंडारीगोत्रे भं० गजर भार्या ससारदे नाम्नी पुत्र वीरम वेलाभ्यां देवा पुण्यार्थ अभिनन्दन-कारितं । संडरेगच्छे प्रतिष्ठित श्रीशातिसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ श्रीः ॥

(४९२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१२ फागु० सुदि ८ रांकागोत्रे सा० छींछर पु० उदयसीह भा० सूदी पु० खेता पु० सहसंमले भ्रातृ खेढा-सम हे० पीशीयाकरण निमित्तं नि० श्रीश्रेयांसनाथ उपकेश प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(४९३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१२ वर्षे फागुण सुदि ८ शुके लिगागोत्रे सं० खेता पुत्रेण सा० डालूकेन । पुत्र वेल्हायुतेन । पितरनिमित्तं नमिविवं का०-प्र० तपा-गच्छे भ । श्रीहेमहससूरिभिः ॥

४८८ नागोर बड़ा मन्दिर

४८९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण

४९० भैंसरोड़गढ़ आदिनाथ मन्दिर

४९१ सिरौही

४९२ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

४९३ दान्तरी आदिनाथ मन्दिर

(४६४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

संव० १५१२ वर्षे फागुण सुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालजातीय व्यव० नरसी सुत काला सुत वर्धमान सुत दो० वालाकेन भा० कुंअरि सुत सारण प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वभ्रातृ जाथाराम निश्रेयोर्थ श्रीसुमतिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५१२ वर्षे फा० शुदि १२ प्रा० सा० समरसी भार्या हपू सुत सा० तोला तील्हा छाडादिभिः भा० हीरू तारादे कुन्तिगदेव्यादिकुटुम्बयुतेन सा० वयरसिंहादिपूर्वजश्रेयसे श्रीविमलनाथविवं का० प्र० श्रीतपा श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ॥

(४६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५१२ फा० सु० १२ दिने थुलगोत्रे सा० मूला पुत्र जेसाकेन पु० पेमा खेता खेमायुतेन स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथविवं का० प्र० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीः ॥

(४६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५१२ वर्षे फागुण सुदि १२ श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदा-चार्यसन्ताने । श्रीउपकेशज्ञातौ श्रीआदित्यनागगोत्रे सा० आसा भा० जीवू पु० छाजू भा० छाजलदे पितृ-मातृश्रे० श्रीआदिनाथवि० प्रतिष्ठितं श्रीकक्क-मूरिभिः ॥

(४६८) सुमतिनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१३ वर्षे पञ्च्यां तिथौ गुरुवासरे उपकेशवंशे बहुरागोत्रे सा० तापर..... सरु पुत्र सा० हा..... श्रीचैत्रगच्छे प्रति-ष्ठितं श्रीउ(द)याकरसूरिभिः ॥ १ ॥ चैत्रमासवे । ॥ ॐ ॥ श्रीसुमति-नाथविवं ॥

(४६९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५१३ वर्षे चैत्र सुदि ६ गुरौ उप० आदित्यनागगोत्रे । सा० करमा भा० कडतिगदे । पु० पामा देदा सुरजा सहितेन मातृ-पितृआत्म-श्रेयोर्थ श्रीनमिनाथविवं का० उ० प्र० श्रीकक्कमूरिभिः ॥

४६४ नागोर बड़ा मन्दिर

४६५ विलाव शान्तिनाथ मन्दिर

४६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

४६७ नागोर बड़ा मन्दिर

४६८ सांगानेर महावीर मन्दिर

४६९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(५००) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५१३ वर्षे चैत्र सुदि ६ गुरुवारे घाघगोत्रे सा० सिवराल
भा० साथू पु० सा० नयणाकेन भा० स्वपुण्यार्थ श्रीपासवि०
का० प्रति० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(५०१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१३ चैत्रे ओसवाल म० रत्ना भा० माऊ पु० वाघा-फदाभ्यां
क्रमात् भा० रत्नू । वीजलदे । पु० भूभुच । सोमादिकुटुम्बपरिवृताभ्यां
श्रीमुनिसुव्रतस्त्रामिविवं निजमातृश्रेयसे का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिशि-
ष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ इलादुर्गे

(५०२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१३ वर्षे वैशाख वदि ४ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सादूल
भा० ससारदे सु० सालिग भा० रामू सदितेन निजपुण्यार्थ जीवितस्वामि
श्रीकुन्थ (थु) नाथविवं कारित श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरीणामुपदेशेन
प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(५०३) विमलनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१३ वर्षे वै० व० १२ दिने आम्लाहिवासि प्राग्वाट सा०
मेहा भा० सची सुत सा० धन्नाकेन भा० रुदी पुत्र सा० रामा सा० देवादि-
युतेन श्रीविमलविवं का० । श्रीतपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-गच्छनायक-
श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५०४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१३ वर्षे वैशाख सुदि २ चण्डालियागोत्रे सा० रत्नसी भाऊ
पु० सा० चूहा सा० हेसाभ्यां स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथविव का० प्र० श्रीम-
लधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ।

(५०५) सभवनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१३ वर्षे वैशाख सुदि ५ उपकेश० गुन्दोचागोत्रे सा० धीरा
भा० धीरलदे पु० देवा भा० सहजलदे पाल्हा भा० पोमादि स्वश्रे० सभव-
नाथविवं का० प्र० श्रीचित्रवालगच्छे भ० श्रीमुनितिलकसूरिपट्टे श्रीगुणा-
करसूरिभिः ॥

५०० सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

५०१ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

५०२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

५०३ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

५०४ भिनाय महावीर मन्दिर

५०५ नागौर बडा मन्दिर

(५०६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वै० शु० ७ श्रीमालज्ञा० सा० वाना भार्या वाल्ही सुत
सं० खरहथेन भा० दामा सुत वीरम आतृ नाथू प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थ
श्रीआदिनाथविवं का० प्र० तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५०७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे वैशाख सुदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मामट
भार्या हीरु सुत पुनसीकेन मातृपितृश्रेयोर्थ विमलनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसूरिभिः विधिना ।

(५०८) धर्मनाथः

॥ सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ गुरौ श्रीमालवंशे आकदूधियागोत्रे
श्रे० सा० इरिया भा० बालहदे पुत्र सं० डूंगर सुश्रावकेण श्रे० जेवंत
जीदा साधु परिवृतेन भा० लीलादे-श्राविकापुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविवं का०
प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ (आगे पलांठी पर) सा० डूंगर
भा० लीला धर्मनाथं प्रणमति

(५०९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय पहिलगोत्रे
सा० जगसी भा० ऊमी पुत्र राजा देल्हा कीका प्रमुखसकुटुम्बेन पितृव्य
धाधानिमित्तं श्रीसुविधिनाथविवं का० प्र० श्रीश्रीभीनमाल । भ० श्रीदेव-
सूरिपट्टे भ० श्री माघ..... ।

(५१०) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्रे ऊकेशवंशे सा० नगराज भा०
गीगाई पु० भीष्मताप (?) भार्यया सा० केशराज काममणि सुतया रोहिणी-
नाम्न्या श्रीविमलनाथविवं का० प्र० अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदे-
शात् ।

५०६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

५०७ सैलाना सुनिसुव्रत मन्दिर

५०८ मालपुरा सुनिसुव्रत मन्दिर. पापाण

५०९ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर

५१० चाटमू आदिनाथ मन्दिर

(५११) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शनौ उपकेशज्ञातीय सांडगोत्रे सा० मांडण भा० माणिकदे पु० खेताकेन भा० लखमादे सहितेन सूरमदे निमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षी प्रतिष्ठितं श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

(५१२) कुन्थुनाथ

॥ सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ गुरौ श्रीपारखगोत्रे सा० मोल्हा भा० राजू पुत्र ईसर सुश्रावकेण भा० जादवदे युतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(५१३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५१३ वर्षे आषाढ सु० २ दिने उकेशवंसे कूकडागोत्रे । चोपड़ा सा० ईसर भा० राणी सुत सरवणेन भ्रातृ राल्हा कूपा पु० मला रत्ना चांपा वरसिंघ खीमा हर्षा आंवा ब्रजांग चाचादिपरिवारसहितेन श्रीशांतिबिंबं कारितं प्र० खरतर० श्रीजिनभद्रसूरिभिः

(५१४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१३ वर्षे आषाढ सुदि २ गुरु दिने उपकेशज्ञातीय मंडलेचागोत्रे सा० चूहथ भा० वाहिणदे पु० रणमल भा० रतनादे पु० माहा युतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीबृहद्गच्छे जीनेरावटके (?) भ० श्रीहेमचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीकमलप्रभसूरिभिः

(५१५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे आषाढ सुदि २ गुरौ उपकेशगच्छे श्रीकुकदाचार्य सन्ताने उप० बलहिगोत्रे जाणा पु० जेसल भा० जसमादे पु० भादा भा० कुंतगदे पु० सांगा युतेन पूर्वजनिमित्तं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्सूरिभिः ॥

५११ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

५१२ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर. पाषाण

५१३ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

५१४ नागोर बड़ा मन्दिर

५१५ सांगानेर महावीर मन्दिर

(५१६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे आ । २ तिथौ घाघगोत्रे सा० खेता भा० कनकेन पु० देवसी भा० देवलदे पु० माला-युतेन स्वश्रेयसे श्रीसांतिनाथविवं कारितं प्र० मलधारीगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः

(५१७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५१३ वर्षे आसाढ सुदि ६ दिने उकेशवंशे मंत्रि पूंजा पुत्र मं० धन्नाकेन निज भार्या सोनादे पुण्यार्थं श्रीआदिनाथविवं कारितं प्र० श्रीखरत० श्रीश्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(५१८) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ पोष सु० ७ उकेशवंशे लोढागोत्रे सा० लूणा पुत्रेण सा० सालहाकेन निजभार्यानिमित्तं श्रीसुविधिनाथविवं का० प्रतिष्ठितं तपा० भट्टारक श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(५१९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे माह वदि ६ गुरु ज्ञानकी० उप० मं० मांडण भा० माणिकदे पु० लोलाकेन भा० लाच्छलदे पु० परवतेन भा० चांदा सहि० पितृ-निमित्तं श्रीशान्तिनाथविव का० प्र० मं० श्रीशान्तिसूरिपट्टे मं० श्रीसिद्ध-सेनसूरिभिः ॥

(५२०) विमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५१३ माघ सु० ७ बुधे श्रीउसवालजाती लोढागोत्रे सा० भूचर भा० सरू पु० हर्ष भा० सहगई पु० भरहकेन पितृश्रेयसे श्रीविमल-नाथविव कारित श्रीरुद्रपल्लीयग० श्रीदेवसुन्दरसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीसोम-सुन्दरसूरिभिः

(५२१) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५१३ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे ओसवालजातीय व्य० सूर्य भार्या सहवदे पितृमातृश्रेयसे सोमल-पद्माभ्यां श्रीश्रीकुन्धुनाथमुत्त्यपच-तीर्थी कारिता पूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय मं० पामचंदसूरिपट्टे भट्टारक श्रीजय-चन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

५१६ सांगानेर महावीर मन्दिर

५१७ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

५१८ नागौर बडा मन्दिर

५१९ जडाउ पार्श्व नाथ देरामर

५२० नागौर चोसठियाजी का मन्दिर

५२१ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(५२२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ फागुण वदि ५ नगणावाल भा० सांरी सां । घूघल-
पुत्रेण । सा० नरदेवेन वीतरादे पुत्र सहितेन श्रीशान्तिनाथ-प्रतिमा-कारिता
प्रतिष्ठिता । तपा-भट्टारक श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(५२३) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे फागुण वदि १२ सोमे प्राग्वाट० विकट्टा भा० मय-
णलदे पुत्र तेजाकेन भा० तेजलदे सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथ-
विंवां का० प्र० कच्छोलीवालगच्छे पूर्णिमापक्षे भ० श्रीसर्वाणंदसूरिपट्टे भ०
श्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन

(५२४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१३ वर्षे फागुण वदि १२ सोमे श्रीसडेरगच्छे उ० ज्ञा०
वासहंडेची गोप्ति सा० कर्मसी पु० ऊदा पु० कूचा भा० कुरांदे पु० कुंभा-
कीताभ्यां पित्रोः श्रेयसे स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथवि० का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरि-
सन्ताने श्रीईश्वरसूरिभिः श्रीरस्तु कल्याणमस्तु ॥

(५२५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे फागुण वदि १२ सोमे ऊ० ज्ञातीय सा० आरक
भार्या आल्हणदे पुत्र काजा भा० अरघू पु० नामसी शदराज पित्रोः श्रे०
आदिनाथविंवां का० प्र० ब्रह्माणीय । श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥ १ ॥

(५२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे फाल्गुन वदि १२ दिने सुराणागोत्रे स० धण-
पति भार्या धांधलदे पु० दासूकेन पितृपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविंवां का०
प्रतिष्ठितं श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ।

(५२७) अजितनाथः

॥ सं० १५१३ वर्षे फागुन वदि १२ सोमे उक्केशज्ञातीय आचाह-
माणगोत्रे शाह भार्या पुत्र वीसल भार्या केन
श्रीअजितनाथविव का० प्र० श्रीभावडार श्रीवीरसूरिभिः

५२२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५२३ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

५२४ पचेवर धर्मनाथ मन्दिर

५२५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. घाट

५२६ पापडदा शान्तिनाथ मन्दिर

५२७ किसनगढ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(५२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे फागुण व० १२ सोमे श्रीसंडेरगच्छे उ० झा० फडीया-उडके (?) सा० तेजा पु० लूणा भा० देल्ही पु० रेडा-सामाभ्यां भ्रातृ लखमा पुण्यार्थं स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथवि० का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीश्रीईश्वरसूरिभिः ॥

(५२९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ ओसवाल मं० भारमल्ल भावलदे पुत्र रत्नाकेन भा० अपू आ० टील्हा शिवादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि-श्रीमुनिसुन्दरसूरि-श्रीजयचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ।

(५३०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१५ वैशाख शुक्ल ७ श्रे०जासीटी पुत्र । सरसेन आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविंव का० प्र० श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(५३१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१५ वर्षे वैशाख शु० १० गुरौ श्रीश्रीमालजातीय श्रीपोमा भा० टीवू तयोः पुत्र देपाल भा० वड़चूनामन्यः सपतिआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथविंव कारित आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामपदेशेन प्रतिष्ठितं अम्बासन ।

(५३२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ दिने श्रीश्रीमालजातौ खारड गोत्रे सा० वाडा बहूरा सुश्रावकेण स्वपुण्यार्थं चन्द्रप्रभस्यामिर्विव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रगूरिगुरुभिः ।

(५३३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ दिने श्रीमालजातौ खारड गोत्रे सा० बील्हा बयरा श्रावकेण सपरिवारेण श्रीआदिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनभद्रगूरिपट्टालद्वारसागुरु-श्रीजिनचन्द्र-सूरिभिः श्रीमंवन्य भद्र भूयान

५२८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

५२९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

५३० नागौर चोमठियाजी का मन्दिर

५३१ करमदी आदिनाथ मन्दिर

५३२ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

५३३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(५३४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सु० ४ शुक्रे ऊकेशवंशे रांकाश्रेष्ठि-
गोत्रे श्रे० नरसिंह पुत्र श्रे० महीपति भार्या भट्ट पुत्रेण श्रेष्ठि वच्छराजेन
सपरिकरेण स्वश्रेयोर्य श्रीश्रेयांसविव कारित प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजि-
नभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरि मुगुली..... ॥

(५३५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१५ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वाट व्य० ऊदा भा० पा...पुत्र
जेसाकेन भा० लिक्त प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीधर्मनाथविं
कारित प्रतिष्ठित तपागच्छनायक-श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुन्दरसूरि-
पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । हाथी ॥

(५३६) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थी.

सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ सोमे उकेशगच्छे श्रीकुकुदाचार्य-
सन्ताने उ० श्रीआइचणागगोत्रे सा० रूपा पुत्र हरखा पु० केल्ला पु० रेडा
भार्या देवराजही पु० जावद भा० जिणश्री पु० साधारण भा० नथूही पुत्र-
युते पिता जावदश्रेयसे श्रीनेमिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्सूरिभिः ॥

(५३७) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्ये० शु० १२ दिने प्राग्वाटज्ञातीय सा० माला
भार्या गांगी पुत्र सा० ऊदाकेन भार्या वील्ही वृद्धभ्रातृ पेमा बला बेला
राणा राजा लखमण हेमा सोमा पुत्र सिहादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीकुन्धुनाथा कारित प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीरस्तु ॥

(५३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १५ दिने ऊकेशवंशे भणसालीगोत्रे सा०
सायर भा० सिंगारदे पुत्र सा० शेषा श्रावकेण भार्या सलखणदे पु० सा०
भीमा आ० शिवदत्त पौत्र सा० पेथा चांपादिपरिवारयुतेन श्रीआदिनाथ-
विं कारितं स्वश्रेयोर्य प्रतिष्ठित श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्री-
जिनचन्द्रसूरिभिः

५३४ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

५३५ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर

५३६ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर

५३७ सांगानेर महावीर मन्दिर

५३८ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

(५३६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

ॐ ॥ स० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि.....प्राग्वाट वंशे आमगोत्रे सा० भगडा भा० धारलदे पुत्र सा० पूजा सा० काजाभ्यां भार्या हीरादे कामलदे पुत्र आंवा वयरसींह रूपा कू पा डाहादिपरिवारयुताभ्यां श्रीसुमतिनाथ-विवं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५४०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५१५ वर्षे जेठ सुदि' " 'उक्केशवंशे साधुशाखायां सा० पाल्ह-णसी भा० जइतू पुत्र धर्मसिहेन सा० नरपति भा० धारलदे पुत्र सीहा प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीशान्तिनाथविव का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिन-चन्द्रसूरिभिः ॥

(५४१) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

॥ स० १५१५ वर्षे आपाढ व० ८ उक्केशजातीय बहुरागोत्रे सा० खिमराज पुत्र सा० डूंगर भार्या करमाही पुत्रेण सा० श्रीमल्लेन श्रीअभि-नन्दनविवं पितरनिमित्तं का० प्र० तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेम-हससूरिभिः ॥

(५४२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थी:

स० १५१५ वर्षे आपाढ व० ६ उक्केशजातीय बहुरागोत्रे सा० डूंगर भार्याया लखमश्रिपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यविवं का० प्र० तपा० भ० श्रीपूर्ण-चन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहससूरिभिः ।

(५४३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१५ आपाढ सुदि १ उपकेशवंशे पाटदडगोत्रे सा० गेला भा० अणपू.....पु० सा० सतोक भा० खेतलदे पु० कर्णादिपरिवारयुतेन श्रीमुनिसुव्रतविवं का० प्र० श्रीखरतर० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(५४४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सवत् १५१५ वर्षे आपाढ सुदि ५ बुध उपकेशजा० डेडाणागोत्रे मांदाशाखाया सा० महिराज भा० हीरादे पु० माल्हा भा० लाखू तयोः स्वश्रे-यसे श्रीश्रेयांसविव कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे श्रीउद्यप्रभसूरिभिः । छ ॥

५३६ मेढतासिटी महावीर मन्दिर

५४० कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५४१ मांगानेर महावीर मन्दिर

५४२ नांगानेर महावीर मन्दिर

५४३ नागोर बटा मन्दिर

५४४ जूनीआ

(५४५) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे कार्तिक वदि १४ शुके श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमाल
ज्ञा० व्य० राणा भा० रांभलदे पु० वेलां भा० फत्तू पु० आल्हा सहितेन
पित्रोः श्रेयसे भ्रातृ वीरा लीना श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथविंबं कारि० प्रति०
भ० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

(५४६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे मार्ग सुदि ५ शुके श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० पुदा
भा० भूमकलदे सुत सेना भा० पूरि सुत भीमा नाम्ना भार्या ढवी सहितया
भर्तृ श्रेयोर्थ आत्मश्रेयसे श्रीपद्मप्रभविंबं का० प्रति० ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनि-
चन्द्रसूरिभिः लहीगा पढीवा (?)

(५४७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ माघ वदि ६ बुधे श्रीश्रीवंशे श्रे० राजल भा० रूपिणि पुत्र
मेलकेन भा० मेलदे भ्रातृ देपा सहितेन श्रीअञ्जलगच्छे श्रीजयकेशरसूरि
उपदेशेन पितुः पुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठित श्रीसंघेन श्रीभवतुः

(५४८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे फागुण वदि ४ शुक्रवारे ओशवालज्ञातीय वच्छश-
गोत्रे सा० धीना भा० फाई पु० देवा पद्मा मना वाला हरपाल धर्मसी
आत्मपुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविंबं का० प्र० श्रीमलधारगच्छे श्रीगुणसुन्दर-
सूरिभिः ॥

(५४९) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे फाल्गुन वदि १२ बुधे श्रीओशवंशे हुंबडगोत्रे
सा० धोधु भा० पजेत्तमाल्ह पुत्र भुणा नापा अर्जुनादिभिः भुणा भार्या
जयतु पु० गोइंद युतै. स्वश्रेयसे श्रीशीतलताथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्ग-
च्छे श्रीहेमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः

(५५०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे फा० सु० २ सोमे वीसनगरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय
मंत्रि नगराज भा० गौंगी सु० खीमाकेन भा० जंगी भ्रातृ राजपाल प्रमुख-
कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्री-
हेमविमलसूरिभिः ॥

५४५ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर

५४६ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

५४७ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

५४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

५४९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

५५० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(५५१) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे चैत्र वदि ५ गुरौ । श्रीकाष्ठासंघे । वागडगच्छे । नन्दी०
भ० श्रीधर्मसेन प्रतिष्ठितं । वाचणतीया गिरिलवगोत्रे सा० पाल्हा भा० देऊ
सुत सा० भांभण भार्या अंधकूराणी । सा० भांभणकेन आत्मश्रेयोर्थः श्री-
अनन्तनाथविं करापितं ॥ १

(५५२) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुके श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ सं०
रामा मातृ शाणी श्रेयोर्थ सुत सांगाकेन श्रीश्रीअभिनन्दननाथविं कारितं
श्रीपूर्णमापत्ते श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना श्रीसंघेन ।
गोदूया वास्तव्य-॥

(५५३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख सुदि २ बुधे श्रीश्रीमाल श्रे० जइता भा०
लाछू तयोः पुत्र यादवनिमित्तं लाछू आत्मश्रेयोर्थ श्रीशान्तिनाथविं
का० पिप्पलग० भ० श्रीविजयदेवसूरिमु० प्र० श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥

(५५४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वै० शु० ३ पूनानावासी प्राग्वाट् श्रे० घूअड भा०
विलहु पु० भरमाकेन भा० शढु पु० चाहड धुरा प्रमुखकटुम्बयुतेन
श्रीपद्मप्रभविं कारितं प्र० तपा श्रीमुनिसुदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५५५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वैशाख सुदि ५ जालोरा बहुरा व्य० के० कुसला पु०
नपा भा० नायकदे पु० जिणदत्तेन भा० पद्मादे पु० चाचा चरडा-रांमा
डामर सहितेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभविं का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीगुणाकर-
सूरिभिः ॥

(५५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१६ वर्षे वैशाख सुदि १३ रवौ उसवालजातो पाल्हाउत-
गोत्रे सा० देल्हा पुत्र सा० लीमराज भा० डाही पुण्यार्थ श्रीचन्द्रप्रभनाथविं
कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीमलध(धा)रगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ प्रतिष्ठितं ॥
श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

५५१ जयपुर पंचायती मन्दिर

५५२ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५५३ जयपुर पंचायती मन्दिर

५५४ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

५५५ सांगानेर महावीर मन्दिर

५५६ सांगानेर महावीर मन्दिर

(५५७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१६ वर्षे ज्येष्ठ शु० ५ प्रा० ज्ञा० सा० धु० बा० भा० देऊ पुत्र सा० नामसी भा० तारू पुत्र सा० राजाकेन भा० पूरी पुत्री रमाई म० (?) चमकू म० कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिविंशं का० प्र० तपागच्छेश-श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्रीअवंतीस्थाने ॥

(५५८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ६ दिने प्रा० ज्ञातीय सा० साल्हा-भा० लापा पुत्र सा० जाल्हाकेन भा० कीकी सपराई प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्व-श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविंशं का० प्र० तपागच्छेश-श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ॥

(५५९) सुमतिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५१६ वर्षे आपाढ सु० ३ रवौ गिरिपुरवास्तव्य हुंढज्जाती० कोट पूना भा० साणी सुतया सा० गोपा सा० भोजा भगिन्या सोमी सु० घृति ठ० धर्मा भार्यया भानू नाम्न्या सुत । सोमा तथा ठ० रामा भा० शिया अदा देवसी जावड वेगंडादियुतया स्वसुत देवा श्रेयर्थ श्रीसुमति-नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापट्टे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

(५६०) पद्मावती-पार्श्वनाथः

सं० १५१६ आपाढ सुदि ५ श्रेष्ठिगोत्रे नीवा भार्या रूपी पु० ताल्हा तेजा नेजा खीदा बहुरा पद्मावती प्रणमन्ति ।

(५६१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१६ कार्तिक व० २ रवौ श्रीश्रीवंशे लघुसन्ताने म० माला भा० महिगलदे पुत्र म० सामा भार्या रत्नादे पुत्र वाछाकेन भार्या अमरी पुत्र सीधर हांसा कीका सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरु श्रीश्रीजयकेसरिसू-रीणा उपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

(५६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संव० १५१७ वर्षे जैत्र सु० १३ शु० प्राग्वाट ज्ञा० सा० लखमण भा० साधू पुत्र साह गोवलेन भा० राजू युतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वविंशं का० प्र० तपागच्छेश श्रीमुनिसुन्दरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

५५७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

५५८ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

५५९ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर घाट

५६० अजमेर सभवनाथ मन्दिर

५६१ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

५६२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(५६३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे चैत्र शु० १३ गुरु प्राग्वाट सा० गोगन भा० सद्रु
पुत्र सा० जताकेन भा० शाणी भ्रातृ जग्गा भा० हीरु प्र० कुटुम्बयुतेन
त्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंशं को० प्र० तपागच्छे भ० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५६४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे चै० शु० १३ गुरुवा० श्रीमालवंशे नज्जीया गोत्रे सा०
घोघर भा० कीता सुत वाल्हा-पाल्हाभ्यां ना० मडगू हांसु-पूताभ्यां
सश्रेयोर्थ श्रीअजितविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपा श्रीरत्नशेखरसूरिभिः
इवाग्रमी.....।

(५६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे चैत्र सु० १२ गु० प्राग्वाटज्ञा० सं० चूडा भा०
चाहणदे पुत्र सं० उगमेन भा० साऊ पु० काला भा० चांपा भा० भला
प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीवासुपूज्यविंशं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

(५६६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे वैशाख सु० ३ बुधे श्रीउएसवंशे व्य० देपा भा०
देल्हणदे पु० व्य० उदिरश्रावकेण भा० ऊमादे पु० देवा हापराजेन भ्रातृ
सा० महिरा सहितेन मि...ई देवलदे पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेश-श्रीजय-
केशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ।

(५६७) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१७ वर्षे ज्येष्ठ शु० ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सं० गोइंद भा०
घरघति पुत्र धिरपाल सुश्रावकेण भ्रातृ देवा भा० रूपिणि पुत्र सहिसा
चउथा केसव पौत्र रत्ना सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुप-
देशेन आ० सहजलदे श्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रति-
ष्ठितः श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

५६३ नागोर बडा मन्दिर

५६४ सांगानेर महावीर मन्दिर

५६५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५६६ सांगानेर महावीर मन्दिर

५६७ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(५६८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे आ० व० ७ दिने सोमे सा० धरणा भा० मूली सुत
सा० मंदिरवदेस (?) भा० समीरदे परि० देवादिकदेवयुतेनः.....श्रीसो-
मसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीरत्नशेखरसूरि.....श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

(५६९) धर्मनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१७ वर्षे मार्ग सुदि २ शनौ । मूलनक्षत्रे । लोढा
गोत्रे सा० गोगा । गोरान्वये । सा । आसपालसन्ताने । सा० लाखा पुत्र
सा । सोनपाल । तत्पुत्रेण । सा० डीडाकेन । निजपितामही लखसिरि
पुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविंश कारितं । प्रतिष्ठितं । तपागच्छे । श्रीहेमहंससूरिपट्टे ।
श्रीहेमसमुद्रसूरिभिः ॥

(५७०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१७ वर्षे माघ वदि ५ दिने उपकेशज्ञातौ दूगडगो०
सा० सुहडा भा० गुणपालही पु० नगराज भा० नावलदे पु० नानिग मूला
सोढल वीरदे हमीरदे सहितेन श्रीश्रेयांसविंशका० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीदेव-
सुन्दरसूरिपट्टे प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(५७१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे माघ वदि ६ गुरौ । उपकेशज्ञा० तातहडगोत्रे सा०
समदा भा० कालाही पुत्र सा० गऊरा सा० पद्मा सहितेन श्रीकुन्थु-
नाथविंश कारापितं आत्मश्रे योर्थ उप० ग० कुक० प्रतिष्ठितं श्रीकक्तसूरिभिः ॥

(५७२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे माघ सु० ५ शुके प्राग्वाट्ज्ञा० श्रे० डउठा भा०
हरखु सुत श्रे० नागा भा० आजी सुत श्रे० जिनदासेन स्वश्रे यसे श्रीधर्मनाथ-
विंश आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारित प्रतिष्ठापितं च ॥

५६८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

५६९ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

५७० नागोर बड़ा मन्दिर

५७१ जयपुर पंचायती मन्दिर

५७२ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(५०३) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे माह सुदि १० सोमे सोनीगोत्रे सा० वन्ना पु०
सा० हिमपाल पुत्राभ्यां सा० हिमराज-खिमराजाभ्यां त्वपितृपुण्याय
श्रीश्रेयांसविं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक-श्रीहेमहंससूरिपट्टे श्रीहे-
मसमुद्रसूरिभिः ।

(५०४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे फा० शुदि २ उक्तेश्वंशे । बृहरागोत्रे । सा० सोढा
भा० शाणी सु० नगाकेन भा० चावकदे पुत्र लापा गोपा प्र० परिवारसहि-
तेन स्वपितु सा० सोढा पुण्याय श्रीश्रेयांसविं का० श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजि-
नभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(५०५) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ सं० १५१८ वर्षे चैत्र वदि १ सोम दिने श्रीमालवंशे जूनी-
वालगोत्रे सा० दासा पुत्र सा० खिंउराजकेन समस्तपरिवारेण आत्मश्रेयसे
श्रीश्रेयांसनाथविं कारितं श्रीस्वरतरगच्छे । श्रीजिनप्रभसू० अन्व० प्रतिष्ठितं
श्रीजिनतिलकसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ छ ॥

(५०६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१८ वर्षे वैशाख वदि ४ आन्वाट सा० चांदा भा० पूरी मुत्र
पेथाकेन भा० रामति पुत्र राजा भा० राजलदे प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीपद्मप्रभनाथविं कारितं गुरुं श्रीभावदेवसूरि ।

(५०७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१८ वर्षे वैशाख सुदि ४ रवौ उच्छिन्नवालगो० सा० गिना
भा० हिमादे पुत्र कुशला भामर-भदिरा आत्मश्रेयसे श्रीपारिश्व(र्व)नाथविं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(५०८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१८ वैशाख सुदि ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० घणपाल
भा० थलादेवि सहितेन पितृव्य महर्णसीह भा० महता पु० मूंगा-माहण
... धर्मनाथविं का० प्र० श्रीभावदारगच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः १० ॥

५०३ मेढतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

५०४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५०५ जयपुर पंचायती मन्दिर

५०६ पापङ्गा शान्तिनाथ मन्दिर

५०७ भिनाथ महावीर मन्दिर

५०८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(५७६) विमलनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५१८ वर्षे आषाढ सुदि तृतीयाया गुरुपुष्ययोगे अइमा-वास्त-
व्य प्राग्वाटज्ञातीय सं० साल्हा भा० गूजरि तत्पुत्र सं० वालाकेन भा० राजी
तत्पुत्र सं० पारस युतेन श्रीविमलनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपाम्बुच्छे
श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीमुनिसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिशिष्य-ग-
च्छनायक श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ छ ॥ छ

(५८०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१८ वर्षे मार्गशिर वदि ५ शनौ गांधीगोत्रे उपकेशज्ञातीय
सहसा तत्पुत्र सा० लूणा-ठाकुराभ्यां पितुः श्रेयोऽर्थ श्रीश्रेयांसनाथविंबं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः । हर्षपुरी

(५८१) मूलनायक:

[१] ॥ ॐ ॥ संवत् १५१८ वर्षे मार्गशिर सुदि १० दिने आदि
उत्तरानक्षत्रे शनीसरवारे नाहरगोत्रे म० गयधरसन्ताने सं० रामा भा०
थाऊ पु० सा० सूरा भा० सूहवदे पु०

[२] सं० रतन भार्या गूजरि सुपुत्र सा० गुणराज सा० हेमा । सा०
ऊदा सा० भोला कारापितं । श्रीधर्मघोषगच्छे श्री ५ रूपचन्दसूरिपट्टे श्री
पद्मशेखरसूरिपट्टे

[३] विजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीपूद्मोगिद (पद्माणंद) सूरिभिः प्रतिष्ठितं ।
आत्मश्रेयसे । शुभभवतु

(५८२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१८ वर्षे मार्ग वै० ५ ऊ० आदित्यगोत्रे सा० सूजु भा०
सूर्जनदे पु० सदमरतोसर पितुः श्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविंबं का० प्र० श्रीउप-
केशग० कक्कसूरिभिः ।

(५८३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१८ वर्षे माघ शु० २ शनौ । प्राहमेचागोत्रे । सा । रुदपा-
लसन्ताने । सा । देवदत्तपुत्र । सु । उम्केन । पुत्र-माधव । देवादियुतेन ।
माता जाल्हाणदे पुण्यार्थ श्रीचन्द्रप्रभविंबं कारितं प्रतिष्ठितं । भावडारगच्छे
श्रीजिणदेवसूरिपट्टे श्रीभावदेवसूरिभिः ।

५७६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

५८० जयपुर लीलाधरजी का उपाश्रय-

५८१ टोडारायसिंह, पाषाण

५८२ सोजतरोड पार्श्वनाथ मन्दिर.

५८३ करमदी आदिनाथ मन्दिर

(५८४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१८ वर्षे माघ शु० ५ बुधे ऊ० ज्ञा० सा० चांपा भा० चां-
पलदे सु० सा० सालिग भा० जाऊ सु० ऊधादि कुटुम्बयुतेन श्रेयसे श्री-
कुन्धुनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छेश श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः
शांबलीयानगरे ।

(५८५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१८ वर्षे । माघ सुदि १० उकेशवंशे थूलगोत्रे सा० गूजरे-
ण भा०-गउरदे पुत्र वेदा अजाण दूला कुशलादिपरिवारसहितेन श्रीआदि-
नाथविंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५८६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१८ वर्षे माघ सुदि दशम्यां बुधे श्रीमालज्ञातीय सं० रूपा
भार्या ढाली आत्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंबं कारित प्रतिष्ठित श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनभद्रसूरि पदे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः श्रीमण्डपे ठाकुरगोत्रे ॥

(५८७) पद्मप्रभ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१८ वर्षे फाल्गुण शुदि ५ गुरौ । श्रीमूलसधे । आचार्य-
श्रीदेवेन्द्रकीर्ति-शिष्य-श्रीविद्यानन्दिदेव-तच्छिष्य ब्रह्मचारी-पद्माकर कारा-
पितं हूँवडवशे श्रेष्ठि कुपा भार्या मेघी । तयोः पुत्र सांगा भार्या लहरू
तयोः पुत्र अदा भार्या माणिकदे पुत्र संघराजा अदा आतृ चंदा भार्या
खेतादे श्रीपद्मप्रभचतुर्विंशति का०

(५८८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१८ वर्षे फा० व० ६ गु० उकेशज्ञातीय सा० धांधा भा०
धांधलदे पु० नाल्हाकेन भा० पडमादे पु० लूणादि कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थ
श्रीश्रेयांसनाथविंबं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ नागगोत्रे । श्री ॥

(५८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१९ वर्षे चै० व० ११ टीवानीवासी प्राग्वाटज्ञा० सा० केशव
भा० भोली सुत सा० लाङगेन भा० मरगादि सुत जसनोर प्रमुखकुटुम्ब-
युतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराज
श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । श्रीः

५८४ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५८५ नागोर बड़ा मन्दिर

५८६ रायपुर चन्द्रप्रभ मन्दिर

५८७ वहियल पार्श्वनाथ मन्दिर

५८८ मालपुरा मुनियुवत मन्दिर

५८९ नागोर बड़ा मन्दिर

(५६०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ ऊ० खटवडगोत्रे सा० कान्ह
भा० नाथी पु० गुजर भा० चांदियुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविं कारा-
पितं । प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिणा ।

(५६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनौ प्रा० सा० पूना भार्या फदू पुत्र
सा० वीरा भा० पूरी सा० वीरा पूरी पुत्र सा० डुंगरेण भा० जासू सुत
सा० राणा पर्वत मेरा मण्डन वीरी पुत्र सा० खेता भा० बीजू प्रभृति कुटुम्ब-
युतेन श्रीसुविधिविवयुतश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्री-
लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(५६२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

स० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनौ प्रा० सा० सामन्त भा० सहजलदे
पुत्र सा० ठाकुरसी भार्या खेतू नास्न्या सा० समवर वेला भोजा कुंभल युत-
या स्वपतिश्रेयोर्थ श्रीमुनिसुर(व्रत)विं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे
श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(५६३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

स० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्ले उपकेशज्ञातीय चोरवेडियागोत्रे
उएसगच्छे सा० सोमा भा० धन्नाई सु० साधु भार्या सुहागदे पुत्र इसर
सहितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविं कारित प्रतिष्ठित । श्रीकक्षसूरिभिः ॥
सीणोर वास्तव्य ॥

(५६४) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

स० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्ले उ० झा० भावगो० गोठी वीसल
पु० हीरू पु० माला भा० सारू भ्रातृ हापाकेन भा० धारू सहितेन स्वपु-
ण्यार्थ श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्र० बृहद्गच्छे । जीरापल्लीयावरं । भ । श्री-
उदयचन्द्रसूरि ।

५६० कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५६१ मंदसौर नयापुरा आदिनाथ मन्दिर

५६२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

५६३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५६४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(५६५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा-
तीय व्यव० पूना भार्या देऊ सुत डाहाकेन भार्या लाखू सुत नरसिंह सीहा
सहितेन मातृपितृश्रे० श्रीधर्मनाथविं० कारापित। प्र० श्रीत्रिमलसूरिभिः ॥
तिलवडीग्रामवास्तव्यः ॥

(५६६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५१६ आषाढ व० १ मंत्रिदलीय-। श्रीकाणागोत्रे ठ० लाधू भा०
धर्मिणि पु० सं० अचलदासेन पु० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन बुद्धिसेन देवा-
लादियुतेन श्रीशान्तिविं० का० प्रति० श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(५६७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ व० आषाढ वदि १ मंत्रिदलीय श्रीकाणागोत्रे ठ० लाधू
भा० धर्मिणि पु० सं० अचलदासेन पु० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन देव-
पाल वीरसेन पहिराजादियुतेन श्रीशान्तिविं० का० प्रति० श्रीख० श्रीजिन-
सुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(५६८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

। स० १५१६ वर्षे आषाढ वदि ६ प्राग्वट सा० चउहत्थ भा० सारू
पुत्र सा० जसाकेन भा० तोली पुत्र खीमादिकुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथविं०
का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ धीथिला

(५६९) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे मार्ग० शुदि ५ शुक्रे ऊकेश सा० हांसाकेन भा०
हांसलदे । पु० भोजा भार्या भरमादे लघुभ्रातृ जावड कुटुम्बसहितेन श्री-
अभिनन्दनविं० कारितं प्रतिष्ठित श्रीसूरिभिः ॥ शुभभवतु ज्ञेयं ॥

(६००) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वष माघ सुदि ४ रवौ उप० ज्ञातीय सा० राणा भा०
ते पु० लोला भा० तेजू मेघा मना सहितेन । पितृश्रेयसे श्रीशान्ति-
देव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंडेरगच्छे श्रीईसरसूरिपट्टे श्रीशान्तिसूरिभिः ।

५६५ अजवगढ़ बड़ा मन्दिर

५६६ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

५६७ चोथ का वरवाड़ा महावीर मन्दिर

५६८ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

५६९ जयपुर पचायती मन्दिर

६०० जूनीआ

(६०१) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१६ वर्षे माघ सुदि ५ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीय श्रेष्ठि देवा भार्या हरखू सुत चांपाकेन भार्या जइती सुत कर
कुम्भा युतेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसा
सूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः ॥ सूंद्रीयाणा वास्तव्य ।

(६०२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ गोत्रे सा० नाथा भार्या ना
सु० .. युतेन श्रेयर्थ श्रीशान्तिनाथवि० पूर्णिमा० चैत्रसूरिभिः ॥

(६०३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५२० वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे उप० ज्ञा० सा० आना भा०
पूरी पु० देवाकेन भा० देवलदे पु० वच्छा हर्षा नयणायुतेन श्रीशीतलनाथ-
वि० । का० । प्र० मडाह० भ० । श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ॥

(६०४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२० वर्षे वैशाख सुदि ५ बुधे उपकेश० आदिस्त्यनागगोत्रे
सा० साधू पु० स० श्रीवंत स० सोनपाल स० भिखाकैः भार्या-पुत्र-सहितैः
पित्रोः श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविवं का० उपकेशगच्छे ककुदाचार्यसन्ताने
प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(६०५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५२० वर्षे मार्ग व० ५ गुरौ प्राग्वाटव्य० वरसिंहाभा० रत्नपु० सा०
छाब्बा भा० साधी नाम्न्या । पुत्र अदापाल सहसा भा० आणदि कुटुकणि
स्वश्रेयसे श्रीआदिविवं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागर-
सूरिभिः ॥ श्री

(६०६) लमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५२० वर्षे मार्ग सुदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० देवसी
भार्या देल्हणदे पुत्र वपाकेन भार्या चांपू पुत्र लखमण रिहियुतेन स्वश्रेयसे
नमिविव का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि०

६०१ नागोर बड़ा मन्दिर

६०२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६०३ नागोर बड़ा मन्दिर

६०४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६०५ जूनीआ

६०६ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(६०७) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थाः

॥ सं० १५२० वर्षे मार्गशिर वदि १२ दिने उपकेशज्ञातौ श्रेष्ठिगोत्रे
वैद्यशा० सांगण पु० सं० सोनाकेन भार्या लाच्छलदे पुत्र समरथ
सं० संसारचन्द्रनिमित्तं । श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविवं का० प्र० उपकेशगच्छे
ककुदाचार्यसन्ताने श्रीकक्षसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६०८) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १५२० वर्षे पौष वदि ५ शुक्ले श्रीमोढजातीय मं० कान्हा भा०
कावू पु० सुराकेन भा० माई सु० अनंतराम सहितेन पितृ-मातृश्रेयसे
स्वपूर्वजननिमित्तं श्रीकुन्थुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रति० श्रीविद्याधर-
गच्छे श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे श्रीहेमप्रभसूरिभिः ब्रधमान नगरे ।

(६०९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ सं० १५२० वर्षे प्राग्वट सं० प्रथमा पाल्हरणदे सुत सं० परवत
भा० चांपू सुत सं० वीसलेन भा० नाई श्रेयोर्य सुत जगपालादिकुटुम्ब-
युतेन श्रीश्रेयांसविवं का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थाः

सं० १५२१ वर्षे वै० शु० ३ प्रा० सा० मीका भा० संसारदे पुत्र सा०
नीवाकेन भा० राणी युतेन भ्रातृ जावड श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविवं का० प्र०
तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६११) अजितनाथ-पञ्चतीर्थाः

सं० १५१२ व० वै० शु० १० सोमे उसवंशे लोढागोत्रे सा० चाहड
भा० देल्हू पु० निल्हा भा० सोनी करमी सु० सा० हासाकेन भ्रातृ सानाउ
साखेऊं हासा भार्या रत्नी सु० सा० ठाकुर सा० ईसर सा० ऊंधादी
प्रमुखयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथविवं का० प्रति० श्रीबृहद्गच्छे श्रीसू-
रिभिः प्रतिष्ठितं ॥

६०७ नागोर वड़ा मन्दिर

६०८ नागोर वड़ा मन्दिर

६०९ नागोर चन्द्रप्रभ मन्दिर, समदड़ियों का

६१० भिनाय केसरियानाथ मन्दिर

६११ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

(६१२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२१ वर्षे वैशाख सुदि १० दिने श्रीमालज्ञातीय बहकटागोत्रे
सा० जगमाल पुत्र सांचाकेन भार्या स्याणी पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथविंबं का०
प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(६१३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२१ वर्षे जे० व० ६ रवौ ऊके० भणसालीगोत्रे सा० रतना
पु० चुडा भा० सारू पु० सोनाकेन श्रीआदिनाथविंबं कारितं चुडानिमित्तं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ १

(६१४) चन्द्रप्रभ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२१ वर्षे ज्ये० सु० ४ मंडपदुर्गे प्राग्वाट सं० अर्जुन भा० टबकू
सुत सं० वस्ता भा० रामा पुत्र सं० चांदीकेन भा० जीवीणी पु० सं० लाटा
आतादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभ २४ पट्ट का० प्र० तपापक्षे श्री-
रत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२१ वर्षे ज्ये० शु० ४ गुरु पुष्ये प्राग्वाट सा० तिहुणा भा०
चमकू सुत सा० चांदा भार्या रमायी नाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंबं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीरत्नशेखरसूरि-
पट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१६) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२१ आषाढ वदि १३ उप० ज्ञातीय गुहउचागोत्रे मं० भडा
भा० गांगी पु० देल्हा हेमा देल्हा भा० चनकू पु० दीता हेमा भा० अमरी
पु० दूल्हा सहि० म० भडानि० श्रीसभवनाथव(त्रि)व का० प्र० श्रीबृहद्-
गच्छे श्रीहेमचन्द्रसूरिभिः श्रीः ।

६१२ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

६१३ मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

६१४ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर

६१५ जयपुर पंचायती मन्दिर

६१६ जयपुर पंचायती मन्दिर

(६१७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२१ वर्षे आषाढ सुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं०
नाथू भा० पार्वती-पुत्र मं० वर्धमानेन भा० चानू पु० आसा-मं० रूडा मं०
आसा पु० धना मं० रूडा पु० शुभकर-मुख्यकुटुम्बसंहितेन श्रीअंचल-
गच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविंव कारितं ।
प्रतिष्ठितं श्रीर्भवतु ।

(६१८) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२१-माघ सुदि १३ गुरौ प्रा० ज्ञातीय व्य० नीवा पुत्रः खीमा-
भार्या दूली पुत्र मोथा हेमा पाल्हा-सहितेन श्रीनमिनाथविंव कारित प्र०
तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२२ वैशाख व० ३ सोमे उक्लेशज्ञातीय सा० धांधा भा०
धांदलदे पुत्र सा० नरसिंह कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांस-
विंव का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

(६२०) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२२ माघ सु० १३ प्राग्वाटान्व० साजणसी भा० सुलेसरी
पु० व्य० चांपा भा० जइती पु० व्य० गुणिआकेन भा० चांपू प्र० कुटुम्ब-
युतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथविंव का० प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने
श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ अहम्मदावादतः ॥

(६२१) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२२ वष फा० वदि ५ बुध उक्लेशव्रशे पाल्हाउज्रगोत्रे सा०
जाटा भार्या तेजी पुत्र सा० वीराकेन भार्या सकतादे प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीवि-
मलनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीतपागच्छनायक-श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागर-
सूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६२२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संव० १५२२ वर्षे फागुण वदि ११ उसवाल कठवलियागौत्रे सोढा
भा० धात्री पु० सा० नाथा दूदा वैजराजाभ्यां आत्मश्रे० श्रीश्रेयांसनाथविंव
का० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीधर्मसुन्दरसूरिप० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६१७ मंदसौर नयापुरा आदिनाथ मन्दिर

६१८ नागोर वड़ा मन्दिर

६१९ भिनाथ महावीर मन्दिर

६२० डग ऋषभदेव मन्दिर

६२१ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६२२ सांगानेर महावीर मन्दिर

(६२३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२२ वर्षे फा० सु० ३ सोमे नागपुरवास्तव्य उक्केश सा० जगत भार्या सरसती पुत्र हंसाकेन भार्या लखी पुत्र परवत पहिराज-हांसल नानिग छाजू प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० मलधारीगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(६२४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२२ वर्षे फा० सु० ८ चं० कहुरवासी गुर्जरज्ञातीय सा० जेसिंघ-भा० हचू सुत सा० आसा भार्यया मं० अर्जुन भा० करण पुत्र्या प्रा० मंजूनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारित प्रति० तपागच्छ-नायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपुरन्दरैः ॥

(६२५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२२ वर्षे श्रीकाष्ठासंघे स० गच्छे भट्टारक श्रीसोमकीर्तिभिः प्रतिष्ठितं-नरसिंह दानीपतेगोत्रेण पानाराम पुत्र जग-मालकेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं ॥

(६२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे वैशाख-वदि १ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० संघवी ठाकुरसी भा० तेजू सु० वाला भा० अमरी नाम्न्या स्वपुण्यार्थं जीवितस्वाम-श्रीवासु-पूज्यबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे वटपट्टीय-भट्टारक-श्रीसाधुरतनसूरिपट्टे श्री-साधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रति० रेंवडीवास्तव्य ॥

(६२७) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे वैशाख-शुदि ४ बुधे जालहराज्ञा० म० चूणा भा० देकु सुत पितृ पांचा मातृ तेजू श्रेयसे सुत गोयंकेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं पूनिमगच्छे श्रीसाधुसुन्दरसूरि उपदेशेन प्रतिष्ठितं ।

(६२८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ वर्षे वैशाख सुदि १३ दिने मंत्रिदलीय मुंडलेहगोत्रे सा० रतनसी भार्या बाऊ पुत्र सा० देवराजेन भार्या रामति पुत्र सा० मेघ-राजयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारित प्र० श्रीखरतरगच्छे श्री-जिनहर्षसूरिभिः ॥

६२३ जयपुर पचायती मन्दिर

६२४ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

६२५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट

६२६ सांगानेर महावीर मन्दिर

६२७ जयपुर पंचायती मन्दिर

६२८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(६२६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ वर्षे आसाढ सुदि ६ रवौ मुथा सं० जाटा भा० यस-
मादे पु० पुरसा भा० ऊधर.....पु० करण पितृश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथ-
विव कारितं प्रति० श्रोधर्मघोषगच्छे भ० श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दर-
सूरिभिः.....।

(६३०) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सवत् १५२३ वर्षे मार्गशिर व० २ शुक्रे उसवालज्ञातीय खटवड-
गोत्रे । श्रे० इसर भार्या रुअड । तत्पुत्र सा० मेघाकेन भार्या माणिकदे
सहितेन । निजमातृ-पितृनिमित्तं । स्वश्रेयोर्य च । श्रीकुन्थुनाथविवं कारितं ।
प्रतिष्ठितं । श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥ खीमसरा ॥

(६३१) वासुपूज्यः

॥ सं० १५२३ वर्षे माघ वदि ३ शुक्रे उपके० प्र० कोचरगोत्रे सं०
कर्मा भा० कमलादे पुत्र सं० माधव भा० मुक्तादेव्या० पु० गुणराज पुन-
सिहादियुतेन निजपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यविवं का० प्र० श्रीजीवदेवसूरिभिः ॥

(६३२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे मा० शु० ३ उडथल वास्तव्य प्रा० व्य० मेला भार्या
निर्मणी पु० व्य० डूंगरेण भा० भाभू सुत देवा प्र० कु० युतेन श्रीसुवि-
धिनाथविव का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६३३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे माघ सुदि ६ उके० व्य० लखमण भा० मचू पुत्री
सोजी-नाम्न्या स्वमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथविवं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥

(६३४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ मा० सु० ६ प्रा० व्य० हरीआ भार्या राणी पुत्र वेला-
केन भार्या पालदे कुटुम्बयुतेन श्रीशं(सं)भवविवं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥

६२६ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर

६३० जयपुर पुंगलियों का मन्दिर, स्टेशन पर

६३१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६३२ जयपुर पंचायती मन्दिर

६३३ जयपुर विजयगच्छ मन्दिर

६३४ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

(६३५) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२३ वर्षे माघ शु० १३ दिने माण्डवदुर्गवासि प्राग्वाटज्ञा०
सांटा भा० सेरूपु० सं० गांगा भा० गंगादे सुत सं० भा० हांसी
भा० सं० हीरा भा० लखमाई नाम्न्या निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथमूलनायका-
लंकृतश्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रील-
क्ष्मीसागरसूरिभिः ।

(६३६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२३ वर्षे फागुण सुदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० राजा
भार्या राजू सुत कालू भार्या रतु सुत श्रे० नरपति श्रे० पदाकेन भार्या धर्मिणी
सुत वस्ता तेजा खीमा सहितेन श्रीअचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदे-
शेन शंभु श्रेयर्थ श्रीवासुपूज्यविव कारितं प्रतिष्ठित ।

(६३७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे चैत्र सु० ५ शनौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा-
तीय श्रे० राजा भा० भोली काजा भा० कर्मादे सुत वंगआकेन भा० धाऊ
सुतादि कुटुम्बयुतेन पितृ-मातृश्रेयर्थ श्रीविमलनाथविव कारित प्रतिष्ठितं
श्रीवीरसूरिभिः ॥ वनुरिवास्तव्य ॥ शुभंभवतु ॥

(६३८) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२४ वर्षे चै० शु० १२ ऊ० ज्ञा० सं० मेघा भा० तोल्ही पुत्र
सं० गोपाकेन भार्या हेमाई पुत्र समधर अदौतादियुतेन श्रेयर्थ श्रीकुन्थु-
नाथविव कारितं प्रतिष्ठित । अंचलगच्छे श्रीजयकेसरसूरिभिः ।

(६३९) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५२४ वर्षे वैशाख सुदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय । दौ ।
आंवड । साल्ह । चाच । (?) रानड । धनपाल । सु० दो । वाघा भार्या घंट्ट
सुत दोसी वदा भार्या वीकू सुत । जीवाई । हर्वाई एतैः स्वश्रेयसे श्रीसंभव-
नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारित. प्रतिष्ठितश्च आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥
श्रीः ॥

६३५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६३६ जयपुर पचायती मन्दिर

६३७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६३८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६३९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६४०) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मंत्रि-माईआ
सा० साणिकदे सुत सहसा समधा माला मूला गेला एतै (१) पिठ न(नि)-
मित्तं रत्नमय श्रीकुन्थुनाथविं का० प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे त्रिभवीआ
श्रीश्रीधर्मसागरसूरिभिः चोटीलावास्तव्यः ।

(६४१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे दिने प्राग्वंशे सा०
आका भार्या ललतादे तयोः पुत्र धारा भार्या वीजलदे श्रीअंचलगच्छे श्री-
जयकेशरिसूरीणामुपदेशेन निजश्रे० श्रीशीतलनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसूरिभिः जयतले कोट-वास्तव्यः ॥

(६४२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ५ बुधे उ० सा० माल्हा भा० छाहण
पु० सोढा भा० गांगी पु० साता पाता सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथ-
विं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीगुणाकरसूरिभिः ।

(६४३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ वै० शु० १० प्राग्वाटज्ञाति० सं० नापा भार्या भीमिणि
सुतया जनु नाम्न्या सुत भाउ सहसादिकुटुम्बयुतयो श्रीनमिनाथविं
सुमातृश्रेयसे का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ मंडपदुर्गनगरे ।

(६४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ उ० सा० लाखा भा० लखमादे सा०
गुणराज धर्मपुत्री आ० धाम्ना-नाम्न्या श्रीसुविधिनाथविं कारित प्र०
तपागच्छनायक-श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ सा०
गुणराज सुत सा० कालू सुत सा० सदराज ॥

(६४५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ ज्येष्ठ सुदि १३ शुक्रे । श्रीकोरंटगच्छे । श्रीवायडज्ञा०
श्रेष्ठि जोगी भार्या फदू पुत्रेण श्रेष्ठि सीधर नाम्ना निजमातृपित्रोः पुण्यार्थ
स्वश्रेयसे च श्रीआदिनाथवि० का० प्र० श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥
श्रे० सीधर भा० लाछी नित्यं प्रणमति ।

६४० रतलाम लालचंदजी का मन्दिर

६४१ नागौर बड़ा मन्दिर

६४२ भैंसरोड़गढ़ ऋषभदेव मन्दिर

६४३ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६४४ जयपुर नया मन्दिर

६४५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट

(६४६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ आषाढ सु० १० शुक्र उपकेशज्ञा० भा० संपूरी
पु० जेसाकेन भा० धर्मिणी पु० भाइआ पौत्र ईसर वीरपालादिकुटुम्ब-
युतेन पुत्र भाइआ श्रेयसे श्रीनमिविव का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि-
सन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्री ॥

(६४७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ वर्षे मार्गशिर वदि ३ दिने उपके० रांकगो० सं० सौरं
पु० गदु भा० अमरी पु० हेमाकेन पितृपुण्यार्थे श्रेयसे श्रीअजितनाथविवं
का० प्रति० उपकेशग० कुकदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीकक्षसूरिभिः ॥

(६४८) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२४ वर्षे मार्गशिर वदि ५ रवौ उपकेशज्ञातौ सुचिंतिगोत्रे
पट भंडारी राजा पु० सा० भोजा भा० भोजलदे पु० बीदा गोदा केदादिभिः
स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभविवं कारित प्रतिष्ठितं श्रीकृष्णपिंगच्छे श्रीमल्लक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥

(६४९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्ग० व० ५ उ० ज्ञा० व्य० धीरा भा० फतु पुत्र
सा० करणाकेन भा० कसू भा० कांकट शा० भाऊ प्र० कुटुम्बयुतेन श्री-
नमिनाथविव का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ श्रीसिरोही नगरे ॥

(६५०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्गशीर्ष सुदि १० शुक्र उपकेशज्ञातौ । आदित्य-
नागगोत्रे । सा० सीधर पुत्र ससारचन्द्र भा० सदाही पु० श्रीवंत शिवदत्ता-
भ्यां मातृपुण्यार्थे श्रीशीतलनाथविवं कारित प्रतिष्ठितं श्रीउपकेशगच्छे ।
कुकदाचार्यसन्ताने । श्रीकक्षसूरिभिः नागपुरे ॥ श्रीः ॥

(६५१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे फाग० सु० ७ दिने श्रीमालज्ञातीय । ठाकुरगोत्रे
सा० जयता पु० सा० माडण सुश्रावकेण पु० भाऊणादि सहि० श्रीश्रेयांस-
विं ११ कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे । श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः मडपदुर्गे ।

६४६ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

६४७ चाडसू शान्तिनाथ मन्दिर

६४८ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

६४९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

६५० नागौर बड़ा मन्दिर

६५१ सिरोही भैरुपोल जैन मन्दिर

(६५२) सुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२५ वर्षे चैत्र वदि ६ सनि । प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० सोमा
भार्या सहली सत्तू शिवा भारज्या सोभागिणि । सत्तू पद्मा भार्या पहती ।
श्रीसुविधिनाथविंबं कारितं सुन्दरुर उपदेशेन प्रतिष्ठितं वंदनकगच्छे ।

(६५३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ चै० ५ सो० श्रीभ० मलयकीर्तिदेवाः तदाज्ञाः
अमर तत्पुत्र नाल्हा तत्पुत्र सा० राजू आत्मकर्मक्षय.....

(६५४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ चैत्र वदि १० ओसवंशे भण० साल्हा भा० संसारदे
सुत वस्ताही अमरादिभिः आत्मश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभसा (स्वा) मिर्विंबं कारितं
प्रतिष्ठितं बृहत्स्वरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(६५५) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ चैत्र व० १० गुरौ उसवंशे मांडलेचा बुहरा रुदा भा०
मेहिणि सुत ताला भा० हांसू सुत माऊ दास भार्या वीरु रामा समरु ।
पु० श्रीसुपासविंबं का० वडगच्छे प्र० कमलप्रभसूरि० ।

(६५६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख वदि १ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय नं० पचा
भा० राजू सुत स० सहदेव भा० गुरी स्वभर्तृश्रेयसे श्रीनमिनाथविंबं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दरसूरीणा-
मुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना मांडलिवा०

(६५७) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वैशाख सुदि ६ प्राग्वाटज्ञातीय व्यव० सादूल भा०
सिगारदे पु० राणा भा० लूणी पु० ऊमा भा० सीतादे सहितेन श्रीसुविधि-
नाथविंबं का० प्र० पूर्णिमादि० शाखायां श्रीकच्छोलीवालगच्छे श्रीविजय-
प्रभसूरिभिः ।

६५२ अजमेर गौडी पार्श्वनाथ मन्दिर

६५३ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर

६५४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६५५ पनवाड़ महावीर मन्दिर

६५६ जयपुर पचायती मन्दिर

६५७ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(६५८) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख शुदि ६ दिने प्रा० व्य० सदा भार्या
बाबू सुत लखमाकेन भार्या भबू भगिनी मापू प्रमुखकुटुम्बयुतेन निज-
श्रेयोर्थ श्रीशान्तिनाथमूलबिचश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागर-
सूरिभिः ॥ भरिजाग्रामे ॥

(६५९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ उकेशज्ञातीय खावहीगोत्रे
साह लूणा भा० लूणादे पुत्री वाई कपूरी आत्मपुण्यार्थ श्रीनमिनाथबिबं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकृष्णऋषिगच्छे तपाशाखायां भट्टारिक श्रीकमलचन्द्र-
सूरिभिः ॥ शुभं ॥ श्रीरस्तु ॥

(६६०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ उपकेशज्ञातीय विनायकीया-
गोत्रे सा० कउरा भा० कपूरदे पुत्र सा० चाथा फेटा आत्मपुण्यार्थ श्रीधर्म-
नाथबिबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥ शुभभवतु ।

(६६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ३ उ० ज्ञातीय बहुरागोत्रे मं० खेमा
भा० खेतलदे पु० वरषा नयणा साजण अमरा आसा सा० मोल्हा का०
निमित्तं श्रीशान्तिनाथबिबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीसोमकीर्तिसूरिणा ॥

(६६२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

स० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ शुक्ले श्रीमूलसधे भ० श्रीभुवनकीर्ति
उप० नागद्रहा ज्ञाति । श्रेष्ठि छांडा भा० सोनी आतृ देवा भा० सीता सुत
वीरा वाघा रत्ना भा० राऊ सु० ।

(६६३) पित्तलमय चतुर्मुखः

सं० १५२५ का० सुदि १० गुरौ ६० श्रे० राघव भा० नाऊ . . . त्म
माणि सुत हीरा प्रणमं० ।

६५८ रतलाम पार्श्वनाथ मन्दिर

६५९ नागोर बड़ा मन्दिर

६६० चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

६६१ गोविंदगढ़ पार्श्वनाथ मन्दिर

६६२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६६३ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

(६६४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे मार्गशिर व० ११ शुक्ले उपकेश वावलगोत्रे सा० मेल्ह पु० लोला भार्या लाडमदे द्विती० भा० कुन्ति पु० देऊआ पु० सा० वीसल सा० वीरम-सा० भा० हर्षमदेवी सा० वाल्हादेवी स्वश्रेयसे पितुर्मृतु-पुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारगच्छे श्रीगुणसुन्दर-सूरिभिः ॥

(६६५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२५ वर्षे मार्ग शुदि ३ शुक्लवासरे श्रीमालज्ञातीय तातरहीला-गोत्रे संघवी कान पुत्र सारंग सेगा सांतिनाथविव कारापितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीहेमसेखरसूरिगच्छे तत्पटे प्रेमप्रभसूरितत्पटे श्रीसालिभद्रसूरि प्रतिष्ठितं त्रंस निमिरो (?) ।

(६६६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे मार्ग० सुदि ६ बुधे । ओसवालान्वये स्वयंभगोत्रे सा० साल्हा भा० गांगी । सा० मोल्हा भा० गेली सा० गोला भा० खेतू पुत्र धन्ना । आत्मश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथविवं कारापितं । प्र० वडगच्छे श्री-गुणसुन्दरसूरिपट्टे श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

(६६७) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ माह व० ५ श्रीउसवा० ज्ञातीय सांडगोत्रे सा० थाहर पु० सांडण भा० माणिकदे पु० सा० खेता भार्या (र्या) लखमादे पु० चांपा भा० चांपलदे प्रमुखसहितेन श्रीचन्द्रप्रभविव कारि० श्रीपूर्णिमापत्ते । प्रति० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

(६६८) अम्बिकासूर्तिः

॥ सं० १५२५ वर्षे माह व० ५ सोमे ऊके० सा० राजाकेन श्रीअम्बिकागोत्रदेव्या का० त ।

(६६९) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे माघ सुदि ५ बुधे श्रीमालज्ञातीय वगुलियागोत्रे सा० माला भा० नयनू पु० नाथू भा० कडरी पु० नूना करमचंद । हेमरा-जादिपुत्रसहितैः निजश्रेयोर्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिर्विवं कारापितं ॥ प्रतिष्ठित श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे ताटाक (भट्टारक) श्रीहेमप्रभसूरिभिः ॥

६६४ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

६६५ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६६६ मोजपुर शान्तिनाथ मन्दिर

६६७ हिएडोन श्रेयासनाथ मन्दिर

६६८ मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

६६९ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

(६७०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५२५ वर्षे माघ व० ६ प्रा० ज्ञातीय सा० दूला भार्या सोहिणी पुत्र सा० दूतलेन भा० हमीरदे पुत्र खेता भोजादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथविंव कारित प्रतिष्ठित तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६७१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५२५ व० माह वदि ६ सोमे । उसवालज्ञातीय बाफणागोत्रे म० केल्हा भार्या कील्हणदे पुत्र गोयंद भार्या गऊरादे पुत्र स (सु०) भवीरेण स्वपितृश्रेयोर्थ श्रीकुन्थुनाथविंव का० प्र० उसवालगच्छे भ० श्रीकक्षसूरिभिः ।

(६७२) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सवत् १५२५ वर्षे माघ वदि ६ माणक पुत्र सा० संडेन भा० चांपलदे पुत्र सा० लखा चाहडेन सहितेन श्रीशीतलनाथविंव कारित प्रतिष्ठित श्रीमढाहडीयग छे भ० विजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(६७३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ माघ वदि ६ प्राग्वाट सा० चाचा भार्या हासलदे पुत्री तारु नाम्न्या श्रीशान्तिनाथविंव कारित प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-सं० श्रीलक्ष्मीसागरसूरि-श्रीसुधानन्दनसूरिभिः ।

(६७४) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे फा० सु० ७ शनौ श्रीसडेरगच्छे उ० सा० अपाहमा पु० श्रोहा सा० पु० प्रभा सा० पु० गोपा प्रद्योत श्रीशीतलनाथविंव कारा-पितं स्वश्रेयसे श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीशसरत्न (?) तत्पट्टे प्रतिष्ठित श्री-शान्तिसूरिभिः ॥

(६७५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे फागुण सुदि ७ शनौ श्रीज्ञान० उपरणमीगोत्रे कूडा भा० माकू पु० भाडा भा० सुन्दरि पु० मेहा मेराकेन आत्मश्रेयसे श्रीपद्म-नाथविंव कारित प्रतिष्ठित श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ श्रीः

६७० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६७१ भैंसरोड़गढ़ ऋषदेव मन्दिर

६७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६७३ आंतरसूबा वासुपूज्य मन्दिर

६७४ खोह चन्द्रप्रभ मन्दिर

६७५ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(६७६) प्रस्तरपट्टिकालेखः

ॐ संवत् १५ आपाढादि २५ वर्षे शाके १३५७ (?) प्रवर्त्तमाने फाल्गुन मासे शुक्लपक्षे नवम्यां तिथौ सोमवासरे श्रीगूर्जर श्रीमालङ्गातीय से-
थालगोत्रे श्रीखरतरपक्षीय मन्त्रि विजपाल सुत मन्त्रि मंडलिक
तत्पुत्र म० रणसिंह तत्पुत्र ४ प्रथमः सा० सायरः द्वितीय सा० खेटामिधः
तृतीयः सा० सामन्तः चतुर्थः सा० चाचिगः । तन्मध्यतः सा० सायर भा०
बाई पल्ही तत्पुत्र ४ पुत्री ३ प्रथमः सा० पद्मामिध द्वितीयः सा० रत्नाख्यः
तृतीयः सा० आसाख्यः चतुर्थः सा० पाचाख्यः पंचम-धर्मपुत्रः सा० पूयाभि-
धानः तद्भगिनी बाई मल्हाई बाई रगाई बाई लखीई एतन्मध्ये श्रीअर्बु-
दाचलमहातीर्थे यात्रार्थं समागतेन पूर्व-योगिनीपुरवास्तव्येन पश्चात् साम्प्रतं
अहमदाबाद श्रीनगरनिवासिना श्रीक्षत्रपकुलप्रसिद्धे न साह आसाकेन प्रथम
भा० माधी द्वितीय भा० हमीरदे तृतीय भा० टवकू पुत्र सा० जीवराम
प्रभृतिसमस्तकुटुम्बसहितेन स्वभुजोपाजितविद्येन चित्तोल्लासतः श्री-
मद्विष्णुदेवप्रासादजीर्णोद्धारः कारितः श्रीमदेवगुरुप्रसादात् आचन्द्रावर्क
जीयात् ॥

(६७७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२५ वर्षे माघ ... श्रीश्रीमालङ्गा० पितृ वेलाउला
मातृ रत्नादेवि श्रेयोर्थं ... वींभलेन श्रीविमलनाथविव का० प्रति० पिप्प-
लगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥ मेवानगर वा०

(६७८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२५ वर्षे के० शुभदिने प्राग्वाट व्य० आसा भा०
कलाकेन भा० तेजु पुत्र मेहा भाणा राणादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्री-
मुनिसुव्रतस्वामिविव का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्री-
श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ ॥

(६७९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५२५ वर्षे ... मलारणावासी महरोलगोत्रे सा०
श्रीमालङ्गा० सा० जेसल भा० धनवै पु० सा० नगराज भा० विणहा नान्या
कुटुम्बयुतया श्रीसंभवनाथविव का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

- ६७६ माउन्ट आबू. कुमारी कन्या मंदिर के पास द्वारिकानाथ मन्दिर
में प्रवेश करने पर जमणी बाजू के गोखले के थभे पर
६७७ सर्गानेर महावीर मन्दिर
६७८ मुडावा पार्श्वनाथ मन्दिर
६७९ किसनगढ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६८०) वासुपूज्य-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ मना मातृ माणिकदे श्रेयर्थ सुत उदसु श्रीसीधर-खेताभ्यां श्रीवासुपूज्यश्च-तुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दर-सूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना श्रीसंघेन केदारवास्तव्य ।

(६८१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ बृहस्पतिवारे । ओसवालज्ञातीय । श्रीवोरोदीयागोत्रे । सा० घडसी पु० सारंग । भा० राजी पु० साल्हा लख-मण खीमायुतेन स्व० श्रीवास (सु) पूज्यवि० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसालि-भद्रसूरिभिः ॥

(६८२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२६ वर्षे मार्ग पक्षे सुदि ३ शनौ उप० वोहरागोत्रे सा० सूजा भा० लाकू पुत्र देहा माता नरसिंघ मेहा भा० विपरादे पु० थाहरु सहितेन । परि० श्रेयसे श्रीआदिनाथविंश का० प्र० भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ।

(६८३) विमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२७ वर्षे वैशाख वदि ६ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय पितामह वीरा पितामहि नीणादे सुत पितृ डाहा मातृ जासू श्रेयर्थ राजा भोजा ठाक-रसी एतैः श्रीविमलनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रति० विधिना श्रीसंघेन आवराणीवास्तव्यः ॥

(६८४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ दिने प्रा० ज्ञातौ व्यव० महिषा भा० मुक्तादे पु० सोभा भा० सहजलदे पु० महणा हरखा केल्हा सहितेन आत्मश्रेयर्थ श्रीआदिनाथविंश का० प्र० पूर्णमापक्षीय कच्छोलीवालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः ।

६८० जूनीआ

६८१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६८२ जयपुर पचायती मन्दिर

६८३ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

६८४ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर

(६८५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ दिने प्रा० ज्ञातीय व्य० नरसी भा० भावलदे पु० पोहट भा० पोमादे सहितेन आत्मश्रेयर्थ श्रीसुविधिनाथविं का० प्र० पूर्णिमापक्षीय कछोलीवालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः मंगलं ।

(६८६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ ज्ये० व० १० पालडीवासि प्राग्वाट व्य० अजेसि भा० गउरादे पु० सं० अजाकेन भा० जयतु पु० महणा जालादिकुटुम्बयुतेन श्रीकुन्धुनाथविं कारितं प्रतिष्ठित तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६८७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० वाछा भा० रूपी पित्रोः श्रेयसे सुत मं० भूठाकेन पुत्र मं० भरमा सहितेन श्री-पार्श्वनाथविं कारितं वृद्धथिराद्रा(थारापद्र)गच्छे प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(६८८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे आपाढ सुदि २ गुरौ उपकेशज्ञातीय व्यव० अजा भार्या अहिबदे पुत्र नीवा भार्या भानू सहितेन आत्मश्रेयर्थ श्रीमुनिसुव्रत-विं कारितं प्रतिष्ठित अचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरिभिः ।

(६८९) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे मार्ग शुदि ५ शुक्र दि० उ० ज्ञा० रोटागणगोत्रे सा० तेजा भा० तेजलदे पु० नयणा श्रीखेता नंदा चांपा पास चांदलघु कुंरपाल खेतलदे प्रितृ खेताश्र० श्रीधर्मनाथविं का० प्र० श्रीधर्मघोषग० प्र० श्रीभ० विजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीधुरसूरिभिः (?) ॥

(६९०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२७ वर्षे पोष वदि १ सोमे करणपुरवासी प्राग्वाटज्ञा० श्रेष्ठि खीमसी भार्या लाछू श्रेयर्थ पुत्र आंबा भार्या भोली पुत्र नरसिंह भा० बडघी आत्रि धीराकेन भा० लाली नरसिंघ पुत्र माला खीदा कुटुम्ब-युतेन श्रीशीतलनाथविं का० प्र० तपा० श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिशिष्य-श्रीसुधानन्द(न)सूरिभिः ।

६८५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६८६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६८७ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट

६८८ नागोर चौसठियाजी का मन्दिर

६८९ जयपुर पंचायती मन्दिर

६९० दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(६६१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५२७ वर्षे पो० व० १ सोमे इंद्रीयवासि उक्तेषा० मं०
कान्हा भा० ऊमी सुत मं० कृपाकेन भा० सावित्री सुत तेजादिकुटुम्ब-
युतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविवं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः ।

॥ स० १५२७ पोष वदि ५ शुक्ले श्रीश्रीवंशे श्रे० जेसा भा० रत्तु पु०
श्रे० गुणीया भा० हीरू पु० श्रे० देवदत्त भा० मानू सुत श्रे० राणा सुश्रा-
वकेण भार्या मांजी भ्रातृ धर्म-सहितेन श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरि
उप० श्रीसुविधिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंचेन ॥ श्रीः ॥

(६६३) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५२७ वर्षे पौष वदि ५ शुक्ले प्रा० श्रे० हरराज भा० अमरी
पु० समधरेण भा० नाई प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथ-
विवं कारितं प्र० श्रीअंकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने श्रीदेवगुप्तसूरिपट्टे श्री-
सिद्धसूरिभिः ॥

(६६४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५२७ वर्षे पौष वदि ५ शुक्ले प्रा० श्रे० को० हरराज भा०
अमरी पु० समधरेण भा० नाई प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्री-
कुन्थुनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं उपकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने श्रीदेवगुप्त-
सूरिपट्टे श्रीसिद्धसूरिभिः ।

(६६५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

संव० १५२७ वर्षे पोष सुदि ६ शुक्ले उप० गहिलडागो० सा० सेढा
भा० तोल्ही पु० नाथू । डालू भार्या दाडिमदे प्रभृतिपुत्रादियुतेन स्वश्रेयसे
श्रीसुविधिनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे । श्रीविद्यासागर-
सूरिपट्टे-श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीमसावास्तव्यः ॥

६६१ नागोर बडा मन्दिर

६६२ रायपुर चन्द्रप्रभं मन्दिर

६६३ गोगोलाव कुन्थुनाथ मन्दिर

६६४ नागोर चौसठियाजी का मन्दिर

६६५ नागोर बडा मन्दिर

(६६६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ५ शुक्ले श्रीनागेन्द्रगच्छे उ० ज्ञातीय साह जाणा भा० जइतलदे पु० साह सारंग भा० सहजलदे पु० धरमा सहिते आत्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविवं का० श्रीपद्माणंदसूरिसन्ताने श्री-विजयप्रभसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीक्षेमरत्नसूरिभिः ॥ १

(६६७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ७ श्रीनाणकीयगच्छे उ० जोहाणेचा-गोत्रे सा० देलू भा० देल्हणदे नाह लाभा पौत्र नौहल भा० नाहकदे पु० जीवा खीमसी वकर सहतु.....श्रेयोर्थ श्रीसुमतिनाथविवं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(६६८) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ सुदि ३ उक्केशवंशे सुराणागोत्रे सा० आंवा धर्मपत्नी.....जाटा.....जुगराज.....श्रीश्रेयांसनाथविवं कारितं प्रति-ष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

(६६९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे असवालज्ञातीय व्य० धन्ना भा० ताऊ पुत्र पेसा भा० सोनी लाला पेसा द्वितीय भार्या भोली पु० खेता महिराज चांदा करण स० आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविवं कारितं प्र० ब्रह्माणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं च श्रीराजकीर्तिउपदेशेन का० ।

(७००) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५२८ वर्षे चैत्र वदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० भोजा भा० डाही पु० श्रे० धना भा० जीविणि पुत्र श्रे० वेलाकेन भार्या त्रिमी । अपर मातृ लाडकी सहितेन श्रीअंचलगच्छेश्वर-श्रीजयकेसरिसूरिसुगुरुणा-मुपदेशेन श्रीश्रीश्रीश्रेयासनाथविवं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसधेन ॥ उहरना-लाग्रामे ॥

६६६ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६६७ अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर, वेद मुहूर्तों का

६६८ वेंतेड़ विमलनाथ मन्दिर

६६९ जयपुर पंचायती मन्दिर

७०० आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(७०१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे वैशाख वदि ५ रवौ उपके० ज्ञा० सा० महिपा
भा० राजू पु० जेसा माईया भा० धरमिणी सहिते पित्रोः श्रेयसे श्रीवासु-
पूज्यवि० का० प्रतिष्ठि० श्रीबृह० श्रीवीरचन्द्रसूरि आ० श्रीधनप्रभसूरि-
सहितेन ॥

(७०२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२८ वर्षे वैशा० वदि ५ ओसवाल ज्ञातीय सुराणागोत्रे
सा० शेखर सहसवीरेण भा० भोजा पु० डीडा वरता रंगूरत्तु युक्तेन
स्वभार्या पुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मानन्द-
सूरिभिः ॥

(७०३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे वैशाख वदि ६ चंद्रे उपकेशज्ञातौ दूगडगोत्रे ।
सा० शिखर भा० घेली पुत्र धनपालेन भा० पासू पु० नानिग सोनपाल
प्रमुखसहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथविं का० प्रति० श्रीबृहद्गच्छे
श्रीमेरुप्रभसूरिभिः ।

(७०४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे वै० शु० ३ प्राग्वाटज्ञातीय सं० नाटा भा० नारि-
गदे सुत सं० कीताकेन भा० कुंतिगदे सुत सींहादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीनमिनाथविं कारितं प्र० तपापक्षे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥ मुंडाडा वास्तवेन ॥

(७०५) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे आपाढ सुदि द्वितीया दिने सोमवासरे उसवाल-
ज्ञातीय सुराणागोत्रे सं० समर तत्पुत्र सं० माणिक्य भा० जीवादे तत्पुत्र
सोनपाल आत्मश्रेयर्थ श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविं कारितं । प्रतिष्ठितं श्री.....

(७०६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२८ वर्षे आपाढ सुदि २ दिने ऊकेशवशे संखवालगोत्रे
सा० महिरा भार्या माल्हणदे तत्पुत्र सा० राऊल श्रावकेण सा० देवातद्भार्या
रयणादे तत्पुत्र सा० लाखादिपरिवारयुतेन श्रीकुन्थुनाथविं कारितं प्रति-
ष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

७०१ जयपुर पंचायती मन्दिर

७०२ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर

७०३ नागोर बड़ा मन्दिर

७०४ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

७०५ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७०६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(७०७) सुमतिनाथः

संवत् १५२८ मागसर सुदि २ । ब्रह्माणगच्छके श्रीमालज्ञातीके श्रे० मुहणसी भा० वानी सु० नरीआ भा० सारु सु० ससधरने अपने माता पिताके श्रेयके निमित्त श्रीसुमतिनाथ का विव वनवाया प्रतिष्ठा कसई श्रीविमलसूरीपट्टे बुद्धिसागरसूरिने ।

(७०८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५२८ वर्षे मागसर सुदि २ सू० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मुहणसी भा० वानी सु० नरीआ भा० सारु सु० ससधरकेन मातृ-पितृ श्रेयोर्थ श्रीसुमतिनाथविवं का० प्र० श्रीविमलसूरीपट्टे श्रीबुद्धि-सागरसूरिभिः । गद्दीकोलिआ वास्त० ।

(७०९) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५२८ वर्षे पोष वदि ५ दिने प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० गोला भा० गुरदे पु० रत्नपाल भा० टवकू पु० माणकसहितेन श्रीकुन्थुनाथविव कारितं श्रीसाधुपूर्णमा श्रीपूज्य-श्रीपुण्यचन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठि० श्री-विजयचन्द्रसूरीणां विधिना ॥

(७१०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

स० १५२८ वर्षे माह सुदि ३ गुरौ उपकेशज्ञा० वावेलगोत्रे सा० हीस भा० हिउसिरि पु० माला भा० मानू गजरदेव्या पुण्यार्थ श्रीसुमति-नाथविवं कारापित श्रीमलधारगच्छे प्रति० श्रे० गुणसुन्दरसूरिभिः ।

(७११) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५२८ वर्षे फा० वदि १३ श्रीमाली श्रे० समरा भा० धर्मिणि पु० श्रे० मूला आ० श्रे० काका भा० काऊं पुत्री लाभू नाम्न्या पु० सागा भा० नाथी प्र० कुटुम्बयुतया श्रीशान्तिविवं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दर-सूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

(७१२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५२९ वर्षे वैशाख वदि ४ शुक्रे हुंवडज्ञातीय मंत्रीश्वरगोत्रे । दोसी वीरपाल भा० वारु सु० सोमा-करमाभ्यां स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथविव का० निवृत्तिगच्छे । पु० श्रीसिंहदेवसूरिभि जिनदत्त चांपा ।

७०७ डग आदिनाथ मन्दिर

७०८ डग आदिनाथ मन्दिर

७०९ जयपुर यनि श्यामलालजी का उपाश्रय

७१० भिनाथ

७११ मेडतासिटी पार्श्वनाथ मन्दिर वगीची,

७१२ करमदी आदिनाथ मन्दिर

(७१३) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२६ वर्षे आपाद सुद २ रवौ श्रीत्रोसवालज्ञा० नाणावाल-
गच्छे थामलेचागोत्रे सा० सादूल भा० मेघादे पु० असर भा० भावलदे
पु० मोहण हरतायुतेन मातृ मेघू निमित्त श्रीपद्मप्रभविंव कारितं प्र० भ०
श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(७१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२६ वर्षे मा० शुदि २ शुक्रे उ० वलटङ्गागोत्रे सा० माना
भा० रासल पु० वसा हीरा भीदा आमा भा० हांसलदे । स्वपुण्यार्थ श्री-
आदिनाथविंव कारित प्रतिष्ठित गच्छे वोंकडिया वदाकेन श्रीमलयचन्द्र
सूरिभिः श्रीअनं . . . ।

(७१५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२६ वर्षे माघ सुदि ५ रवौ उकेशज्ञातीय श्रीवणवटगोत्रे
सा० भीमा भा० भरमादे पु० सं० सा० भारवट ससारचन्दादिकुटुम्ब-
पुण्यार्थ श्रीकुन्थुनाथविंव का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे
श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ॥

(७१६) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२६ वर्षे माघ सुदि ५ रवौ प्रा० सा० मेहा भा० पाल्ही पुत्र
शिवा चांदा पुत्र भा० . . . भा० राजू सहिनेन राजू श्रेयसे
श्रीअभिनन्दनविंव वोंकडिया मलयचन्द्रसूरि . ।

(७१७) श्रेयासनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२६ वर्षे माघ सुदि ६ सोमे श्रीमालज्ञातीय पितृ वेला मातृ
नामलदे सु० राजा भा० राजलदे सु० कर्मसी-तेजाभ्यां श्रीश्रेयांसनाथविंव
कारित श्रीपूर्णमापक्षीय श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन । प्रतिष्ठितं व्हारुद्र-
वास्तव्यः ॥ श्रीः ॥

(७१८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३० वर्षे वैशा० सुदि ३ उकेशज्ञातीय सा० रणसिंह
भा० तेजलदे पुत्र सा० कीताकेन भा० कुंतिगदे प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रे-
यसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंव कारितं प्रतिष्ठित तपागच्छनायक-श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः लूद्राडा वास्तव्य ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीः ॥

७१३ जयपुर नथमलजी का कटला

७१४ जयपुर पंचायती मन्दिर

७१५ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७१६ जयपुर पंचायती मन्दिर

७१७ नागौर बड़ा मन्दिर

७१८ नागौर बड़ा मन्दिर

(७१६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वईशाख सुदि ६ शाके (शनौ) श्रीश्रीमालज्ञा० से०
आसा भा० रतनादे सु० से० वाला भा० सुवंदे सु० हरखाकेन भा० लाखू
स्वश्रेय [से] श्रीअय [जि] तनाथविं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे श्रीज्ञान-
सागरसूरिभिः ॥

(७२०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वैशाख सुदि ६ श्रीमालज्ञा० डीडाउतगोत्रे । सा०
कादा भा० गउरी पु० राणा भा० दामू पु० सा० नरगणेन श्रीश्रेयांसविं
का० आत्मश्रे० श्रीपल्लीवालगच्छे प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥
छः ॥

(७२१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वैशाख सुदि ६ श्री वालग-
च्छे भउडुं भा० महिणदे पु० स० साताकेन । आत्मश्रेयसे
श्रीसुमतिनाथविं का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥ छ ॥

(७२२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३० वर्षे ज्येष्ठ व० २ उ० डांगीगोत्रे माणिकसन्ताने सा०
चाहड भा० लाडि पुत्र श्रीलोहटाभ्यां श्रीशान्तिनाथविं कारितं श्रीकृष्णर्षि-
गच्छे तपापक्षे आ० श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(७२३) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३० वर्षे पोष वदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० मन्त्रि समधर
भा० श्रीयादे सुत वीकाकेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीविमलनाथविं कारितं प्रति-
ष्ठितं श्रीपिप्पलगच्छे गुणदेवसूरिपट्टे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः राजलग्रामे ।

(७२४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे माह व० २ सोमे श्रीमालज्ञा० व्य० वयजल राजा
पदमा पासड खेता श्रेयो० श्रे० विजाकेन श्रीवासुपूज्यविं का० प्र० श्री-
जयप्रभसूरि उपदेशेन ॥

७१६ वहेलार अजितनाथ मन्दिर

७२० सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

७२१

७२२ किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय

७२३ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

७२४ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(७२५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० माह वदि २ बुधे उ० ज्ञातीय मडोरेचा बुहरागोत्रे
सा० खीमा भा० खेतलदे पु० चाचा भा० चाहिणदे पु० चांपा सहितेन ।
आत्मश्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथवि० का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे बोंकडियावटंके भ०
श्रीमलयचन्द्रसूरिभिः वडलीवास्तव्य ।

(७२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० व० माघ व० २ ना० ज्ञा० श्रे० कडुआ भा० वानू सु० ३ वइजा
भा० वइजलदे द्वि० सु० धरणाकेन भा० रसकू डाही तृ० सु० वीशलेन
श्रीवासुपूज्यविं प्र० श्रीवृ० तपा० श्रीमानसागरसूरिभिः ॥

(७२७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे मा० व० १० बुधे प्राग्वाट सा० शिंवा भा० सपूरी
पुत्र सा० पाल्हा भा० पाल्हणदे सुत सा० नाथाकेन भ्रातृ ठाकुरसीयुतेन
स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः धारनंगरे ।

(७२८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे माघ सुदि ४ प्रा० व्य० रादा भा० अरथू पु० सिरो-
हीवास्त० सा० मांडणेन भा० माणिकदे पुत्र लखमादियुतेन श्रीशान्तिनाथ-
विं का० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७२९) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० व० माह सु० १० उपकेशज्ञातीय फोफलीयागोत्रे ।
सा० धना भार्या धांधलदे पु० सा० खेदा कुंभा चाचा सहितेन आत्म-
श्रेयसे । भ्रातृ सा विरुगपुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं का० प्रतिष्ठि० श्रीधर्म-
घोषगच्छे भ० श्रीसाधुल्लसूरिभिः ॥

(७३०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० वर्षे । फा० सुदि ६ श्रीउपकेशगच्छे । सूरुआगोत्रे ।
सा० संहदेव पु० लूणा भार्या लाळि पु० खेता पातूकेन । श्रीश्रेयांसविं
का० कुक्कदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठित । श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री

७२५ पनवाड़ महावीर मन्दिर

७२६ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

७२७ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

७२८ नागोर बड़ा मन्दिर

७२९ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

७३० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(७३१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १५३० वर्षे फागुण सुदि ७ बुधे श्रीमालज्ञातीय सा० राजा भा० राजलदे भाग्नेय-स्वश्रेयोर्थ श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसधेन ॥

(७३२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५३१ वर्षे वैशाख वदि ५ बुधे श्रीमूलसधे भ० श्रीभुवनकीर्ति-स्त० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरुपदेशात् ॥ हुं० श्रे० मांडण भा० हांसु सुत समधर भा० टवू सुत कर्मदास नित्यं प्रणमति ॥

(७३३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ उ० खवेहीगोत्रे सा० धम्मा भा० करमादे तत्पुत्र वीदा भा० सूरमदे पु० देवा रतना हरराजयुतेन स्व-श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविं० का० प्र०.....गच्छे श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः ॥

(७३४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सवत् १५३१ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ उक्केशज्ञातीय सा० पूना भार्या पूनादे सुत सा० भावाकेन भा० नीणू सुत राणा मांका कृपादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं खरतर० श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ छ ॥ श्री ॥

(७३५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे आषाढ सुदि २ सोमदिने श्रीओसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे सं० हंसा भार्या संपूरी पुत्र हिल्ला-सोमाभ्यां सहितेन मातृ-स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथविं कारा० प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्री(पद्म)-शेखरसूरि तत्पट्टे भ० श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ॥

(७३६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे मार्गशीर्ष वदि ८ बुधे श्रीभावडहरागच्छे उपकेश-ज्ञातीय प्राह्ये चागोत्रे सं० रत्ना भा० रत्नादे पु० हरा भा० हांसलदे पु० वीरा भा० वीरलदे पुत्र-पौत्राभ्यां युतेन स्वपुण्यार्थ श्रीअजितनाथविं कारितं प्र० श्रीकालिकाचार्यसन्ताने श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीभावदेवसूरिभिः ॥ गोजा...

७३१ नागोर बड़ा मन्दिर

७३२ सागोदिया ऋषभदेव मन्दिर

७३३ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

७३४ जयपुर पंचायती मन्दिर

७३५ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७३६ कोटा मणिकसागरजी का मन्दिर

(७३७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे मार्गशिर वदि ६ बुधे उपकेशज्ञातीय उच्छित्वाल-
गोत्रे सा० मन्ना पु० रूपा० भा० रूपादे पु० समदा अन्नायुतेन श्रीशान्ति-
नाथविंब कारित प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७३८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सवत् १५३१ वर्षे माघ सुदि पंचमी शुक्रवासरे पल्लीवालज्ञाती
साह राज तत्पुत्र धर्मसी तत्पुत्र पियंवर । विमलनाथविंब कारापितं प्रतिष्ठितं
श्रीबृहद्गच्छे श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

(७३९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे फागुण सुदि सप्तमी सोमे सा साडन भार्या
मानकदे पुत्र ऋषभवीर भार्या नन्नोदेव्या आत्मपुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथविंब
कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(७४०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सवत् १५३२ वर्षे चैत्र व० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० जोगा भा०
जीवणि श्रेयसे सं० गोला भा० कर्मी पु० नरवदेन श्रीश्रेयांसनाथविंब
कारितं श्रीपूर्णिमापत्नीय श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना
बलहरा ।

(७४१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

स० १५३२ वर्षे चै० व० ३ रवौ उपकेशज्ञा० चणगीयागोत्रे सा०
वादी भा० खीमाई सु० तिहुण श्रेयोर्थ सा० भावडेन श्रीवंत साजण प्र०
कुटुम्बयुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामिविंब कारितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीदेवसुन्दरसू-
रिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(७४२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे चैत्र सुदि ११ दिने वरहडियागोत्रे सा० इसर भा०
इहवदे पु० सालिग भा० सुण सा० देवा धर्मसी देवा भा० देवश्री पु०
तारायुतेन श्रीकुन्थुनाथविंब कारितं प्रति० श्रीबृहद्गच्छे भ० श्रीमेरुप्रभसू-
रिपट्टे आचार्य श्रीराजरत्नसूरिभिः शुभभवतु श्रेयस्तात् ॥

७३७ मालपुरा मुनिखुन्नत मन्दिर

७३८ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७३९ रतलाम सेठजी का मन्दिर

७४० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

७४१ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छीय उपाश्रय

७४२ बेंतेढ विमलनाथ मन्दिर

(७४३) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख वदि २ शुक्ले प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सा-
मल भा० काऊं सु० पाता भा० नाऊं सु० देवाकेन भा० देवलदे प्र० अतृ
सामंत भा० लाढी सु० समधर भा० अजी सु० मांडण भोजा राणा द्वि०
आ० ऊदा भा० वाई पु० साईआ भा० सहिज्यादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः जीवितस्वामी पूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणा-
मुपदेशेन का० प्र० सुविधिना साकरग्रामे ।

(७४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सव० १५३२ वर्षे वै० वदि ११ सोमे श्रीश्रीमा० प० मूला भा०
मनकू पु० हरियाकेन भा० लखमाइयुतेन निजश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविंव
का० प्रति० वृ० तपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

(७४५) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५३२ वर्षे वै० शुदि ३ शनौ श्रीवायडज्ञातीय मं० साहव भा०
हल्ल पु० म० देवसेन भा० जीविणी पु० सिंहराज भ्रातृ हरदास डाही
आसूरा पंचायण अमीपालादिकुटुम्बयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादि-
चतुर्विंशतिपट्टः कारितः आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं
सुविधिना देकावाडावास्तव्यः ॥

(७४६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ स० १५३२ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ उसवालगच्छे श्रेष्ठिगोत्रे
सालिग भा० संसारदे पुत्र आसाकेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथविंव का० प्र०
श्रीकुंकदाचार्य सन्ताने भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री ।

(७४७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख सुदि १० शुक्ले श्रीश्रीवंशे म० धन्ना
भार्या धांधलदे पुत्र म० सुचा सुश्रावकेण भार्या लाली आ० गोइद पुत्र
सीपा नाखा सहितेन स्वश्रेयोऽर्थं । श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेशरिसूरीणा-
मुपदेशेन श्रीकुन्थुनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं संघेन लोलाडाग्रामे ॥

७४३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

७४४ नागोर वडा मन्दिर

७४५ नागोर सुमतिनाथ मन्दिर

७४६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

७४७ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

(७४८) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख शुदि १० शु० श्रीउवएसवंशे चंडालिया-
गोत्रे सा० नेमा भा० डीडी पु० सा० सोहिल भार्या-महिरी पुत्र सा० पहि-
राज भा० पाल्हरणदे पुत्र सा० रत्नपाल सुश्रावकेण पितृव्य सा० गोपालप्रमुख
कुटुम्बसहितेन पितु-श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमल-
धारगच्छे श्रीगुणनिधानसूरिभिः श्रे० पहिराज पुण्यार्थ ।

(७४९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ स० १५३२ वर्षे ज्येष्ठ वदि १३ बुधे प्राग्वाट श्रीआसधर भा०
गांगी सुत मदन पा० जिनदास जीवा पुत्रपौत्रादिसहितेन आत्मश्रेयोर्थ
श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः ।

(७५०) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ ज्येष्ठ सुदि १३ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० महीआ
भा० रंगी सुत हीरा भा० मदनी स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र०
तथा श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारेण श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥-श्रीः ॥

(७५१) धर्मनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३२ वर्षे आषाढ सुदि ८ रवौ श्रीभावडारगच्छे
सं० प्रा०-चीपूगोत्रे सा० देवदत्त भा० जाल्हरणदे पुत्र पासदत्त भा० पाल्ह-
रणदे पु० स० पूरण भा० सरूपदेव्यायुतेन पितृ-मातृपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथ-
बिंबं का० प्र० श्रीरत्नप्रभपार्वसन्तानीय श्रीजिनदेसूरिपट्टे श्रीभावदेवसू-
रिभिः ॥ नागपुरैः ॥

(७५२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे नीतोडकवासि प्रा० व्य० वड्डुआ भा० कर्मी सुत
व्य० वीरावेन भा० माऊ प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिसद्गुरुभिः ॥

७४८ नागोर बड़ा मन्दिर

७४९ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर

७५० मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७५१ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर

७५२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(७५३) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ वर्षे चैत्र सु० ४ शुक्ले । उसवंशे वावेलगोत्रे सा०
घेल्हा पु० सा० खेता भा० खेतश्री पु० सा० देदाकेन स्वपिताश्रेयसे श्रीअभि-
नन्दननाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिपट्टे
श्रीगुणनिधानसूरिभिः ।

(७५४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ व० चैत्र सु० ८घो० ग० वा०
चरण पु० धणलाल पुण्यार्थ श्रीकुन्धुनाथविंशं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसू-
रिभिः ॥

(७५५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे वै० शु० १२ गुरौ प्रा० व्य० रत्ना भा० रामलदे पुत्र
व्य० महिषा भा० धारी पुत्र जावडेन पितृश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंशं का० प्र०
तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ नांदिआग्रामे ॥

(७५६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे वैशाख सुदि ५ शुक्ले श्रीप्राग्वाटज्ञातीय श्रे० धारा
भार्या वाछू सुत श्रे० दूदा भार्या नीणू सुत श्रे० देधर भा० तेजू सुत पूजा
भूजा पितृ-मातृनिमिर्त्ता श्रीसंभवनाथविंशं कारितं प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ०
श्रीरत्नदेवसूरिपट्टे भ० श्रीअमरदेवसूरिभिः ॥ हारीजग्रामे ॥

(७५७) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे वै० शुदि ६ दिने श्रीमालवंशे सं० जइता पु० सं०
मांडण भा० लीलादे पु० जावड युतेन श्रीसुपार्श्वविंशं का० प्र० श्री-
खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(७५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ श्रीमालज्ञातीय मूसलगोत्रे सा०
सिवराज भार्या णावू पु० सोना भा० देवलदे पु० रायपाल आत्मपुण्यार्थ
श्रीआदिनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीपासरत्नसूरिपट्टे
क्षेमरत्नसूरिभिः शुभंभवतु ।

७५३ नागोर वड़ा मन्दिर

७५४ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

७५५ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

७५६ जयपुर पंचायती मन्दिर

७५७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७५८ जयपुर पंचायती मन्दिर

(७५६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे ज्येष्ठ मासे शुक्लपक्षे ५ शुक्रवासरौ उपकेशज्ञातीय रोहिण्येयगौत्रे साह जाणा भार्या अपू पुत्र चाहड भार्या चाहिणदेव्या चाहडेन स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपल्लीगच्छे श्रीउजो-अणसूरिभिः ॥

(७६०) स्तम्भोपरि

॥ ॐ ॥ सं० १५३३ वर्षे श्रावण सुदि ५ शनौ सा० भीमा भा० बज्रू पु० दौला भार्या अमी भार्या गोमति निमित्तं पुत्रकेन स्तम्भ प्राग्वाट-ज्ञातीय ॥

(७६१) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५३३ वर्षे मार्ग सुदि ६ श्रीमाल० फुफलियागौत्रे सा० बृहड भार्या चाड पुत्र साह नरसिंघ भार्या जर्पू सिंघही स्वपुण्यार्थं श्रीश्रेयांस-नाथविंबं का० प्रति० भ० श्रीपद्मानंदसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७६२) धर्मनाथः

॥ संवत् १५३३ वर्षे मार्ग० सुदि ६ उकेशज्ञातीय कालागौत्रे सा० देवदत्त पुत्र सा० फेरु भार्या वीलणदे पुत्र रावण सहितेन निज भार्या पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठित श्रीविधिपक्षीय अंचलगच्छे भट्टारक-श्रीजयकीर्तिसूरिपट्टे श्रीजयकेसरिसूरिभिः ॥

(७६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे मार्गेश्वर सु० ६ उकेशज्ञा० रांकागौत्रे सा० देवसी भार्या गवरदे पु० सारंग भार्या सक्तादे आत्मपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविंबं कारापितं संडेरगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(७६४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ वर्षे माघ सुदि ६ जांडलवालगौत्रे सा० लाखासन्ताने सं। चिराईत्र भा० सलखण पु० श्रीपाल बछराज पांचा सोनल श्रीपाल पुत्र ऊधरण मातृ सलखण पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथविंबं प्र० श्रीतपागच्छे भ० श्रीहेमसमुद्रसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

७५६ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७६० सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

७६१ नागोर हीरावाड़ी. आदिनाथ मन्दिर

७६२ नागोर हीरावाड़ी. आदिनाथ मन्दिर

७६३ किसनगढ़ यति स्वरूपचंदजी का उपाश्रय

७६४ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

(७६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे माघ सुदि १३ सोमवासरे प्राग्वाटज्ञातीय सा० हेमा भा० मानू पु० संघवी वडूआ भार्या डाही पु० सं० वना भा० मचकू पु० डूंगर आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथविवं कारितं साधुपूर्णमापत्ते प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः सारंगपुरे ।

(७६६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे फा० व० ६ दिने प्रा० सं० वरसा भा० गोमति नाम्नी पु० थेरा भोलादि कुटुम्बयुतया श्रीपद्मप्रभविवं कारितं प्रति० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे शाके १३६८ प्रा० वंभगोत्रे पु० श्रे० सारंग भार्या हरखर्केन पिता माता लाखा लाखणदे पुण्यार्थं श्रीआदिनाथविवं का० मलधारिगच्छे प्र० श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

(७६८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी

सं० १५३४ वर्षे चै० व० २ गुरौ लाटवासि प्रा० व्य० चादू भा० सुदरि पु० लुं टर्केन भा० लीलादे पु० बीसा हीरा दाहादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीशान्तिविवं का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ।

(७६९) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे वैशाख सुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० हीरा भा० रुडी । पु० सहिजाकेन भार्या पूतणियुतेन मातृ-पितृश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविवं श्रीपूर्णमापत्ते श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठित सुविधिना । गोरिजग्रामे ।

(७७०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे ज्येष्ठ सु० १० शुक्रे उपकेशवशे सा० रूपा भा० शीलू पुत्र सा० हेमाकेन भा० चत्रु पुत्र देवा रत्नादिपरिवारयुतेन श्रीअजितनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोमलगच्छे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

७६५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

७६६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

७६७ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

७६८ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

७६९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

७७० जङ्गाड पार्श्वनाथ देरासर

(७७१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे ज्येष्ठ सित १० दिने सोमे उकेशवशे कटारिया-
गोत्रे सा० चांपा भार्या पाल्हाणदे पुत्र सा० नरसिंह श्रावकेण श्रीश्रेयांस-
नाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः श्रेयसे ।

(७७२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सु० ११ गुरौ उकेशवशे छाजुहडगोत्रे सा०
उगम पुत्र सा० खरहथेन भा० जीवीणी पु० माला बाला पासड सहितेन
धर्मनाथविवं निजश्रेयोर्थ कारापितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(७७३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे आषाढ सुदि १ गुरौ उप० कटारीआगोत्रे सा०
लखमण भा० लखमादे पु० देपा साभा भा० कील्हाणदे
स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथविवं कारितं प्र० जाखडीयागच्छे श्रीकमलचन्द्रसू-
रिभिः ।

(७७४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे आषाढ सुदि १ गुरुवारे श्रीपल्हवडगोत्रे सं०
घेल्हसन्ताने सं० छाहड पुत्र सा० शिवराज भार्या संसारदे पुत्र कल्हाण-
युतेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छीय श्रीमेरु-
प्रभसूरिभिः श्रीराजरत्नसूरिभिः ।

(७७५) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सु० २ दिने उकेशवशे बोथिरागोत्रे
सा० जेसा पु० थाहा सुश्रावकेण भा० सुहागदे देल्हा हांसा नीवादियुतेन
माता लखी पुण्यार्थ श्रीश्रेयांसविवं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-
सूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

७७१ नागोर बड़ा मन्दिर

७७२ नागोर बड़ा मन्दिर

७७३ नागोर बड़ा मन्दिर

७७४ बू दी पार्श्वनाथ मन्दिर

७७५ नागोर बड़ा मन्दिर

(७७६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आपाढ सुदि २ ऊकेशवंशे फौफलियागोत्रे सा० अरसी भा० ऊंजी पुत्र सा० सिवा भा० रत्नादे पुत्र सा० चउराकेन भा० लखमादे प्रमुखपरिवारेण श्रीशीतलनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७७७) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आपाढ सुदि २ दिने ऊकेशवंशे बापणागोत्रे सा० भावड भा० जसमादे पु० सा० सोमा सुश्रावकेण भा० सकतादे पु० अमर मेघा अमरा प्रमुखसहितेन श्रीसंभवनाथविंबं का० प्रति० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(७७८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे आपाढ सुदि १५ ऊकेशवंशे चोपडागोत्रे को० ठाकुरसी भार्या ऊमादे पुत्र को० शिखरा भा० साता सुश्रावकेण पुत्र सा० वीसल सा० अखयराज सा० नगराज प्रमुखपुत्रादिसहितेन श्रीसुमतिनाथ-विंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

(७७९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे मार्गशिर वदि ५ सोमे । नागगोत्रे उपकेशज्ञातीय ना० मांडणेन भार्या माणिकदे पुत्र कामाकेन भा० लूणी कउतिगदे पुत्र करमा धरमा जगा रणमल्ल राइमल सहितेन । श्रीनमिनाथविंबं कारितं । प्र० ज्ञानकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(७८०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे माग वदि ५ तिथौ सोमे उकेशज्ञातीय राब्हीगोत्रे वल्ल आंवायां म० कोल्हा भार्या गुणादे पुत्र स० पौराउ-तिहुणाभ्यां स्वपित्रोः पुण्यार्थं श्रीशीतलनाथविंबं कारितं श्रीकन्हरसा तपागच्छे श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे श्रीपुण्यहंससूरिभिः प्रतिष्ठित ।

७७६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

७७७ सांगानेर महावीर मन्दिर

७७८ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

७७९ सांगानेर महावीर मन्दिर

७८० नागोर बड़ा मन्दिर

(७८१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ मा० शु० १० प्रा० व्य० नरसिंह भा० नामलदे पुत्र
मेलकेन भा० वीरणि पुत्र खेतादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथविं
का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । पालणपुरे ।

(७८२) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सवत् १५३४ वर्षे माघ शुक्लपक्षे शुक्ले भानक्षत्रे श्रीओशवंशे
श्रीविणोलियागोत्रे । सद्यपति समधर सं० गोसल सं० गुणधर सं० भाटल
सं० नाजलसन्ताने । सं० पांडण पुत्र सा० लखमण भार्या गजरादे । पुत्र
सं० हीरा भा० हीरादे । सा० भोला भार्या भमरादे । च । सभक्तिपूर्व पिता-
पूर्वजपुण्यार्थ आत्मश्रेयार्थ । सं० हीरा सं० भोलाभ्यां पुत्र-पौत्रादेः सपरि-
कराभ्यां श्रीशान्तिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं कहरिसागच्छे । भ० श्रीप्रसन्न-
चन्द्रसूरि भ० श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ॥

(७८३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे फागुण सुदि ५ सोमे उ० भेलङ्गियागोत्रे सा० महणा
भा० माल्हरादे पुत्र केला भा० कमलादे पु० देवराज सं० श्रीधर्मनाथविं
का० प्र० श्रीनाणावालगच्छे भ० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ छ ॥

(७८४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सवत् १५३४ वर्षे प्राग्वटज्ञा० श्रे० सोमा भा० देऊ पु० भोटाकेन
भा० वानरि आ० भोजा प्रमु० कुटुम्बयुतेन श्रीसंभवनाथविं का० प्र०
तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः वीसलनगरे ।

(७८५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सवत् १५३५ वर्षे आषाढ वदि द्वितीया दिने उपकेशज्ञातीय
आयरीगोत्रे लूणाउतशाखायां सा० जाजा पु० चउला भा० सपतलटि पु०
मूलाकेन आत्मश्रेयसे श्रीपद्मप्रभविं कारितं ककुदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं
श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

७८१ नागोर बड़ा मन्दिर

७८२ भिनाय

७८३ जयपुर बड़ा मन्दिर

७८४ नागोर सुमतिनाथ मन्दिर

७८५ नागोर बड़ा मन्दिर

(७८६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३५ वर्षे आषाढ वदि २ गुरौ भंडारीगोत्रे सा० वील्हा-
सन्ताने भं० सायर भा० सूहवदे पुत्र मं० अक्खा भार्या लखमादे भ्रातृ
चांपाकेन श्रीकुन्थुनाथविवं कारितं स्वश्रेयसे प्रतिष्ठितं संडेरगच्छे श्री(ई)शिर-
सूरिपट्टे श्रीशालिसूरिभिः ॥

(७८७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३५ वर्षे मार्ग० व० ६ सोमे उप० ज्ञाती० साहा भा०
असरी पु० वरनाग भा० वानू पु० सासढ आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथविवं
का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीवीरप्रभसूरिपट्टे श्रीवीराणंदसूरिभिः आ० श्रीदेव-
सुन्दरसूरि मालवसिगोवा०

(७८८) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह वदि ५ भौमे प्राग्वाटज्ञातीय गुहिलवाल-
गोत्रे सा० भांडा भा० वडजू सु० करमा जइता करमा भा० वानू जइता भा०
पांचू आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथविवं कारापितं श्रीमडाहडीयगच्छे श्रीवीरभद्र-
सूरिपट्टे श्रीश्रीनयचन्द्रसूरिभिः ।

(७८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह सुदि ५ गुरु प्रा० ज्ञातीय सा० धना भा०
वारी पु० जेसा भा० देल्हू पुत्र धना चाचा सामा सा० धना भा० अमरी
पुत्र ठाकुर स० जसाकेन श्रीशान्तिनाथविवं का० प्र० श्रीमडाहडगच्छे
श्री(र)विचन्द्रसूरि(भिः) ।

(७९०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५३५ वर्षे मा० शु० ५ गु० डीसा सं० काला भा० रती पु०
सं० नाथा भा० सोही भ्रातृ पहिराज रत्नादिकुटुम्बश्रेयसे श्रीश्रेयांसवि०
का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरितत्पट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७८६ मेड़तासिटी आदिनाथ मन्दिर.

७८७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७८८ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर

७८९ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

७९० हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

(७६१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३५ वर्षे माघ सुदि ५ गुरौ श्रीमूलसंघे भट्टारक श्रीभुवनकीर्ति
तत्पुत्रे भट्टारक श्रीज्ञानभूषणगुरौ...कासिणगोत्रे सा० सारंग भा० चांपू...
पु० अपू भ्रातृ...ताकी संभवनाथ ।

(७६२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह सुदि ६ प्राग्वाटज्ञातीय सांभरथागोत्रे
सा० समरा भा० हानी पु० आल्हा देवसी आल्हा भा० आल्ही पु० ऊधा
पदमसी चांदा पंचायणयुतेन स्वश्रेयसे । श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० श्री-
वृहद्गल्लीय भ० श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(७६३) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ ॐ ॥ सं० १५३५ वर्षे माह सुदि ६ दिने । श्रीओसवालज्ञातीय
वृद्धितवालगोत्रे सं० चांपा पु० सं० मघा पु० सं० गणपतिकेन भा०
गंगादे पु० रणवीर सा० करमायुतेन स्वश्रेयसे पितृपुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथ-
बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ शु०
वं० ॥

(७६४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३६ व० ज्येष्ठ व० ५ रवौ उप० सीसोदीयागोत्रे सा० देवा-
यन भार्या देवलदे पु० खेता भार्या खेतलदे पुत्र भाखरयुतेन स्वपुण्यार्थे
श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्रति० संडेरवालगच्छे श्रीसालिसूरिभिः ॥

(७६५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५३६ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वाट सा० हीरा भा० पाहल पुत्र
सा० सादाकेन भा० रानूयुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे
श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७६६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३६ वर्षे आषाढ सु० ५ गुरौ उ० ज्ञातीय सांडगोत्रे सहसा
भा० वारू पु० धरम भार्या वाल्हादे आत्मपुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं
का० प्र० श्रीपूर्णिमापत्ते भ० श्रीजयप्रभसूरिपुत्रे । भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः
प्रतिष्ठितं । ७४ उत्तमटा ।

७६१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

७६२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

७६३ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

७६४ जयपुर नया मन्दिर

७६५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७६६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(७६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३६ वर्षे का० सु० १५ बु० गोखरुगोत्रे सा० लोहट भा०
संपई पुत्र सा० टिला भा० कउतिगदे भ्रातृ पारस भा० पाल्हाणदे पु०
छीता धर्मसी पितृ-आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविं० का० प्र० बृहद्गच्छे
ज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(७६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ वर्षे मार्गवदि ५ गुरु प्राग्वाटज्ञातीय सालीगो० सा०
साजण भा० देऊ पु० छाजा भा० आत्मश्रेयसे स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथ-
विं० का० प्र० श्रीकोरंटकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्यसन्ताने भ० श्रीसांवदेव-
सूरिभिः ॥

(७६९) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३६ वर्षे मार्ग० शुदि ५ गुरौ खरतरगच्छे भ० बृ०
भणसालीगोत्रे मं० चोहथ भा० लाछा पु० भादा भा० भरमादे पु० फूला
खरहथ पितृश्रेयसे श्रीशीतलनाथविं० सा कारितं प्र० श्रीजिनहरषसूरिभिः ॥
श्रीः ॥

(८००) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३६ वर्षे माह वदि ५ सोमे प्राग्वाटज्ञातीत नहुनेचागोत्रे
सा० लीला भा० गउरी पु० जेसा भार्या यसमादे आत्मश्रेयसे श्रीसुमति-
नाथविं० कारापितं प्रतिष्ठितमुपदेशेन श्रीपूर्णिमापत्नीय श्रीभावदेवसूरिपट्टे
श्रीहर्षसुन्दरसूरिभिः ।

(८०१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ वर्षे । माघ सुदि ५ सोमे उपकेशज्ञातीय पोसालिया-
गोत्रे सा० धूना भा० अमरी पु० सखता मेला तेजा भा० सापू सहितेन
पितृ-मातृश्रेयोर्थ श्रीवासुपूज्यविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटकगच्छे श्रीभाव-
देवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८०२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३६ व० मा० शु० ५ प्रा० सा० पातल भा० सगकू पूना भा०
पूरी थिरा भा० दलू पु० कर्मा नाम्न्या ऊदा भा० आतृकुटुम्बयुतेन श्री-
वासुपूज्यविं० कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७६७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७६८ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७६९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८०० कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८०१ सांगानेर महावीर मन्दिर

८०२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(८०३) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३६ वर्षे फागुण सुदि ३ दिने श्रीऊकेशवंशे कूकड़ा-
चोपड़ागोत्रे सा० पांचा पु० सं० लाखण सुश्रावकेण पुत्रपौत्रादिपरिवार-
युतेन भार्या किसनादे पुण्यार्थ श्रीपार्श्वनाथविव का० प्र० श्रीजिनभद्रसूरि-
शिष्य-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८०४) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १५३६ वर्षे फागु० सुदि ३ दिने श्रीऊकेशवंशे कूकड़ा-
चोपड़ागोत्रे सा० पांचा कु० रूपादे पुत्र सं० लाखण * * * * * कुऊन भा०
लखमादे पुत्रपौत्रादिपरिवारसहितेन श्रीपार्श्वनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिशिष्य-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८०५) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ फागुण सुदि ३ श्रीउपकेशज्ञातीय । नावीयाडागोत्रे
सा० महणा भा० माल्हाणदे पुत्र सा० जोधा भा० लखमादे पुत्र । सा०
जसवीर-रूदाभ्यां श्रीचन्द्रप्रभविवं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्री-
गुणाकरसूरिपट्टे श्रीसोमकीर्तिसूरिभिः ॥

(८०६) मुनिसुव्रतः

सं० १५३६ वर्षे फागुण सुदि ५ दिने श्रीमाली * * * * * गोत्रे सा०
रांका भा० जीवी पुत्र धर्मसीकेन भा० वेगीपुण्यार्थ श्रीमुनिसुव्रतविवं
का० प्र० श्रीखरतर श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(८०७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३६ सोमे भटेउरा सा० रामा भा० मानू नाम्न्याः श्रीपार्श्वनाथ
का० प्र० सूरिभिः ।

(८०८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे वै० व० ६ सौंदरसीय प्रा० सा० देवा भा० हर्षू
पुत्र सा० रत्नाकेन भा० कर्मी सुत खीमा नरसिंघ भ्रातृ ठाकरसी प्र० युतेन
निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविवं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशि०
श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

८०३ रतलाम सेठ जी का मन्दिर. पाषाण

८०४ रतलाम सेठ जी का मन्दिर. पाषाण

८०५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

८०६ नागोर महात्मा जेठमल जी का उपाश्रय

८०७ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

८०८ हिण्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

(८०६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वर्षे ॥ वैशाख वदि ६ सोमवारे छाजहड़गोत्रे उस० ज्ञाती सा० हांसा भार्या तारु सु० जयता भा० वरजू सु० सविराज देवराज पाल्हा युते० आत्मश्रे० श्रीमुनिसुव्रतविंशं का० प्र० खरतर भ० श्रीजिनचन्द्रसूरि-पट्टे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ।

(८१०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीमूलसधे सरस्वतीगच्छे भ० श्रीसकलकीर्तिस्त० श्रीभुवनकीर्तिस्त० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरुपदेशात् हुं० उत्रेश्वरगोत्रे श्रे० वस्ता भा० निलु सुत देवसी भा० कर्मी सुत आसा भा० पूरी भाव वाछा भा० वीरी नाना भार्या नागलदे जीवा भा० जसमादे जाला भा० । जेतलदे श्रीआदिनाथविंशं मांडण भा० माणिकदे मेलानांगा प्रणमति ॥

(८११) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३७ वर्षे वै० सु० ५ बुधे प्राग्याटज्ञातीय व्य० राजल भार्या कीकी सुत व्य० साजणेन भा० ललतू सु० नर्वद प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ कीडेत वास्तव्य ।

(८१२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ४ भोमे बगलथिआण श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० सोमिल भार्या सहजलदे द्वि० सोनलदे पु० सांगा भार्या रतनादे पुत्र खेता खीमा पुण्यार्थं श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रति० श्रीबृहद्गच्छे भ० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः..... ।

(८१३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वर्षे माघ सुदि २ सोमे श्रीमाल श्रे० सिंघा भा० रांभू सु० धना भा० काली मातृ-पितृश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथविंशं कारापितं प्र० पिप्पलक गच्छे श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

८०६ जयपुर पंचायती मन्दिर

८१० रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

८११ मेड़तासीटी उप० शान्तिनाथ मन्दिर

८१२ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

८१३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(८१४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे मा० शु० २ सोमे उसवालज्ञाती० सा० नरसिघ भार्या नयणश्री पुत्र सा० महिराज भार्या महणश्री पुत्र मोकलसहितेन । श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीवासुपूज्यविं कारापितं आ० ठाकुरसी श्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । श्री ॥

(८१५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ व० फा० व० ८ बु० ७ खांटडगो० मं० पूना भा० अचू पु० राजाकेन भा० रयणादे पु० हरपति गुणपति तेजा हरपति भा० हमीरदे प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविं का० प्रतिष्ठितं भावडारगच्छे श्रीभावदेवसूरिभिः खिरहाला नामकेन ।

(८१६)..... पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ फागुण सुदि २ सहारणेन प्र० रविप्रभसूरिभिः ॥

(८१७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५३८ वर्षे आ० सु० २ दिने उकेशवशे कटारिया-गोत्रे सा० खीदा भा० खेतलदे पुत्र काजा हांसा जेता भा० हांसलदे पु० वरजा मनषणा (?) मेघालल्लमादियुतेन श्रीविमलनाथविं का । प्र० श्रीखर-तरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८१८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३८ वर्षे मागसिर वदि ५ उकेशज्ञातीय नाहरगोत्रे सा० चाहड भा० हरखु पु० वीजाकेन भा० वीजलदे पु० केसवयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथविं कारित प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीधर्मसुन्दरसूरिपट्टे श्री-लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(८१९) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३९ वर्षे आषाढ सु० २ रवौ श्रीओसवालज्ञा० नाणावाल-गच्छे थामलेचागोत्रे सा० सादुल भा० मेघादे पु० भाखर भा० भावलदे पु० मोहण हर्तायुतेन मातृ-मेघु-निमित्तं श्रीपद्मप्रभविं कारिते प्र० भ० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

८१४ जयपुर पंचायती मन्दिर

८१५ जयपुर पंचायती मन्दिर

८१६ नागौर बड़ा मन्दिर

८१७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८१८ नागौर बड़ा मन्दिर

८१९ जयपुर पंचायती मन्दिर

(८२०).....पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३६ वर्षे.....गुर्जरज्ञातीय व्य० वना पुत्र तेजाकेन
पुत्र भांकरा.....श्रीवृहद्गच्छे प्र० श्रीगुणप्रभसू० प्रतिष्ठितं
श्रेय-निमित्तं ॥

(८२१) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४० व० वैशाख सु० १० बुधे भट्टेउराज्ञातीय अटकरगोत्रे
सा० साल्हा भा० छपाई पुत्र सोमा भा० थरधू पुत्र ४ सा० हरराज मांडा
मोका गोइद् हरराज भा० करसी मांडा भा० रूपणि सा० सोमाभिधः
श्रीशंभवनाथं नित्यं प्रणमति ॥ संडेरागच्छे भ० श्रीशालिः.....

(८२२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४० वर्षे वैशाख शुदि १० बुधे ओसवालज्ञा० सा० साजण
पुत्र अमीपाल भा० ऊमादे पु० भौवरेण भा० कील्हणदे पु० जीवा गंगा
जिणदास जीवा भा० जसमादे पु० देवदासादिकुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रत-
त्वामिविवं का० प्र० उएसगच्छे सिद्धाचार्य० भ० श्रीधर्मसुन्दर-सिद्धसूरिभिः
श्रीवीसलनगरे ।

(८२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४० वर्षे आपाढ वदि १.....गच्छे.....साजलेचा-
गोत्रे सा० सोहा भा० नानी पु० सा० वणा फीदा पितृश्रेयसे श्रीआदिनाथ-
विवं का० प्र० श्रीपत्नीवालगच्छे श्रीश्रीश्रीउजोअणसूरिभिः ।

(८२४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४० वर्षे मार्गेशिर सुदि आम ४ तिथौ व्य० प्राग्वाटज्ञा-
तीय उह्वडेचागोत्रे सा० केला भा० उमी पु० गुणराम भा० रतू पु० तुभ-
हया(?)आत्मपुण्यार्थ श्रीवासुपूज्यविवं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षे भ० श्रीहर्षसु-
न्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४१ वर्षे वैशाख वदि १३ गुरुवारे उकेशज्ञातीय सुचिंति-
गोत्रे सा० सावंत भा०.....पु० मेधा पु०.....वरन.....श्रीशा-
न्तिनाथविवं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

८२० सांगानेर महावीर मन्दिर

८२१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८२२ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

८२३ सरधना पार्श्वनाथ देरासर

८२४ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

८२५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(८२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४१ वर्षे माघ सुदि २ दिने उसवालज्ञातीय श्रीचूंपडगोत्रे सा० हेमा भा० गमतादे पु० वच्छराज पुत्रेण सा० सीधरेण स्वपुण्यार्थ श्रीशान्तिनाथविंबं का० प्र० श्रीमलयचन्द्रसूरिप० श्रीराजरत्नसूरिभिः ॥

(८२७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५४१ वर्षे फा० सु०-३ गुरौ सामेरवासी प्रा० स० कालू भा० दासी पुत्र स० गोल्हाकेन भा० हीरू पु० महाकाल मना । ठाकरसी युतेन भ्रा० देऊ श्रीसुमतिविंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-सन्ताने श्रीलक्ष्मीतागरसूरिभिः ।

(८२८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे वैशाख चदि ६ शुक्ले ऊकेशज्ञा० सिधाडियागोत्रे सं० रेडा स० सा० ऊदा भार्या ऊदलदे पु० सा० छाजू श्रीमल जिणदत्त पारसयुतेन आ० पु० श्रीमुनिसुव्रतविंबं का० प्र० ॥ श्रीबृहद्ग० भ० श्रीमेरू-प्रभसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ श्रीः ॥

(८२९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४२ वर्षे माघ सु० २ शनिवारे श्रीउसवालज्ञातीय सुचि-तीगोत्रे सा० सगर पुत्र सा० श्रीश्रीपाल भा० परवतदे पु० सा० सादा पु० नरदेवसहितेन पितृश्रेयसे सुमतिनाथविंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीउपके० श्री-कक्तसूरिपट्टे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(८३०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४२ वर्षे माघ सुदि ५ दिने विनाइकीयागोत्रे सा० धना पुत्र सा० पीबा पुत्रेण सा० राजेन निजमाता-कोडापुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रत-स्वामिविंबं कारितं प्रतिष्ठितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीहरि-कलशसूरिभिः ।

(८३१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे फा० व० २ शनौ उ० पालडेचागोत्रे साह नाथ भा० नामलदे पुत्र मीदा भार्या राजू सहितैः पितृनिमित्तं श्रीपद्मप्रभविंबं कारितं प्र० मडाहडगच्छे श्रीनयचन्द्रसूरिभिः । शुभंभवतु ।

८२६ सांगानेर महावीर मन्दिर

८२७ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

८२८ जयपुर नया मन्दिर

८२९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

८३० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८३१ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. घाट

(८३२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे फागु० वदि ७ सीतोरेचागोत्रे उस० सा० सूरु
भा० सुरमदे पु० पर्वत सा० सहजा सिवा सा० पर्वत भा० देलू पु०
माईआं समधर विजा सहजा भार्या चपलदे सहित भ्रा० सहजा पुण्यार्थ
श्रीसंभवनाथविंबं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(८३३) आदिनाथ-एकतीर्थीः

संवत् १५४२ वर्षे फागुण सुदि ५ गुरौ । नीगा । पाचलेराजा श्रीमान-
सिंहराउले श्रीकाष्ठासंधे माथुरान्वये पु० भ० श्रीकमलकीर्तिदेवाः तत्पट्टे
भ० शुभचन्द्रदेवाः तत्पट्टे भ० श्रीहंससेनदेवाः भदान्वये अग्रोतकान्वये
वासिलगोत्रे सा० गोल्ला भा० पाल्ही । पुत्र उ सा० पदमसी । जवणसी ।
सा० गेहला । पदमसी पु० अंगरूतिमलू । पु० १ अर्जुन सा० जवणसी ।
भा० जीवी । पुत्र ३ सा० लाडम भा० देवीतारौ द्वि० पु० कोडम भा०
तूल्ही । ठकुरसी । एतेषामहे सा० लाडम श्रीआदिनाथ कारापितं । प्रति-
ष्ठितं । नित्यं प्रणमति । शुभंभवतु । कल्याणमस्तु ।

(८३४) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४२ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सलरा भा० ऊमी पु० कर्म-
सिंहेन भा० आपू यु सहितेन स्वपितृव्य व्य० लूणा श्रेयोर्थ श्रीनेमिनाथ-
विंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(८३५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४३ वर्षे वै० शु० १० गुरौ प्राग० सा० जैसा भा० उमादे
पुत्र सा० पताकेन भा० जसू प्र० युतेन श्रेयसे श्रीशीतलविंबं कारितं प्रति०
श्रीसूरिभिः ।

(८३६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ गुरौ श्रीउपकेशज्ञातीय बांभगोत्रे
सा० नाल्ला भा० नायकदे पु० साह तोलाकेन भार्या कर्णादेव्या युतेन
स्वपुण्यार्थ श्रीसंभवनाथविंबं कारितं प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणनिधान-
सूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः ॥

८३२ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

८३३ हिन्दोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

८३४ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

८३५ सैलाना ऋषभदेव मन्दिर

८३६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(८३७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४४ वर्षे वैशाख सु० ३ प्राग्वाट श्रे० मांडण भा० टबी सुत सहसाकेन भा० जालू सु० समधर सालिग पंचायणादि कुटुम्ब-युतेन सा० तेजा श्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविबं कारितं प्र० तपा-श्रीसोमसुन्दरसूरि-सन्ताने गच्छनायक-श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ।

(८३८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४४ वर्षे वैशाख शुदि १५ रवौ प० उ० उकेशज्ञाति सा० वीरा भा० गोरी पुत्र सा० गणपतिकेन भा० मेघू कडतिगदे भा० भोला कान्हा भा० भावलदे कमलादे आसा भा० अहिवदेव्यादिकु० युते स्वभ्रातृ आसा श्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथविबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः श्रीरस्तु ।

(८३९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४५ वर्षे जे० व० ११ दिने वीरवाडावासी प्राग्० ज्ञाति सा० रत्ना भा० माधू पुत्र सा० भीमाकेन भा० हेमी कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीश्रीसूरिभिः श्रिये ।

(८४०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४५ व० ज्येष्ठ सुदि १२ गुरौ श्रीमालज्ञा० चोपडागोत्रे पं० हरिगण भा० गई पुत्र करणा भा० खेतू पु० पाल्हा कील्हाभ्यां धर्मनाथवि० प्र० रुद्रपल(पल्लीय)गळे श्रीहेमप्रभसूरिभिः ।

(८४१) सभवनथ पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४६ वर्षे आषाढ वदि २ उसवालज्ञातौ श्रेष्ठिगोत्रे वैद्यशा-खायां । सा० सिणा भा० सिंगारदे पु० बीजा भा० छाजू ताभ्यां पुत्र-पौत्र-युताभ्यां श्रीचन्द्रप्रभविबं सा० सिंघापुरणार्थं कारापितं । प्र० श्रीदेवगुप्त-सूरिभिः ॥

(८४२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४६ वर्षे माघ वदि ८ सोमे ओस० थामलेचागोत्रे श्रे० केलहन सुत घोगट भा० मानु पुत्र तोल्हा भा० तोल्हणदे पुत्र चान्दा सहजा स्वमातृपुरणार्थं श्रीवासुपूज्यविबं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे भ० श्री..... ।

८३७ जयपुर पंचायती मन्दिर

८३८ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

८३९ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर

८४० कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८४१ नागोर वड़ा मन्दिर

८४२ भिनाय महावीर मन्दिर

(८४३) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५४७ वर्षे वैशाख शु० ३ सोमे हुंवडझा० श्रे० तिला भा० हर्षू पु० श्रे० लाला भीमा नाथादयस्तेषु लालाकेन भा० रुक्मिणी पु० सिंघा बाघादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं श्री-मूलसंघे भ० श्रीज्ञानभूषण मूडहिटीग्राम वास्तव्यः ॥ श्रीः ॥ पूज्य भ० श्रीधर्मसुन्दर सिद्धसूरिगुरुप्रसादात् श्रीककसूरिभिः ॥

(८४४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे मा० वदि ८ दिने प्राग्वाटजातीय-व्य० रूप्रा भा० देषू पुत्र मेरा भा० हीरू श्रेयर्थं श्रीवासुपूज्यविंशं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(८४५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४७ वर्षे माघ शुद्धि ३ गुरौ श्रीब्रह्माणगण्डे श्रीश्रीमालजातीय श्रे० जोगा भा० सोनाई सुत जिणदास-गुणपालाभ्यां स्वपित्रोः श्रेयर्थं श्रीधर्मनाथविंशं का० प्रतिष्ठित श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः शीवापुरवास्तव्यः ॥

(८४६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे माह सुदि ५ शुक्ले श्रीसंडेरगच्छे उ०..... सा० खीमा भा० सांपू पु० सुरतान भा० पहपू पु० करण चौखा आत्म-श्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविंशं का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

(८४७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४७ वर्षे माघ सु० १३ शनौ श्रीमडपे श्रीमालजातीय स० ऊदा भा० हर्षू पु० स० खीमा भा० पूंजी पु० जगसी भा० साऊ पु० स० गोदा भा० पु० स० सामा पु० स० मेघा पुत्री शाणी लघं...ट स० राजा भा० सांगी पु० सं० जावड भा० धनाई जीवादे सुहागदे सक्तादे विनादे पु० सं० हीरा भा० रमाई भ० लालादिकुटुम्बयुतेन १०४ विंशं कारापितं निजश्रेयसे श्रीपतसर्वत्र (पार्श्वनाथ) विंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीत-पागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

८४३ जयपुर पुंगलियों का मन्दिर. स्टेशन

८४४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

८४५ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

८४६ भिनाथ महावीर मन्दिर

८४७ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

(८४८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे माघ सुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० शिवा भार्या
हेली सुत दो० धाइयाकेन भा० सलखु सु० दो० दासां राणा कर्ण सा गांगा
पौत्र कमलसीह भा० पोता डाहिया प्र० कुटुम्बयुतेन प्र० श्रीमधुकरीय-
खरतर श्रीमुनिप्रभसूरिभिः ॥ श्रीशीतलविं व कारितं ।

(८४९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५४७ वर्षे फागुण सुदि ३ उ० सा० महीपा भा० तेजू
पु० लोला भा० लोलादे सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशीतलनाथविं का० प्र०
वृमाणया (ब्रह्माणीय) श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

(८५०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सुदि ४ सं० हू गरपल्या श्रीदलहदेव
श्रीपार्श्वनाथविं व कारितं ।

(८५१) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सु० ५ श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे श्रीसोम-
सेणसला खडेलवालान्वये भवसारि पु० साधु० सला भा० नेमु मय पुत्र
नमिदास ।

(८५२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४८ वर्षे कार्तिक सुदि १२ दिने श्रीऊकेशवंशे रांकागोत्रे
मांजउत्रशाखायां सा० सिंघा पुत्र सालिग भा० सामू पुत्र सा० करणाकेन
भा० कुडिमदे कमलादेव्यादियुतेन श्रीनमिनाथविं व कारितं प्रति श्रीखरतर-
गच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुन्दरसूरयस्तपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ।

(८५३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख शुदि ५ रवौ उपकेशज्ञा० चोवलदगगोत्रे
सा० सजा भा० तेजसरू पु० कूप काना सहिसा सीधर कुटुम्बयुतेन
स्वपुण्यार्थ श्रीनमिनाथविं० का० प्र० श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमणिचन्द्र-
सूरिभिः ॥

८४८ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

८४९ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

८५० अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर. वेदमुहूर्तो का

८५१ किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर

८५२ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

८५३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(८५४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५४६ वर्षे ज्येष्ठ वदि १० शुक्ले हुंवडज्ञा० श्रे० धर्मा भा० धर्मादे पुत्र खेतसी धना खेतसी भा० २ गुरी माणिकदे पु० वस्ता ताभ्यां धनाकेन भा० लाडिकि पु० हर्षादिकुटुम्बयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथविंवां का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने भ० श्रीधर्मसुन्दरसिद्धसूरिपट्टे भ० श्रीककसूरिभिः ॥ ईटाढी ॥

(८५५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४६ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ शुक्ले उपके० ज्ञातीय गोची पाल्हा भा० पोडणि पु० जाल्हा भा० अमरा मेहा सा० नाकी सकुटुम्बयुतेन पितृश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथविंवां कारितं श्रीजीराउलागच्छे भ० श्रीउदयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीदेवरत्नसूरिभिः । प्रतिष्ठित ॥

(८५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४६ वर्षे माह सुदि १० य० वोरदियागोत्रे सा० सारंग सा० लालण भा० विमलादे पु० खेता भा० सोनी सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभविंवां कारा० श्रीकोरंटगच्छे भ० श्रीनन्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(८५७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४६ फा० सु० ११ भौ० श्रीमू० त्रिभुवनकीर्तिदेवाः तत्पट्टान्व० सा० पची भा० वरम्हा पु० सा० जनु । भा० चांदगदे पु० वडुआ नपा त्रि० पु० सा० भेदा भा० धानसिरि पु० अजित भा० नैनाकके (?) विजसी ।

(८५८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४८ उएसज्ञा० गांधीगोत्रे साह ऊदा भार्या मेघी पुत्र ३ सा० श्रीरग चूंहड तोल चूंहड भार्या सोहागदे पुत्र समरण चोखा श्रीपाल रत्नपालादियुतेन श्रीअजितनाथविंवां स्वपुण्यार्थं कारितं प्रतिष्ठित श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन ।

(८५९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५० वर्षे माह सुदि ५ गुरु उ० ज्ञातीय धनाणेचागोत्रे सा० वीसल भा० नायबदे पु० सा० वणा भा० वाल्हादे पु० रायमल आत्म० श्रीसंभवनाथविंवां का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीजयमङ्गलसूरिसन्ताने भ० श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८५४ वीवडोद ऋषभदेव मन्दिर

८५५ सांगानेर महावीर मन्दिर

८५६ जडाउ पार्श्वनाथ देरासर

८५७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८५८ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

८५९ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(८६०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५१ वर्षे वैशाख सुदि ११ सोमे उपकेशज्ञातीय मादडेचागो० सा० मेलात्मज । सा० भांभा भा० पदी पु० भूदावर स्वनिम(मि)त्तं विवं मुनिसुव्रत । प्र० बृह० भ० श्रीधनप्रभसूरि ।

(८६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ स्वस्ति सं० १५५१ वर्षे वैशाख सुदि १३ गुरु श्रीपत्तनवास्तव्य श्री-मोढज्ञातीय ठा० धना भार्या रूडी पुत्र ठा० गोना भार्या कांड सुत ठाकर थावरेन भार्या गोरी सुत ठा० कु० राजसिंग जइ* * * प्र० कुटुम्बयुतेन श्रेयसे श्रीसुविधिनाथविवं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

(८६२) विमलनाथः

सं० १५५१ आषाढ वदि ८ श्रीश्रीमालज्ञाती० सा० पूणा भा० खिम-सिरि पुत्र देवधरेण श्रीविमलनाथविवं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसू-रिभि श्रीमुनिसुन्दरसूरिभिः ॥ विमल का० देवधरेण ।

(८६३) नमिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ सं० १५५१ वर्षे पोष सुदि १० उ० पीपाडागोत्रे सा० केला भा० कपूरदे सुत सा० करमाकेन भा० कसमीरदे पु० रणधीर ऊदा वण-वीरप्रमुखपौत्रपरिवारयुतेन श्रीनमिनाथविवं का० प्र० पल्लीगच्छे श्रीउज्जो-अणसूरिभिः ॥

(८६४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५१ वर्षे माह वदि २ सोमे श्रीभावड* * * * * भा० धारलदे पु० सा० अमरा भा० इंद्रवदे पु० भारमल्ल रतनाकेन आत्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविवं का० प्रतिष्ठितश्च उ० कक्कसूरिभिः ॥

(८६५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५१ व० मा० व० २ सोमे उ० ज्ञा० सोनीगोत्रे सा० चांपा भा० चांपलदे पु० हया रामा हदा पितृनि० आ० श्रे० श्रीशीतलना० वि० कारि० प्रति० नागुरी तपाग० भ० सोमरत्नसूरिभिः ॥

८६० कोटा सेठजी का घर देरासर

८६१ कोटा सेठजी का घर देरासर

८६२ चोथ का बरवाड़ा महावीर मन्दिर

८६३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

८६४ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर

८६५ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(८६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५२ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ ओसवालज्ञातीय सं० सहीजा भा० केलही सु० ठाकुरसीकेन भार्या गिरजू सहितेन आत्मश्रेयर्थ श्रीआदिनाथविंबं कारितं श्रीबृहत्तपापक्षे भ० श्रीजिनसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं सविधिना ॥ श्री

(८६७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५२ वर्षे आपा० शु० २ २० प्रा० ज्ञातीय व्य० जेसा भा० मारु पुत्र थावरकेन भार्या पूरी प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंबं का० प्र० तपागच्छेश भट्टारक श्रीहेमविमलसूरिभिः ।

(८६८) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५२ मागसिर सुदि ५ रवौ श्रीकोरटगच्छे ओसवंशे संखवालेचागोत्रे सा० आंबा भा० सोनलदे पु० महणाकेन भा० सीतादे पु० वणवीरयुतेन श्रीकुन्थुनाथविंबं का० प्र० श्रीनन्नसूरिभिः ।

(८६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५२ वर्षे माघ सु० ५ प्रा० ज्ञा० सा० पेमा भार्या रमकू पुत्र सा० सोनाकेन भा० गोरी पुत्र सा० हर्षादिकुटुम्बयुतेन श्रीआदिनाथविंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीहेमविमलसूरिभिः श्रीइन्द्रनन्दिसूरि-श्रीकमलकलशसूरिभिः युतेन ॥

(८७०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। संवत् १५५२ वर्षे फागुण वदि ८ सोमे सोनगोत्रे सा० नाथू पु० सा० सधारण पु० सा० देदा भा० देवलदे नाम्न्या स्वपुण्यार्थं कुटुम्बश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः श्रीछल्ली वास्तव्यम् ॥

(८७१) संभवनाथः

सं० १५५३ माह वदि ५ श्रीदेवसेनसंघे प्राग्वाट ग्राम आंब दीप पु० मांगाकेन कारितं श्रीसंघसहितेन श्रीसंभवजिनविंबमिदम् ॥

८६६ नागोर बड़ा मन्दिर

८६७ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

८६८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

८६९ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

८७० जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

८७१ नागोर आदिनाथ मन्दिर हीरावाड़ी

(८७२) संभवनाथः

सं० १५५३ माह वदि ५ श्रीदेवसेनसंघे प्राग्वाट संघवी मोगाकेन कारितं श्रीसंघसहित श्रीसंभवजिनबिंबमिदम् ॥

(८७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५३ वर्षे फा० व० ३ श्रीभरद्वजगोत्रे । व्य० साहसमरा-सन्ताने सा० साजण पुत्र सा० हरिराजेन भार्या हीरादे पुत्र देवकरण सर-वण माला सहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीरुद्रपल्लीय-गच्छे भ० श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(८७४) शीतलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५५३ वर्षे फागुण वदि ३ रविदिने उहसंगोत्रे सा० सूवा भार्या संसारदे पु० जीवराज सहितेन जीवा भा० जीवादे पु० राजा नेमा जयवंत राजा भा० राजलदे पु० महिस-पहिरा सहितेन श्रीशीतलनाथबिंबं चतुर्विंशतिपट्टकः प्र० श्रीनाथकीयगच्छे श्रीधनेसरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८७५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५४ वैशाख वदि ५ शनौ हुंबडवंशे सतिशालिगच्छे (?) पितृ गंगा भार्या रतनश्री पु० सिंहेन श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीपासड-सूरिभिः ॥

(८७६) चतुर्मुख-पार्श्वनाथः

सं० १५५४ वर्षे आषाढ वदि १० दिने श्रीपार्श्वनाथप्रासादे श्रीसंघेन समवसरण का० प्रति० श्रीउदयसागसूरिभिः वृद्धतपापक्षे ।

(८७७) आदिनाथः

॥ सं० १५५४ वर्षे माघ वदि २ बुधवासरे । सीहावास्तव्य प्राग्वाट-ज्ञातीय व्य० । वीरा भार्या मीतु पुत्र व्य० गांगा चूडाकेन भार्या देऊ पुत्र हरखा जयत पाटलप्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमत्तिसाधुसूरिपट्टे विजयसूरि आदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनाथक-लक्ष्मी-सागरसूरितत्पट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

८७२ नागोर आदिनाथ मन्दिर हीरावाड़ी

८७३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

८७४ जयपुर पंचायती मन्दिर

८७५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

८७६ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

८७७ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर, मूलनाथक.

(८७८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५४ वर्षे फागुण सुदि ३ शुक्ले श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० भोजा भार्या कीवी सुत हीरा धीरा सूरु हीरा भा० मानू तयात्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथ-पञ्चतीर्थी कारितं पिप्पलगच्छे तलाजीआ श्रीगुणसागरसूरि प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८७९) जतनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५५ वर्षे चैत्र सुदि ११ सोमे उपकेशवंशे मेढतवालगोत्रे सा० पगारसिंहसन्ताने सा० सहसा शु० सा० श्रवण भ्रातृ सालिगयुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० हर्षपुरीयगच्छे भट्टा० श्रीगुणसुन्दरसूरिपट्टे श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

(८८०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५५ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ ऊकेशवंशे भ० माला भार्या जेठू पुत्र भ० नपाकेन भार्या सोनाई पुत्र सूरचन्द सोमदत्त इत्यादिपरिवारयुतेन पुत्रिका श्री० लाडिकि पुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(८८१) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५५ वर्षे वैशाख मासे शुदि ७ बुधवासरे उसवालज्ञातीय लाभूगोत्रे सा० हांसा भार्या हांसलदे पु० सा० कुशल भा० पूरिगदे पुत्र सा० ठाकुरसी श्रावकेण परिवारपरिवृतेन श्रीअभिनन्दनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥ श्रेयोस्तु ॥

(८८२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५५ वर्षे कार्तिकमासे श्रीमालज्ञाती० बहकडागोत्रे चै० ठकरा पुत्र चोपरीतेका भार्या सेपलदे पुत्र चै० जोगा राजा चै० अमरी जीवा श्रीमघादिभिः स्वमातुःश्रेयोर्थ श्रीसुविधिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

८७८ मेढतासिटी महावीर मन्दिर

८७९ नागोर बड़ा मन्दिर

८८० कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८८१ सांगानेर महावीर मन्दिर

८८२ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

(८८३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५५ वर्षे माघ सुदि ६ सोमे श्रीनागेन्द्रगच्छे उपकेशज्ञा० सा० बाळा भार्या वील्हादे पु० डाहा भा० दाडिमदे पुत्र रणवीर पु० वीरम-युतेन पि० नि० आत्मश्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥ आहोर वा० ॥ छ ॥

(८८४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५५ वर्षे फागुण सुदि २ बुधे सींधुडगोत्रे छधरी मही-पाल भा० गोगवदे सुत वस्तुपाल भ्राता पोमदत्त वस्तुपाल भा० वल्हादे पौत्र त्रैलोक्यचंद श्रेयोर्थ श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे भ० श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

(८८५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५६ वैशाख सुदि ३ शनौ श्रीसंडेरगच्छे उ० वढालागोत्रे सा० लूणा लाला गु० पु० लाला लाळा लोला भा० तारू हरा भा० जइतु पु० सु० श्रे० श्रीशान्तिनाथबि० का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः श्रीः ।

(८८६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ वर्षे वैशाख सुदि ७ सोमे । प्राग्वाटज्ञातीय सा० चान्दा भार्या सलखणदे पु० लोला बाई मापाता सा० खीमा भा० खेतलदे सकुटुम्बयुतेन आत्मपु० श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० श्रीअंचलगच्छे श्री-सावत (शान्ति) सागरसूरि विद्यमाने वा० भाववर्द्धनगणिनामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसधेन मुन्नडावास्तव्य ॥

(८८७) मुनिसुव्रत-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १५५६ वर्षे वैशाख शुदि १३ रवौ श्रीवायडज्ञातीय मं० तेजा भा० गाँगी पु० म० नारदकेन भा० २ रङ्गी सु० वर्द्धमान वज्रांग आनन्द द्वि० भा० नागलदे सु० देवराज हेमराजादिसकलकुटुम्बयुतेन स्ववृध(द्ध)-पत्नीश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतचतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरु उपदेशेन कारितं प्र० ॥ देवाडा वास्तव्यः ॥

८८३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८८४ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

८८५ नागौर बड़ा मन्दिर

८८६ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

८८७ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(८८८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५६ वर्षे माघ वदि ७ दिने दोसीगोत्रे सा० मांडण भार्या
निपुनी पुत्र सा० लखमण रादा वेलाकेन कारितं श्रीआदिनाथविं प्रतिष्ठितं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(८८९) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे० फा० व० १० दिने प्रा० ज्ञातीय व्य० दुला भार्या
सोहिणी पुत्र व्य० हुंतलेन भा० हमीरदे पु० व्य० रतनादिकुटुम्बयुतेन
वा० भोजार्थं श्रीअजितविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(८९०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरौ उसवाल गदहीयागोत्रे सा०
आंवा भा० रुषी पुत्र-कचरा भा० रामा । पूर्वज लखमा निम (मि)त्तं
वास(सु)पूज्यविं का० प्रति० ऊकेशगच्छे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(८९१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५७ वै० सु० ११ गुरौ-उस० लघु० श्रे० सहिसा भा०
देमति पुत्र देवदासहरखा हरदास तेजायुतेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविं
का० प्र० सडाहडगच्छे-रत्नपुरीय श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः । उ०-श्रीआणंदमेरु
उपदेशेन ॥ शुभभवतु । जाखडिया ।

(८९२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीजीराउलागच्छे वा० आणंद
मेरु कारापितं श्रीपार्श्वनाथविं प्र० श्रीउदयचन्द्रसूरिभिः ।

(८९३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने मंगलवासरे उ० ज्ञातीय
छिछोडीगोत्रे सा० खीमा सु० नाल्हा भा० नारिंगदे अमसभणदे पु० पल्ह
स्वश्रेयसे-श्रीशान्तिनाथविं का० प्र०-श्रीसंडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः
तत्त० इसरसूरिभिः ॥

८८८ सांगानेर महावीर मन्दिर

८८९ जयपुर ऋषभदेव मन्दिर. मोहनवाड़ी

८९० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८९१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८९२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

८९३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(८६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५७ वर्षे वैशाख शु० ४ गुरौ पहाणेचागोत्रे सा० बहुआ भा० बहुआदे पु० सा० सामंत भार्या सुहागदे पु० लाखा भा० बहुरी लाखा पु० देवा नगा प्रमु० परिवारयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारि० श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः प्रतिष्ठित । ॥

(८६५) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः -

संवत् १५५७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० गुरौ श्रीपत्तन-श्रे० गडाकवंशे प्राग्-ज्ञातीय व्य० राजड सुत व्य० खीमसी साहि सा० खीमसीह-सुत देवा भा० वानकाई नाम्न्या पु० सोना रूपा पुत्री हीराई कीकी सोना भा० टबकू सुन नियतसिंहादिकुटुम्बिन्या श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छनायक-श्रीनिगमादिभविक्परमगुरु-श्रीइन्द्रनन्दिशूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(८६६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ पोष सु० १५ प्रा० ज्ञा० सा० वरसिंग भा० वामादे पुत्र सा० समधरेण भा० उमादे पुत्र खीमा सीधर गांगा भागा सोनादिकुटुम्ब-युतेन निजश्रेयसे ॥ श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे सुमति-साधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(८६७) चारित्रभूषणपादुकाः

॥ सं० १५५७ वर्षे फागुण सुदि द्वितीया शुक्रवारे रेवतीनक्षत्रे श्रीचारित्रभूषणवराः स्वर्गं जग्मुः ॥ तत्पादपद्मयुगलमिदम् ॥ चिरं नंदतात् तावच्चरन्तु ॥ व ॥

(८६८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५८ वर्षे माह शुदि १३ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय पंचुली वोडा भार्या रामू पुत्र पंचुली पाल्हा भार्या भाली आठ प० कर्मा पुत्र डूंगर डाहि आदिकुटुम्बयुतेन सं० पाल्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठित तपागच्छे श्रीश्रीश्रीश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

८६४ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर

८६५ खोह चन्द्रप्रभ मन्दिर

८६६ जयपुर पंचायती मन्दिर

८६७ नागोर वडा मन्दिर

८६८ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(८६६) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५८ वर्षे माह शुदि १२ गुरौ गोलवासि प्राग्वाटज्ञातीय पंचुली बोडा भार्या रांभू पुत्र पंचुली पाल्हा भार्या भाली आवृ पंचुली कर्मा पुत्र डूंगर डाहि आदिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथविं व कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

(६००) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे वैशाख सुदि १३ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठि धाईआ भार्या माणिक सुत सामल भार्या सारु सु० धर्मण धाराकेन स्वपितृपूर्वज श्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथविं व कारापित प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः वणद्रवास्तव्यः ॥

(६०१) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ वर्षे आषाढ सुदि १० बुधे ओसवालज्ञातीय छाजहड गोत्रे सं० बहुरा भा० सूरवदे पु० श्रीवंत भार्या सुहागदे कुटुम्बपुत्रपौत्रादियुतेन आत्मपुण्यार्थं श्रीअजितनाथविं व कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपल्लिकीयगच्छे भ० उज्जोअणसूरिभिः ॥

(६०२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५६ आषाढ सुदि १० बुधे । श्रीपल्लुवडगोत्रे । सा० तोला-सन्ताने कुंवर पालहण साधुकेन भा० देवल पु० पासु रूपचन्द युतेनात्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविं व कारितं प्र० बृहद्गच्छे भ० श्रीमेरुप्रभसूरिपट्टे श्रीमुनिदेवसूरिभिः ॥ श्री ।

(६०३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५६ वर्षे आषाढ सु० १० आइच्चणगोत्रे तिजाणीशाखायां सा० सूरजन भा० सूरवदे पु० सहस्समल्लेन भा० सीतादे पु० संडा ठाकुर भाटा पदा पौ० कर्मसी पीथां श्रीवंतयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथविं व कारितं प्र० श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री ।

(६०४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे आषाढ सु० १० सुराणागोत्रे सं० शिवराज भा० सीतादे पुत्र सं० हेमराज भार्या हेमसिरि पु० पूंजा काजा नरदेव श्रीपार्श्वनाथविं व कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मानंदसूरिपट्टे नंदीवर्द्धनसूरिभिः ॥

८६६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६०० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६०१ सांगानेर महावीर मन्दिर

६०२ नागोर बड़ा मन्दिर

६०३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

६०४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(६०५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५५६ वर्षे आषाढ सुदि १० बुधे ओसवालज्ञातौ तातहड़-
गोत्रे । सा० आढू भा० गौपाही पु० सुललित । भा० संगारदे स्वकुटुम्ब-
युतेन श्रीकुन्धुनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं ककुदाचार्यसन्ताने उपकेशगच्छे
भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ।

(६०६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ वर्षे मार्गश० शु० १५ सोमे श्रीश्रीमाल भ० वरसिंग
भा० हेमी सु० हेमा सु० हरराज सु० जयता पोमा सु० पांचाकेन आत्म-
श्रेयसे श्रीसंभवनाथविंबं कारितं श्रीपूर्णमापत्ते श्रीमनसिहसूरिभिः प्रति-
ष्ठितं मोरवीग्रा० ।

(६०७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ माह सुदि १० दिने शनिवारे उपकेशवंशे शखवाल-
गोत्रे । सा० गुणदत्त भार्या गङ्गादे पुत्र सा० धणदत्त भार्या धनश्री पुत्र सा०
हीरादिपरिवारयुतेन शीतलनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः कल्याणमस्तु ॥ श्रीः ॥

(६०८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६० वर्षे वै० शु० ३ दिने सोजतिवास्तव्य उकेशज्ञातीय
सा० भाणा भा० भावलदे पुत्र आसाकेन भा० हांसू सुत चांपा वीदा कुटु-
म्बयुतेन श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यविंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीहेम-
विमलसूरिभिः ।

(६०९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे वै० शु० ३ दिने उस० गहिलडागोत्रे सा० खिमराज
भा० खिमादे पु० रुदाकेन भा० हरसनदे पु० रत्नपाल भा० रत्नादे कुटुम्ब-
यु० श्रीशान्तिनाथविंबं का० प्र० तपागच्छे ।

६०५ जयपुर सुमतिताथ मन्दिर

६०६ जयपुर नया मन्दिर

६०७ नागोर बड़ा मन्दिर

६०८ नागोर बड़ा मन्दिर

६०९ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे वै० शु० ३ बुधे उकेशज्ञा० सं० मेला भा० माल्हाणदे
पुत्र स० वनाकेन भा० वइजलदे पुत्रयुतेन पितृव्य सं० खेटा अर्जुन
वृद्धभ्रातृ स० झूंगर प्र० परिवृतेन भ्रातृ धर्मसिंघ श्रीसंभवनाथविंव कारित
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-विजयमान-गच्छनायक श्री-
कमलकलशसूरिभिः ।

(६११) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे ज्ये० व० ८ रवौ स्तभतीर्थे उकेशज्ञा० सा० महीपाल
भा० मल्हाई नाम्न्या पु० रत्नपाल युतया श्रेयर्थ श्रीपार्श्वनाथविंव कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ तपागच्छे ॥

(६१२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ संवत् १५६० वर्षे श्रीश्रीमालवंशे आववाडीयागोत्रे मं० भरु पु०
भोला भार्या मानू पु० सहजाकेन स्वपितृश्रेयर्थ श्रीकुन्थुनाथविंव कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहससूरिभिः ।

(६१३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६१ वर्षे पौष वदि १३ शुक्ले श्रीमालज्ञातीय मं० तिहुण
भा० हर्षा पु० ऊदा भा० काऊ पु० चांपाकेन स्वपितृ-मातृश्रेयर्थ श्रीमुनि-
सुव्रतविंव कारापित श्रीचित्रावालगच्छे श्रीधारण(थारा ?)पद्रेय भ० श्रीसो-
मदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं काकरीवास्तव्यः ॥

(६१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६१ वर्षे फागुण सु० ८ श्रीनाणकीयगच्छे उप० श्रपहा-
ज्ञा (?) भा० रोहिणि पु० भांडा सांडा भांडा पु० चाहड राजा सांडा भा०
सहजदे पु० डीढायुतेन पूर्वजपुण्यार्थ स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथविंव का० प्र०
श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ नडुलाइ ।

६१० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६११ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६१२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६१३ नागोर महात्माजेठमल जी का उपाश्रय

६१४ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

(६१५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६२ ॥ वर्षे वैशाख सुदि २ उपकेशज्ञातीय श्रीसुराणागोत्रे
सं० चांपा पुत्र सधुरु भार्या जोजी पु० सं० सांडा भार्या धणपालही पु०
सहस्समल्ल-आढाभ्यां युतेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंबं कारित । प्रति-
ष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे । भ० । श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे । भट्टारक श्रीश्रीनन्दी-
वर्द्धनसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीवेरोजपुर वास्तव्य ॥ प्रतिष्ठितं ॥

(६१६) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५६२ व० माघ० सु० १५ गु० उ० वोक्तगोत्रे सा० जेसा भा०
जिसमादे पुत्र राणा भा० रूपा पु० अउपाल तेजा आ० श्रे० श्रेयांसवि०
कारि० बोंकडी० श्रीमलयचन्द्रपट्टे मुण्णिचन्द्रसूरिभिः ।

(६१७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६३ वर्षे माह सुदि १५ उ० उच्छित्तवालगोत्रे सा० देवा
भा० देवलदे पु० सा० वील्हा भा० वील्हाणदे पु० तेजा वस्ता धन्नाआत्म-
पुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथविंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीश्रुतसागरसू-
रिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(११८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६३ माह सु० १५ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे उसवाल पूगलियागोत्रे
सा० काजा भा० रानू पु० नरवद भा० राणी पु० तिहुण करमा कुशला सहसा
प्र० आत्मपु० श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंबं कारापितं प्रति० श्री ४ शान्तिसू-
रिभिः ॥ श्रीः ॥

(६१६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६३ वर्षे फागुण सुदि २ रवौ ऊकेशवंशे बूचडागोत्रे को-
ठारी तोला भार्या माणिकदे पुत्र सा० मेघा भा० मेलादे पुत्र को० साल्हा-
केन भा० सिरियादे सरुपदे युतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीश्रीश्रीकुन्थुनाथविंबं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे भ० श्रीजिनहंससूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीः ॥

६१५ हिण्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

६१६ जयपुर पचायती मन्दिर

६१७ नागोर बड़ा मन्दिर

६१८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६१६ खजवाना धर्मनाथ मन्दिर

(६२०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ शनौ ऊकेशवंशे दोसी वोहडगोत्रे सा० सादूल पुत्र सा० सद्यवच्छ भा० वजू पुण्यार्थ पुत्र सा० ऊमा सा० टालाभ्यां ऊमा पुत्र शिवराज प्रमुखसपरिवाराभ्यां श्रीवासुपूज्यविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ शुभभवतु ॥

(६२१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १२ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सहिसा भार्या रंगादे सुत व्य० श्रीवत्स व्य० साऊ व्य० सीपाकैः व्य० राणा प्रमुखकुटुम्बयुतैः स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरि तत्पट्टे पूज्यश्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥ स्तंभतीर्थे वास्तव्य ॥ भार्या सिंगारदे सीरियादे.....।

(६२२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६५ वर्षे फागुण वदि ११ दिने उसवालज्ञातीय सोनी-गोत्रे सा० फमण भार्या फमणादे पु० ३ श्रीवंत । राजपाल । गढमल्ल श्री-फमणादे पुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं कारितं श्रीककुदाचार्यसन्ताने प्र० श्री-सिद्धसूरिभिः ।

(६२३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६५ वर्षे फा० व० ११ गुरौ बापणागोत्रे सा० सीहड पुत्र सहजा भा० कपूरी पुण्यार्थे तद्भ्राता सा० सुहडाकेन श्रीसुमतिनाथविं कारितं कुकदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ।

(६२४) शान्तिनाथः

यात्र । सराज । श्रीशान्तिनाथ संवत् १५६५ वर्षे ।

(६२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६६ ज्येष्ठ वदि १ शुके श्रीउकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने श्रे० पाल्हाण भा० गांगश्री.....श्रीशान्तिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्री-देवगुप्तसूरिभिः ॥

६२० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६२१ मन्दसौर नयापुरा ऋषभदेव मन्दिर

६२२ सांगानेर महावीर मन्दिर

६२३ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

६२४ नागौर शान्तिनाथ मन्दिर, मूलनायक.

६२५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(६२६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे ज्येष्ठ शुक्ल पंचम्यां । श्रीमालान्वये महतागोत्रे सा० हाल्हा-तस्य भार्या हीरा तयोः पुत्र । सकतन साध्वेति । तस्य भार्या । तेनेदं धर्मनाथविंशं कारापितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिन-चन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(६२७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे आषाढ सुदि ३ श्रीश्रीमालवंशे चन्डालियागोत्रे सा । जेल्हा भार्या गोरी पुत्र सा० खेमा सुश्रावकेण भार्या भाऊ पुत्र सा० हेमा सा० तिलोगचन्द सधारण अमीपाल कुलचन्द प्रमुखपरिवार सश्री-केण श्रीमुनिसुव्रतविंशं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छेश श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे आषाढ सुदि ३ श्रीश्रीमालवंशे चन्डालियागोत्रे सा० जोल्हा भार्या गोरी पुत्र सा० देगू सुश्रावकेण भार्या नाथी पुत्र सा० भूपति भार्या खेमाई पुत्र गोरा भयरव प्रमुखपरिवार सश्रीकेण श्रीसंभव-नाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६२९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे माह वदि ८ शुक्ले प्राग्वाटज्ञातीय व्य० उजल भा० मर्मट पु० व्य० भांभरण भा० अच्यूत पु० व्य० साल्हा रिहाकेन पु० हाम डाडी कुटुम्बयु० वृषभ० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीजयकल्याणसूरिभिः ॥

(६३०) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीनाणाडवालगच्छे उसभ-गोत्रे को० चूहथ भा० चाहिरादे पुत्र वीदा वणा । वाघा टोहा वणा । पुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं० का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः मेडतानगरे ॥

(६३१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संव० १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे उप० बु० श्रीपा भार्या सूरमदे पुत्र हमीर भार्या वानू भ्रातृपुत्रआत्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीहेमहंससूरिवरैः ॥

६२६ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६२७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६२८ पापड़दा शान्तिनाथ मन्दिर

६२९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६३० नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

६३१ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६३२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीनाणावालगच्छे उसभ-
गोत्रे को० चुहथ भार्या सुगुणादे पुत्र सधरेण रणधीर भा० रिक्णादे पु०
धर्मा नेता खीमा भा० सुगुणादे पुण्यार्थ श्रीसुविधिनाथविंव का० प्र०
श्रीशान्ति-सूरिभिः ॥

(६३३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमवारे उपकेशवंशे रांकगोत्रे
सा० श्रीरंग भा० वेऊ पु० करमा भा० रूपादे स्वश्रेयसे आत्मपुण्यार्थ
नमिनाथविंव कारित प्र० उपकेशगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥ श्री

(६३४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे । वैशाख सु० ४ श्रीनाणावालगच्छे उ० परिघल-
गोत्रे श्रे० भादा भा० नामलदे पु० जेसाकेन भा० यसमादे पु० खीमा
धर्मा तेजा तोल्हा युतेन स्वश्रेयसे पितृ-मातृपुण्यार्थ ॥ श्रीसुमतिनाथविंव
का० प्र० श्रीशान्ति-सूरिभिः [:] ॥ डायलाणा

(६३५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे आषाढ सुदि ५ बुधे गोठी मातृ सा०.....तत्पुत्र
रायमल्ल भा० सं० वीरा धी.....पु० सिरोहत इत्यादिपरिवार-
युतेन श्रीसुविधिनाथविंव का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(६३६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे आषाढ सुदि ४ चन्द्रवासरे । हुंवगोत्रे । उसवाल-
जातीय साह सोमा भा० सुहागदे पु० गांगा चोथा गांगा भा० कपूरदे
पितृनिमित्तं श्रीनमिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः ।

(६३७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे माघ शुदि ५ शुके हूँव० मंत्रीश्वरगोत्रे । दोसी
चांपा भा० चांपलदे सु० दिनकर वना निव्रतगच्छे । श्रीमुनिसुव्रतविंव
प्रतिष्ठितं श्रीसंघदत्तसूरिभिः ॥

६३२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६३३ नागौर-वडा मन्दिर

६३४ कोटा खरतरगच्छे आदिनाथ मन्दिर

६३५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

६३६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६३७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(६३८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे माघ सुदि ५ दिने श्रीमालवंशे भांडियागोत्रे सा० साल्हा पुत्र सा० भरहा सुत सा० नरपाल भार्या नामलदे स्वपुण्यार्थं श्रीश्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ श्रीजिनहंससूरिभिः खरतरगच्छे ॥

(६३९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे माह सु० ५ दिने ऊकेशवंशे साहुसाखगोत्रे सा० समउरा भार्या ललतादे पुत्र सा० सोना भार्या सोनलदे भ्रातृ सोना युत पुत्र मांडण भार्या सोमलदे पुत्र हरखादिपरिवारसहितेन श्रीआदिनाथ-बिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६४०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे माह सुदि ५ गुरौ उपकेशज्ञातीय सा० भावड भार्या जांजणदे पु० सा० पदा भा० पदमदे परिवारयुतेन शीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

(६४१) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६८ वर्षे मा० शु० ५ दिने प्राग्वाटज्ञातीय सा० परवत भा० बाऊ पुत्र सा० केलहाकेन भा० सीऊ पुत्र रामसीयुतेन श्रीअरनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(६४२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५६९ वर्षे वैशाख सुदि ६ दिने - मुराणागोत्रे सं० चांपासन्ताने सं० सधारु पु० सं० गांडा भा० धरणपालही पु० सं० सहसमल्ल भ्रातृ आढा पु० सोमदत्तयुतेन पितृपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे प्र० भ० श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः ॥

६३८ मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर

६३९ मेड़ता रोड शान्तिनाथ मन्दिर

६४० नागोर वड़ा मन्दिर

६४१ मेड़ता सिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

६४२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(६४३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५७० वर्षे । माघ सुदि ३ रवौ उपकेशज्ञातीय ॥ ठाकुरगोत्रे सा० ब्रह्मा भा० दूलहदेवि पु० सा० श्रीवंतेन निजपितृमातृपुरयार्थं श्रीआदिनाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीनाणावालगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५७० वर्षे माघ मासे शुक्लपक्षे । सप्तम्यां । रविवारे । ऊकेशवंशे । पारिखगोत्रे सा० सीहा भार्या आ० सिंहादे पुत्र सा० राजा सा० तेजा पूजा । रतना पासु प्रमुखैस्त्वपितुः श्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६४५) सुमतिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५६६ वर्षे माघ सुदि १३ दिने बुधवारे स्तंभतीर्थवासि ऊकेशज्ञातीय सा० पानल भा० पानलदे पुत्र सा० जइता भार्या फदू पुत्र सा० सीहा सहिजा भा० गुरी पुत्र सा० मडलीक भा० कमला पुत्र सा० जीराकेत भा० पूती पितृव्य सा० सोमा हापा विजा कुटुम्बयुतेन पितृव्यवचनात् स्वसन्तानश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रति० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीसुमतिसाधुसू० पट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः महोपाध्याय श्रीअनन्तहंसगणि प्र० परिवृतैः ॥

(६४६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५७० वर्षे माघ सुदि १३ बुधे श्रीप्राग्वाट सा० राजा भा० सहजलदे पुत्र हरखारूपा हरखा भा० लाडकि मातृ-पितृ-भ्रातृ प्रभृ० श्री(स्व)-श्रेयोर्थं श्रीश्रीश्रीआदिनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे भट्टा० श्रीहेमसिंघसूरिभिः ।

(६४७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५७१ वर्षे माघ वदि पंचमी दिने शुक्ले सुराणागोत्रे सा० शेखर पुत्र सं० सीपा भार्या भोजी पुत्र विजा सारंग सहसायुतेन सा० सीपाल्येन आत्मश्रेयसे श्रीअजितनाथविंशं कारितं श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीपद्मानंदसूरि तत्पट्टे श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ शुभंभूयात् ॥ श्री ॥ छ ।

६४३ किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय

६४४ भिनाय महावीर मन्दिर

६४५ मेड़ता सिटी युगादीश्वर मन्दिर

६४६ जयपुर गुलाबचन्दजी ढढा का देरासर

६४७ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(६४८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीमालज्ञातो खारडगोत्रे ठ० सरवण भार्यया विधिआविकया ठ० कुरपाल ठ० सोनपाल सहितया चुवीसीविवमध्ये अजितनाथविवं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनस-मुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

(६४९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५७१ वर्षे माह सुदि १० सोमे श्रीसंडेरगच्छे उपकेशज्ञा० साह कालू भार्या बाल्ही पुत्र कान्हा भार्या सारू पितृ-मातृश्रेयोर्थे श्रीनमि-नाथविवं कारापितं प्रति० श्रीशान्तिनाथसूरिभिः । श्री ॥

(६५०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५७२ वैशाख सुदि २ सोमवारे खटवडगोत्रे सा० खाइर पुण्यार्थं सा० कबरा श्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारापितं श्रीमल्लधारिगच्छे भ० श्रीगुणकीर्तिसूरिभिः ॥ भट्टा० लक्ष्मीसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(६५१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५७२ वर्षे वैशाख सुदि ५ सोमे श्रीवंशेम० सिंघा भा० रही पु० मं० करणा भा० रमादे पु० मं० अजा सुश्रावकेण आ० अहिबदे पु० राणा तथा पितृव्य-पु० मं० गोगद प्रमुखसहितेन मातृ-साधुपुण्यार्थं नागे-न्द्रगच्छे सुगुरुणां उपदेशेन श्रीवासुपूज्यविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । वीठलापुरे ॥

(६५२) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५७२ वर्षे वैशा० सु० ६ सोमे श्रीइलाचलवास्तव्य दो० वाढा भा० डाही नाम्न्या सुत मीकारेण युतया श्रीवड नेमविवं कारापितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापदे सौभाग्यसागरसूरिभिः ।

(६५३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५७२ वर्षे फागुण सुदि ६ श्रीउपकेशगच्छे श्रेष्ठिगोत्रे सा० सांगा भा० सिंगारदे पु० हरपाल माता-पिता-पितृ-आ० श्रे० आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविवं कारा० प्र० कुंक० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री

६४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

६४९ जयपुर पंचायती मन्दिर

६५० मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर

६५१ नागोर बडा मन्दिर

६५२ चाडसू शान्तिनाथ मन्दिर

६५३ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

(६५४) अजितनाथः

सं० १५७३ वर्षे वै० सु० ८ बुधे नेकीआ श्रीरूपेण पु० वाघा श्री-
अजितनाथविवं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः ।

(६५५) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संतत्त(वत्) १५७३ वर्षे वैशाख शुदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय
दो० माणिक भार्या गोमति पुत्र दो० हरपति भार्या नाकू नान्स्या स्वश्रेयोर्थ
श्रीअनन्तनाथविवं कारितं प्रतिष्ठित श्रीसूरिभिः ॥

(६५६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५७५ व० आषाढ वदि ७ रवौ ओशवंशे पीपाडा सं०
करमा पु० सं० रणधीर भार्या रयणादे पु० केसव रंगा लखमसी सहितेन
रयणादे स्वपुण्यार्थ श्रीकुन्थुनाथविवं का० प्र० पल्लिगच्छे भ० श्रीमहेश्वर-
सूरिभिः ॥

(६५७) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १५७५ श्रीमूलसंघे भ० श्रीविजयकीर्ति सा०.....धीरा भा०
इन्द्राणी नित्यं प्रणमति ॥

(६५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५७६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ८ र० सुराणागोत्रे सं० हेम-
राज भार्या सं० हेमश्री पुत्र सं० नरदेव भार्या जबीर पुत्र सं० देवदत्तेन
स्वपितृपुण्यार्थेन कारितं श्रीआदिनाथ प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे भट्टारक
श्रीपद्मानन्दसूरिपट्टे श्रीनंदिवर्द्धनसूरिभिः ॥ श्रीः

(६५९) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५७६ व० ज्येष्ठ सुदि ८ रवौ सुराणागोत्रे सं० हेम-
राज भार्या हेमसिरी-पुत्र सं० नरदेव भार्या जबीर सं० देवदत्तेन रूपा
पितृपुण्यार्थ श्रीवासुपूज्यविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्री-
पद्माणंदसूरिपट्टे भ० श्रीनंदिवर्द्धनसूरिभिः ॥

६५४ अजमेर म्युजियम

६५५ वहियल पार्श्वनाथ मन्दिर

६५६ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर

६५७ किसनगढ़ यति स्वरूपचन्द जी का उपाश्रय

६५८ नागोर बड़ा मन्दिर

६५९ नागोर यति गोपजी का उपाश्रय

(६६०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७६ वर्षे माघ वदि ११ तिथौ श्रीमालान्वये ढोरगोत्रे सा० तोल्हा तद्धार्या सा० माणी तत्पुत्र सा० महाराज । श्रीशान्तिनाथविं व कारापितं । प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे भ० श्रीजिनप्रभसूरिभिः पट्टानुक्रमे भट्टारक श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥

(६६१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७६ वर्षे माघ सुदि ५ रवौ प्रा० ज्ञा० ढोरगोत्रे सं० सदा भा० सक्तादे पु० थिरपाल भा० खेमलदे पु० सहस्समल हापा जगा सहितेन पितृनि० श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(६६२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५७६ वर्षे चैत्र वदि ५ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० राजा भा० रामादे पुत्र खीमाकेन भा० हीरादे पु० धन्नादिसमस्तकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविं कारितं श्रीपूर्णमापत्ते भीमपल्लीय भ० श्रीचारित्रचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमुनिचन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं नपिहाणा ग्रामवास्तव्य ।

(६६३) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७७ वर्षे वैशाख वदि २ दिने गुरुवारे ओसवालज्ञातीय चिंचिटगोत्रे देशलहरशाखायां सा० मोहन भार्या मालहणदे पु० संसार श्रीवत प्रीता कुशला केला सहसवीर आत्मश्रेयसे स्वनि० श्रीकुन्थुनाथविं कारापितं प्र० तपागच्छे . . . ।

(६६४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५७७ वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमवारे पुष्यनक्षत्रे नाहरगोत्रे सं० पटा तत्पुत्र सं० पासा भार्या पासलदे तत्पुत्र सं० लाखणाख्येन तद्धार्या लाखणदे तत्पुत्र सं० नानिग सं० खीमसी सहितेनात्मश्रेयसे विं कारितं श्रीशान्तिनाथस्य श्रीधर्मघोषगच्छे भट्टारक श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ भद्रं भवतात् ॥

६६० जयपुर नया मन्दिर

६६१ नागोर बड़ा मन्दिर

६६२ नागोर बड़ा मन्दिर

६६३ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६६४ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

(६६५) कुन्धुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५७७ वर्षे कार्तिक सुदि १२ दिने उक्केशवंशे साहु-
साखगोत्रे सा० तोल्हा पुत्र सा० सांगा भाया सुहागदे पु० सा० सूदा-
गोइंद शिवकर सबा तत्पुत्र सगरा रत्नराजयुता सा० शिवकर भा० सक्तादे
पु० सा० श्रीधरेण धर्मादिसपरिवारयुतेन स्वपुण्यार्थः श्रीकुन्धुनाथविवं
कारितं बृहत्स्वरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिपट्टे संप्रति श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥
प्रतिष्ठितं ॥

(६६६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५७६ वर्षे वैशाख सुदि ७ बुधे श्रीउसवंशे वृद्धशास्त्रीय सा०
हेमा रंगादे पु० मांका । श्रीसुमतिनाथविवं कारापितं श्रीसाधुसूरिभिः प्रति-
ष्ठितं । अहमदावादवास्तव्य ।

(६६७) शत्रुञ्जयतीर्थपट्टः

[१] ॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्री संवत् १५८० वर्षे चैत्र सुदि १२ गुरौ श्री-
स्तम्भतीर्थवास्तव्य । उसवालज्ञातीय सा० देवा भा० देवलदे

[२] पुत्र सा० राजा भा० रमाई पुत्र सा० हेमा खीमा लाखाकेन
भा० लाखणदे भ्रातृपुत्र सा० जगमाल जिणपाल महीपाल

[३] अट्ट विद्याधर रत्नसी जगसी पदमसी

[४] (शत्रु)ञ्जयतीर्थपट्टः ५४

श्रीसंघेन वन्द्यमानश्चिरं नंदतात् ।

(६६८) शत्रुञ्जयतीर्थपट्टः

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्री संवत् १५८१ वर्षे आसो सुदि १० दिने श्रीस्तम्भ-
तीर्थनगरवासि श्रीऊकेशज्ञातीय सा० देवा भा० देवलदे पुत्र सा० राजा
भा० रमाई पुत्र सा० हेमा खीमा लाखा भा० गोई पुत्र जयंतपाल भ्रातृ पुत्र
जगमाल जिणपाल महीपाल उदयकिरण विद्याधर रत्नसी जगसी पद्मसी
पुत्री लाभी भगिनी सरवाई अमुखकुटुम्बयुतेन तमागच्छाधिसज श्रीहेम-
विमलसूरीणामुपदेशेन पं० लब्धिश्रुतगणिवारके सा० लाखाकेन कारिताः
१०८ पित्तलमयाः चिरं तिष्ठतु ॥

६६५ मेड़ता सिटी उप० ग० शान्तिनाथ-मन्दिर-

६६६ नागोर बड़ा मन्दिर

६६७ जयपुर सुमतिनाथ-मन्दिर-

६६८ बून्दी पार्श्व नाथ मन्दिर-

(६६६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८१ वर्षे पोह सुदि ५ गुरौ ऊ० साउलगोत्रे सा० जिण-
दास भा० गांगी पु० सा० हूंगर खरहथ योमुचाथादिकुटुम्बेन सा० पोमा
भार्या वरजू सा० पोमाकेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं श्रीसंडेरगच्छे प्र०
श्रीईसरसूरिभिः ।

(६७०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८१ वर्षे श्रीविक्रमनगरे उकेशवंशे बोहिथिरागोत्रे सा०
नेम सुत सा० नीबा सुश्रावकेण भार्या नीबडदे पुत्र जोवा काजा तल्हण
पञ्चायण भारमल्ल भादा नरसिंह सहितेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रति-
ष्ठितं श्रीजिनहंससूरिभिः श्रीखरतरगच्छे ॥

(६७१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५८३ वर्षे ज्येष्ठ बुदि ६ शुक्रवारे साहुलागोत्रे सा०
गूंगा भा० दूलहदे पु० सा० चोखा येजा भार्या धरमादे पु० बोहिथ बूचा
श्रे० पुण्यार्थ श्रीसंडेरगच्छे भट्टारक श्रीसालिसूरिभिः (:) प्रतिष्ठितं श्रीसुम-
तिनाथबिंबं इति नामं सुभंभवतु ॥ श्री ॥

(६७२) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५८३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे मडाहडीगच्छे श्रीगुणकीर्ति-
सूरि भ० श्रीदयासूरिपट्टे श्रीभावसुन्दरसूरिशिष्यमनकसूरिः कारापितं
स्वपुण्यार्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं ।

(६७३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५८३ वर्षे फागुण वदि १ शुक्रे छाजहडगोत्रे सा० परवत
भा० पदमलदे पु० वीदाकेन पार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीपल्लीवालगच्छे भ०
श्रीमहेश्वरसूरिभिः ।

(६७४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १५८४ वैशाख वदि ५ ओशवंशे वरहडियागोत्रे सा० लाखा पुत्र
सा० हर्षा भार्या हीरादे पुत्र सा० टोडरश्रावकेण स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथ-
बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च अंचलगच्छे श्रावकेन ॥ श्रेयोस्तु ॥

६६६ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

६७० मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर

६७१ भैंसरोड़गढ़ ऋषभदेव मन्दिर

६७२ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर

६७३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६७४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(६७५) संभवनाथ.

॥ सं० १५८५ वर्षे माघ सुदि १० शनौ उपकेशज्ञतीय साहिजवा
भा० गउरी पु० दूल्हाकेन भा० वीरी सहितेन श्रीसंभवनाथविवं पुण्यनि-
मित्तार्थ कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवीरचन्द्रसूरिभिः ॥

(६७६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८४ वर्षे फागुण सुदि १० गुरौ सिंघीगोत्रे खारवट भार्या
खेतादे तत्पुत्र यशाकेन पुत्रसहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथविवं कारित
प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीश्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(६७७) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५८७ वर्षे पोष सुदि ६ रवौ वृद्धशाखायां प्राग्वाटज्ञातीय
मं० अर्जुन भा० टवकू सुत आसा मं० हीरा मं० वीरपाल मं० नेईआ
भ्रातृ वीरपाल भार्या अछवादे पुत्र मं० वर्द्धमान भा० रंगादे पुत्र राजपाल
सहजपाल प्र० कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथविवं कारापितं प्र० तपा-
गच्छे श्रीश्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजयकल्याणसूरिभिः ।

(६७८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी.

॥ सं० १५८७ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे उकेशज्ञा० मूंधागोत्रे मं०
तोला भा० जेसलदे पु० मं० नरमदा परवत भा० पूनादे पु० दशरथ
भा० कल्याणदे स्वश्रेयो० श्रेयांसनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(६७९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५८७ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे उकेशज्ञा० मूंधा गोत्रे मं०
तोला भा० जेसलदे पु० मं० नरमदा परवत भा० पूनादे पु० दशरथ भा०
कल्याणदे स्वश्रेयो० श्रेयांसनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(६८०) आदिनाथः

सं० १५८७ वर्षे फागुण सुदि बुधे
श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

६७५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण

६७६ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

६७७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६७८ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

६७९ मेड़तासिटी आदीश्वर मन्दिर

६८० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(६८१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५८७ वर्षे वरलवगोत्रे मं० कर्मसीह पुत्र मं० ज्ञालपेन मातृ-
पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः ।

(६८२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८७ वर्षे श्रीमालज्ञातीय टांक-
गोत्रे आत्मपुण्यार्थं श्रेयांसविंशं कारितं खरतर० प्र०
श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे भ० श्रीजिनमाणिक्यसूरिभिः ॥

(६८३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८८ वर्षे वैशाख वदि १३ सोमे श्रीसंडेरगच्छे उ० भंडा-
गोत्रे भ० इसर पु० वीसल भा० कील्लूपाल निमित्त श्रीनमिनाथविं० का०
प्रतिष्ठितं श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(६८४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५९० वर्षे वैशाख सुदि ११ मुहतियाण-मुंडतोडगोत्रे सा०
शेखराज भार्या वीरु श्राविकया श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखर-
तरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(६८५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५९० वर्षे कार्तिक वदि पंचमी गुरौ ओसवालन्यातिय तेलहरा-
गोत्रे मं० हीरा भार्या धनी स(सु)त मं० अमरा भार्या उमादे भ्रातृ समरा
भा० सीरीआदे सुत धना वका सतत । श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं
नानावाल गुरु ॥

(६८६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५९१ वर्षे वैशाख वदि ६ शुके मासे (?) श्रीमालज्ञातीय खारड-
गोत्रे कुरंगपाल भार्या खेमी सुत चू० महीपाल सुश्रावकेण पुत्र चू० विजय-
राजादियुतेन श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिन-
हंससूरिभिः ॥ श्रीः ॥

६८१ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

६८२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६८३ नागोर बड़ा मन्दिर

६८४ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

६८५ करमदी आदिनाथ मन्दिर

६८६ जयपुर बड़ा मन्दिर

(६८७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत्-१५६१-वर्षे पौष-वदि-११-शुक्रौ॥ अहिमनगरवास्तव्य
श्रीश्रीमालज्ञातीयः फडीआ समधर भार्या हीरू सु० फ० जसा भा० पूतलि
सुत फ० राणा भा० रंगादे सुत फ० जगमाल जयतमाल चांपाकेन श्रीमुनि-
सुव्रतविंव कारापित श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीधनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठित शुभंभवतु ॥

(६८८) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६२ वर्षे आपाठ सुदि-६ दिने आदित्यनागगोत्रे तेजारी-
शाखायां सा० सुहडा पु० हांसा पुत्र सधारणदास नरपाल सधारण भार्या
सूहवदे पुत्र ४ श्रीकरण रंगा समरथ अमीपाल । सधारण स्वपुण्यार्थ
कारितं श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः श्रीअभिनन्दनविंव प्रतिष्ठितं
स्वपुत्रपौत्राय श्रेयसे अस्तु ॥

(६८९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६२ वर्षे माघ-वदि ३ दिने
..... श्रीआदिनाथविंव कारितं प्र० बृहत्तपागच्छे श्रीललि-
तप्रभसूरिपट्टे श्रीपासचन्द्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

(६९०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६५ व० वै० शु० ६ शु० आज्ञालीवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय
श्रे० नारण भार्या लीला सं० श्रे० आसा० भा० रूपा भा० रंगादे समस्त-
कुटुम्बश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविंव का० प्र० तपा० सूरि० ॥

(६९१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत्-१५६५ वर्षे मा० व० [] दलुलिवास्तव्य हुंवडज्ञाति सुहडासीया
श्रे० बीरपाल भा० मानू पुत्र श्रे० नीसल भा० जीविणी पुत्र श्रे० लहूआ-
केन भा० ललतादे बृद्धआतृ दो० आसा चांपा पोपट लखमादिकुटुम्ब-
युतेन श्रेयोर्य श्रीश्रेयांसनाथविंव कारितं प्र० तपा श्रीहेमविमलसू० तत्पट्टे
श्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ मातरगोत्रे लहूआ

६८७ मेड़ता सिटी महावीर मन्दिर

६८८ नागौर वडा मन्दिर

६८९ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

६९० आंतरसूवा वासुपूज्य मन्दिर

६९१ कोटा माणकसागरजी का मन्दिर

(६६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे ज्येष्ठ शु० २ दिने प्रा० ज्ञातीय सा० कचरा
भा० कोडिमदे पुत्र सुश्रावक साह खीमा भा० विमलादे भ्रातृ सा० भीमा
भा० भावलदे सा० सोना भा० सुगनादे पु० सल्लू कान्हा कर्मसी प्र०
कुटुम्बयुतेन साह खीमाकेन निजपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथविभं का० प्र० तपा-
गच्छे श्रीआणंदविमलसूरिपट्टे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ स० १५६६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ द्वितीया शनौ उ० लिंबोदियागोत्रे
म० जावड भा० पाटू पु० जगा जयवत अचला मं० जगा भा० लाछलदे
पु० वाघा मं० जयवंत भा० जवणादे पु० जाला जावा लघु वृद्धि समस्त
राजधर लीला हीरा प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिर्विवं कारापितं
श्रीखरतरगच्छे प्रतिष्ठित श्रीजिनशीलसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६४) शिलापट्ट-प्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्रीसंवत् १५६६ वर्षे फाल्गुन मासे शुक्ल पक्षे नवमी
तिथौ सोमवारे नागपुरकोटे श्रीमालवशे संक्रियाप्य (?) गोत्रे सं० नोल्हा
पु० सं० चूहड स० लक्ष्मीदास सं० भवानी स० लक्ष्मीदास भार्या सं०
सरूपदे नान्नी हे श्रीराजरत्नसूरिपट्टे सं० श्रीरत्नकी-
र्तिसूरि प्रतिष्ठता ॥

(६६५) आदिनाथः

॥ ॐ ॥ स० १५६६ वर्षे फाल्गुन सुदि नवम्यां तिथौ
गोत्रे सं० नोल्हा पु० सं० तेजा पु० सं० चूहड भा० सं० रमाई
पुत्र स० लक्ष्मीदास सं० भवानी सं० लक्ष्मीदास भा०
कल्याणमल्ल तत्र लक्ष्मीदास भार्या सं० सरूपदेव्यौ कर्मनिर्जरार्थं श्रीआदि-
नाथविभं कारित प्रतिष्ठित भ० श्रीसोमरत्नसूरिपट्टे
भट्टारिक श्रीश्रीराजरत्नसूरयस्तत्पट्टे श्रीरत्नकीर्तिसूरि
. श्रीसंघस्य ॥ छः ॥ ॥ छः ॥ ॥ श्रीः ॥

६६२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६६३ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६६४ नागौर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर

६६५ नागौर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर. मूलनायक

(६६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५६७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीकाष्ठा० वैरी वि० सा० भ० श्रीसोमकीर्ति आ० श्रीविमलसेन नरसिंहजातीय वोठेचागोत्रे सा० खेड्पाभा० खेई पुत्र सा० भीमा भा० मही श्रीअजितनाथ कारापित नित्य प्रणमति श्रीआदिनाथ आ० श्रीविमलसेन प्रतिष्ठितं ॥

(६६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५६७ वर्षे पौष । वदि ५ शुके सहूवालावास्तव्य प्राग्वाट वृद्ध-शाखायां दो० वीरा भा० चांगी सुत दो० भाणा भा० भरमादे तेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनसाधुसूरिभिः ॥

(६६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरुवारे । उकेशवशे । पुष्प-पवित्रे । श्रीलोढागोत्रे आ० डाहा भार्या आ० नानू । तत्पुत्र रत्न । सा० भवानीदास । लघुबन्धव सा० श्रे० रायदास । तत्पुत्र सं० साहयादा । सं० श्री-भवानीदास भार्यया । भरमादे श्राविकया ॥ श्रीआदिनाथविवं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रीतपागच्छे ॥ श्रीरस्तु । सू० पहिराज । सू० हरराज । कृतः श्रीः ॥

(६६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरु श्रीपत्तने श्रीवीरवज्ञातीय भीमाउ पु० हर्षा भार्या लखपत सुत पु० देवा भार्या धनदासश्रेयसे श्रीआदिनाथविवं कारापितं श्रीसिद्धांतीगच्छे भ० श्रीभावसुन्दरसूरिपट्टे श्रीपद्मानन्दसूरि प्रतिष्ठितं ॥

(१०००) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५०० वर्षे सोढवालगोत्रे श्रीमालज्ञा० सं० खीमधर भा० सामली पुत्र हरराज भा० जोगी आ० मणसी धर्मादि कु० युतेन सा० हरराज स्वश्रे० श्रीअभिनन्दनविवं का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

६६६ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६६७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६६८ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

६६९ पीपलिया शान्तिनाथ मन्दिर

१००० पनवाड़ महावीर मन्दिर

(१००१) आदिनाथः

॥ संवत् १६०१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ रोहिणीनक्षत्रे आगरा वास्तव्योसवालज्ञातीय लोढागोत्रे गावसे सं० कुरपाल सं० सोनपालैः स्वभृत्य हरदासकस्य पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे पूज्यश्री ५ श्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशात् श्रीआदिनाथबिब प्रतिष्ठापित ।

(१००२) धर्मनाथ-एकतीर्थीः

श्रीधर्मनाथ श्रीविजयदानसूरि सा० आदिवरण वेटी बा० रभा श्री-श्रीमालीज्ञाती सं० प० १६०१ ।

(१००३) पञ्चतीर्थीः

संवत् १६०२ वर्षे फागुण शुदि ४ गुरौ श्रीमूलसधे भ० लाभचन्द्रोपदेशात् सं० प० विरा भा० लाली सु० धीरा भा० वहलादे सु० लखमा ॥

(१००४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६०३ वर्षे वैशाख सुदि ३ शुक्रे दिने उपकेशज्ञातीय । देवा-णंदाशाखायां शा० वरसंघ । भा० वरजू पु० हांसा तेजा तोल्हा बीदा बीसा हांसा भा० हांसलदे पूर्वजनिमित्तं श्रीशान्तिनाथबिबं का० प्र० श्रीअंचलगच्छे श्रीधर्मसूरिभिः ।

(१००५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६०४ वर्षे वैशाख वदि ७ वार सोमदिने सुन्दरसीनगर-वास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय साह सोमा भार्या चंदू सुत सा० जीवाकेन भार्या लाली पुत्र वच्छराजादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रीश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिबं कारित प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

(१००६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६०४ वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय ब्रधशाखा-यां श्रे० नागसी भा० चमकु सु० दूदा भा० मीथी सुत करणा भा० पुहती सु० भांभण भा० अछवादे सु० सिंघा भा० सिंगारदे । श्रीपूर्णिमापत्ते श्रीगुणमेर(रु)सूरि प्र० श्रीकुन्थुनाथबिबं प्रतिष्ठ(ष्ठितं) ॥

१००१ जयपुर नया मन्दिर

१००२ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१००३ किसनगढ़ यति स्वरूप चन्द जी का उपासरा

१००४ गागरडू आदीश्वर मन्दिर

१००५ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर

१००६ मन्दसौर नयापुरा ऋषभदेव मन्दिर

(१००७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६०५ माहा वद ११ ऊकेशज्ञातीय वृद्धशाखायां मोहणेचा-
गोत्रे साह भूमशी । भार्या लाछलदे । सुत साह जूढा भार्या गूजरदे । पुत्र
साह नेतसी । डूंगरसी श्रेयसे श्रीशीतलनाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं ।
श्रीतपागच्छे सुविहितसाधुसामाचारीशृङ्गारश्रीविजयदानसूरिभिः ॥ आछ-
त्रदेव्या प्रसादात् चिरं नंदतात् ॥ श्रीः ॥

(१००८)चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १६०६ वर्षे पोष सुदि १५ शुक्ले उसवालज्ञातीय सा० खीमा-
न्वये सा० गिरमल तत्पुत्र सा० राणा तत्पुत्र सा० करणा तत्पुत्र श्रीपार्श्व-
चन्द्रप्रतिबोधित संघपति मन्नाकेन भार्या मन्नादे माणिकदे पुत्र कमलसीह
प्रमुखपरिवारसहितेन श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० श्रीसधेन श्रेयो
भूयात् ॥

(१००९) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १६११ वर्षे बृहत्खरतरगच्छे । श्रीजिनमाणिक्यसूरि-
विजयिराज्ये ॥ श्रीमालज्ञातीय ॥ पापडगोत्रे ठाकुर रावण सुत ठा० गढमल
तद्भार्या नयणी । तत्पुत्र जीवराजेन श्रीपार्श्वनाथपरिगृहकारापित ॥ वा०
धर्मसुन्दरगणिना प्रतिष्ठित ॥ शुभंभवतु ॥ छ ॥

(१०१०) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६१२ वर्षे फागुण सुदि २ तिथौ श्रीओसवालवंशे सा० आढत
सा० रणमल्लेन सा० चल्हथेन कारापित श्रीछहिरागच्छे भ० श्रीभाव-
सागरसूरि त० श्रीधर्ममूर्तिसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीअनन्तनाथ ।

(१०११) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६१२ वर्षे फागुण सुदि २ तिथौ श्रीउसवालवंशे गांधीगोत्रे
सा० आढ पुत्र भीखणमल पु० सा० । चौहथ अजितविंश कारापित ।
सुविहितपद्मगच्छे भावसागरसूरि तत्पट्टे धर्ममूर्तिसूरि प्रतिष्ठितं सुविधिनाथ ।

१००७ कोटा सेठजी का गृहदेरासर

१००८ गागरहू आदीश्वर मन्दिर

१००९ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

१०१० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०११ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(१०१२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६१३ शा० १४७८ प्रव० वैशाख सुदि ६ बुधे । श्रीउसवाल-
ज्ञातीय श्रीवृद्धशाखायां लडिकागोत्रे । सा० गणीया सु० सा० ऋषभदास
सा० अमरदत्त भा० आहवदे इत्यादिसमस्तकुटुम्बेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामि-
पञ्चतीर्थीपट्टः कारितः प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥
श्रेयोर्थ ।

(१०१३) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १६१५ वर्षे । वैशाख वदि ६ दिने श्रीओसवशज्ञातीय ब्रध-
साजन्य (वृद्धशाखायां) संखवालगोत्रीय सा० राजा भार्या बाई चोली सुत सा०
पंचायण भा० लाछी सुत सा० पदमसी भा० तेजसी पुण्यार्थ श्रीआदि-
नाथविंबं कारित श्रीखरतरभाणसालीअगच्छे श्रीय(जि)नचन्द्रसूरि प्रतिष्ठितं
जैसलमेरवास्तव्य ।

(१०१४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६१५ वर्षे वैशाख वदि ११ भौमे जवालवास्तव्य हुंबडज्ञातीय
मंत्रीश्वरगोत्रे दोसी श्रीपाल भार्या सिरियादे सुत दोसी रुडाकेन भा० राणी-
युतैः श्रीपद्मप्रभविंबं तपां श्रीतेजरत्नसूरिभिः प्र० ।

(१०१५) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १६१६ वर्षे माघ वदि १ सोमे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे
बलात्कारगणे श्रीकुन्दकुन्दाचार्यान्यये भ० श्रीसकलकीर्तिदेवास्त० भ० श्री-
श्रीभुवनकीर्तिदेवास्त० भ० श्रीज्ञानभूषणदेवास्त० भ० श्रीविजयकीर्ति-
देवास्त० भ० श्रीशुभचन्द्रदेवास्तपट्टे भ० श्रीसुमतिकीर्तिगुरूपदेशात् उव-
खलवास्तव्य हुंबडज्ञातीय बुधगोत्रे सा० पोपट भा० चपकु सुत सं० हरपति
भा० हीरादे सु० स० वीठा भा० रत्नादे भा० वेणा भा० रगादे भा०
ककुमा भा० कनकादे एते श्रीशान्तिनाथविंबं नित्यं प्रणमन्ति । इसना-
पुरवास्तव्य सा० कमा भा० लाली सु० सा० वलीआ भा० हरखादे एते
श्रीशान्तिनाथ नित्यं प्रणमन्ति ॥ श्रीरस्तु ॥

१०१२ जयपुर स्टेशन मन्दिर. पु गलियों का

१०१३ वृन्दी ऋषभदेव मन्दिर

१०१४ नागौर का बड़ा मन्दिर

१०१५ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०१६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६१६ वर्षे माह वद(दि) ६ वार द(दि)ने प्राग्वाट सा० कुंश भार्या मना पुत्र ३ जीवराज लखराज अखराज श्रीमुनिसो(सु)व्रतवं(विं)वं कारापितं भट्टारक श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(१०१७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६१६ श्रीमूलसंघे भ० श्रीशुभचन्द्रस्त० भ० श्रीसुमतिकीर्तिगुरु-पदेशात् गउरवर भा० हरमदे पु० हरसा भा० हरषमदे पु० कचरा पुत्र ऋषभदास प्रणमंति ।

(१०१८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६२० वर्षे फागुण सुदि १२ बुधे सिरोहीवास्तव्य प्रा० ज्ञातीय सा० जयता भा० जइतलदे पु० सा० सोमा भा० सिणगारदे पु० रतनसी भा० सोभागदे पु० करमसी समस्तकुटुम्बयुतेन श्रीआदिनाथविंभं कारापितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ आ० श्रीहीरविजय-सूरिसपरिकरैः प्रतिष्ठितं सा० सोनाकेन पुण्यार्थं शुभंभवतु ॥

(१०१९) नवपद-यन्त्रम्

सं० १६२० चैत्र वदि ७ सोमे श्रीमूलसंघे भ० श्रीशुभचन्द्र भ० श्रीसुमतिकीर्त्युपदेशात् सं० हरषा भा० हरषमदे सु० अजुआ भा० सोनादे आ० जीवा भा० जीवादे सु० जशवत पौत्र वीरपाल वस्तुपाल देवचन्द एतैः नित्य प्रणमति ॥

(१०२०) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

संवत् १६२२ वर्षे माह वदि २ बुधे सु० यति सा० भीमजी नरसंग श्रीहीरविजयसूरि प्रतिष्ठित ॥

(१०२१)

संवत् १६२२ वर्षे फागुण वदि १३ रवौ काशद्रहगच्छे वा० श्रीविन-यचन्द तत्शिष्य वा० श्रीवरजांगेन प्रतिमा कारापिता प्रतिष्ठितं श्रीउजो-अनसूरिभिः श्री

१०१६ जयपुर स्टेशन मन्दिर. पुंगलियों का

१०१७ भेंसरोड़गढ़ ऋषभदेव मन्दिर

१०१८ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०१९ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०२० जयपुर प्रतापमल जी ढूँडा गृहदेरासर

१०२१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

(१०२२) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १६२४ वर्षे वै० शु० १० शुक्रवासरे तपगच्छनायक भ० प्रभु श्रीहीरविजयसूरिमानराज्ये श्रीपद्मप्रभबिंब प्रतिष्ठितं प्रतिष्ठापित नागपुर गहिलडागोत्रे सा० अमीपाल भा० अमूलकदे पु० कु अरपाल भा० कुंरादे प्रतिष्ठितं शुभ भवति ॥

(१०२३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १६२४ वर्षे । माह सुदि ६ सोमे ओसवालज्ञातीय दोसी भामा संत दोसी पूजा भार्या नाई मेलाई सुत चावण श्रीधर्मनाथबिंब कारापित ॥ तपागच्छे श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिप्रति० वैराटनगरे ।

(१०२४) मुनिसुव्रत:

संवत् १६२५ वर्षे माह वदि ७ रवौ श्रीमूलसंधे भ० श्रीसुमतिकीर्ति-रूपदेशात् । श्रीपरिभूषणात् सिधाप चन श्री-मुनिसुव्रतबिंब कारितं ।

(१०२५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १६२८ वर्षे फाल्गुन सुदि ७ बुधे कुमरगिरीवासि । प्राग्वाट-ज्ञातीय वृद्धशाखाया अवाईगोत्रे व्यवहा० खीमा भा० कनकादे पुत्र व्य० ठाकरसी भा० सोभागदे पुत्र देवकर्ण परिवारयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथ-बिंब कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्तपागच्छे श्रीपृज्यैराद्य श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीपूज्य श्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ आचन्दार्क नद्यात् श्रीः

(१०२६) पार्श्वनाथ-एकतीर्थी:

सं० १६२८ वर्षे श्रीमूलसंधे भ० श्रीसुमतिकीर्तिगुरूपदेशात् नागर-ज्ञातीय ठा० पना भा० पनश्री सा० सहप भा० भामादे एते पार्श्व नित्यं प्रण-मति ॥ छ ॥

(१०२७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १६३० वर्षे माह सुद १३ दने सा० नोता माडन तेजमल श्री-संतनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठित श्रीतपागच्छाधिराज श्रीहीरविजयसूरिभिश्चिरं नंदतात् हमीरपुर वास्तव्य ॥

१०२२ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

१०२३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०२४ अजमेर म्युजियम

१०२५ जयपुर नया मन्दिर

१०२६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०२७ रतलाम सेठ जी का मन्दिर

(१०२८) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ स० १६३२ वर्षे फागुण वदि २ शुके मूलसंघे हुंबडज्ञातीय ।
कांकडेश्वरगोत्रे । श्रे० रामा भा० पासरभू सुत नरपाल भा० साल्हणदे
भ्रातृ वस्ता भा०.....श्रीश्रेयांसर्विव कारितं प्रतिष्ठापितं श्री.....नंदिभिः ॥

(१०२९) कुशलसूरिपादुका

॥ नागपुर सधस्य ॥ संवत् १६३३ वर्षे माह वदि ५ दिने.....
खरतरगच्छे श्रीजिनकुशलसूरि ।

(१०३०) शान्तिनाथः

संवत् १६३३ श्रीशान्तिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहीर-
विजयसूरिभिः ॥

(१०३१)

॥ संवत् १६३५ वर्षे वैशाख वदि ११ बुधे कोटनगरे वृद्धहुंबडन्या-
तीय । गां० माका भा० नारिगदे सुत गा० सागा भा० सोभागदे सु० गा०
सिंघराज देवराज वीरदास गंगदास नित्य प्रणम० श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः ॥

(१०३२)

॥ संवत् १६३७ वर्षे फागुण सुदि ५ बुधे वागडदेशे राउलश्री सहस-
मल श्रीविजयराज्ये । श्रीगिरपुरवास्तव्य हुंबडज्ञातीय वृद्धशाखीय महासाआ
जीवा भार्या जीवादे सुत गुढसीआ भार्या भाखणदे सू.....भार्या जूढिआ
समस्तकुटुम्बयुतेन श्रीकोटनगरमध्ये श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका-
कारी(रि)ता मध्ये श्रीसुविधिनाथविंव स्वस्य श्रेयसेः श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टा-
रिक श्रीधनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक
श्री ५ श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठित शुभंभवतु ॥ पं० विनयचारित्र पं०
विमलरत्न पं० जयसिंह पं० ज्ञानरत्न पं० वीररत्न शि० आणंदरत्ने नलिखितं ॥

१०२८ हरसूली पार्वनाथ मन्दिर

१०२९ नागौर दादावाडी

१०३० नागौर वडा मन्दिर

१०३१ रतलाम चन्द्रप्रभ देरासर, महात्मा कन्हैयालालजी

१०३२ गलियाकोट संभवनाथ मन्दिर के एक चैत्यालय की प्रशस्ति

(१०३३) शिलापट्टप्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ संवत् १६३७ वर्षे माह सुदि ५ वागडदेशे राजल श्रीसहस-
मलजी विजयराज्ये श्रीकोटनगरवास्तव्य हुंबडज्ञातीय वृद्धशाखायां
गांधी.....श्रीपाल भ्रातृ गां० धीहर जयपाल भार्या सरूपदे सुत
गांधी गांगा भार्या मेलादे ह० .. भार्या खीमदे सुत गांधी सांगा
गांधी जेवंतया भार्या स०..... मदि सुत गांधी बल गांधी जेवंत भार्या
भगादे सुत गांधी भारिमल्ल भार्या मिलापदे समस्तकुटुम्बयुतेन श्रेयसे
श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका कारापिता श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टारिक श्री-
धनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भ० श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भ० श्रीदेवरत्नसूरिभिः
प्रतिष्ठितं शुभभवतु ॥

(१०३४) शिलापट्टप्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ संवत् १६३७ वर्षे माह सुदि ५ सोमे वागडदेशे राजल श्री-
सहसमलजी विजयराज्ये श्रीकोटनगरवास्तव्य हुंबडज्ञातीय वृद्धशाखायां ।
गां० श्रीउदयसिंह सुत गां० नाभा सु० गां० दाखा सुत गां० आणंद भार्या
दाडिमदे सुत गां० घीसकर भार्या कनकादे अमरी सुपराणदे रूपादे ।
सुपराणदे सुत गां० धीरू माऊ वीला भा० कनकादे सुत गां० घीसकरा
भार्या कल्याणदे रूपा भार्या केसरदे गां० घीसकर वि । हेनीवाई रङ्गावाई
चगा । समस्त कुटुम्बश्रेयसे श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका कारिता ।
श्रीचन्द्रप्रभविव स्थापित श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टारिक श्रीधनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे
भट्टारिक श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठित ।
श्रेयसे । शुभंभवतु ॥ यात्रा शुभभवतु । श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री प० विनयचा-
रित्र पं० विमलरत्न पं० जयसिंह प० वीसल चैला आणंदरत्न लिखितम् ॥

(१०३५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६३८ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे । श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य श्री-
श्रीमालज्ञातीय सा० वस्ता भार्या विमलादे सुत सा० थावरवच्छी आ०
श्रीशान्तिनाथविव कारापितं । श्रीमत्तपागच्छे भट्टारिक श्रीहीरविजयसूरिभिः
प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(१०३६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६३८ वर्षे माह सुदि १३ सोमे श्रीमालज्ञातीय पुरदासा
भा० रमा सुत भावसिंह भा० अमा सहितेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविवं
कारितं प्रतिष्ठित श्रीश्रीतपग० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ वास्तव्य सारंगपुरि
उजेण ॥

१०३३ गलियाकोट संभवनाथ मन्दिर के एक चैत्यालय की प्रशस्तिः

१०३४ " " " " "

१०३५ जयपुर नया मन्दिर

१०३६ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(१०३७) अजितनाथः

संवत् १६३६ माह सुदि ५ तिथौ गुरुवारे.....उसवाल-
ज्ञातीय लोढागोत्रे सं० मेघराज पुत्र सं० हरषा पुत्र प० समावरा आदि-
युतेन श्रीअजितनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसू-
रिपट्टे श्रीजिनसिहसूरिपट्टालंकार श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥श्रीः॥

(१०३८) आदिनाथः

संवत् १६४० वर्षे माघ वदि ३ सोमे श्रीमूलसंघे भ० श्रीशुभचन्द्र-
देवाः तत्पट्ट श्रीसुमतिकीर्तिदेवाः तत्पट्ट भ० श्रीगुरुपदेशात्.....दि जा-
तीय नन्दकेरतरगोत्रे सा० हरषा भा० हर्षमदे पु० सरुदमा भा० हमीरदे
सा० भा० देहा मनले सा० मेघा हेमा नेमराज सा० कहा श्रीधिमलचन्द्र
भा० वीमलादे सा० वीली वृषभासर नित्यं प्रणमति ।

(१०३९) एकतीर्थीः

वा० इन्दा श्रीदारु पूजाल प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ सं० १६४०
माह सुदि ७ ।

(१०४०) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६४० वर्षे माघ सुदि ७ दिने गुरौ वाफणागोत्रे ओसवाल-
ज्ञातीय । सा० चउथकेन श्रीपार्श्वविव कारितं प्रतिष्ठित । च तपागच्छाधिप
श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

(१०४१) कुन्धुनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६४२ काति ११ श्रीकुन्धुविवकारित प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥
दूगडगोत्रे ।

(१०४२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६४३ वर्षे फाल्गुन सित ११ अहम्मदावादवास्तव्य प्राग्वाट०
सेठि मूला । भा० राजलदे । पुत्री बाई कोडकी संज्ञया कारितं श्रीआदि-
नाथविवं प्रतिष्ठितं श्रीविजयसेनसूरिभिः । श्रीतपागच्छे-॥

१०३७ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०३८ अजमेर म्युजियम

१०३९ नागोर बड़ा मन्दिर

१०४० सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१०४१ नागोर बड़ा मन्दिर

१०४२ नागोर बड़ा मन्दिर

(१०४३) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६४४ वर्षे फागुन सुदि २ दिने उसवालज्ञातीय पाल्हाउतगो-
त्रीय साह पांचा भार्या नगराजी सुत साह मांगा भार्या सोहागदे सुत कुबेर
भा० सामी श्रीअनन्तनाथविंबं तपागच्छाधिराज श्रीहीरविजयसूरिभिः
प्रतिष्ठितं ।

(१०४४) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६४४ वर्षे फागुण सुदि २ महिमवास्तव्य उसवालज्ञातीय
छाजहड़गोत्रे विसलदास सा० अमीपाल भा० अभृतदे सुत सामीदास सुत
वीरदास हरदास । कारापित श्रीअनन्तनाथविंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्री-
हीरविजयसूरिभिः ॥

(१०४५) सुमतिनाथ-एकतीर्थीः

॥ संवत् १६४४ वर्षे श्रा० रंगादे कारितं श्रीसुमतिनाथविंबं प्रतिष्ठितं
श्रीहीरविजयसूरिपट्टालङ्कार-श्रीविजयसेनसूरिसिंहैः स्तंभतीर्थ नगरे ।

(१०४६) मुनिसुव्रत-एकतीर्थीः

संवत् १६४७ वैशाख सुदि ७ सा० नानजी का० मुनिसुव्रतविं०
प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

(१०४७) पद्मप्रभः

सां० १६५० वर्षे माघ कृष्ण ४ बु० वसा० निटेके सा मघा प्रति साया
भ० जोडमदे सुत श्रीकर्णस्य शृङ्गारदे कमद प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीपद्म-
प्रभविंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीनन्दिवर्द्धनसूरिभिः ।

(१०४८) विमलनाथः

॥ सा० १६५१ वर्षे पोष सु० १० शनौ श्रीविमलनाथविंबं को० केसव
पु० भोजा कजा राजल कुलधर का० प्र० तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

(१०४९) शान्तिनाथ-एकतीर्थीः

सा० १६५१ माह सु० १० श्रीमूलसंघे भ० श्रीचन्द्रकीर्ति तदाम्नाये
सावड़गोत्रे सा० दमोदेव प्रणमति ।

१०४३ जयपुर श्रीमालों की दादावाडी पार्श्वनाथ मन्दिर

१०४४ सांगानेर महावीर मन्दिर

१०४५ जयपुर प्रतापमलजी ढढा का गृहदेरासर

१०४६ नागोर बड़ा मन्दिर

१०४७ अजमेर म्युजियम

१०४८ बेंतेड विमलनाथ मन्दिर. मूलनाथक

१०४९ चन्दलाई शान्तिनाथ मन्दिर

(१०५०) शान्तिनाथः

सं० १६५३ वर्षे वै० सु० ४ बुधे श्रीशान्तिनाथविवं गादहीआगोत्रे
सं० सुरताण भार्या हर्षमदे पु० सं० दासा भा० लाडमदे पु० सं० पद्मेन
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥
पं० विनयसुन्दरगणि प्रणमति ॥

(१०५१) धर्मनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बु० श्रीधर्मनाथविवं सा० सुरताण
जीया का० प्र० श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दरगणि प्रणमति ।

(१०५२) कुन्थुनाथः

संवत् १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीकुन्थुनाथ सं० सूति कुमारदे का०
प्र० श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ।

(१०५३) शीतलनाथः

सं० १६५३ व० वै० शु० ४ बु० शीतलनाथ सा० रायसिंघ भा० सो-
भागदे पु० व० ४ का० प्र० श्रीतपा० श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दर-
गणिः प्रणमति ॥

(१०५४) हीरविजयसूरिमूर्तिः

सं० १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बुधे श्रीहीरविजयसूरिमूर्तिः म० मेरु
चपराधेन(?)कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ पं० विन-
यसुन्दरगणिः प्रणमति श्रीगुरुपादुका (मूर्ति) ।

(१०५५) कुन्थुनाथः

संवत् १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बुधे श्रीकुन्थुनाथविवं गाद० गोत्रे श्री सं०
सुरताण भा० हर्षमदे पु० सं० सादूलेन प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसू-
रिभिः । पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

१०५० मेड़तासीटी महावीर मन्दिर

१०५१ मेड़तासीटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

१०५२ मेड़तासीटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

१०५३ मेड़तासीटी महावीर मन्दिर

१०५४ मेड़तासीटी कुंथुनाथ मन्दिर तपाउपाश्रय

१०५५ मेड़तासीटी कुंथुनाथ मन्दिर तपा उपाश्रय० मूलनायक

(१०५६) शीतलनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीशीतलनाथवि० सा० भेऊ हासा सा०
पद्मा प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः पं०
विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५७) अरनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीअरनाथविं० कारापितं
..... प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः पं०
विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५८) महावीरः

सं० १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बु० श्रीमहावीरविं० सा० खेतसी सा०
देदाभ्यां का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसू-
रिभिः ॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५९) महावीरः

सं० १६५३ व० चै० शुदि ५
श्रीमहावीरविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयहीरसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसू-
रिभिः ॥ श्रीरस्ते प० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥ छः ॥

(१०६०) सिंहासने

संवत् १६६४ वर्षे वैशाख सि० ७ श्रीश्रीमालज्ञातीय स० भोजराज
भा० भोजल सुत शा० खेतसींग चतुरंगदे सादा-चतुरंगभ्यां चास्य परिकरः
कारितः प्रतिष्ठितं विनयचन्द्रसूरिजि० पं० मेरुविजय प्रणम-
तितरां ॥

(१०६१) जिनदेवसूरिपादुका

॥ संवत् १६६५ वर्षे मार्गशीर्ष वदि ३ दिने सोमवारे श्रीखरतरगच्छीय
भट्टारक श्रीजिनदेवसूरयः कृतानशनाः सुरालयमलंचक्रुः तेषां पादपद्म-
स्थापनेयं ॥ श्रीसंघस्थयेत्यसे ॥

१०५६ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

१०५७ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

१०५८ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

१०५९ मेड़तासीटी महावीर मन्दिर. मूलनाथक

१०६० मेड़तासीटी महावीर मन्दिर. मूलनाथक

१०६१ मेड़तासीटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०६२) शीतलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

०१॥ सं० १६५३ वर्षे अलाई ४२ माह सुदि ७ दिने ऊकेशवंशे संखवाल-
गोत्रे सा० रायपाल भार्या रूपादे पुत्र सा० पूना भार्या पूनादे पुत्र सं० पाना
देदा पुत्र सं० जयदास चांपा मूला मोढा सं० सोमलदास प्रमुखपरि-
वारेण श्रीशीतलनाथप्रमुखचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टालङ्कार युगप्रधान श्रीश्रीश्रीश्री-
श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः पातिसाहस्रकवरप्रतिबोधकैः ॥

(१०६३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६५३ वर्षे अलाई ४२ संवत् ॥ माघ सुदि १० दिने सोमवारे
ऊकेशवंशे संखवाल गोत्रीय सा० रायपाल भार्या रूपादे पुत्र सा० पूना
भार्या पूनादे पुत्र सं० पाना सं० देदाभ्यां पुत्र जिणदास सं० चांपा मूलादे
पु० सामल सपरिकराभ्यां श्रीशान्तिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीबृह-
त्खरतरगच्छाधीश्वर-श्रीअकवरसाहिप्रतिबोधक श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टा-
लङ्कार-युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(१०६४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६५४ वै० शु० ५ सोम ऊकेशवंशे बोहिथिरागोत्रे वच्छा-
वत सं० अमृत सुत भगवानदासेन पुत्र सं० लालचंदादिपरिवारपरिवृतेन
श्रीपद्मप्रभविवं कारितं प्र० बृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टे श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः ॥ श्री अहमदावादे ।

(१०६५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६५४ अलाई ४३ वर्षे माघ वदि ६ रवौ श्रीउसवंशज्ञातीय
लोढागोत्रे सा० जेठा भा० जेठश्री सुत राजू भा० राजश्री सुत श्रावक सा० रेखा
भा० रेखश्री सुत सोनपाल भा० सोनश्री तेन श्रीअञ्जललगच्छे श्रीधर्ममूर्तिसूरी-
णामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसधेन भव्यजनैर्वन्द्य-
मानं चिरं ॥

(१०६६) मल्लिनाथः

संवत् १६५४ वर्षे माघ वद १२ बुधे सागवाटके सा० मेघा प्रतिष्ठिता
प्राग्वाटज्ञातीय सा० लखमण भा० अपूरवदे सुत नावदे श्रीमल्लिनाथ-
विवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीविजयसेनसूरि-सूरिशिष्य राम-
विजयगणिभिः ।

१०६२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०६४ कुचेरा चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६५ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

१०६६ अजमेर म्युजियम

(१०६७) सुमतिनाथः

संवत् १६५४ वर्षे माघ वदि १२ बुधे सांगवाटके सा० मैघा प्रति...
अदवज सभा (?) सुत सा० डूंगरनाथ श्रीसुमतिनाथविं० का० प्र० श्रीतपा-
गच्छे श्रीजगद्गुरु-श्रीहीरविजयसूरिपट्टालङ्कार-श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

(१०६८) मुनिसुव्रतः

स० १६५४ वर्षे माघ च० १२ बु० म० लेखा प्रतिष्ठायो मङ्गसा भार्या
यमुनादे सुत म० केसव भा० कसमे सुत उदयसिधेन श्रीमुनिसुव्रतविं०
कारित प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक श्री ६ विजयसेनसूरिभिः ।

(१०६९) अजितनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १६५६ वर्षे वैशाख मासे सित ३ दिने रविवारे उकेशवंशे
लोढागोत्रे संघवी डाहा भार्या तेजलदे पुत्र सं० रायमल्ल भार्या रङ्गादे पुत्र
स० जयवत भीमराज तयोर्भगिनी सुश्राविका वीरी-नाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीअ-
जितनाथविं० कारित प्रतिष्ठितं श्रीचतुर्विंशतिजिननामधेयं श्रीबृह-
त्खरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरितत्पट्टे श्रीजिनसिंहसूरि-पट्टालङ्कार-विजय-
मानश्रीश्रीजिनचन्द्रसूरिभिः सकलसंघेन पूज्यमानं आचन्द्रार्कं नन्दतात्
शुभंभवतु ॥

(१०७०) जिनकुशलसूरिपादुका

॥ सं १६५६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि द्वादशी दिने शनिवारे श्रीसंग्रामपुरे
श्रीमानसिंहविजयराज्ये खरतरगच्छे युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिविजय-
राज्ये महामत्रिणा कर्मचन्द्रेण श्रोसंघेनापि श्रीजिनकुशलसूरिपादुका
कारिता प्रतिष्ठितं वाचनाचार्य श्रीयशःकुशलैश्च सर्वसंघस्य कल्याणाय
भवतु शुभम् ।

(१०७१)

॥ सं० १६५७ वर्षे पो० शु० ४ बुधे श्री.....
कारितं प्र० तपागच्छे जहांगीरमहातपाविरुद्धारि भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१०६७ अजमेर म्युजियम

१०६८ अजमेर म्युजियम

१०६९ मेडतासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०७० सांगानेर दादावाडी

१०७१ मेडतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

(१०७२) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६५८ व० मीती आ० व० ५ सि० श्रीमूलसंघे सीढाल प्रति राउं प ।

(१०७३) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६५८ वर्षे आषाढ व० १० रवौ श्रीमूलसंघे भ० चन्द्रकीर्ति खंडेलवाल बाकल वाला सा० राम पु० ४ ईगा बला मेहा राणा पुत्र श्रीवंत नित्यं ।

(१०७४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६५८ वर्षे माह सुदि ५ सोमे श्रीसुधर्मगच्छे भ० श्रीविनय-कीर्तिसूर(रि) नामादिसेन श्रीमाल० नायण वीरपाल श्रीअजितनाथविंव ।

(१०७५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६६० वर्षे वै० शु० १३ दि० सो० मांडण तत्पुत्री वीनू सुरा-ईना कुन्थुनाथविंव का० प० नयविजय प्रतिष्ठित च भ० श्रीविजयसेन-सूरि तपा० ।

(१०७६) जिनकुशलसूरि पादुका

संवत् १६६० वर्षे माह सुदि १३ दिने प्र० । बृहत्खरतरगच्छे युग-प्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिविजयराज्ये श्रीजिनकुशलसूरिपादुके प्रतिष्ठितं कनकसोमेन ग । चामरधान कारिते पादुके ।

(१०७७) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६६१ वर्षे वैशाख वदि ८ सोमे ओसवालज्ञातीय लोढा-गोत्रे सं० खींवराज पुत्र पेमराज त० चांपसी मदनसी गोसा प्रमुखपुत्र-युतेन श्रीशान्तिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरि-पट्टे श्रीजिनसिंहसूरि-पट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीमेढतानगरे ।

१०७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०७३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०७४ भैंसरोडगढ़ ऋषभदेव मन्दिर

१०७५ किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर

१०७६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

१०७७ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०७८) मूलनायक-पद्मासने

॥ संवत् १६६१ वर्षे
 श्रीमेडतानगरै श्रीबृहत्स्वरतरगच्छे भ० श्रीश्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टप्रभा-
 करैः । श्रीअकच्चरसाहिप्रदत्तयुगप्रधानपदप्रवरैः । प्रतिवर्षाषाढाद्याष्टाहि-
 कादिषाण्मासिकामारिप्रवर्तकैः । श्रीस्तंभतीर्थीय मीनादिजीवर-
 क्षकैः । श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचकैः । सर्वत्रगोरक्षाकारकैः । पञ्चनदीपीर-
 साधकैः । युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः । आचार्य श्रीजिनसिंहसूरिसूरिः ।
 श्रीसमयराजोपाध्यायः ॥ वा० हसप्रमोद वा० समयसुन्दर वा० पुण्यप्रधा-
 नादिसाधयुतैः ॥

सिंहासनोपरि

॥ ॐ ॥ श्रीसंघेन ॥ प्रतिष्ठितं श्रीश्रीबृहद्दखरतरगच्छैः ॥ श्रीजिन-
माणिक्यसूरिपट्टपूर्वाचलसहस्रकरावतार-श्रीअकन्वरपातिसाहिप्रतिबोधक ।
श्रीशत्रुञ्जयादितोर्थकरमोचक । सर्वमण्डल । षण्मासजीवदयाप्रतिपालक*
.....निमन्त्रनिराकरण-युगप्रधानविरुद्धधारक । भट्टारकप्रधान
श्रीश्रीश्रीश्रीजिनचन्द्रसूरिभिः सश्रीजिनसिहसूरिभिः ॥ श्रीचतुर्विध श्री-
संघयुतैः ॥ शा०.....णी कुञ्जरवादि हर्षनन्दनगणिना ॥

(१०७६) परिकरे

॥ ॐ ॥ संवत् १६६६ वर्षे शाके १५३४ ॥ मार्गशीर्ष मासे ॥ श्रीपा-
तिसाही नूरदीन अहल्ले जहांगीर विजयिराज्ये । श्रीमेडतामहाकोटैः ॥
महाराजाधिराज महाराज श्रीसूर्यसिंहजी महाराजकुमर श्रीगजसिंहजी ।
राजश्री गोविन्ददासजी वचनात् ॥ श्री ॥
.....गोलवेन्छागोत्रीय । सा० देवसी तत्पुत्र सा० रायमल्ल
तत्पुत्र सा० कल्ला सा० अमरसी तत्पुत्र सा० खेता पौत्र सा० राजसी सा०
नरसिंघ । रायसिंघ उदयसिंघ वल्लभराजा नारायणादिसत्परिवारयुतेन ।
श्रीवासुपूज्यनाथ निजन्यायोपार्जितदेवद्रव्येन । परिकरेण प्रतिष्ठापिता ॥

(१०८०) नमिनाथः

॥ संवत् १६६१ वर्षे । श्रीबृहत्खरतरगच्छे ॥ प्रतिवर्षपाणमासिकाम-
यदानदायकैः सकलगौरक्षाकारकैः श्रीशत्रुञ्जयमहातीर्थकरनिवारकैः पञ्चनदी-
पतिपीरसाधकैः । युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः । आ० श्रीजिनसिंहसूरि
श्रीसमयराजोपाध्याय-प्रमुखपाठक-वाचक-साधुयुतैः । प्रतिष्ठित का० नमि-
जिनविंभं मं० सूदौदेव्या श्रेयः ॥ वा० पुण्यप्रधान-
गणिभिर्लिखितम् ॥

१०७८ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर

୨୦୭୬

35

3

39

3:

१०८० " " कुन्थुनाथ मन्दिर

(१०८१) मूलनायकः

॥ संवत् १६६२ वर्षे चैत्र वदि सप्तमी.....भार्या
सिङ्गारदे श्राविकया पुत्र कुमर । जगड । चोला । अम्मू प्रमुख.....
..... सुमतिविवं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ महाराजाधिराज महाराज
श्रीरायसिंहजी विजयराज्ये । श्रीसाहिदत्तयुगप्रधानविरुदैः आपाढामारि-
षाण्मासिकजीवाभयदायकैः श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टे युगप्रधान-श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः ॥ वा० पुण्यप्रधानो नौति ॥

(१०८२) सभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६६३ वर्षे वैशाख सुदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय सा०
खीमा सुत सा० वजराज भार्या चुथा सुत रूपा सहितेन समस्त-कुटुम्ब-
सहितेन श्री ५ श्रीजीवरत्नसूरि तत्पट्टे श्री ६ श्रीतेजरत्नसूरिणा उपदेशेन
श्रीसंभवनाथविंशं कारितं आत्मश्रेयोर्थ ॥ आञ्चलगच्छे ।

(१०८३) नमिनाथः

॥ सं० १६६४ वर्षे भा० वदि १ दिने उसवालज्ञातीय ग्रामेचागोत्रे
सं० जेता तद्भार्या नवरगदे पुत्र सं० हर्षा तद्भार्या मीरादे तत्पुत्र सं० जय-
वंत भार्या सोहागदे नाम्न्या श्रीनमिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठित श्रीतपाग-
च्छे जहांगीरमहातपाविरुद्धारि भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१०८४) अनन्तयन्त्रम्

संवत् १६६५ वर्षे चैत्र वदि...गुरौ श्रीकाष्ठासचे भ० श्रीविश्वसेन भ०
श्रीविद्याभूषण तत्पट्टे भ० श्रीभूषण प्रतिष्ठितं परवेसईगोत्रे हुंवडज्ञातीय को०
लखमा भार्या मानादे सुत हेमा भा० हमीरदे सुत राजपाल नित्यं प्रणमति ।
सागवाड । ग्रामे । अनन्तयन्त्र प्रणमति । १

(१०८५) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६६५ वर्षे माह वदि ६ गुरुवारे ओसवाज्ञातीय वहरागोत्रे
घाडीवालशाखायां सा० वीदा भा० विमलादे पुत्र सा० राजसी नाम्ना
भा० रङ्गादे पुत्र होला हांसा वच्छा धन्ना पौत्र सपरिकरेण श्रीअजितनाथ-
विंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छे आद्यपक्षी श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः
शुभम्भवतु ।

१०८१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०८२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१०८३ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

१०८४ गागरडू आदीश्वर मन्दिर

१०८५ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

(१०८६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६७ माघ कृ० ६ कठियारागोत्रे सा० राथडी पुत्र सा० विवे-
क... .. पार्श्वनाथविं० का० प्र० तपा० भ०
श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

(१०८७) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६७ माघ कृ० ६ कठियारागोत्रे सा० राथडी पुत्र सा० विवे-
क... .. श्रेयांसनाथविं० का० प्र० तपा० भ० श्रीविजय-
सेनसूरिभिः ॥

(१०८८) मूलनायकः

॥ सं० १६६७ व० माघ सि० ६ उ० झा० ल० गो० सं० होला पुत्र
सं० सूरण पुत्र सं० धणपाल भार्या वाल्हादेव्या श्रीविमलनाथविं० तपा-
गच्छे भ० श्रीविजयहीरसूरिपट्टधर-श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ श्रीआगरानगर-
वास्तव्य-कारिता ।

(१०८९) मूलनायकः

॥ संवत् १६६७ वर्षे फा० कृ० ६ गुरौ.....ओसवालज्ञातीय देहा-
पली" ..उजना भा० सिंगारु पु० सा० गोवल भा० गोवलदेव्या श्रीमल्लि-
नाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयगच्छे श्रीगुणसागरसूरिभिः ॥

(१०९०) मूलनायक

संवत् १६६७ वर्षे फा० कृ० ६ गुरौ आगरानगरवास्तव्य श्रीमाल-
ज्ञातीय ..सा० सामीदास पुत्र सा० मानसिध भार्या मनरङ्गदेव्या
श्रीसुमतिनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयगच्छे भट्टारक-श्रीगुणसाग-
रसूरिभिः ॥

(१०९१) शान्तिनाथः

संवत् १६६७ वर्षे फागुन कृष्ण ६ गुरौ श्रीआगरानगरवास्तव्य श्री-
मालज्ञातीय पारेसाणीगोत्रे सा० सामीदास भार्या वृन्दी पुत्र सा० मानसि-
हेन भार्या मनरङ्गदे पुत्र साह नन्दीदास द्वितीय सोमदासादिप्रभृतिकुटु-
म्बयुतेन श्रीशान्तिनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयगच्छे श्रीभट्टारक
श्रीसुभद्रसागरसूरीश्वरैः ।

१०८६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०८७ " " " " "

१०८८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१०८९ वजीरपुर मल्लिनाथ मन्दिर

१०९० वामणवास सुमतिनाथ मन्दिर

१०९१ हिन्डोन श्रेयासनाथ मन्दिर

(१०६२) मूलनायकः

॥ संवत् १६६७ फागुन कृष्ण ६ गुरौ.....उसवालजातीय
दूगढगोत्रे सा० सालिग पुत्र साह राजपाल पुत्र सा० खीमाकेन भार्या कुश-
लदे पुत्र गिरिधर सा० मानसिधयुतेन श्रीश्रेयांसनाथविंशं कारितं प्र०
नागौरी तपागच्छे श्रीचन्द्रकीर्तिसूरिपट्टे श्रीसोमकीर्तिसूरिपट्टे श्रीदेवकीर्ति-
सूरि श्रीअमर..... ॥ प्रतिष्ठितं नागौरी तपागच्छे श्रीआगरानगरे
मानसिंहेन लिपीकृतं ॥

(१०६३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६७ व० फा० व० गहिलडागो० सा० टोडर जसाकोरुकेन
श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्र० तपा० श्रीविजयसेनसूरिभिः ।

(१०६४) पद्मप्रभः

॥ सं० १६६६ वर्षे आषाढ मासे.....गुरुवारे.....श्री-
ओसवालजातीय लोढागोत्रे सं० डाहा भार्या तेजलदे पुत्र रायमल्ल भार्या
रङ्गादे पुत्र.....भीमराज धारावत भार्या जशवंतदे.....
.....पु० सं० आसराज पुत्रयुतेन श्रीपद्मप्रभविंशं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कार-श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः..... ॥

(१०६५) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६६६ वर्षे माह सुदि ५ दिने शुक्रवारे महाराजाधिराज
महाराज श्रीसूर्यसिंहजी विजयिराज्ये उसवालजातीय लोढागोत्रे संघवी डाहा
तत्पुत्र सं० रायमल्ल भार्या रङ्गादे तत्पुत्र सं० लाखाकेन भार्या लाडिमदे पुत्र
वस्तुपाल सहितेन श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्खरतरगच्छे
श्रीआद्यपक्षीय श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंह-
सूरिपट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ छः ॥ श्रीः ॥

१०६२ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

१०६३ नागौर मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय

१०६४ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६५ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०६६) मूलनायकः

॥ संवत् १६६६ वर्षे माह सुदि ७ शुक्रवारे महाराजाधिराज श्रीसूर्य-
सिंहजी विजयराज्ये श्रीउपकेशज्ञातीय लोढागोत्रे सा० डाहा तत्पुत्र सं०
रायमल्ल भार्या रङ्गादे तत्पुत्र सं० भीमाकेन भार्या लाडिमदे ॥ पुत्र वस्तु-
पाल युतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमद्बृहत्स्वरतरगच्छे श्री-
आद्यपत्नीय श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टालङ्कार श्रीजिनदेवसूरितत्पट्टालङ्कार
श्रीजिनसिंहसूरितत्पट्टोदयाद्रिशृङ्गभानु-श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ।

(१०६७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः परिकरे

संवत् १६७० वर्षे वैशाख सित पंचमी तिथौ सोमवासरे स्तम्भतीर्थ-
वास्तव्य ऊकेशज्ञातीय वृद्धशाखीय देसलहरागोत्रीय सा० श्रीमल्ल नाम्ना
आवृष्य सा० सोमा तत्सुत सूरजी रामजी प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथ
परिकरः कारितः प्रतिष्ठितश्च तपागच्छे श्रीअकबरसुरत्राणषाणमासिक-
जंतुजाताभयदान-श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचनस्फुरमान्प्रदानप्रभृति-बहुमान
भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टालङ्कार श्रीअकबरपरिषल्लब्धजयवाद भ० श्रीविज-
यसेनसूरिभिः ।

(१०६८) संभवनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६७० वर्षे सावण व० श्रीसंभववि० का० प्र० तपागच्छे श्री-
विजयसेनसूरि ।

(१०६९) यु० जिनचन्द्रसूरिपादुका

॥ संवत् १६७० वर्षे मार्गशीर्ष सुदि १० दिने । श्रीजेसलमेरुसंघेन
कारिते । पा० सवाईयुगप्रधान-श्रीजिनचंद्रसूरिणा प्र० श्रीजिनसिंहसूरिभिः ॥

(११००) सुपार्श्वनाथः

॥ संवत् १६७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ रोहिणीनक्षत्रे आगरा-
वास्तव्योशवालज्ञातीय लोढागोत्रे गावंसे सा० पेमल भार्या सक्तादे पुत्र
सा० खेतसी-नेतसीकाभ्यां स्वपितृयु० श्रीमदंचलगच्छे पूज्यश्रीकल्याण-
सागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपासजिनबिंब प्रतिष्ठापितं ।

१०६६ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६७ जयपुर प्रतापमलजी ढढा गृहदेरासर

१०६८ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

१०६९ मेड़तासिटी शान्तिनाथ मन्दिर

११०० जयपुर सुपार्श्वनाथ मन्दिर. मूलानायक

(११०१) पञ्चतीर्थीः

॥ श्रीमत्संवत् १६७१ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ रोहिणीनक्षत्रे श्री-
आगरा वास्तव्योपकेशज्ञातीय लोढागोत्रे से० सं० रेप भा० रिपश्री
तत्पुत्र मं० कुंरपाल-सोनपालैः सु० कुंरपाल सुत सं० दुर्गादास भा०
सीला नका रथा तिणी आ० कपूरा पूजार्थं श्रीअंचलगच्छे पूज्यश्री ५ श्री-
कल्याणसागरसूरीश्वरपट्टालङ्कार श्रीमुनि ।

(११०२) पञ्चतीर्थीः

सं० १६७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ कांकरीयागोत्रे सा० रणधीर
भार्या यादोकया श्रीअञ्चलगच्छे भ० श्री ५ श्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशेन
सम० प्रति० ।

(११०३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६७२ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ शुके मालपुरवास्तव्य श्रीमालज्ञा-
तीय वृद्धशाखायां सिंघढगोत्रीय सा० गौडीदास भार्या कस्तूरी सुतेन सा०
साहिमल्ल नाम्ना स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीपत्तने
सुविहितं तपा० भ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११०४)

॥ संवत् १६७२ वर्षे फाल्गुन सित २ तिथौ शुक्रवारे मुहुतागोत्रे सं०
चन्देन कनक सुनंदेन पुत्र देदा युतेन श्रीविं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचन्द्रकाले
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ सं० श्रीरङ्ग
पुत्र्या शा० कुसुम्भावाई ॥

(११०५) चन्द्रप्रभः

॥ संवत् १६७२ वर्षे फाल्गुन सित २ तिथौ गुरुवासरे श्रीमेढतानगरे
लोढागोत्रे रायमल्ल पुत्र आयल तत्पुत्र सं० कुंअर भार्या कनकादेव्या
चन्द्रप्रभुविं वं ।

(११०६) महावीरः

॥ सं० १७७२ वर्षे फाल्गुण सुदि ८
..... श्रीमहावीरविं वं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीवृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

११०१ अजमेर गौडीपार्श्वनाथ मन्दिर

११०२ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

११०३ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

११०४ मेढतासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

११०५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर घाट,

११०६ मेढतासिटी उप. ग. शान्तिनाथ मन्दिर

(११०७) शिलापट्टप्रशस्तिः

[१] ॥ॐ॥ संवत् १६७२ वर्षे तपागच्छाधिराज भट्टारक श्री ५ विजय-
सेनसूरीश्वराणां आचार्यश्री ५ विजयदेवसूरिप्रभृति

[२] साधुप्रसेवितचरणारविन्दानां विजयमानराज्ये पातिसाहश्रीअक-
बरप्रदापितोपाध्यायपदधारक श्रीशत्रुञ्जयकरमो

[३] चनाद्यनेकसुत्तमकारक महोपाध्याय श्रीभानुचन्द्रगणिमुपदेशात्

अष्टोत्तरशतावधानसाधनप्रमुदितपातिसाहश्रीअकवर

[४] प्रदत्त शेषकरमखी (?) प० । सिद्धिचन्द्राणां चैत्यभूमिग्रहणादि-
महोत्सवेन सा० का० मालपुरा श्रीसधेन श्रीचन्द्रप्रभप्रसाद कारिता लि०
लब्धिचन्द्रगणिना । सूत्रधार । परसा ।

(११०८) महावीरः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० व० १ गु० पु० चो० वर्द्धमान ह० चंद
भावदे सं० पूनेन श्रीमहावीरजिनविंबं कारितं प्र० तपागच्छे भट्टारक श्री-
विजयदेवसूरिभिः ॥

(११०९) पार्श्वनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० वदि १ दिने गुरु पु० ओसवालज्ञाती०
चोरडिआगोत्रे सं० सिंघा भार्या नवलादे तत्पुत्र सं० प्रतापसी भार्या पूनिमदे
तत्पुत्र आसेकराज जयकराज प्र० परिकरेण श्रीपार्श्वनाथजिनविंबं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे महाहमीर (जहांगीर महा) तपाविरुद्धधारक भट्टारक-
पुरंदर भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११०) सुमतिनाथः

सं० १६७४ व० मा० १ मं० अरदास भार्या राजलदे तत्पुत्र म० राजा
भा० रङ्गादे नाम्न्या श्रीसुमतिनाथविंबं का० प्रतिष्ठितं जहांगीर महा.....
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११११) वासुपूज्यः

॥ स० १६७४ वर्षे माघ वदि १ दिने गुरुवासरे
सा० खेताकेन श्रीवासुपूज्यविंबं कारितं प्रतिष्ठितं जहांगीरमहातपागच्छे
भट्टारिक श्री १०५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११०७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

११०८ नागौर बड़ा मन्दिर

११०९ " " "

१११० मेड़तासिटी कुथुनाथ मन्दिर

११११ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर

(१११२)

स० १६७४ माह वद १ दिने उसवालज्ञातीय ग्रामेचागोत्रे सं० नेता भार्या नवरगदे तत्पुत्र सधवी हर्पा भार्या हीरादे पुत्र सं० जीवा भार्या रङ्गादे नाम्न्या सं० जिणदास पु० प्रईसर युक्त्या का० प्रतिष्ठितं जहांगीर-महातपा भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११३) शान्तिनाथः

संवत् १६७४ व० मा० व० १ सं० सुरताण भार्या सोभागदे..... मुक्त्या श्रीशान्तिनाथविंव का० प्र० तपा० श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(१११४) आदिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० सु० ६ दि० गुरु पुण्ययोगे उपकेश-ज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० रायसिंघ पु० रायचन्देन स्वश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथ-विंव कारितं प्र० तपागच्छे गुरुजहांगीरतपाविरुद्धारक-भट्टारक श्रीविजय-देवसूरिभिः ।

(१११५) सुविधिनाथः

संवत् १६७४ मा० व० १ दि० उपलाडाला० स्वश्रेयसे श्रीसुविधिविंव प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११६) मूलनायकः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माघ वदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे श्रीश्रीजहांगीर-पातिसाहसलेमसाहिविजयवंतराज्ये उसवालज्ञातीय उच्छित्तवालगोत्रे सं० सहसवीर तत्पुत्र सं० समरा भार्या संगतादे तत्पुत्र सं० नीवा भार्या नवलादे तत्पुत्र सं० रायरत्र भा० के लाडिमदे सं० मूला भार्या महिमादे सं० रायमल्ल पुत्र वच्छराज महावल सं० मूला पुत्र वर्द्धमान रामजी सपरिकरेण श्रीधर्मनाथविंव कारितं श्रेयोर्थ प्रतिष्ठितं श्रीजगद्गुरु..... विरुद्धारी हीरविजयसूरितत्पट्टालङ्कार श्रीविजयसेनसूरि० ज.....

(१११७) मूलनायकः

संवत् १६७४ वर्षे माघ वदि ६ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवालज्ञातीय चोरडियागोत्रे सा० सिंघा भार्या नवलादे तत्पुत्र नगदास भार्या भरमादे नाम्ना श्रीनमिनाथविंव का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेव-सूरिभिः ।

१११२ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर

१११३ " " उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

१११४ नागोर चौसठिया जी का मन्दिर. मूलनायक

१११५ " " " " " " " " " " " "

१११६ खजवाना धर्मनाथ मन्दिर. मूलनायक

१११७ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छीय उपाश्रय. मूलनायक

(१११८) सुविधिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० व० १ दिने गुरु-पुण्ययोगे सं० देव-
दत्त गोत्रे सं० देवसी श्रीसुविधिनाथविंशं कारि-
रितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११९) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने गुरु-पुण्ययोगे ओसवालज्ञा-
तीय चोरडिआगोत्रे सं० पोहू पुत्र देवदत्त तत्पुत्र स० सोमल भार्या सोभा-
गदे नाम्नी श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे जहांगीरमहा-
तपाविरुद्धारक भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२०) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवाल-
ज्ञातीय चोरडिआगोत्रे सा० देवदत्त भार्या नीआरदे तत्पुत्र भोजा भार्या
भोजलदे नाम्नी श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीवि-
जयदेवसूरिभिः ॥

(११२१) सुमतिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने ललवाणीगोत्रे सा० नानिग-
केन कारित श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजय-
देवसूरिभिः ॥

(११२२) सुपार्श्वनाथः

॥ सं० १६७४ वर्षे मा० व० १ गुरु पुण्ययोगे उ० चोरडिआगो०
स० पोहू भा० देवलदे पुत्र स० वीरदास भा० वीरादे श्रीसुपार्श्वनाथविंशं
कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२३) नमिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवालज्ञा-
तीय चोरडिआगोत्रे दे नाम्नी श्रीनमिनाथविंशं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१११८ नागोर बड़ा मन्दिर

१११९ ,, ,, ,,

११२० ,, ,, ,,

११२१ ,, ,, ,,

११२२ ,, ,, ,,

११२३ ,, ,, ,,

(११२४)

सं० १६७४ वैशाख वदि १ दिने ॥ तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेव-
सूरिभिः ।

(११२५) मूलनायक.

राजाधिराज-श्रीरायसिंहजी राज्ये ॥ श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टे युग-
प्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः शिष्य-आचार्य-श्रीजिनसिंहसूरि-श्रीसमयराजो-
पाध्याय वा० पुण्यप्रधान प्र० सा० युतैः ।

(११२६) यु० जिनसिंहसूरिपादुका

॥ संवत् १६७५ वर्षे माघ वदि १३ रवौ बृहद्वरतरगच्छावीश्वर-युगप्रधान
श्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीजिनसिंहसूरिपादुके श्रीसंघेन कारिते । प्रतिष्ठिते ।
श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११२७) मूलनायकः

॥ संवत् १६७७ वर्षे । वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयातिथौ शनि
रोहिणीयोगे श्रीमेढतानगरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय पाताणीगोत्रीय सं०
भोजा भार्या भोजलदे पुत्रेण सधपति खेतसीकेन स्वभा० चतुरङ्गदे पुत्र
ङ्गारसी प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे स्वकारित रङ्गदुत्तंगशिखरबद्धश्रीऋ-
षभदेवविहारमण्डनं सपरिकरं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं च
तपागच्छे श्रीमदकब्बरसाहिप्रतिबोधक श्रीशत्रुञ्जयादिकरमोचक भट्टारक
श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान युगप्रधान भट्टा-
रक श्रीविजयसेनसूरिपट्टप्रभावक श्रीजहांगीरसाहिप्रदत्त श्रीजहांगीर-
महातपाविरुद्धधारक श्रीमहावीरतीर्थकरप्रतिष्ठितश्रीसुधर्मस्वामिपट्टधरस-
कलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२८) महावीरः

॥ सं० १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि
रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीरविजयमानराज्ये श्रीमेढतानगरवास्तव्य
श्रीमालज्ञातीय पाताणीगोत्रीय संधपति खेतसी भार्या चतुरङ्गदे नाम्न्या
श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं च स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठितं च श्रीतपा-
गच्छे श्रीमदकब्बरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरुविरुद्धधारक षण्मासाभयदान-

११२४ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर,

११२५ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर. मूलनायक

११२६ मेढतासिटी शान्तिनाथ मन्दिर

११२७ मेढतासिटी आदिनाथ मन्दिर

११२८ ,, ,, ,,

प्रवर्त्तक श्रीशत्रुञ्जय जगाति-जीजी-आदिकरमोचक भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीहीर-
विजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान साहिश्रीअकव्वरसुरत्राणस-
भालब्धविजयलक्ष्मीसन्मान युगप्रधानसमान सकलसूरिसामन्तचक्रसार्थ-
भोमोपमान भट्टारक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभावक श्रीम-
ण्डपाचले श्रीदीपालिकापर्वणि श्रीमद्जहांगीरसाहिप्रदत्त श्रीजहांगीरमहा-
तपाविरुद्धारक श्रीमन्महावीरतीर्थकरप्रतिष्ठितं श्रीसुधर्मस्वामिपट्टपरंपरानु-
क्रम-परिपाटीप्रौढसकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्री ५ श्रीविजय-
देवसूरीश्वरैः ॥

(११२६) अजितनाथ.

प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ संवत्
१६७७ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने । शनौ । श्रीबृहत्खरतरगच्छे श्रीमेडता-
नगरे । श्रीमालज्ञातीय चंडालियागोत्रे । टङ्कशालीय नखसातृ श्रीमल्ल पुत्र
पास । पद्दू । पासु पुत्र सुखु पद्दू पुत्र कल्ला सुखू पुत्र वीरदासेन कल्ला
पुत्र रायसिंह वीरदास पुत्र सूजा पञ्चायण जिणदास प्रमुखपुत्रपौत्रादि-
परिवारसहितेन श्रीअजितनाथर्विवं कारितं श्रीखरतरगच्छाधीश श्रीजिन-
माणिक्यसूरितत्पट्टपूर्वाचलसहस्रकरावतार युगप्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरि-
पट्टप्रभाकर श्रीजिनसिंहसूरिपट्टप्रभाकर वर्तमानभट्टारक श्रीजिनराज-
सूरिविजयराज्ये आ० श्रीजिनसागरसूरि यौवराज्ये ॥ श्रीरस्तु ॥ आचद्राकं
चिरं नन्दतु ॥ श्रीः ॥

(११३०) महावीरः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि
रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीरविजयमानराज्ये श्रीमेडतानगरवास्तव्य श्री-
मालज्ञातीय मुसलगोत्रीय सा० छाजू भा० कुसुमा पुत्र सा० सींहमल्लकेन
भार्या सुखमल्लदे पुत्र सामीदास नेमीदास सुन्दरदास प्रमुखपरिवारवृत्तेन
स्वश्रेयसे श्रीमहावीरर्विवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीमदकव्वरसुर-
त्राणप्रदत्तजगद्गुरुविरुद्धारक श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्धारक भट्टारकश्री-५
श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान युगप्रधान भट्टारक
श्री ४ श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभावक
महातपाविरुद्धारि सकलज्ञातिसुविहितसूरिसभाशृङ्गार भट्टारक श्री ५
श्रीविजयदेवसूरिराज्यैः ॥

(११३१) धर्मनाथः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि
 रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीर विजयमानराज्ये मेडतानगरवास्तव्य उसवा-
 लज्ञातीय बुहरागोत्रीय सा० जयवन्त भा० जयवन्तदे पुत्र सा० दासराज-
 भा० वदरङ्गदे पुत्र सा० पुना सा० चांपसीकेन स्वभार्या चांपलदे पुत्र लच्छी-
 प्रमुखपरिवारपरिवृत्तेन श्रीधर्मनाथविनं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे
 श्रीमदकब्बरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरु भट्टारक श्रीशत्रुञ्जया
श्री ५ श्रीहीरविजयसूरि..... श्रीविजयसेनसूरिपट्ट-
 प्रभावक..... जहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुद्धारक
 श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३२) सुमतिनाथः

प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ स्वस्तिश्रीः ॥
 संवत् १६७७ वर्षे वैशाख सित ३ तिथौ सार्वभौमजहांगीरपातिसाहि-
 विजयिराज्ये उसवालज्ञातीय चोरवेडियागोत्रे सा० खिबुधा सा० जाल्हा पु०
 दत्ता पु० डूङ्गरसी भा० डूङ्गरदे पुत्र नेतसी भार्या नवरङ्गदे द्वि० नवलादे
 भा० जीवराज भूपति भाण नैतसी पुत्र जयवन्त प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीसु-
 मतिनाथविनं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छे आद्यपक्षीय भट्टारक
 श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे ॥

(११३३) धर्मनाथः

संवत् १६७७ वर्षे वैशाख मासे शुक्लपक्षे अक्षत ३ दिने श्रीमेडतान-
 गरवास्तव्य उसवालज्ञातीय सा० जीवा भार्या यशोदानाम्न्या श्रीधर्मनाथ-
 विनं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराजभट्टारक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजय-
 देवसूरिभिः ॥

(११३४) सुमतिनाथः

॥ खरतरगच्छे श्रीजिनकुशलसूरिः ॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाख-
 मासे अक्षयतृतीया दिने शनि रोहिणीयोगे मेडतानगरवास्तव्य श्रीमाल-
 ज्ञातीय पाताणीगोत्रीय सा० हेमा भार्या धूरी तत्पुत्ररत्न वोहित्येन सुत
 रागदास सपरिवारयुतेन श्रीसुमतिनाथविनं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छा-
 धिराज भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११३१ मेडतासिटी आदिनाथ मन्दिर

११३२ " " "

११३३ " " "

११३४ " " "

(११३५) वर्द्धमानः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणीयोगे श्रीमालज्ञातीय बहकटागोत्रीय सा० राजपाल भा० राजलदे पुत्र नेमिदास भा० चंपू नाम्नी श्रीमहावीरबिंब कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीविजयसेनसूरिश्वरपट्टप्रभाकर श्रीमद्जहांगीरसाहिप्रदत्तश्रीजहांगीरमहातपाविरुद्धारक सकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारसंरक्त श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजयदेवसूरिराजैः ॥ श्रीः ॥

(११३६) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे अक्षयतृतीया दिवसे श्रीमेढतावास्तव्य उ० झा० समदडीआगोत्रीय सा० मना भा० महिमादे पुत्र सा० रामाकेन भ्रातृ रायमलछान भा० केसरदे पुत्र जयदत्त सा० लखमीदास प्रमुख कुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंब का० प्र० तपागच्छे भट्टारकश्री ५ श्रीविजयसेनसूरिपट्टालङ्कार भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३७) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७७ वर्षे अक्षयतृतीयादिने शनि रोहिणीयोगे मेढतानगरवास्तव्य सा० लाखा भा० सरूपदे नाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतबिंब कारितं प्रतिष्ठितं भट्टारक श्रीविजयसेनसूरिश्वरपट्टप्रभाकर जहांगीरमहातपाविरुद्ध विख्यात युगप्रधानसमान सकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिराजेन्द्रैः ॥

(११३८)

॥ सं० १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ दिने शनि रोहिणीयोगे मेढतानगर वास्तव्य उसवालज्ञातीय सा० पालहड गोत्रे सा० खेमा भा० खेतलदे पुत्र सा० चाचाकेन बिंब कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छा धिराज भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३९) वासुपूज्यः

सं० १६७७ वर्षे अक्षय ३ दिने मेढतावा० उ० झा० गु० गो० सा० जदू भार्या जइतलदे नाम्न्या श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११३५ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

११३६ मेढतासिटी महावीर मन्दिर

११३७ ,, पार्श्वनाथ मन्दिर वगीची

११३८ ,, आदिनाथ मन्दिर

११३९ ,, कुन्थुनाथ मन्दिर

(११४०) शान्तिनाथः

सं० १६७७ व० अक्षय ३ दि० मेढतावास्तव्य भांडाउत अमरा भा०
अमोलकदे पु० नोजाकेन शान्तिनाथविं० का० प्र० तपागच्छे भट्टारक श्री-
विजयदेवसूरिसार्वभौमैः ।

(११४१) अष्टदलकमल

सं० १६७७ व० अक्षय ३ दि० योधपुरवास्तव्य उ० ज्ञा० सा० पदा
पु० भीमसीकेन पुत्र भाग्यचद युतेन सुविधिनाथविं० का० प्र० तपागच्छे
भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११४२) मुनिसुव्रतः

॥ सं० १६७७ वर्षे अक्षय ३ दिने मेढतानगर वा० उ० ज्ञा० ना० गो०
वाई कनकनाम्न्या सा० वाई कमरदे मुनिसुव्रतविं० का० प्र० तपागच्छे भ०
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११४३) मूलनायकः

प्रतिष्ठितं भट्टारकप्रभुश्रीजिनराजसूरिसूरिपुरन्दरैः । श्रीमेढतानगर-
मध्ये । संवत् १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरुवारे पातसाहिश्रीजहांगीरविजयि-
राज्ये साहियादा साहिजहाराज्ये ओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय
सं० नग्गा भार्या नयणादे पुत्र संग्राम भा० तोली पु० माला भा० माल्हणदे
पु० देका भा० देवलदे पु० कचरा भा० कउडिमदे चतुरङ्गदे पु० अमरसी
भा० अमरादे पुत्ररत्न संग्रामश्रीअर्बुदाचलविमलाचलसङ्घपतितिलककारित
युगप्रधान श्रीजिनसिहसूरिपट्टप्रभाकर भट्टारक श्रीजिनराजसूरिपद-
नन्दीमहोत्सवविविधधर्मकर्त्तव्यविधायक सं० आसकरणेन पितृव्य चांपसी
भ्रातृ अमीपाल कपूरचन्द स्वभार्या अजाइबदे पु० ऋषभदास सूरदास
भ्रातृव्य गरीबदासादिसारपरिवारेण श्रेयोर्थ स्वयंकारितमम्माणीमय-
विहारशृङ्गारकश्रीशान्तिनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमहावीरदेवाविच्छिन्न-
परम्परायात श्रीबृहत्वरतरगच्छाधिप श्रीजिनभद्रसूरिसन्तानीय प्रतिबोधित-
साहिश्रीमदकव्वरप्रदत्तयुगप्रधानपदवीधर श्रीजिनचन्द्रसूरिसुविहितकठिन-
काश्मीरविहारवारसिन्दूरगज्जणा च विविधदेशामारिप्रवर्त्तक जहांगीरप्रदत्त-
युगप्रधानपदधारक श्रीजिनसिहसूरिपट्टोत्तंस लब्धश्रीअम्बिकावर प्रति-
ष्ठितश्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्धार प्रदर्शितमाणवडमध्यप्रतिष्ठितश्रीपार्श्वप्रतिमा-

११४० जयपुर पञ्चायती मन्दिर

११४१ मेढतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

११४२ " " "

११४३ " शान्तिनाथ मन्दिर

पीयूषवर्षणप्रभाव बोहित्ववंशमण्डन धर्मसी-धारलदेनन्दन भट्टारकचक्र-
चक्रवर्त्तिश्रीजिनराजसूरिसूरिदिनकरैः आचार्य श्रीजिनसागरसूरिप्रभृतिय-
तिराजैः ॥ सूत्रधार सूजा ।

(११४४) मूलनायकः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ उसवालज्ञातीय गणधरचोपडा-
गोत्रीय सं० नग्गा भार्या नयणादे पु० संग्राम भार्या तोली पु० माला भार्या
माल्हाणदे पु० देका भा० देवलदे पु० कचरा भार्या कडडिमदे चतुरङ्गदे
पुत्र अमरसी भार्या अमरादे पुत्ररत्नेन श्रीअर्बुदाचलविमलाचलादि-
प्रधानतीर्थयात्रादिसद्धर्मकर्मकरणसंप्राप्तसंघपतितिलकेन आसकरणेन पितृ-
व्य चांपसी भ्रातृ अमीपाल कपूरचन्द स्वपुत्र ऋषभदास सूरदास भ्रातृव्य
गरीबदास प्रमुखसश्रीकपरिवारेण संघरूपजी कारितं शत्रुञ्जयाष्टमोद्वार-
मध्यस्वयंकारित-प्रवरविहारशृङ्गारहारश्रीआदीश्वरविंबं कारापितं पितामह-
वचनेन प्रपितामह मेधा कोजा तोला प्रमुखपूर्वजनाम्ना प्रतिष्ठितं श्रीबृह-
त्खरतरगच्छाधीश्वर साधूपद्रववारक प्रतिबोधितसाहिश्रीमदकव्वरप्रदत्त-
युगप्रधानपदधारक श्रीजिनचन्द्रसूरि जहांगीरसाहिप्रदत्तयुगप्रधानपदधारक
श्रीजिनसिंहसूरिपट्टपूर्वाचलगहस्रकरावतार प्रतिष्ठितं श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्वार
श्रीभाणवदनगरश्रीशान्तिनाथादिबिंब प्रतिष्ठिता निज्जरसमयसुधारस
श्रीपार्श्वप्रतिष्ठान् सकलभट्टारकचक्रचक्रवर्त्ति श्रीजिनराजसूरिशिरशृङ्गा-
राप्तान् मुकुटोपमानप्रधानैः ॥

(११४५) पार्श्वनाथः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधर-
चोपडागोत्रीय सं० कचरा भार्या कडडिमदे चतुरंगदे पु० सं० अमरसी
भा० अमरादे पुत्ररत्न सं० आसकरणेन पितृव्य चांपसी भ्रातृ अमीपाल
कपूरचन्द स्वपुत्र ऋषभदास सूरदास भ्रातृव्य गरीबदासादिपरिवारेण
पितामही चतुरंगदे पुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतर-
गच्छाधिराजयुगप्रधान श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कारक सकलभट्टारक शिरस्ति-
लकायमान श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्वारप्रतिष्ठायक श्रीजिनराजसूरिसूरिविनायकैः ॥

११४४ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

११४५ मेड़तासिटी शान्तिनाथ मन्दिर

(११४६) मूलनायकः

प्र० भट्टारकप्रभु श्रीजिनराजसूरिभिः ॥ संवत् १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० कचरा भार्या कड्डिमदे चतुरंगदे पुत्र सं० अमरसी भा० अमरादे पुत्ररत्न सं० अमीपालेन-पितृव्य चांपसी वृद्धभ्रातृ सं० आसकरण लघुभ्रातृ कपूरचन्द स्वभार्यापि अपूरवदे पु० गरीबदासादिपरिवारेण श्रीअजितनाथविं० का० प्र० बृ० खरतरगच्छाधीश्वर श्रीजिनराजसूरिचक्रचक्रवर्तिभिः ॥

(११४७) धर्मनाथः

प्र० श्रीजिनराजसूरिसूरिचक्रवर्तिभिः । सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भार्या अमरादे पुत्र सं० आसकरणेन भा० अजाइवदे पु० ऋषभदास भा० रत्नावती श्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथविं० का० प्र० श्रीबृहत्खरतरगच्छाधिराज युग० श्रीजिनसिंहसूरिपट्टोत्तंस-श्रीजिनराजसूरिसूरिः ।

(११४८) सुमतिनाथः

प्र० श्रीजिनराजसूरिसूरिसार्वभौमैः । सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भा० अमरादे पुत्ररत्न सं० आसकरण भा० अजाइवदे पु० ऋषभदास कपूरदास प्रवरया श्रीसुमतिनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छाधिप-युगप्रधान श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कारक भट्टारकपुण्डरीक श्रीजिनराजसूरिसूरिदिनकरैः ॥

(११४९) चन्द्रप्रभः

सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भार्या अमरादे पुत्ररत्न सं० कपूरचन्द्रेण भार्या महिमादे श्रेयोर्थ श्रीचन्द्रप्रभवि० का० प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छानायक श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्वारप्रतिष्ठापक प्रतिष्ठितभाणवडनगरप्रवरसुधाभर-वर्षकश्रीपार्श्वदेव भट्टारकशिरोरत्न श्रीजिनराजसूरिभिः ॥

(११५०) मूलनायकैः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० अमरसी भा० अमरादे पु० सं० आसकरण अमीपाल कपूरचन्द्रेण श्रीसंभवनाथविं० कारितं स्वपरिवार-श्रेयोर्थ प्र० बृहत्खरतरगच्छे भट्टारक श्रीजिनराजसूरिभिः ॥

११४६ मेड़तासिटी अजितनाथ मन्दिर

११४७ " शान्तिनाथ मन्दिर

११४८ " " "

११४९ " " "

११५० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(११५१) श्रेयांसनाथः

सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ। सं० आसकरणेन भार्या अजायवदे पुत्र
सूरदासश्रेयोर्थ श्रीश्रेयांसविंशका० प्र० श्रीजिनराजसूरिभिर्बु० खरतरगच्छैः॥

(११५२) शान्तिनाथः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौः श्रोसवालज्ञातीय गणधरचोपडा-
गोत्रीय सं० लाखा भार्या लाडिमदे पु० वीरपाल भार्या वील्हादे
..... श्रीशान्तिनाथविंशकारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृह-
त्खरतरगच्छाधिप श्रीजिनराजसूरिसूरिसुंजयैः ॥

(११५३) जिनदत्तसूरिमूर्तिः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन पितृव्य चांप-
सी भ्रातृ श्रीमीपाल कपूरदास
श्रीजिनदत्तसूरिमूर्तिः कारिता प्र० भ० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११५४) जिनकुशलसूरिमूर्तिः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन भ्रातृ श्रीमी-
पाल कपूर-प्रभृतिभिः श्रीजिनकुशलसूरिमूर्तिः कारिता
प्र० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११५५) मूलनायकः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसराज भार्या अपूरवदे
पुत्र गरीबदासादिश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंशकारितं प्र० श्रीजिनराजसूरिभिः
सूरितिलकैः ।

(११५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६७७ व० जे० शु० १३ मेडतापुर वा० उ० झा० मांगा पुत्र सां० वैरा
भा० विमलादे सा० मेहाकेन श्रीचन्द्रविंशकारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे
भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदस्थापिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

(११५७) कुन्थुनाथः

सं० १६७७ व० वदि ३ दिने पीपराज वी० सा० तिलो-
कसी भा० मग्रादे नाम्ना श्रीकुन्थुनाथविंशका० प्र० श्रीतपागच्छे भट्टारक
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११५१ जयपुर-पञ्चायती मन्दिर

११५२ मेड़तासिटी शीतलनाथ मन्दिर

११५३ " शान्तिनाथ मन्दिर

११५४ " " "

११५५ जयपुर स्टेशन मन्दिर

११५६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्व नाथ मन्दिर

११५७ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

(११५८)

॥ संवत् १६७८ वर्षे मिगसर सुदि १४ प्राग्वाट श्री
 तपापक्षीय पातसाहि श्रीअकच्चरप्रतिबोधक तद्वत्तपाणमा-
 सिजीवाभयदानदायक भट्टारकपुरंदर श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरि भ०
 श्रीविजयसेनसूरि भ० श्रीविजयदेवसूरिराद्यैः ॥

(११५९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीपरिकरे

॥ ॐ ॥ स्वस्ति श्रीमन्तृपविक्रमार्कसमयातीत संवत् १६७८ वर्षे माघ
 मासे शुक्लपक्षे पञ्चमीतिथौ श्रीस्तम्भतीर्थे वेलाकुलवास्तव्य वृद्धशाखीय
 प्राग्वाटज्ञातीय दोसी वस्ता भा० वल्हादे पुत्ररत्न दोसी वाच्छा नाम्ना
 स्वपितृश्रेयोर्थं भार्या वाई वीरादे पवित्रपुत्र दो० अमरसी दो० देवसी
 दो० चांपसी दो० मोहनसी प्रमुखपुत्रपौत्रादिसकलपरिवारयुतेन श्रीमत् ॥
 श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भट्टारकपुरन्दर भ०
 श्रीहीरविजयसूरिपट्टोदयाचलसहस्रकिरण भट्टारक श्रीश्रीश्रीविजयसेन-
 सूरिश्वरपट्टालङ्कार भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ महोपाध्याय श्रीधर्म-
 सागरगणेशिष्यमुख्यपंडितोत्तम श्रीश्रुतसागरगणयः प्रणमन्ति ॥ नित्यं
 श्रीः स्तात् ।

(११६०) शान्तिनाथः

संवत् १६७९ वर्षे वै० शुदि २ शनौ अहिनगरवास्तव्य श्रीश्रीमाल-
 ज्ञातीय वृद्धशाखीय सं० जेठा भार्या दातविहा (?) राणा भा० रंगादे सं०
 जयतमाल भा० जसमादे सं० जोधा सं० गाम.....केन श्रीशान्तिनाथविंशं
 कारितं तपागच्छनायक भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं च
 शुभंभवतु ।

(११६१) पार्श्वनाथः

.....सर्वभौमराजेश्वर राजाधिराज महाराज श्रीराजसिंह-
 विजयराज्ये.....वर्षे वैशाखमासे सितपक्षे.....भाषणसन्तानीय
 ऊकेशवंशे भांडागारिकगोत्रे भंडारी नगराज पुत्र भं० अमरा तत्पुत्र माना....
 ...रत्नचन्द्र नारायण नरसिंह सोमचन्द्र संगार अचलदास कपूरदासादि-
 परिवार.....के श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं आद्यपक्षीय श्री-
 बृहत्वरतरगच्छे भ० श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिन-
 सिंहसूरिभिः श्रीमज्ज..... ।

११५८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

११५९ जयपुर प्रतापमलजी ढढा गृहदेरासर

११६० मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

११६१ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

(११६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६७६ वर्षे आषाढ सुदि १३ गुरौ मेढतानगरवास्तव्य.....
भ० । उ० । सदे पुत्र को० दीपलुनेकेन श्रीपार्श्वविं० का० प्र० तपागच्छे
भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदस्थापित-श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ।

(११६३) संभवनाथः

संवत् १६८३ ज्येष्ठ वदि ३ सोमे । कडुआमतगच्छे । श्रीश्रीमाली
राईधन पुरा वा० कीकीकेन संभवविं० । कारिता तेजपालेन प्रतिष्ठितं ।

(११६४) संभवनाथः

॥ सं० १६८३ जेठ सुदि ३ सोमे कडुआमतगच्छे ॥ श्रीश्रीमाल०
राईधन भार्या । वा० कीकीके० संभवविं० कारिता तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

(११६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १६८३ वर्षे आषाढ वदि ४ गुरौ भिन्नमालवास्तव्य देवसी भा०
दाडिमदे पुत्र मानसिंघ भा० खेतसीयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविं० का०
प्र० त० गच्छे भ० श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(११६६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् ८२ वर्षे फागण वदि ८ सोमे उकेशज्ञातीय चो । नरसिंघ
भार्या नवलादे पुत्र । चो । अगरसी । धर्मसी प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीमुनि-
सुव्रतविं० कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे । श्रीविजयसेनसूरिभिः संवत् १६८२
वर्षे—

(११६७) सुमतिनाथः

मं० १६८३ वर्षे मं० जयराज भा० मनोहरदे नाम्ना सुमतिविं० का०
प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११६८) ऋषि-पादुका

संवत् १६८४ वर्षे वैशाख वदि ७ गुरौ श्रीविजयगच्छे भ० श्रीउदय-
सागरसूरितत्पट्टे भ० श्रीज्ञानसागरसूरि । ऋषि श्रीपदार्थजीपादुके प्रति-
ष्ठितं माघ सुद स० ५ ।

११६२ अजमेर गौड़ी पार्श्वनाथ मन्दिर

११६३ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

११६४ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

११६५ अजमेर आदीश्वर मन्दिर

११६६ चाडसु आदीश्वर मन्दिर

११६७ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

११६८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(११६६) कुन्धुनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ-वदि १० सोमे सं० हर्षा भा० रंगादे पु०
सं० जीवराज भा० राजदे पु० सं० जिणदासकेन श्रीकुन्धुनाथविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्री ६ भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७०) धर्मनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ-वदि १० सोमे प्राप्ते चागोत्रे उकेशज्ञातीय
सं० हर्षा भा० रंगादे पुत्र सं० जीवराज भा० राजदे तत्पुत्र जिणदासकेन
श्रीधर्मनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(११७१) कमलबन्ध-

संवत् १६८४ वर्षे मा० सुदि ८ सोमे श्रीमेडतावास्तव्य उकेशज्ञातीय
भं० भयरव भार्या सुहागदे पुत्र भं० प्रवर नवीरदास भा० हर्षमदे पुत्र
ऋषभदास अखयरज भा० श्रे० भा० वीरादे पुत्र अमरसी पुनो प्रमुख-
परिवारयुतेन स्वश्रेयसे चतुर्विंशतिजिनप्रतिमा कारितं कमलबन्ध
प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः । आ० श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ।

(११७२) कुन्धुनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे सं० जशवंत भा० जशवंतदे
नाम्न्या श्रीकुन्धुनाथविं वं कारितं प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७३) वासुपूज्यः

॥ संवत् १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे मे ..वरचाभृग.....
गोत्रे सं० हर्षा भा० वीरादे पुत्र सं० जीवराज भार्या सूरजदे पु० जिण-
दास भार्या जीवनदे पुत्र सं० इसरदास नाम्ना श्रीवासुपूज्यविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीविजयदेवसूरिभिः-॥

(११७४) शीतलनाथः-

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे प्राप्ते चागोत्रे उकेशज्ञातीय सं०
जीवराज भार्या राजा नाम्न्या श्रीशीतलनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे-
भट्टारिक श्री-५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११६६ मेडतासिटी वासुपूज्य मन्दिर

११७० " " "

११७१ अजमेर सभवनाथ मन्दिर

११७२ मेडतासिटी अजितनाथ मन्दिर

११७३ " महावीर मन्दिर

११७४ " " "

(११७५) मूलनाथः

॥ संवत्-१६८४-माघ सुदि-१०-सोमे-.....

.....श्रीधर्मनाथविंशं-कारितं प्रतिष्ठितं-तपागच्छे भ०- श्रीविजयदेव-
सूरिभिः॥

(११७६) आदिनाथः

श्रीआदीश्वर-॥ संवत्-१६८४-वर्षे-माघ-सुदि-१०-सोमे-सं०-
हरषा भा० मीसदे-तत्पुत्र-सिंघवी जशवंत भा० जशवतदे तत्पुत्र स० अच-
लदास अविचलः स० आसकर्ण-कारितं प्रतिष्ठितं-तपागच्छे भट्टारिक
श्रीविजयदेवसूरिभिः॥

(११७७) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे संवहारया सा०-मन तत्पुत्र-
सं० नेमीदास-भा० अमनदे-श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपा-
गच्छे भट्टारिक श्री-श्रीविजयदेवसूरिभिः॥

(११७८) अभिनन्दनः

॥ ॐ ॥ संवत् १६८६ वै०-शुदि-५ नागोरवास्तव्य उक्ते-
हादो पु० साजाकेन भा० पूरादे पुत्र तपात्रयली (?) श्रीअभिन-
न्दनवि० प्र० भ० श्री-.....॥

(११७९) कुन्धुनाथः

॥ सं० १६८६ वैशा० सु० ८ पालीवास्तव्य उक्ते बांठियागोत्रे
सा० सारंग भा० सोहीलालदे पु० सा० जयमल आत्मश्रेयसे कुन्धुनाथविंशं
का० प्र० तपा० भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः॥

(११८०) सुमतिनाथः

॥ स० १६८६ वैशा० सु० ८ महाराज श्रीगजसिंहविजयमानराज्ये-
श्रीमेडतानगरवास्तव्य ओसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे बाई पूरी नाम्न्या पु०
स० कर्मणादिसपरिवाराय श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छा-
धिराज भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदप्रतिष्ठाचार्य श्रीश्रीश्रीश्रीविज-
यसिंहसूरिप्रमुखपरिकर-परिकरिभिः॥

११७५ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर-

११७६ " " "

११७७ " " "

११७८ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

११७९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

११८० मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर -

(११८१) आदिनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १६८६ वर्षे वैशा० सु० ८ श्रीमेडतानगरवास्व्य ओस-
वालज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० तेजा भा० तेजलदे पुत्र वस्ता नाम्ना भा०
विसलादे पुत्र विमलचन्द्रेणादिसपरिवारेण श्रीआदिनाथविं स्वश्रेयोर्थ
कारितं प्रतिष्ठितं पालीनगरे तपागच्छाधिराज भट्टारक श्रीविजयदेवसू-
रिभिः स्वपदप्रतिष्ठिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिप्रमुखपरिकरपरिकरितैः ॥

(११८२) चिन्तामणि-पार्श्वनाथः

संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ सु० ४ गुरौ सं० हर्षा भार्या मनरंगदे पुत्र
सं० नेमीदास सं० सामीदास सं० विमलदासप्रमुखैः श्रीचिन्तामणिपार्श्व-
नाथविं का० प्र० च श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः । आचार्य
श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ॥

(११८३) जगवल्लभ-पार्श्वनाथः

॥ संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १३ गुरौ मेडता वा० सं० हर्षा भा०
मीरादे पुत्ररत्न सं० जयवंत भार्या सोहागदे नाम्ना स्वश्रेयसे श्रीजगवल्लभ-
पार्श्वनाथविं का० प्रतिष्ठापितं स्वप्रतिष्ठितायां प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजय-
देवसूरिभिः ॥

(११८४) मनमोहन-पार्श्वनाथः

संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि त्रयोदशी गुरौ सं० हर्षा भा० मीरादे
पुत्र सं० जशवन्तकेन श्रीमनमोहनपार्श्वनाथविं का० प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे
भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः । स्वपदस्थापिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ॥

(११८५) मूलनायकः

॥ सं० १६८७ व० ज्येष्ठ सु० १३ गुरौ सं० जसवंत भा० जशवन्तदे
पु० अचलदासकेन श्रीविजयचिन्तामणिपार्श्वनाथविं का० प्र० तपा०
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ॥

(११८६) हीरविजयसूरिमूर्तिः

॥ संवत् १६९० वर्षे जेठ वदि ११ दिने गुरुवारे ॥ श्रीहीरविजय-
सूरिविं कारितं श्रीसंघेन । पातस्याहि श्रीजहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुद्धारक
भट्टारक श्री १६ श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११८१ मेडतासिटी वासुपूज्य मन्दिर

११८२ " " "

११८३ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

११८४ " अजितनाथ मन्दिर

११८५ " पार्श्वनाथ मन्दिर

११८६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११८७) मुनिसुव्रतः

संवत् १६६१ वर्षे वैशाख शुदि १० गुरुवारे प्रतिष्ठितं भ० बीजा-
पतिगच्छे पूज्य श्रीगुणसागरसूरिजी श्रीधर्मपोषगच्छे श्रीकल्याणचंदसूरि
आचार्य श्रीकल्याणसागरगुरु उपदेशात् मालपुरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय
वृद्धशाखायां मुसलगोत्रे साह सीहा भार्या प्रतापदे सुत साह । नयण भार्या
नवरंगदे भ्रातृव्य सा० हरिकरण भा० हर्षमदे सुत सा । पीथा भा० जस-
मादे सुत सा । दमादर..... सु । गोपाल सा० नेमिदास स्वश्रेयसे श्रीजि-
नभवनसह श्रीमुनिसुव्रतविंव कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदेव-
सूरि' पंडित लब्धिचन्द्रगणि प्रणमति साह मुसलेन सूत्रधार डाहा'

(११८८) आदिनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६६३ व० ऋष० ना० विं । का । आ० खाख । नाम्नी तपा-
गच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११८९) धर्मेनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६६३ व० धर्मविंव का । वेलाकेन श्रीतपागच्छे १२ श्रीराघव
श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११९०) पार्श्वनाथः

सं० १६६४ वर्षे माघ सित ६ गुरौ श्रीपार्श्वनाथवि० आ० गांगवार
का० प्र० श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११९१) षट्चरणपादुका

॥ ॐ ॥ संवत् १६६५ वर्षे भाद्र वदि १० दिने रविवारे पुण्यनक्षत्रे
सोनीगोत्रे संघवी रायसिंघ भार्या सूरमदे तत्पुत्र सं० माहण संघवी वर्धमान
अमरसिंघ श्रीआदिनाथ पादुका कारितं प्रतिष्ठितं पं० तेजहंसगणिभिः ।
अमणसघाय कल्याणमस्तु । श्रीचन्द्रप्रभपादुका श्रीरस्तु श्री । श्रीशांतिनाथ
पादुके सातन (?) कल्याणमस्तु । श्रीनेमनाथ पादुकेभ्यो नमः । श्रीपार्श्वनाथ-
पादुकेभ्यो नमः । श्रीमहावीरपादुका कल्याणं ।

११८७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. मूलनायक

११८८ जयपुर प्रतापचन्दजी ढढा गृहदेरासर

११८९ " " " " "

११९० " " " " "

११९१ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११६२) कुन्धुनाथ पञ्चतीर्थः

— ॥ संवत्-१६६६ वर्षे मृगशिरः सुदि १० रवौ उपकेशज्ञातीय-लघुशाखायां
 चुरंगोत्रेः फुमाणोत्रेः बाई-जेलमदे-पुत्र-ठाकुरसी-साइसिंघ-श्रीकुन्धुनाथविं
 कासपितं श्रीतपागच्छे गुरु श्रीविजयदेवसूरितत्पद्वे विजयशिवसूरि प्रति० ।

(११६३) संभवनाथ-एकतीर्थः

— सं०-१६६७ वर्षे माघ-सित ६ गुरौ । संभवनाथविं । श्रा०-धर्माई
 का०-प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

-(११६४) पार्श्वनाथ-एकतीर्थः

सं०-१६६७ फा० सु० ५ वृद्ध श्रीमौली श्रीत्रेतन । दि० नव श्रीपा-
 र्श्वविं का० प्र० भ० श्रीविजयदेवसूरि

-(११६५) मूलनाथकसिंहासने

॥ सं० १६६८ वर्षे भा० शु० पूर्णमासी तित्थौ कृष्णशुद्ध वा० मोहन्तोत्त
 रायचंद त्रैलोक्यप्रसादपरिकरयुतेन श्रीपार्श्वनाथमूर्तिः सपरिकरः कारितः
 श्रीतपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिपट्टालङ्कारहार भट्टा० आचार्य श्री-
 विजयसिंहसूरीणांमुपदेशेन नित्यमंगलं ॥ शु० ॥

(११६६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १६६६ व० वै० सु० ६ दि० सर.....
 श्रीशान्तिनाथविं का० प्र० श्रीसरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिभिः ॥

-(११६७) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

— ॥ सं० १६६६ व० माघ-व० १ गुरौ द-नगर (१) श्रीचुहसंगो० श्रीय
 सा० तेजाकेन.....रोन श्रीसुविधिनाथविं कारितं प्र० भ० श्रीतपागच्छे
 श्रीविजयदेवसूरि आचार्य श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ।

११६२ नागोर वडा मन्दिर

११६३ जयपुर प्रतापमलजी ढढा गृहदेरासर,

११६४ मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

११६५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर. मूलनाथक

११६६ नागोर वडा मन्दिर

११६७ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छ उपाश्रय

(११६८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १६६६ व० फा० व० २ तिथौ सा० पुरुषाकेन शीतलनाथविंशं प्रतिष्ठितं गच्छे आचार्य श्रीविजयशान्तिसूरिभिः ॥

(११६९) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १७०० व० द्वि० चै० सित ऽ गुरौ गुलकुं डावा० सा० मेघा भा० मोहणादि सुत सा० नानजी नाम्ना श्रीमुनिसुव्रतविंश का० प्रतिष्ठितं तपाग-णाधिपति परमगुरु भट्टारक श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकार श्रीपातिसाहिश्री-जहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुद्धारि श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ श्रीतिलंगदेशे ॥

(१२००) कु थुनाथः

संवत् १७०० वर्षे माघ सित द्वादशी बुधे योधपुरवास्तव्य बृहदुकेश-ज्ञातीय मुहणोत सा० झुंगरसी भार्या कोडिमदे पु० सा० सकर्मणकेन जिणदास अखयराज सुतयुतेन श्रीकुन्थुनाथविंश कारितं । प्रतिष्ठितं तपा-गच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरि आचार्य श्रीविजयसिंहसूरिनिर्देशात् । उपाध्याय श्रीधर्मचन्द्र



११६८ नागोर बड़ा मन्दिर

११६९ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

१२०० लछमणगाढ़ ऋषभदेव मन्दिर

परिशिष्ट १

सम्बन्धित लेखों के आधुनिक प्राप्ति स्थान—

- अजबगढ़ मन्दिर २३८, ५६५ ।
- अजमेर संभवनाथ मन्दिर ५५, ११८ २३०, २५६, २७२, २७८, २६१, ३२६, ४१४, ४५२, ५६०, ५६५, ५७२, ५७४, ५६३, ६४६, ७४०, ८४४, ८६३, ६०३, ६०४, ६३५, ६८०, १०६८, ११५०, ११७१ ।
- अजमेर गौडीपार्श्वनाथ मन्दिर ६५२, ११०१, ११६२ ।
- अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर ६६७, ८५० ।
(वेद मुहूर्तों का)
- अजमेर आदीश्वर मन्दिर ११६५ ।
(भड़गतियों का)
- अजमेर विमलनाथ मन्दिर २३२, २६३ ।
(केसरगंज)
- अजमेर म्युजियम (मेग्जिन) १, ६, ८, १८, ३४, ३८, ३६, ४५, ६५४ १०२४, १०३८, १०४७, १०६६, १०६७, १०६८ ।
- अलाय शान्तिनाथ मन्दिर २१८, २२० ।
- आन्तरसूबा (गुजरात) वासु- २१५, २६२, ६७३, ६६० ।
पूज्यमन्दिर
- आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर १४८, १६३, २४६ २६६, ३३६, ३४८, ३४६, ३५०, ३५४, ३५८, ३६३, ४१३ ४१६, ४५१, ४७८, ५४८, ५६६, ६२४, ६२८, ६६४, ७००, ७२७, ८३२, ६४८, १००२ ।
- करमदी आदिनाथ मन्दिर २३५, ३६०, ३८३, ४६७, ४७३, ५३१, ५८३, ७१२, ६८५ ।
- किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्व- ६६, १६७, १७७, २३६, २६६, ३७२, ३७३, नाथमन्दिर ४५५, ४८२, ५२७, ५५४, ५६६, ५६२, ६३६,

६७६, ७०६, ७३५, ७६५, ७९८, ८३४, ८०६,
८२६, ८३१, ८६३, ८६३, १०१८, १०६२,
१०८६, १०८७, ११५६, ११७६, ११६५ ।

किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर ३१८, ३६६ ।

किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर ८५१, १०७५ ।

किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय १३६, १६०, २५४, २६४, ४१८, ४४८,
७२२, ८४३ ।

किसनगढ़ यति स्वरूपचंद जी ११, १४४, ७६३, ८५७, १००३ ।
का उपाश्रय

कुचेरा (जोधपुर) चिन्तामणि १०६४ ।

पार्श्वनाथ मन्दिर

कैकड़ी (मेरवाड़ा) चन्द्रप्रभ ५७, २१७, ४२७, ५१२, ७८८ ।
मन्दिर

कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ ६८, ६१, १००, १०१ १५७, २४०, २४४,
मन्दिर ३३४, ३७८, ३८७, ३६८, ४०६, ४३१,
४४६, ४८१, ५०६, ५५७, ५७६, ६४३,
६६५, ६६६, ७६८, ८००, ८२१, ८४०,
८८०, ८६६, ८२७, ८३४, ८५३, १०२१ ।

कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर ६७, १३७, १४६, ३४५, ३५६, ४११, ५२२,
५४०, ५८४, ५६०, ६२१, ६३५, ७६२, ८०५,
८६२ ।

कोटा माणिकसागर जी का १२६, २१२, २३४, २३७, २४८, २६५,
मन्दिर २८६, ३७१, ३८४, ४००, ४४४, ४७१,
४८७, ५०२, ५०३, ५४७, ६०४, ६३८,
६६२, ६६६, ७३०, ७३६ ७५५, ८६८,
८१०, ८२०, ८२६, ८६१, १०११ ।

कोटा सेठजी का गृहदेरासर ३००, ८६०, ८६१, १००७ ।

खजवाना (जोधपुर) धर्मनाथ ४३०, ६१६, १११६ ।
मन्दिर

खोह (जयपुर) चन्द्रप्रभ मन्दिर ६७४, ८६५ ।

- गलियाकोट संभवनाथ मंदिर १०३२, १०३३, १०३४ ।
- गागरहू (जयपुर) आदिनाथ १२६, २७०, ३३३, ३५५, ७२६, ७४७,
मन्दिर १००४, १००८, १००४ ।
- गोगुलाव (जोधपुर) कुन्थुनाथ ६६३ ।
मन्दिर
- गोविन्दगढ़ (जोधपुर) पार्श्व- ६६१ ।
नाथ मन्दिर
- चाडसू (जयपुर) आदिनाथ २१, ४०२, ५१०, ५३४, ६१२, ८१२,
मन्दिर ११६६ ।
- चाडसू (जयपुर) शान्तिनाथ २८८, ६४७, ६५२ ।
मन्दिर
- चोथ का बरवाड़ा (जयपुर) १५६, ३२५, ५६७, ८६२ ।
महावीर मन्दिर
- चन्दलाई (जयपुर) शान्ति- ४५२, ५३२, ६६०, ६२३, १०४६ ।
नाथ मन्दिर
- जड़ाऊ (जोधपुर) पार्श्वनाथ २७७, ५१६, ७७०, ८५६ ।
देरासर
- जयपुर पञ्चायती मन्दिर ४७, ७७, ८५, ८६, ६२, ६३, १२५, १३२,
१३३, १४१, १५४, १६५, १८७, १६७,
२००, २४१, २४७, ३०४, ३१४, ३१७,
३२७, ३४६, ३६५, ३७६, ३७६, ३८२,
३६६, ४०७, ४१०, ४३४, ४४१, ४४७,
५३३, ५५१, ५५३, ५७१, ५७५, ५६६,
६१५, ६१६, ६२३, ६२७, ६३२, ६३६,
६५६, ६८२, ६८६, ६६६, ७०१, ७१४,
७१६, ७३४, ७५६, ७५७, ७५८, ७८३,
७८७, ७६७, ८०६, ८१४, ८१५, ८१६,
८३७, ८५३, ८७४, ८६६, ६१६, ६४६,
६८६, ११००, ११३५, १०४०, १०५१,
११६१, ११६३, १०६४ ।
- जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर ८४, १४०, १५८, २२१, २७६, २८३, २६४,
३०६, ३३५, ३७५, ४०८, ४१२, ४७२,

५२८, ५२९, ५४९, ५६२, ५७८, ६७२,
 ६८५, ७४३, ७७६, ७९९, ८१७, ८३०,
 ८५७, ८८३, ८९०, ८९१, ९००, ९०५,
 ९११, ९१८, ९४२, ९६७, ९७४, ९७७,
 ९९७. १०१०, १०२३, १०२६, १०६३,
 १०७२, १०७३, १०८१ ।

जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर १८९, ४८०, ६११, ७२३, ८८४, १०२२ ।
 (श्रीमालों का)

जयपुर आदिनाथ मन्दिर २६०, ३३२, ६४४, ७९४, ८२८, ९०६,
 (नया मन्दिर) ९६०, १००१. १०२५, १०३५ ।

जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर २५, २९७, ४९२, ६३३, ८५८, ८७०, ८८२,
 १०६५, १०८५, ११०२ ।

जयपुर पार्श्वचन्द्र गच्छीय १४, ७६, २७९, ३८१, ४२८, ४३३, ४५०,
 (उपाश्रय) ४५८, ४६२, ७४१, १११७ ११९७ ।

जयपुर यतिश्यामलालजी का ७०९ ।
 उपाश्रय

जयपुर तीलाधरजीका उपाश्रय ५८० ।

जयपुर गुलाबचन्दजी ढढा ९४६ ।
 गृहदेरासर

जयपुर प्रतापमलजी ढढा गृह- ९४६ १०२०. १०४५, १०९७, ११५६,
 देरासर ११८८, ११८९, ११९०, ११९३ ।

जयपुर नथमलजी का कटला ७१३ ।

जयपुर पुंगलियों का मन्दिर ४०, ६३०, ८४३, १०१२, १०१६, ११५५ ।
 (स्टेशन पर)

जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर (घाट) ३४३, ३६२, ४२०, ५२५, ५५९, ६२५,
 ६४५. ६८७, ८३१, ११०५ ।

जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर (श्री- ६६, १०७, १२४, २५२, १०४३ ।
 मालों की दादावाड़ी)

जयपुर मोहनवाड़ी ८८९ ।

जूनिया (मिरवाड़ा) २८५, ३६७, ५४४, ६००, ६०५, ६८० ।

जोमनेर (जयपुर) चन्द्रप्रभ १६९, १९९, ८२९, ९८४ ।
 मन्दिर

भूँटा (जोधपुर) पार्श्वनाथ ४७५ ।

मन्दिर

टोडारायसिंह (जयपुर) नेमि- ६५, ८२, ८३, २३१, ४३६, ५८१, ६८४ ।

नाथ मन्दिर

डग (मध्यभारत) ऋषभदेव ६२०, ७०७, ७०८ ।

मन्दिर

डग (मध्यभारत) पद्मप्रभ ३३८ ।

मन्दिर

दांतरी (जयपुर) आदिनाथ ४६३ ।

मन्दिर

दाहोद (गुजरात) पार्श्वनाथ ३६१, ४७४, ५५८, ६६०, ७६७, ८८७,

मन्दिर १०१५ ।

धामनोद (मध्यभारत) ऋष- २५० ।

भदेव मन्दिर

नागोर बड़ा मन्दिर (ऋषभ- २, ७५, १०३, १०८, १८२, १८३, १८४,
देव जी का) २०८, २१३, २१६, २२३, २८०, २६३,

२६८, ३०१, ३१३, ३१५, ३२६, ३३०,

३४०, ३८५, ४१७, ४२२, ४३७, ४४३,

४४५, ४५६, ४७६, ४८६, ४८८, ४६४,

४६७, ५०५, ५१४, ५१८, ५४३, ५६३,

५७०, ५८५, ५८६, ६०१, ६०३, ६०७,

६०८, ६१८, ६४१, ६५०, ६५६, ६६१,

६६५, ७०३, ७१७, ७१८, ७२८, ७३१,

७४४, ७४८, ७५३, ७७१, ७७२, ७७३,

७७५, ७८०, ७८१, ७८५, ८१६, ८१८,

८४१, ८६६, ८८५, ८६७, ९०२, ९१०७,

९०८, ९१७, ९३३, ९४०, ९५१, ९५८,

९६१, ९६२, ९६६, ९८३, ९८८, १०१४,

१०३०, १०३६, १०४१, १०४२, १०४६,

११०८, ११०६, १११८, १११६, ११२०,

११२१, ११२२, ११२३, ११६२, ११६६,

११६८ ।

नागोर आदिनाथ मन्दिर (ही- २२२, ६१४, ७५१, ७६१, ७६२, ८७१,
रावाड़ी) ८७२, ९७२, ९६४, ९६५, ११२४ ।

- नागोर चौसठियाजी का मंदिर १३, १५१, १५५, १७३, १६४, २१४,
३८०, ५२०, ५३०, ६८८, ६६४, ६६४,
१११४, १११५, ११७८ ।
- नागोर शान्तिनाथ मन्दिर ७०, २८२, ३७४, ७०२, ८३६, ६२४, ६३० ।
- नागोर सुमतिनाथ मन्दिर ७४५, ७८४ ।
(वगीची)
- नागोर चन्द्रप्रभ मन्दिर (सम- ६०६ ।
दड़ियों का)
- नागोर दादावाड़ी १०२६ ।
- नागोर यति मुकनसुन्दरजी का १६, १३८, १०६३ ।
उपाश्रय
- नागोर यति गोपजी का उपाश्रय ६५६ ।
- नागोर महात्मा जेठमलजी का ८०६, ६१३ ।
उपाश्रय
- नागोला (मेरवाड़ा) कुन्थुनाथ ३४१ ।
मन्दिर
- पचेवर (जयपुर) धर्मनाथ मंदिर ५२४ ।
- पनवाड़ (जयपुर) महावीरमंदिर ३५१, ६५५, ७२५ ।
- पापड़दा (जयपुर) शान्तिनाथ ३, ४१, ५६, ८१, १२१, ५२६, ५७६, ६२८,
मन्दिर १००० ।
- पीपलिया (जोधपुर) शान्ति- ६६६ ।
नाथ मन्दिर
- वहेलार (गुजरात) अजित- १७१, ७१६ ।
नाथ मन्दिर
- बामणवास (जयपुर) सुमति- १४५, १०६० ।
नाथ मन्दिर
- विलाव (जोधपुर) शान्तिनाथ ४६३, ४६५ ।
मन्दिर
- वीवड़ोद (मध्यभारत) ऋष- ४४२, ४८५, ८५४ ।
भदेव मन्दिर
- बून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर ८०, १४७, १८१, २१०, २७१, ३२८, ४३८,
४६८, ५११, ५१३, ७०५, ७३८, ७५६,
७६४, ७७४, ६६८ ।

बून्दी ऋषभदेव मन्दिर ३६६, १०१३ ।

बैतेड (जयपुर) विमलनाथ ३७ ४२१, ६६८, ७४२, १०४८ ।

मन्दिर

भानपुरा (मध्यभारत) पार्श्व- ६६ ।

नाथ मन्दिर

भिनाय (मेरवाड़ा) केसरिया- ३०३, ३६२, ५०६, ५३६, ६१०, ६२६,

नाथ मन्दिर ७१०, ७८२, ८७७ ।

भिनाय (मेरवाड़ा) महावीर ४६, ११३, २६६, ३११, ३६३, ४०६, ४२४,

मन्दिर ५०४, ५७७, ६१६, ८४२, ८४६, ६४४ ।

भैंसरोडागढ़ (मेवाड़) ऋषभ- ३३, २०१, ३२३, ३३१, ४०१, ४३२, ४५७,

देव मन्दिर ४६०, ६४२, ६७१, ६७१, १०१७, १०७४ ।

महुवा (जयपुर) नेमिनाथ मन्दिर ११६, ४७६ ।

मसूदा (मेरवाड़ा) पार्श्वनाथ ६१३, ६६८, ११६०, ११६४ ।

मन्दिर

माउन्ट आबू द्वारिकानाथ ६७६ ।

मन्दिर

मालपुरा (जयपुर) ऋषभदेव ६२, ७६, ८८, १०५, १३१, १६२, १८५,

मन्दिर १६१, २११, २८६, २६०, ४०४, ४५६,

५६८, ७२४, ८६५, ६४७, ६८१, ११०३,

११६८ ।

मालपुरा (जयपुर) मुनिसुव्रत १०, २२, २३, २६, ४६, ६३, ६४, ८६,

मन्दिर ११४, १२०, १४२, १४६, १५०, १५३,

१७२, १८८, १६०, १६२, १६५, २०२,

२०६, २२४, २२५, २३६, २५१, २५७,

२५८, २६७, २६८, २७३, २८४, २६५,

३०५, ३०८, ३०६, ३१२, ३२२, ३३७,

३८८, ३६५, ४१५, ४२३, ४६६, ४८६,

५०८, ५५०, ५८८, ६३७, ६७०, ६८६,

७३७, ७६६, ७६६, ८२५, ८७५, ६२५,

६३२, ६३६, ६७५, १०७६, ११०७, ११५८,

११८६, ११८७, ११६१ ।

मुन्डावा (जयपुर) पार्श्वनाथ ३४२, ४४५, ६७८, ८६४।

मन्दिर-

मेढतारोड शान्तिनाथ मन्दिर ६३६।

मेढतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर २६, ३०, ३०७, ५३८, ७३३, ८२७, १०५६,
१०५७, १०५८।

मेढतासिटी युगादीश्वर मन्दिर ४२५, ४२६, ६८३, ७०४, ७५४, ६४५,
१००६, १०८३, ११४४, ११६७, ११८३,
११६६।

मेढतासिटी आदिनाथ मन्दिर ७८६, ६७६, ११२७, ११२८, ११२६, ११३०,
(तपागच्छीय) ११३१, ११३२, ११३३, ११३४, ११३८।

मेढतासिटी महावीर मन्दिर ५३६, ८७८, ६५६, ६८७, १००५, १०४०,
१०५३, १०५६, १०६०, १११२, ११३६,
११७३, ११७४।

मेढतासिटी वासुपूज्य मन्दिर ७४६, १०७८, १०७६, ११११, ११६६,
११७०, ११८०, ११८१, ११८२।

मेढतासिटी कुन्धुनाथ मन्दिर १११०, ११३६।

मेढतासिटी अजितनाथ मन्दिर ११४६, ११७२, ११८४।

मेढतासिटी शान्तिनाथ मन्दिर-१०६६, ११२६, ११४३, ११४५, ११४७,
(खरतरगच्छ) ११४८, ११४६, ११५३, ११५४।

मेढतासिटी शान्तिनाथ मन्दिर ३५, ६७, १७४, २०४, ३१०, ३५७, ८११,
(उपकेशगच्छीय) ८४७, ८४६, ६४१, ६६५, ६७८, ६६८,
१०५१, १०५२, ११०६, १११३, ११५७।

मेढतासिटी चिन्तामणि पार्श्व- २०५, ४६१, ७१५, ७५०, ८६६, ६६६,
नाथ मन्दिर १०१६, १०३७, १०६१, १०६६, १०७७
१०६४, १०६५, १०६६, ११०४।

मेढतासिटी धर्मनाथ मन्दिर १४३, १६८, २२७, ४७७, ४८३, ५७३
८४८, ८८६, ६३८, ६५०, ६७०, ६८६,
१०७१, ११४१, ११४२, ११७५, ११७६,
११७७।

मेढतासिटी शीतलनाथ मन्दिर ११४२।

मेढतासिटी कुन्धुनाथ मन्दिर १०५४, १०५५, १०८०।

(तपागच्छीय उपाश्रय)

लछ्मणगढ़ ऋषभदेव मंदिर १२०० ।

वजीरपुर (जयपुर) मल्लिनाथ १०८६ ।

मन्दिर

वरखेड़ा (जयपुर) आदिनाथ ५३५, ६५३, ८६४ ।

मन्दिर

वहियल (गुजरात) पार्श्वनाथ ५८७, ६५५ ।

मन्दिर

सरधना (मध्यभारत) पार्श्व- ५०, ८२३ ।

नाथ देरासर

सवाई माधोपुर (जयपुर) वि- ७४, १२८, १३६, १६१, १८६, २१६, २२८
मल्लनाथ मन्दिर २५३, २५६, २६६, ३१६, ३५२, ३६४,
३६६, ३८६, ४२६, ४३६, ४६६, ४६६,
५००, ५१७, ५६४, ६०२, ६३१, ६७५
७४६, ७५२, ७६१, ८०२, ८३६, ८४५,
८६३, ८७३, ६७३, ६८२, ६६२, १०८२,
१०८८ ।

सागोदिया (मध्यभारत) ऋष- १८०, ७३२ ।

भदेव मन्दिर

साथां (जयपुर) पार्श्वनाथ २४५, ३२०, ३८६, ६६३, ७८६, ६७६ ।

मन्दिर

सांगानेर (जयपुर) चन्द्रप्रभ ३५६, ३६१, ५६७, १०४०, ११२५ ।

मन्दिर

सांगानेर (जयपुर) महावीर ५, २७, ३१, ४३, ५१, ५२, ७२, ८७, ६८,
मन्दिर १०२, ११०, १११, १२७, १३४, १३५,
१७८, १६३, १६६, २२६, २३३, २४३,
२४६, २५५, २६१, २७५, २८१, ४०३,
४३५, ४५४, ४६०, ४६५, ४६६, ४८४,
४६८, ५१५, ५१६, ५३७, ५४१, ५४२,
५५५, ५५६, ५६४, ५६६, ६२२, ६२६,
६७७, ७७७, ७७६, ८०१, ८१३, ८२०,
८२६, ८५५, ८८१, ८८८, ६०१, ६२२,
१०४४ ।

सांगानेर (जयपुर) दादावाड़ी १०७० ।

सांभर (जयपुर) पार्श्वनाथ ७२०, ७२६, ८०७, ८२४, ८३८ ।

मन्दिर

सिरोही आदिनाथ मन्दिर ४, १५, ३६, ४२, ५३, ५४, ५६, १०६ २०६, ।

सिरोही अजितनाथ मन्दिर ७, ६, १२, १७, १६, २०, २८, ३२, ४४,
६०, ६०, ११२, ३०२, ३२४, ४७०, ४६१,
५२१, ५२३, ६०६, ६४६ ।

सिरोही भैरुपोल जैन मन्दिर ७८, ६६, ६५१,

सेमलिया (मध्यभारत) शान्ति- १६८, १७६, ३७७, ५६१, ७६० ।

नाथ मन्दिर

सैलाना (मध्यभारत) ऋषभ- ४१६, ८३५ ।

देव मन्दिर

सैलाना (मध्यभारत) मुनिसु- २४, २०३, ५०१, ५०७, ६३४, ८२२, ६६६ ।

व्रत मन्दिर

सोजतरोड (जोधपुर) पार्श्व- ५८२ ।

नाथ मन्दिर

हरसूली (जयपुर) पार्श्वनाथ ६४, १७०, ७७८, ७६०, १०२८ ।

मन्दिर

हिन्डोन (जयपुर) श्रेयांसनाथ ७१, २२६, ६६७, ८०८, ८३३, ६१५,
मन्दिर १०६१, १०६२ ।

परिशिष्ट २

—लेखों में आये हुए गच्छों के नाम—

अञ्जलगच्छ

१६०, १७१, १७४, १६४, २०३, २८०,
२८१, २८७, २६६, ४४०, ४६०, ५१०,
५४७, ५६१, ५६६, ५६७, ६१७, ६३६,
६३८, ६४१, ६८८, ६६२, ७००, ७३१,
७४७, ७६२, ८१४, ८५८, ८८६, ९७४,
१००१, १००४, १०६५, १०८२, ११००,
११०१, ११०२।

आगमगच्छ

२१५, ४२०, ५३१, ५७२, ६३६, ७४५,
८८७।

उपकेशगच्छ

९४, १२६, १३१, १३७, २०४, २०५, २२०,
२२६, २५४, २७२, २६४, २६६, ३१६,
३२०, ३२७, ३४३, ३४४, ३६२, ३७१,
३६३, ४१०, ४१७, ४२४, ४३२, ४३५,
४३७, ४३६, ४७६, ४८१, ४८७, ४८८,
४६२, ४६७, ४६६, ५१५, ५३६, ५७१,
५८२, ५६३, ६०४, ६०७, ६४७, ६५०,
६७१, ६६३, ६६४, ७३०, ७४६, ८२२,
८२६, ८५४, ८६०, ९०३, ९०५, ९२५,
९३३, ९५३, ९८८।

कडुआमतिगच्छ

११६३, ११६४।

कृष्णार्षिगच्छ

२११, ३५१, ६४८, ७८२।

कृष्णार्षितपापक्ष

२४१ ४१६, ६५६, ७२२, ७८०।

कोमलगच्छ

७७०।

खडायथगच्छ

५६।

स्वरतरंगच्छ

६४, १५५, १५७, १७८, १६२, १६७, २००,
२०१, २०८, २५०, २५८, २७५, २७६,
२७७, २८५, २८६, २६८, ३००, ३१२,
३१३, ३३५, ३४०, ३६४, ३७४, ३७५,
३७६, ३७७, ३८०, ३६०, ३६६,
४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४१२, ४१३,
४१५, ४२५, ४२७, ४४५, ४५६, ४६२,
४६५, ४८३, ४६६, ५०८, ५१२, ५१३,
५१७, ५३२, ५३३, ५३४, ५३८, ५३९,
५४०, ५४३, ५७४, ५७५, ५८५, ५८६,
५६६, ५६७, ६१२, ६१३, ६२८, ६५१,
६५४, ६७६, ७०६, ७३४, ७३६, ७५७,
७७१, ७७२, ७७५, ७७६, ७७७, ७७८,
७६६, ८०३, ८०४, ८०६, ८०६, ८१७,
८५०, ८८०, ८८१, ८८२, ८८४, ८८८,
८६४, ९०७, ९१२, ९१६, ९२०, ९२६,
९२७, ९२८, ९३५, ९३८, ९३९, ९४०, ९४४,
९४८, ९६०, ९६५, ९७०, ९८२, ९८४, ९८६,
९६३, १००६, १०१३, १०२६, १०३७,
१०६१, १०६२, १०६३, १०६४, १०६६,
१०७०, १०७६, १०७७, १०७८, १०८०,
१०८१, १०८५, १०६४, १०६५, १०६६,
१०६६, ११०४, ११०६, ११२५, ११२६,
११२६, ११३२, ११४३, ११४४, ११४५,
११४६, ११४७, ११४८, ११४९, ११५०,
११५१, ११५२, ११५३, ११५४, ११५५,
११६१, ११६६ ।

स्वरतरंगधुकरगच्छ

८४८ ।

कोरटगच्छ

१३४, १५६, २२८, २८६, ३०८, ३१४,
३५६, ४०८, ४२३, ४७६, ६४५, ७६८,
८०१, ८५६, ८६८, ९३६ ।

चित्रापल्लीयगच्छ

८६ ।

चित्रावालगच्छ

३४६, ३७०, ३६७, ४३४, ५०५ ।

चित्रावाल धारापट्टीय
चैत्रगच्छ

६१३ ।

६२, १७५, २४६, ३२१, ३३८, ३५४, ४०३,
४८२, ४६८, ५५५, ६४२, ६६१, ७५६,
७८७, ८०५ ।

छहिरागच्छ

१०१० ।

जाखडियागच्छ

७७३ ।

जालोहरीयगच्छ

२३ ।

जीराउलागच्छ

८४५, ८६२ ।

जीरापल्लीगच्छे

२४५ ।

तपागच्छ

१५३, १८४, १६१, २०२, २०६, २१०,
२१४, २३७, २३८, २४०, २५२, २५६,
२६८, २७०, २७३, २८२, २८३, २८४,
२६२, ३०२, ३०७, ३१०, ३१६, ३२२,
३२३, ३२६, ३५८, ३६०, ३६५, ३८२,
३८५, ३८६, ३८८, ३६१, ४११, ४४२,
४५१, ४६१, ४६८, ४६६, ४७२, ४८६,
४६३, ४६४, ४६५, ५०१, ५०३, ५०६,
५१८, ५२२, ५२६, ५३५, ५४१, ५४२,
५५०, ५५४, ५५७, ५५८, ५६२, ५६३,
५६४, ५६५, ५६८, ५६६, ५७३, ५७६,
५८४, ५८६, ५६२, ५६८, ६०५, ६०६,
६०६, ६१०, ६१४, ६१५, ६१८, ६२०,
६२१, ६२४, ६३२, ६३३, ६३४, ६३५,
६४३, ६४४, ६४६, ६७०, ६७३, ६७८,
६७६, ६८६, ६६०, ७०४, ७११, ७१८,
७२७, ७२८, ७५०, ७५५, ७६४, ७६६,
७६८, ७८४, ७६०, ७६५, ८०२, ८०८,
८११, ८२७, ८३४, ८३७, ८३८, ८४७,
८६२, ८६७, ८६६, ८७७, ८६५, ८६६,
८६८, ८६६, ६०८, ६०६, ६१०, ६११,
६२६, ६४५, ६६३, ६६८, ६७७, ६६१,
६६२, ६६८, १००५, १००७, १०१२, १०१४,
१०१८, १०२२ ।

तपागच्छ

१०२३, १०२५, १०२७, १०३०, १०३५,
१०३६, १०४०, १०४२, १०४३, १०४४,
१०४७, १०४८, १०५०, १०५१, १०५३,
१०५४, १०५५, १०५६, १०५७, १०५८,
१०६६, १०६७, १०६८, १०७१, १०७५,
१०८३, १०८६, १०८७, १०८८, १०८९,
१०९७, १०९८, ११०३, ११०७, ११०८,
११०९, १११०, ११११, १११२, १११३,
१११४, १११५, १११७, १११८, १११९,
११२०, ११२१, ११२२, ११२३, ११२४,
११२७, ११२८, ११२९, ११३०, ११३१,
११३३, ११३४, ११३५, ११३६, ११३७,
११३८, ११३९, ११४०, ११४१, ११४२,
११५६, ११५७, ११५८, ११५९, ११६०,
११६२, ११६५, ११६६, ११६७, ११६९,
११७०, ११७१, ११७२, ११७३, ११७४,
११७५, ११७६, ११७७, ११७८, ११८०,
११८१, ११८२, ११८३, ११८४, ११८५,
११८६, ११८८, ११८९, ११९२, ११९३,
११९५, ११९७, ११९८, १२०० ।

डेकात्रीय

१४६ ।

द्विवन्दनीकगच्छ

१७३, ३७२, ६५२, ।

धारागच्छ

३६ ।

धर्मघोषगच्छ

११६, १६१, १८६, २१३, २१६, २३०,
२३३, २३४, २४३, २४४, २६०, २६६,
१६१, ३२६, ३४८, ३५२, ३५३, ३८६,
४०६, ४२२, ४४६, ४७४, ४८४, ५७७,
५८१, ५६०, ६२२, ६२६, ६६०, ६८१,
६८६, ६८८, ७०२, ७१५, ७२६, ७३५,
७३७, ७५८, ७६३, ८१८, ८०४, ८१५,
३१७, ८४२, ८४७, ८५८, ८५९, ८६४,
११८७ ।

नागरगच्छ

५७ ।

नागेन्द्रकुल (गच्छ)

२२, ५८, १५१, १६७, ३६६, ६६६, ८८३,
६३१, ६४६, ६५१ ।

नागोरी तपागच्छ

८६५, १०६२ ।

नाणकीयगच्छ

६८, ८६, १३६, ३०१ ।

(जानकीय)

३४६, ३८१, ४६७, ५१६, ६७५, ६६७,
७७६, ८३२, ८४२, ८७४, ६१४ ।

नाणावालगच्छ

७१३, ७८३, ८१६, ६३०, ६३२, ६३४, ६४३,
७१२, ६३७, ।

निवृत्तिगच्छ

पल्लीगच्छ,

१६२, १७७, १८३, २६१, २६२, २६७, ४३०,
७५६, ८६३ ६०१, ६५६, ।

पल्लीवालगच्छ

४७०, ७२०, ७२३, ८२३, ६७३ ।

पार्श्वद्रुहगच्छ

१०२१ ।

पिप्पलगच्छ

५५३, ७२३, ८१३ ।

पिप्पलगच्छे तलाजीय

७७८ ।

पिप्पलगच्छे त्रिभवीया

२१७, ६४०, ६७७ ।

पूर्णिमापक्षीय

१२५, १५६, १८५, २२३, ३०६, ३६७, ३६८,
४२८, ४४८, ४६०, ५०२, ५११, ५५२,
६०२, ६२७, ६५६, ६६७, ६८०, ६८३,
७१७, ७४०, ७४३, ७६६, ७६६, ८००,
८२४, ६०६ १००६ ।

पूर्णिमापक्षे कच्छोलीवाल

५२३, ६५७, ६८४, ६८५ ।

पूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय

५२१, ६६२ ।

पूर्णिमापक्षे वटपट्टीय

६२६ ।

ब्रह्माणगच्छ

३२, ११०, १३०, १३८, १६४, १६५, ४८०,
५०५, ५४४, ५४६, ५६५, ६०१, ६३७,
६६६, ७०७, ७०८, ८४५, ८४६, ६०० ।

वृहद्गच्छ

७०, ८०, १३६, २१२, २५७, २५६, २६६, ३२५,
३२८, ३३२, ३३३, ३४५, ४१६, ४५२,
४५३, ४६६, ४७१, ५४६, ६११, ६१६, ६५५,
६६५, ६६६, ७०१, ७०३, ७३८, ७४२,
७७४, ७६२, ७६७, ८१२ ८२०, ८२८,
८५६, ८६०, ८७०, ६०२ ।

बृहद्गच्छे जीनेरावटके	५१४, ।
बृहद्गच्छे जीरापल्लीगच्छ	५६४, ।
बृहद्तपा वृद्धतपा-	३७८, ५५६, ७१६, ७२६, ७४४, ७४६, ८६१, ८६६, ८७६, ६२१, ६५२, ६८७, ६८६, १०३२, १०३३, १०३४, ।
बोंकडीयागच्छ	३१५, ७१४, ७१६, ६१६, ।
बोंकडीया बृहद्गच्छ	७२५, ।
भावडार गच्छे	१६६, ३४२, ३६२, ३६३, ४०२, ४६३, ५२७, ५४५, ५७८ ५८३, ७३६, ७५१, ८१५ ।
भावदेवाचार्यगच्छ	२४ ।
भीनमालगच्छ	५०६ ।
मडाहडगच्छ	२१०, ६०३, ६७२, ७८८, ७८६, ८३१, ६७२ ।
मडाहडरत्नपुरीयगच्छ	२५३, ३३६, ८६१ ।
मलधारगच्छ	१८१, २३६, २४८, २६७, ३३०, ३३४, ३५७, ३८४, ४४६, ४४७, ४७३, ४८५, ५००, ५०४, ५१६, ५४८, ५५६, ५८०, ६२३, ६३०, ६६४, ६६५, ७१०, ७४८, ७५३, ७६७, ८३६, ६५०, ६७६ ।
राजगच्छ	३७६, ४४१, ४५८ ।
रामसेनीय	१८२ ।
रुद्रपल्लीयगच्छ	४०१, ४३८, ४५४, ४५५, ४५६, ५२०, ५७०, ६६६, ७४१, ८३०, ८४०, ८७३ ।
वायटगच्छ	७, १२ ।
विजयगच्छ	१०८६, १०६०, १०६१, ११६८ ।
विद्याधर गच्छ	६८८ ।
वीरागच्छ	४८ ।
वृत्राणा गच्छ	४२६ ।
वृद्धथारापद्रीय गच्छ	१६६, ६८७ ।
सतिशलि गच्छ (?)	८७५ ।
साधुपुरिमा	१५८, ३५६, ३६१, ७०६, ७६५ ।

सिद्धान्तीगच्छ	६६६ ।
सार्तरगच्छ	१८६ ।
सुर्विहितपत्त	१०११ ।
सोधमगच्छ	१०७४ ।
संडेरगच्छे	४६, ७६ ६७, ६८, १४०, १६६, १६८, २२७, २६३, २६५, ३०३, ३०४, ३११, ३१८, ३४७, ३५०, ३६५, ४४०, ४६४, ४६१, ५२४, ५२८, ६००, ६७४, ७६३, ७८६, ७६४, ८२१, ८४६, ८८५, ८६३, ९१८, ९४६, ९६१, ९६६, ९७१, ९८३ ।
दुर्पपुरीयगच्छ	८७६ ।
हारीजगच्छ	१७० ।

—लेखस्थ दिगम्बर संघों के नाम—

काष्ठासघ	७३, १३३, १४१, २७६, ३८३, ८३३, ५५१, ६२५, ६६६, १०८४ ।
देवसेनसंघ	८७१, ८७२ ।
नन्दितटगण	२७६, ५५१ ।
नन्दिसंघ	२०७, २७८ ।
बलान्कारगण	२०७, २७८, १०१५ ।
वागडगच्छ	३८३, ५५१ ।
माथुरसंघ	३४, ३८ ८३३ ।
मूलसंघ	३७, ४५, ७४, ११७, १२०, १८७, २०७, २२६, २७८, ३३१, ६६२, ७३२, ७६१, ८५१ ६५७, १००३, १०१५, १११७, १०१६, १०२४, १०२६, १०२८, १०३८, १०४६, १०७२, १०७३ ।
लाडवागडसंघ	३६, १३३ ।
सरम्भतीगच्छ	२०७, २२६, २७८, ८५१, १०१५ ।

परिशिष्ट ३

लेखस्थ आचार्य व मुनियों के नाम—

अकलङ्कसूरि	४६।
अजितदेवसूरि	६२।
अनन्तहंसगणि	६४५।
अभयदेवसूरि	१६२।
अभयभद्र	४०।
अमरचन्द्रसूरि	६७, ६२, २६३, ३३६, ८१३।
अमरदेवसूरि	७५६।
अमरप्रभसूरि	३८७, ४६६।
अमररत्नसूरि	६३६, ७४५।
अमरसिंहसूरि	२१५।
आणदमेरु	८६१, ८६२।
आणंदरत्न	१०३२, १०३४।
आणदविमलसूरि	६६२।
आनन्दप्रभसूरि	१०५।
आमदेवसूरि	१६२।
इन्द्रनन्दिसूरि	८६६, ८६५।
ईश्वरसूरि	५२४, ५२८, ६००, ७८६, ८६३, ६६६।
उदयचन्द्रसूरि	५६४, ८५५, ८६२।
उदयप्रभसूरि	४२६, ५२५, ५४४, ६६६, ८४६।
उदयसागरसूरि	८६१, ८७६, ६२१, ११६८।
उदयाकरसूरि	४६८।
उद्योतनसूरि	७०।
उज्जोअणसूरि	७५६, ८२३, ८६३, ६०१, १०२१।
ककसूरि	१२६, १३४, १३५, १५६, २०४, २२८, ३४३, ३४४, ३६२, ३७१, ३६३, ४१०, ४१७, ४२३, ४२४, ४३२, ४३५, ४३७, ४३६, ४४३, ४७६, ४८१, ४८७, ४८८, ४६२, ४६७, ४६६, ५१५, ५३६, ५७१, ५८२, ५६३, ६०४, ६०७, ६४५, ६४७, ६५०, ६७१, ८२६, ८४३, ८५४, ८६४, ६७८, ६७६।

ककुदाचार्य	२२०, २७२, २६६, ३४३, ३४४, ४२४, ४३५, ४४३, ४८१, ४८७, ४८८, ४६७, ५१५, ५३६, ५७१, ६०४, ६०७, ६४७, ६५०, ७३०, ७४६, ७८५, ६०५, ६२२, ६२३ ६५३।
कमलकलशसूरि	८६६, ६१०
कमलचन्द्रसूरि	२१२, ६५६, ७७३।
कमलप्रभसूरि	५०२, ५१४, ६५५।
कमलाकरसूरि	१२७।
कल्याणचन्द्रसूरि	११८७।
कल्याणसागरसूरि	१००१, ११००, १००१, ११०२, ११८७।
कालिकाचार्य	४६३, ७३६।
क्षमासुन्दर	३७३।
क्षेमरत्नसूरि	६६६, ७५८
क्षेमहंससूरि	४६८।
गुणकीर्तिसूरि	३५७, ६५०।
गुणचन्द्रसूरि	८३।
गुणदेवसूरि	१७५, २३१, ७२३।
गुणधीरसूरि	७६६।
गुणनिधानसूरि	७४८, ७५३ ७६७, ८३६, ८७६।
गुणप्रभसूरि	११६, ८२०।
गुणभद्रसूरि	२७४।
गुणमेरुसूरि	१००६।
गुणशेखरसूरि	११४, २६१।
गुणसमुद्रसूरि	३६६, ७६६।
गुणसागरसूरि	३६६, ५२३, ८३६, ८७८, १०८६, १०६०, ११८७।
गुणसुन्दरसूरि	३३०, ३३४, ३८४, ४४६, ४४७, ४७३, ४८५, ५००, ५०४, ५१६, ५४८, ५५६, ५८०, ६२३, ६२६, ६३०, ६६४, ६६६, ६६५, ७१०, ७४१, ७५३, ८७३, ८७६, ६७६।
गुणाकरसूरि	१६७, ३४६, ५०५, ५५५, ६४२, ८०५।
ज्ञानचन्द्रसूरि	११५, ५४६, ७६२, ७६७, ८७०।
ज्ञानरत्न	१०३२।

ज्ञानसागरसूरि	७१६, ७४४, ११६८ ।
चन्द्रकीर्तिसूरि	१०६२ ।
चन्द्रप्रभसूरि	२५६, ७२३, ७७० ।
चारित्रचन्द्रसूरि	६६२ ।
चारित्रभूषण	८६७ ।
चैत्रसूरि	६०२ ।
जयकल्याणसूरि	६२६, ६७७ ।
जयकान्तिसूरि	२८१ ।
जयकीर्तिसूरि	२८७, २६६, ७६२ ।
जयकेसरीसूरि	२८०, ४५०, ४७५, ५१०, ५४७, ५६१, ५६६, ५६७, ६१७, ६३६, ६३८, ६४१, ६८८, ६६२, ७००, ७३१, ७४७, ७६२, ८१४ ।
जयचन्द्रसूरि	३६०, ३६५, ३८८, ३६१, ४४२, ५२१, ५२६ ।
जयतिलकसूरि	१७२ ।
जयप्रभसूरि	३०६, ७२४, ७६६ ।
जयभद्रसूरि	३०६, ३६७, ४४८, ५११, ६६७, ६८२, ७६६ ।
जयमंगलसूरि	३३६ ।
जयशेखरसूरि	२२१, २३०, ४१६, ७६५ ।
जयसिंह	१०३२, १०३४ ।
जयसिंहसूरि	२४१, ४१६ ।
जयानन्दसूरि	३२१ ।
जाजिगसूरि	११२ ।
जिनकुशलसूरि	१०२६, १०७०, १०७६, ११३४ ।
जिनचन्द्रसूरि	१२४, १२५, २५८, २८५, २८६, ३१३, ३३५, ३६४, ४०७, ५३२, ५३३, ५३४, ५३८, ५३९, ५४०, ५७४, ५८५, ५८६, ६१२, ६५१, ६५४, ७०६, ७५७, ७७१, ७७२, ७७५, ७७६, ७७७, ८०३, ८०४, ८०६, ८०६, ८१७, ८२६, ८३५, ८६०, ८६५, १०१३, १०३७, १०६२, १०६३,

१०६४, १०६६, १०७०, १०७६, १०७७,
१०७८, १०८०, १०८१, १०८५, १०६४,
१०६५, १०६६, १०६६, ११०४, ११०६,
११२५, ११२६, ११२६, ११३२, ११४३.
११४४ ।

जिनतिलकसूरि

४५४, ४६५, ५७५ ।

जिनदेवसूरि

२४६, ४८२, ५४५, ५८३, ७३६, ७५१,
१०३७, १०६१, १०६६, १०७७, १०६४,
१०६५, १०६६, ११६१ ।

जिनधर्मसूरि

४५६ ।

जिनप्रभसूरि

४६५, ५७५, ६६० ।

जिनभद्रसूरि

२५०, २५१, २७६, २७७, २६८, ३००,
३३७, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३८०,
३६०, ३६६, ४०४, ४०५, ४०६, ४१२,
४१३, ४१५, ४२५, ४६२, ४८३, ४६६,
५०८, ५१२. ५१३, ५१७, ५३२, ५३३,
५३४, ५३८, ५७४, ५८६, ६१२, ६५४,
७०६, ७५७, ७७१, ७७५, ७७६, ७७७,
८०३, ८०४, ८१७, ८८८, ११४३ ।

जिनमाणिक्यसूरि

६८२, १००६, १०६२, १०६३, १०८१,
११२५, ११२६ ।

जिनरत्नसूरि

७४६ ।

जिनराजसूरि

१७८, २७५, ३००, ३८०, ४०१, ६२६,
११२६, ११४३, ११४५, ११४६, ११४७,
११४८, ११४६, ११५०, ११५१, ११५२,
११५५ ।

जिनवर्द्धनसूरि

१६२, १६७, २००, २०१, २०८, २५८,
३१३ ।

जिनशीलसूरि

६६३ ।

जिनशेखरसूरि

४५६ ।

जिनसमुद्रसूरि

७७८, ८०६, ८८१, ८८२, ८८४, ६०७,
६३६, ६४८, ६८०, ६८२, १०६५, १०६६,
११६१ ।

जिनसागरसूरि	२८६, ३०६, ३१२, ३१३, ३३५, ३४०, ३६६, ४१३, ४२५, ४२७, ५४३, ८५२, ८८०, ८८८, ६२०, ११२६, ११२६, ११४३, ११५३, ११५४ ।
जिनसाधुसूरि	६६७।
जिनसिंहसूरि	१०३७, १०६४, १०६६, १०७७, १०७८, १०८०, १०६४, १०६५, १०६६, १०६६, ११०४, ११२५, ११२६, ११२६, ११४३, ११४४, ११४५, ११४७, ११४८, ११६१, ११६६ ।
जिनसुन्दरसूरि	२८५, ५६६, ५६७, ८५२, ८६६, ८६४, ६२० ।
जिनहर्षसूरि	५६६, ५६७, ६१३, ६२८, ७३४, ७३६, ७६६, ८५२, ८८०, ८६४, ६२०, ६६५, ६८४ ।
जिनहंससूरि	४०१, ६०७, ६१२, ६१६, ६२७, ६२८, ६३८, ६३६, ६४०, ६४४, ६४८, ६७०, ६८०, ६८६ ।
जिनेन्द्रसूरि	८४ ।
जिनेन्द्रप्रभसूरि	७२ ।
जिनेश्वरसूरि	५७, १५५ ।
जिनोदयसूरि	१५७ ।
जीवदेवसूरि	६३१ ।
जीवरत्नसूरि	१०८२ ।
तेजपाल	११६३, ११६४ ।
तेजरत्नसूरि	१०१४, १०३२, १०३३, १०३४, १०८२ ।
तेजहंसगणि	११६१ ।
दयासूरि	६७२ ।
देवकीर्ति	१०६२ ।
देवगुप्तसूरि	१३१, १३७, १६०, २०५, २१८, २७१, ६६३, ६६४, ७३०, ७४६, ७८५, ८२५, ८२६, ८४१, ८६०, ६०३, ६०५, ६२३, ६२५, ६५३ ।

देवचन्द्रसूरि	४७, १४८ ।
देवरत्नसूरि	५७२, ८५५, १०३३ ।
देवसुन्दरसूरि	१७६, १८४, १६१, २३७, ५२०, ५७०, ७४१, ७८७, १०३१, १०३२, १०३४ ।
देवसूरि	५०६ ।
देवभद्रसूरि	६२ ।
देवपालसूरि	५० ।
देवप्रभसूरि	६६ ।
देवेन्द्रसूरि	६७, १४४ ।
धनदेवसूरि	१८२ ।
धनप्रभसूरि	७०१ ।
धनरत्नसूरि	६८७, १०३२, १०३३, १०३४ ।
धनेश्वरसूरि	६८, ५८८, ६७५, ६६७, ७१३, ७७६, ७८३, ८१६, ८३२, ८७४ ।
धर्मचन्द्रसूरि	२५३, ३३६ ।
धर्मतिलकसूरि	१५८, ३१५, ४१८ ।
धर्मघोषसूरि	६६, ८८ ।
धर्मदेवसूरि	१४२, १८२ ।
धर्मप्रभसूरि	२१७ ।
धर्ममूर्तिसूरि	८४, १०१०, १०११, १०६५ ।
धर्मशेखरसूरि	३६८, ३७३ ।
धर्मसागर उ०	११५६ ।
धर्मसागरसूरि	५६८, ६४०, ६७७ ।
धर्मसिंहसूरि	२६६ ।
धर्मसुन्दरसूरि	६२२, ८१८, १००६ ।
धर्मसुन्दरगणि	१००६ ।
धर्मसुन्दरसिद्धसूरि	८२२, ८४३, ८५४ ।
धर्मसूरि	१०७, ११५, २७४, १००४ ।
धुरसूरि	६८६ ।
नन्नसूरि	२२८, ४०८, ४७०, ६६८, ७२०, ७२१, ७६८, ८५६, ६३६ ।

नन्दीवर्द्धनसूरि	६०४, ६१५, ६४२, ६४७, ६५८, ६५९, ६६४, १०४७ ।
नयचन्द्रसूरि	३५१, ६०३, ७८२, ७८८, ८३१ ।
नयविजय	१०७५ ।
नरचन्द्रसूरि	८६ ।
नेमिचन्द्रसूरि	१४७ ।
पद्मचन्द्रसूरि	१५१ ।
पद्मदेवसूरि	१३८ ।
पद्मप्रभसूरि	६६, १४६ ।
पद्मशेखरसूरि	२१३, २१६, २३३, २३४, २४३, २६६, २६१, ३२६, ३५३, ५८१, ७१५, ७३५ ।
पद्माणंदसूरि	३२८, ३७६, ४२२, ४४१, ५२६, ५८१, ६२६, ६६६, ६६८, ७०२, ७१५, ७३५, ७६१, ६०४, ६१५, ६४७, ६५८, ६५९, ६६६ ।
परमानन्दसूरि	८० ।
पार्श्वचन्द्रसूरि	५२१, ६८६ ।
पासढसूरि	८७५ ।
पासभद्रसूरि	१३६ ।
पासरत्नसूरि	७५८ ।
पुण्यचन्द्रसूरि	७०६ ।
पुण्यदेवसूरि	२४६ ।
पुण्यप्रधान	१०७८, १०८०, १०८१, ११२५ ।
पुण्यप्रभसूरि	२११, २४१, ८५६, ६८१ ।
पुण्यवर्द्धनसूरि	७२१, ७३३ ।
पुण्यरत्नसूरि	६३३, ७३३, ७४३, ७८० ।
पुण्यहंससूरि	७८० ।
पूर्णचन्द्रसूरि	६६, २१४, २८२, ३२२, ३८२, ५१८, ५२२, ५४१, ५४२, ७०६, ८६१ ।
प्रद्युम्नाचार्य	५ ।
प्रज्ञातिलकसूरि	६५ ।
प्रमानन्दसूरि	८२ ।
प्रसन्नचन्द्रसूरि	७८२ ।

प्रेमप्रभसूरि	६६५ ।
बुद्धिसागरसूरि	१३०, १६५, ६०१, ७०७, ७०८, ८४५, १०० ।
भद्रेश्वरसूरि	८६ ।
भानुचन्द्रगणि	११०७ ।
भावदेवसूरि	७६, ३६३, ५७६, ५८३, ७३६, ७५१, ८००, ८०१, ८१५ ।
भाववर्द्धनगणि	८८६ ।
भावसागरसूरि	४६०, १०१०, १०११ ।
भावसुन्दरसूरि	६७२, ६६६ ।
मणिकुन्दरसूरि	८५३ ।
मणिसागरसूरि	१६३ ।
मतिसागरसूरि	१८१ ।
मणिसुन्दरसूरि	४५२ ।
मनकसूरि	६७२ ।
मनसिंहसूरि	६०६ ।
मलयचन्द्रसूरि	१०३, १८६, २१३, २१६, २४३, ७१४, ७१६, ७२५, ८२६, ८५३, ६१६ ।
मल्लवादी	२२ ।
महीतिलकसूरि	२०३, २४४, २६०, ३४८, ३५२, ३८६, ५३०, ५७७, ५६० ।
महेन्द्रसूरि	५२, ८६, १०५, ११८, ४६७, ४७१, ६४३ ।
महेश्वरसूरि	६५६, ६७३ ।
माणिक्यसूरि	१५० ।
मानसागरसूरि	७२६ ।
मुनिचन्द्रसूरि	६५, ६६, ४८०, ५४६, ६१६, ६६२ ।
मुनितिलकसूरि	३२१, ३५४, ३७०, ३६७, ४०३, ५०५, ३४५, ६०२ ।
मुनिदेवसूरि	३४५, ६०२ ।
मुनिप्रभसूरि	२१०, ८४८ ।
मुनि रत्नसार	३६४ ।
मुनिसुन्दरसूरि	४३६, ४६१, ४६६, ५२६, ५३५, ५५४, ५६२, ५७६, ८६२ ।
मुनीश्वरसूरि	२५७, २५६, ३२५ ।
मेरुतुङ्गसूरि	१७१, १६४ ।

मेरुप्रभसूरि	७०३, ७४२, ७७४, ८२८, ६०२ ।
मेरुविजय	१०६० ।
यशोकुशल	१०७० ।
यशोदेवसूरि	२५५, २६१, २६२, ४३०, ७२०, ७२१ ।
यशोभद्रसूरि	६७, १११, १६८, ३०३, ५२४, ५२८, ६७४, ८४६ ।
रत्नकीर्तिसूरि	६६४, ६६५ ।
रत्नचन्द्रसूरि	४६६ ।
रत्नदेवसूरि	४८२, ७५६ ।
रत्नप्रभसूरि	६६, १६३, १७३, २५७, २६५, ३२५, ३३२, ३३३, ३६६, ७५१ ।
रत्नसिंहसूरि	५४, ३७८, ५५६ ।
रत्नशेखरसूरि	२३८, २६२, ३५८, ३६६ ३८५, ४११, ४२१, ४२६, ४४२, ४५७, ४६१, ४७२, ४७८, ४८६, २६४, ४६५, ५०१, ५०३, ५०६, ५२६, ५३५, ५५४, ५५७, ४५८, ५६२, ५६३, ५६४, ५६५, ५६८, ५७६ ५८६ ५६१, ५६२, ६०५, ६१०, ६१४, ६१५, ६३५, ६७०, ६७८, ७५०, ७६८, ७६०, ८०८ ।
रत्नसूरि	१११३ ।
रत्नाकरसूरि	१५१, ४७१ ।
रविचन्द्रसूरि	७८६ ।
रविप्रभसूरि	८१६ ।
राजकीर्ति	६६६ ।
राजरत्नसूरि	७४२, ७७४, ८२६, ६६४, ६६५ ।
रामचन्द्रसूरि	१३६ ।
रामविजयराशि	१०६६ ।
रूपचन्द्रसूरि	५८१ ।
लक्ष्मीप्रभसूरि	३३८ ।
लक्ष्मीसागरसूरि	३५७, ५७६, ५८४, ५८६, ५६१, ५६२, ५६८, ६०५, ६०६, ६०६, ६१०, ६१४, ६१५, ६१८, ६२०, ६२१, ६२२, ६२४, ६३२, ६३३, ६३४, ६३५, ६४३, ६४४, ६४६, ६४८,

६५८, ६७०, ६७३, ६७८, ६७९, ६८६,
६९०, ७०४, ७११, ७१८, ७२७, ७२८,
७३७, ७५०, ७५२, ७५४, ७५५, ७६६,
७६८, ७८१, ७८४, ७९० ७९३, ७९५
८०२, ८०८, ८११, ८१८, ८२७ ८३४
८३८, ८४७, ८७७, ९१७, ९५० ।

लब्धिचन्द्रगणि

११०७, ११८७ ।

लब्धिश्रुतगणि

९६८ ।

लब्धिसागरसूरि

९२१ ।

वयरसेनसूरि

१३१, १५० ।

वर्धमानसूरि

६३ ।

विजयचन्द्रसूरि

३२६, ३५३, ४०९, ५८१, ६७२, ६८९, ७०९ ।

विजयदानसूरि

९९२, ९९८, १००२, १००५, १००७, १०१२,
१०१८, १०२५ ।

विजयदेवसूरि

१७५, ५५३, ५७८, १०७१, १०८३, ११०३,
११०७, ११०८, ११०९, १११०, ११११,
१११२, १११३, १११४, १११५, १११७,
१११८, १११९, ११२०, ११२१, ११२२,
११२३, ११२४, ११२७, ११२८, ११३०,
११३१, ११३३, ११३४, ११३५, ११३६,
११३७, ११३८, ११३९, ११४०, ११४१,
११४२, ११५६, ११५७, ११५८, ११५९,
११६०, ११६२, ११६५, ११६७, ११६९,
११७०, ११७१, ११७२, ११७३, ११७४,
११७५, ११७६, ११७७, ११७९, ११८०,
११८१, ११८२, ११८३, ११८४, ११८५,
११८६, ११८७, ११८८, ११८९, ११९०,
११९२, ११९३, ११९४, ११९५, ११९७,
११९९, १२०० ।

विजयप्रभसूरि

३१, ३४८, ३५२, ६०८, ६५७, ६८४, ६८५,
६९६ ।

विजयशान्तिसूरि

११९८ ।

विजयशिवसूरि

११९२ ।

विजयसिंहसूरि	३४२, ११५६, ११६२, ११७१, ११८०, ११८१, ११८२, ११८४, ११८५, ११६५, ११६७ १२०० ।
विजयसेनसूरि	५८, १०४२, १०४५ १०५०, १०५१, १०५२, १०५३, १०५४, १०५५, १०५६, १०५७, १०५८, १०५९, १०६६, १०६७, १०६८, १०७५, १०८६, १०८७, १०८८, १०८३, १०८७, १०८८, ११०३, ११०७, १११६, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११३५, ११३६, ११३७, ११५८, ११५९, ११६६, ११६६ ।
विद्याकरसूरि	१५६ ।
विद्यासागरसूरि	२३६, २४७, २४८, २६७, ३८४, ४४७, ४७३, ६६५ ।
विनयकीर्तिसूरि	१०७४ ।
विनयचन्द्रसूरि	१०२१, १०६० ।
विनयचारित्र	१०३२, १०३४ ।
विनयप्रभसूरि	१०४, ६६६ ।
विनयसुन्दरगणि	१०५०, १०५१, १०५२, १०५३, १०५४, १०५५, १०५६, १०५७, १०५८, १०५९ ।
पं० विमलरत्न	१०३२, १०३४ ।
विमलसूरि	५६५, ६०१, ७०७, ७०८, ८४५, ६०० ।
वीरचन्द्रसूरि	७०१, ६७५ ।
वीरभद्रसूरि	१६१, ७८८ ।
वीरप्रभसूरि	७८७ ।
वीररत्न	१०३२ ।
वीरसूरि	३४२, ३६२, ४६३, ५२७, ६३७ ।
वीराणंदसूरि	७८७ ।
वीसल	१०३४ ।
शान्तिनाथसूरि	६४६ ।
शान्तिसुन्दरसूरि	४५३ ।
शान्तिसूरि	४६, १७७, १८३, २२७, २५५, २६३, ३०१, ३०३, ३०४, ३११, ३१८, ३४७, ३४६,

शान्तिसूरि	३५०, ३६५, ४४०, ४६४, ४६७, ४६९, ५१६, ६००, ६७४, ७६३, ८७८, ८८५, ८६३, ६१४, ६१८, ६३०, ६३२, ६३४, ६४३, ६६१, ६८३ ।
शालिभद्रसूरि	४८, ५५३, ६६५, ६८१, ७३८, ।
शालिसूरि	७६, १४०, ७८६, ७६४, ८२१, ६७१ ।
शीलचन्द्रसूरि	३३८ ।
शीलप्रभसूरि	८८ ।
शीलभद्रसूरि	१६६, १७० २४५ ।
श्रीचन्द्रसूरि	७५, १२६ ।
श्रीभद्रसूरि	६३ ।
श्रीसागरसूरि	४१६ ।
श्रुतसागरगणि	११५६ ।
श्रुतसागरसूरि	६१७ ।
संघदत्तसूरि	६३७ ।
समयराजोपाध्याय	१०७८, १०८०, ११२५ ।
समयसुन्दरोपाध्याय	१०७८ ।
सर्वदेवसूरि	५१ ।
सर्वानन्दसूरि	२२३, ५२३ ।
सर्वतेसूरि	१८६ ।
सांगरीचन्द्रसूरि	१८६ ।
साधुरत्नसूरि	४०६, ४४६, ४६०, ४७४, ४८४, ५५२, ६२६, ६५६, ६६०, ६८०, ६८३, ७२६ ।
साधुसुन्दरसूरि	६२६, ६२७, ६५६, ६८०, ६८३, ७१७, ७४० ।
साधुसूरि	६६६ ।
सावदेवसूरि	२८६, ३०८, ३१४, ३५६, ४०८, ४७६, ६४५, ७६८ ।
	३३८ ।
सिद्धसूरि	६४, २१६, २२०, २२६, २५४, २७२, २६४, २६६, ३१६, ३२०, ३२७, ४१७, ४३६, ६६३, ६६४, ८२२, ८५४, ६२२, ६२५, ६३३, ६८८ ।
सिद्धसेनसूरि	५१६ ।
सिद्धान्तसागरसूरि	८५८ ।

सिद्धिचन्द्रगणि	११०७।
सिंहदत्तसूरि	२२१, ४२०, ।
सिंहदेवसूरि	७१२ ।
सुधानन्दनसूरि	६७३, ६६०।
सुभद्रसागरसूरि	१०६१।
सुमतिसाधुसूरि	१६६, ८३७, ८३८, ८४७, ८६६, ८४५।
सुमतिसूरि	६७, १६८, १६६, ३४६, ८४६ ।
सूरप्रभसूरि	२८८ ।
सेनसूरि	३७२ ।
सोमकीर्तिसूरि	६६१, ८०५, १०६२ ।
सोमचन्द्र	१०७ ।
सोमतिलकसूरि	१८५ ।
सोमदेवसूरि	४२८, ६१३ ।
सोमरत्नसूरि	८६५, ८८७, ६६५ ।
सोमसुन्दरसूरि	१५३, २०२, २०६, २०६, २२५, २३२, २३५, २३७, १४२, २६८, ३७०, ३७३, २८३, २८४, ३०२, ३०५, ३०७, ३१०, ३१६, ३१७, ३२३, ३२४, ३२६, ३६५, ३८५, ३८६, ३८८, ४११, ४२१, ४२६, ४३१, ४३६, ४३८, ४४२, ४६१, ४६६, ४७८, ४८६, ५०१, ५०३, ५२०, ५२६, ५३५, ५५७, ५५८, ५६८, ५७०, ५७६, ५६८, ६१५, ६२०, ६३२, ६४४, ६४६, ६७०, ६७३, ६७८, ७०४, ७११, ७२८, ७५२, ७५५, ८०८, ७६६, ८१२, ८२७, ८३०, ८३७, ८४७, ८६२, ८६६, ८६१०, ६२६, ६४५, ६७७ ।
सौभाग्यसागरसूरि	६५२ ।
सौभाग्यहर्षसूरि	१६६१।
हसप्रमोद बा०	११०७८।
हर्षनन्दनगणि	१०७८ ।
हर्षसुन्दरसूरि	८००, ८२४।

हरिकलशसूरि	८३० ।
हरिभद्रसूरि	५८, ६०, ७०, ८३, २६७, ४५५, ४५६,
हीरविजयसूरि	१०१८, १०२०, १६२२, १०२३, १०२५,
	१०२७, १०३०, १०३५, १६३६, १०३६,
	१०४०, १०४१, १०४३, १०४४, १०४५
	१०४६, १०४८, ११५०, १०५८, ११५६,
	१०६७, १०८८, १०६७, १११६, ११२७
	११२८, ११३०, ११३१, ११५८, ११५६,
	११८६ ।
हीराणंदसूरि	३५६, ३६१ ।
हेमचन्द्रसूरि	१७२, ५१४, ५४६, ६१६ ।
हेमतिलकसूरि	१६४ ।
हेमप्रभसूरि	६०८, ६६६, ८४० ।
हेमरत्नसूरि	५३१, ७६४ ।
हेमविमलसूरि	५५०, ८६७, ८६६, ८७७, ८६६, ८६८,
	८६६, ६०८, ६११, ६४५, ६५४, ६६८,
	६६१ ।
हेमशेखरसूरि	६६५ ।
हेमसमुद्रसूरि	५६६, ५७३, ७६४ ।
हेमसिंहसूरि	६४६ ।
हेमहंससूरि	२१४, २२२, २३६, २४०, २५२, २५६,
	२८२, २६३, ३२२, २८२, २६२, ३२२,
	३८२, ४५१, ४६३, ५१८, ५२२, ५४१,
	५४२, ५६६, ५७३, ८८३, ६३१ ।

लेखस्थ दिगम्बर आचार्यों के नाम—

आचार्यनन्दि	१८ ।
उमहचन्द्र	४५ ।
कमलकीर्ति	८३३ ।
गुणचन्द्र	१८ ।
ज्ञानभूषण	७३२, ७६१, ८१०, ८४३, १०१५ ।
चन्द्रकीर्ति	१०४६, १०७३ ।
चारुकीर्ति	३८ ।
त्रिभुवनकीर्ति	८५७ ।

दाननन्दि	४५ ।
देवरत्न	२२६ ।
देवेन्द्रकीर्ति	५८७ ।
धर्मसेन	३८३, ५५१ ।
पद्माकर	५८७ ।
पद्मनन्दि	११७, १८७, २०७, २७८, ३३१ ।
ब्रह्मकीर्ति	६६ ।
भवनकीर्ति	३३१ ।
भीमसेन	३८३ ।
भुवनकीर्ति	३७, ६६२, ७३२, ७६१, ८१०, १०१५ ।
मलयकीर्ति	६५३, ।
मंडलाचार्य कुमुदकीर्ति	६३ ।
माघनन्दि	१२० ।
यशकीर्ति	३६ ।
लाभचन्द्र	१००३ ।
वर्णकीर्ति	२५ ।
विजयकीर्ति	६५७, १०१५ ।
विद्यानन्दि	५८७ ।
विद्याभूषण	१०८४ ।
विमलसेन	६६६ ।
विश्वसेन	१०८४ ।
श्रीश्रीभूषण	१०८४ ।
शुभचन्द्र	८३३, १०१५, १०१७, १०१६, १०३८ ।
सकलकीर्ति	२७८, ३३१, ८१० १०१५ ।
सुमतिकीर्ति	१०१५, १०१७, १०१६, १०२४, १०२६, १०३८ ।
सोमकीर्ति	६२५, ६६६ ।
सोमसेन	८५१ ।
हेमकीर्ति	३८३ ।
हंससेन	८३३ ।

परिशिष्ट ४

—लेखस्थ ग्रामानुक्रमणिका—

अइमा	५७६	काश्मीर	११४३
अजयमेरु	३०	कीडेत	८११
अर्जुनाचल	६७६, ११४३, ११४४	कुमरगिरी	१०२५
अवन्ती	५५७	केदार	६८०
अहमदाबाद	६२०, ६७६, ६६६, १०४२, १०६४	कोटनगर	१०३१, १०३२, १०३३, १०३४
अहिनगर	११६०	कृष्णागढ	११६५
अहिमनगर	६८७	खिरहाला	८१५
आगरा	१००१, १०८८, १०६०, १०६१ १०६२, ११००, ११०१	खीमसर	६३०, ६६५
आम्लाहि	५०३	गद्दीकोलीआ	७०८
आवराणी	६८३	गिरपुर	१०३२
आहोर	८८३	गिरिपुर	३६२, ५५६
आञ्जली	६६०	गुलकुण्डा (तिलंगदेश)	११६६
इलाचल	६५२	गोदूया	५५२
इलादुर्ग	५०१	गोरिज	७६६
इन्द्रीय	६६१	गोल	८६६
इसनापुर	१०१५	टीवा	५८६
ईटादी	८५४	ढायलाणा	६३४
उडथल	६३२	ढांगरूआ	१२२
उबखल	१०१५	चित्रकूट	२६
उहरनाला	७००	छल्ली	८७०
उहारुद्र	७१७	जयतलकोट	६४१
करणपुर	६६०	जवाल	१०१४
कटुर	६२४	जाखडिया	८६१
काकरी	६१३	जेसलमेर	१०१३, १०६६
काँवली	४८६	तिलवडी	५६५
		दीसा	३८८
		देकावाडा	७४५

दलुलि	६६१	मालवसिंग	७८७
देवकुलपाटक	३६६	मांडली	६५६
देवर	४७०	मुढागपुर	२४६
देवाडा	८८७	मुण्डाडा	७०४
घार	७२७	मुन्नडा	८८६
धीथिला	५६८	मूडहिटी	८४३
नडुलाइ	६१४	मेडता	६३०, १०७७, १०७६,
नपिहाणा	६६२		११०५, ११२७, ११२८,
नरवर	३०		११२६, ११३०, ११३१,
नागपुर	६२३, ६५०, ७५१,		११३३, ११३४, ११३६,
	६६४, ११७८		११३७, ११३८, ११३९,
नालग्राम	६६		११४०, ११४२, ११४३,
नांदिआ	७५५		११६२, ११७१, ११८०,
नीतोडक	७५२		११८१, ११८२
पत्तन	४४४, ८६१, ८६५ ६६६,	मेवानगर	६७७
	११०३	मेहुणा	४८०
पाचल	८३३	मोरवी	६०६
पालडी	६८६	योधपुर	११४१, १२००
पालणपुर	७८१	राजल	७२३
पाली	११७६, ११८१	रेवडी	६२६
पींपलिया	४६१	रोयठाणा	२१६
पूनाना	५५४	लहीगापडी (?)	५४६
फलवर्द्धिका	२६, ३०	लाट	७६८
वलहरा	७४०	लाटहद	७६
वेलाकुल	११५६	लूद्राडा	७१८
बोरासिद्धि	१२०	लोलाडा	७४७
भरिजा	६५८	वडली	२८३, ७२५
भाणवड	११४३, ११४४, ११४६	वणद्र	६००
भिन्नमाल	११६५	वनुरि	६३७
ममैडी	२६०	ब्रधमान	६०८
मण्डपदुर्ग	६१४, ६३५, ६४३, ६५१	चिकमनगर	६७०
मडाहडज	६	विमलाचल	११४३, ११४४
मलारणा	६७६	वीठलापुर	६५१
महिम	१०४४		
मालपुर	११०३, ११०७, ११८७		

वीरवाडा	८३६	सारंगपुर	७६५, १०३६
वीसनगर	५५०	सींदरसीय	८०८
वीसलनगर	७८४, ८२२	सग्रामपुर (सांगानेर)	१०७०
वेरोजपुर	६१५	सिद्धपुर	४७८
वैराट	१०२३	सिरोही	६४६, १०१८
वोटीला	६४०	सीणोर	५६३
शत्रुञ्जय	१०७८, १०८०, १०६७, ११०७, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११३२, ११४३, ११४४, ११४६.	सीहा	८७७
शांवलीया	५८४	सुन्दरसीनगर	१००५
शीवापुर	८४५	सूंद्रीयाणा	६०१
श्रीमण्डपे	५८६, ८४७	स्तम्भतीर्थ	६११, ६२१, ६४५, ६६७, ६६८, १०३५, १०४५, १०७८, १०६७, ११५६.
सहुवाला	६६७	सोजति	६०८
साकर	७४३	हमीरपुर	१०२७
सागवाटक	१०६७	हर्षपुरी	५८०
सामेर	८२७	हारीज	५२, ७५६

परिशिष्ट ५

—लेखस्थ राजाओं के नाम—

अकबर	१०६२, १०६३, १०७८, १०६७, ११०७, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११४३, ११४४, ११५८.	बाहजंग	६६
गजसिंह	१०७६, ११८०	महामन्त्री कर्मचन्द्र	१०७०
गोविन्ददास	१०७६	मानसिंह राउल	८३३
नूरदीन जहांगीर	१०७६, १११६, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११३२, ११३५, ११४३, ११४४.	मानसिंह	१०७०
		राउलसहसमल	१०३२, १०३३, १०३४
		राजसिंह	११६१
		रायसिंह	१०८१
		सूर्यसिंह	१०७६, १०६५, १०६६

परिशिष्ट ६

लेखस्थ ज्ञातियों के नाम—

उपकेशवश उक्केश, ऊक्केश, ७५,	१३७,	१४०,	१६०,	१६२,	
ओकेश, ओशवंश, ओसवा-	१६६,	१७२,	१७४,	१७६, १७८	१८२,
लज्ञा०	१८३,	१८६,	१९६,	१९८,	२००, २०१,
	२०४,	२०५,	२०८,	२१२,	२१६, २२०,
	२२४,	२२५,	२२७,	२३१,	२३३, २३५,
	२४१,	२४३,	२४३,	२४४,	२४५, २६१,
	२६२,	२६३,	२६६,	२७२,	२७५, २७६,
	२७७,	२८०,	२८१,	२८४,	२८५, २८६,
	२८७,	२८६,	२९१,	२९२,	२९३, २९४,
	२९६,	२९६,	३००,	३०१,	३०३, ३०४,
	३०८,	३१०,	३११,	३१२,	३१३, ३१४,
	३१५,	३१७,	३१८,	३१९,	३२०, ३२१,
	३२३,	३२५,	३२७,	३३२,	३३३, ३३६,
	३४०,	३४२,	३४४,	३४५,	३४६, ३४७,
	३४६,	३५०,	३५१,	३५४,	३५५, ३६२,
	३६३,	३६७,	३६८,	३७०,	३७१, ३७६,
	३७७,	३७८,	३७९,	३८०,	३८१, ३८७,
	३९०,	३९१,	३९३,	३९५,	३९६, ३९७,
	३९८,	३९६,	४०२,	४०३,	४०५, ४०६,
	४०६,	४१२,	४१४,	४१५,	४१६, ४१६,
	४२३,	४२४,	४२५,	४२६,	४३१, ४३२,
	४३४,	४३७,	४३८,	४३९,	४४०, ४४१, ४४३,
	४४६,	४४७,	४४८,	४५०,	४५६, ४६२,
	४६३,	४६४,	४६७,	४६८,	४६९, ४७०,
	४७४,	४७६,	४७७,	४७९,	४८१, ४८२,
	४८३,	४८५,	४८७,	४८८,	४९०, ४९१,
	४९७,	४९८,	४९९,	५०१,	५०५, ५१०,

୧୧୧, ୧୧୩, ୧୧୪, ୧୧୫, ୧୧୭, ୧୧୮,
 ୧୧୯, ୧୨୦, ୧୨୧, ୧୨୪. ୧୨୫, ୧୨୭,
 ୧୨୮, ୧୨୯, ୧୩୪, ୧୩୬, ୧୩୮, ୧୪୦,
 ୧୪୧, ୧୪୨, ୧୪୩, ୧୪୪, ୧୪୮, ୧୪୯,
 ୧୫୬, ୧୬୬, ୧୭୦, ୧୭୧, ୧୭୪, ୧୮୦,
 ୧୮୨, ୧୮୪, ୪୮୫, ୧୮୮, ୧୯୦, ୧୯୩,
 ୧୯୪, ୧୯୯, ୬୦୦, ୬୦୩, ୬୦୪, ୬୦୭, ୬୧୧,
 ୬୧୩, ୬୧୬, ୬୧୯, ୬୨୧, ୬୨୨, ୬୩୦, ୬୩୧,
 ୬୩୩, ୬୩୮, ୬୪୨, ୬୪୪, ୬୪୬, ୬୪୭, ୬୪୮,
 ୬୪୯, ୬୫୦, ୬୫୪, ୬୫୫, ୬୫୬, ୬୬୦,
 ୬୬୧, ୬୬୪, ୬୬୬, ୬୬୭, ୬୬୮, ୬୭୧,
 ୬୭୪, ୬୮୧, ୬୮୨, ୭୮୮, ୭୮୯, ୮୧୧,
 ୬୯୫, ୬୯୬, ୬୯୭, ୬୯୮, ୬୯୯, ୭୦୧,
 ୭୦୨, ୭୦୩, ୭୦୫, ୭୦୬, ୭୧୦, ୭୧୩,
 ୭୧୪, ୭୧୫, ୭୧୮, ୭୨୨, ୮୨୫, ୭୨୬,
 ୭୩୦, ୭୩୩, ୭୩୪, ୭୩୫, ୭୩୬, ୭୩୭,
 ୭୪୧, ୭୪୬, ୭୪୮, ୭୫୩, ୭୫୬, ୭୬୨,
 ୭୬୩, ୭୭୦, ୭୭୧, ୭୭୨, ୭୭୩, ୭୭୫,
 ୬୭୬, ୭୭୭, ୭୭୮, ୭୭୯, ୭୮୦, ୭୮୨,
 ୭୮୩, ୭୮୫, ୭୮୭, ୭୯୩, ୭୯୪, ୭୯୬,
 ୮୦୧, ୮୦୩, ୮୦୪, ୮୦୫, ୮୦୬, ୮୧୪,
 ୮୧୫, ୮୧୭, ୮୧୮, ୮୧୯, ୮୨୨, ୮୨୫,
 ୮୨୬, ୮୨୮, ୮୨୯, ୮୩୩, ୮୩୪, ୮୩୬,
 ୮୪୧, ୮୪୨, ୮୪୬, ୮୪୯, ୮୫୨, ୮୫୩,
 ୮୫୫, ୮୫୮, ୮୫୯, ୮୬୦, ୮୬୩, ୮୬୫,
 ୮୬୬, ୮୬୮, ୮୭୬, ୮୮୦, ୮୮୧, ୮୮୩,
 ୮୮୫, ୮୯୦, ୮୯୧, ୮୯୩, ୮୯୬, ୯୦୧, ୯୦୫,
 ୯୦୭, ୯୦୮, ୯୦୯, ୯୧୦, ୯୧୧, ୯୧୪,
 ୯୧୫, ୯୧୬, ୯୧୭, ୯୧୮, ୯୧୯, ୯୨୦,
 ୯୨୨, ୯୨୫, ୯୩୧, ୯୩୩, ୯୩୬,
 ୯୩୯, ୯୪୦, ୯୪୩, ୯୪୪, ୯୪୫, ୯୪୬,
 ୯୫୩, ୯୫୬, ୯୬୩, ୯୬୫, ୯୬୬, ୯୬୭,
 ୯୬୮, ୯୬୯, ୯୭୦, ୯୭୪, ୯୭୫, ୯୭୮,
 ୯୭୯, ୯୮୩, ୯୮୫, ୯୮୬, ୯୮୮, ୧୦୦୪,

१००७, १००८, १०१०, १०११, १०१२,
१०१३, १०२३, १०३७, १०४०, १०४३,
१०४४, १०६२, १०६३, १०६४, १०६५,
१०६६, १०६६, १०७७, १०८३, १०८५,
१०८८, १०८६, १०८२, १०८४, १०८५,
१०८६, १०८७, ११००, ११०१, ११०६,
१११२, १११४, १११६, १११७, १११६,
११२०, ११२२, ११२३, ११३१, ११३२,
११३३, ११३६, ११३८, ११३६, ११४१,
११४२, ११४३, ११४४, ११४५, ११४६,
११४७, ११४८, ११४६, ११४२, ११४६,
११६१, ११६२, ११६६, ११७०, ११७१,
११७४, ११७८, ११७६, ११८०, ११८१,
११८२, १२०० ।

कच्छक

२८० ।

क्षत्रपकुल

६७६ ।

गडाकवंश

८६५ ।

गुर्जर

६२, ४२०, ८२० ।

डीसावाल

१४७ ।

नाग

७२६ ।

नागर

१०२६ ।

पल्लीवाल

१७०, ७३८ ।

प्राग्वाट

२६, ६५, ६६, ११८, १४३, १४६, १४२,
१६३, १७६, १८४, १८५, १८८, १६०,
१६५, २०२, २०६, २०६, २१०, २१८,
२२३, २२८, २३२, २३७, २४२, २४६,
२५०, २६८, २७३, २६५, ३०२, ३०५,
३०७, ३२४, ३४१, ३५८, ३५६,
३६०, ३६१, ३६५, ३७२, ३८८, ४००,
४१७, ४२६, ४४२, ४५७, ४६१, ४७२,
४७५, ४८६, ४८६, ४८५, ५०३, ५२३,
५३५, ५३७, ५३६, ५५०, ५५४, ५५७,
५५८, ५६२, ५६३, ५६५, ५७२, ५७६,
५७६, ५८६, ५८१, ५८२, ५८८, ६०५,
६०६, ६०६, ६१०, ६१४, ६१५, ६१८,

૬૨૦, ૬૩૫, ૬૪૧, ૬૪૩, ૬૫૨, ૬૫૭,
 ૩૫૮, ૬૭૦, ૬૭૩, ૬૭૮, ૬૮૪, ૬૮૫,
 ૬૮૬, ૬૯૦, ૬૯૩, ૬૯૪, ૭૦૪, ૭૦૬,
 ૭૧૬, ૭૨૭, ૭૨૮, ૭૪૩, ૭૪૬, ૭૫૦,
 ૭૫૧, ૭૫૨, ૭૫૫, ૭૫૬, ૭૬૫, ૭૬૬,
 ૭૬૭, ૭૬૮, ૭૮૧, ૭૮૪, ૭૮૮, ૭૮૯,
 ૭૯૨, ૭૯૫, ૭૯૮, ૮૦૦, ૮૦૨, ૮૦૮,
 ૮૧૧, ૮૨૪, ૮૨૭, ૮૩૪, ૮૩૫, ૮૩૭,
 ૮૩૬, ૮૪૪, ૮૬૭, ૮૬૬, ૮૭૧, ૮૭૨,
 ૮૭૭, ૮૮૬, ૮૮૬, ૮૯૬, ૮૯૮, ૮૯૯,
 ૯૨૬, ૯૪૧, ૯૪૬, ૯૬૧, ૯૭૭, ૯૬૨,
 ૯૬૭, ૧૦૦૫, ૧૦૧૬, ૧૦૧૮, ૧૦૨૫,
 ૧૦૪૨, ૧૦૬૬, ૧૧૫૮, ૧૧૫૬ ।

શ્રીમાલજ્ઞાતીય

૧૦૩, ૧૧૩, ૧૨૨, ૧૩૦, ૧૫૬, ૧૬૭,
 ૧૭૭, ૧૬૨, ૨૦૩, ૨૩૮, ૨૫૮, ૨૬૫,
 ૨૬૦, ૩૦૬, ૩૧૬, ૩૩૫, ૩૬૪, ૩૭૫,
 ૩૮૨, ૪૦૭, ૪૩૩, ૪૪૫, ૪૫૨, ૪૫૩,
 ૪૫૪, ૪૫૫, ૪૫૬, ૪૬૫, ૫૦૬, ૫૦૮,
 ૫૩૩, ૫૬૪, ૫૭૫, ૫૮૬, ૬૧૨, ૬૫૧,
 ૬૬૫, ૬૬૬, ૬૭૬, ૬૮૩, ૭૦૭, ૭૧૧,
 ૭૧૭, ૭૨૦, ૭૨૪, ૭૩૧, ૭૫૭, ૭૫૮,
 ૭૬૧, ૮૦૬, ૮૧૩, ૮૪૦, ૮૪૭, ૮૮૨,
 ૯૧૩, ૯૨૬, ૯૩૮, ૯૪૮, ૯૬૦, ૯૮૨,
 ૯૮૬, ૯૯૪, ૧૦૦૦, ૧૦૦૬, ૧૦૩૬,
 ૧૦૬૦, ૧૦૬૧, ૧૧૦૩, ૧૧૨૮, ૧૧૨૬,
 ૧૧૩૦, ૧૧૩૪, ૧૧૩૫, ૧૧૮૭, ૧૧૬૪ ।

શ્રીશ્રીમાલજ્ઞાતીય

૧૧૨, ૧૫૧, ૧૬૪, ૧૬૫, ૧૬૬, ૧૭૧,
 ૨૧૫, ૨૧૭, ૨૪૬, ૨૭૦, ૨૮૩, ૩૬૬,
 ૪૪૪, ૪૬૦, ૪૮૦, ૪૬૪, ૫૦૨, ૫૦૭,
 ૫૦૬, ૫૩૧, ૫૩૨, ૫૪૧, ૫૪૬, ૫૫૨,
 ૫૫૩, ૫૬૭, ૫૭૮, ૫૬૫, ૬૦૧, ૬૧૭,
 ૬૩૬, ૬૩૭, ૬૩૬, ૬૪૦, ૬૫૬, ૬૭૭,
 ૬૮૦, ૬૮૭, ૭૦૦, ૭૦૮, ૭૧૬, ૭૨૩,

७४०, ७४४, ७६६, ८४५, ८४८, ८६२,
८७८, ९००, ९०६, ९१२, ९२१, ९२७
९२८, ९५५, ९६२, ९८७, ९९०, १००६,
-१०३५, १०६०, १०८२, ११६०, ११६३ ।

फूबड़	२२१ ।
भट्टेउरा	८२१ ।
भावसार	४७८ ।
मन्त्रिदलीय	५६६, ५६७ ।
मोढ	६०८, ८६१ ।
चायड	६४५, ७४५, ८८७ ।
वृद्धहुम्बड	१०३१ ।
श्रीवीरवज्ञातीय	९९९ ।
श्रीश्रीवंश	५४७, ५६१, ६६२, ७४७, ९५१ ।
सिभउ	९१ ।
हुंबड	१८०, ३६२, ५५६, ७१२, ८४३, ८५४, ८७५, ९३७, ९६१, १०१४, १०२८, १०३३, १०३४ ।
खहोडान्वय	१०१ ।
छोहरियान्वय	१०० ।
श्रावकान्वय	२२२ ।
सोखुलान्वय	१०७ ।

—दिगम्बर ज्ञातियाँ—

अग्रोतकान्वय	८३३ ।
खंडेलवाल	८५१ ।
गोमाराडान्वय	१८७ ।
नरसिंह	२७६, ६६६ ।
नागद्रह	६६२ ।
नागभट्टजातीय	४५ ।
नागर	१०२६ ।
भट्टान्वय	८३३ ।
सिंहपर	१२० ।
हुंबड	११७, १३३, २०७, ३३१, ३८३, ७३२, ८१०, १०१५, १०२८, १०८४ ।

परिशिष्ट ७

—लेखस्थ गोत्रों की सूची—

अजमेरा	४४७	कण्णार्क	३२७
अटकर	८२१	करमदीया	३४०
अम्बाई	१०२५	काकलवाड्या	४४६
आईरी	४३७, ४८७, ७८५	काठड	३४६
आचाहमाण	५२७	काणा	४५२, ५६६, ५६७
आकदूधिया	५०८	काला	७६२
आदित्यनाग	२६४, ४८१, ४८८, ४६७, ४६६, ५३६, ५८२, ६०४, ६५०, ६०३, ६८८	कूकड़ा	३४३
आम	५३६	कूकड़ा चौपड़ा	५१३, ८०३, ८०४
आववाडिया	६१२	कोचर	६३१
आसोलिया	४०२	कोठारी	४१७
इटोटिया	३३८	कांकरिया	३०८, ३२६, ४१२, ११०२
उच्छित्तवाल	५७७, ७३७, ७६३, ६१७, १११६	खटवड	३५७, ४२२, ५६०, ६३०, ६५०
उच्छवाल	२४४	खांटड़	८१५
उत्तरसुर	२७८	खाटडा	२६६
उपरणमि	६७५	खारड	५३२, ५३३, ६४८, ६८६
उसभ	६३०, ६३२	खावही (खचिहि)	४१६, ६५६, ७३३
उहवडेचा	८२४	खाहड	११६
उहस	८७४	खाहरडा	३०६
कच्छग	२८०	गणधरचोपड़ा	११४३, ११४४, ११४५, ११४६
कटारिया	७७१, ७७३, ८१७		११४७, ११४८, ११४९, ११५२
कठवलिया	६२२		
कठियारा	१०८६, १०८७		
कनउज	२७७		

गदहिया	८६०, १०५०	छींछोडी	८६३
गहिलडा	३३०, ४४६, ६६५, ६०६, १०२२, १०६३	छोहरचा	३४५
गान्धी	४६०, ५८०, ८५८, १०११, १०३३, १०३४,	जँडिया	३५१
गुहउचा	६१६	जाइलवाल	२६०, २८२
गूंगलिया	२२७, २६३,	जाण्डलवाज	७६४
गोदुड	१६१	जावड	३५५, ४१६
गोलवेच्छा	१०७६	जालोरा बहुरा	५५५
गुहिलवाल	७८८	जावडा	१३६
गुंदोचा	५०५	जूनीवाल	५७५
घाघ	३३४, ४७३, ५००, ५१६	जोहाणेचा	६६७
चडचह्या	४५३	टप	१६८, ३४७
चण्डालिया	१८१, १६३, २३६, २४७, २४८, ३८४, ४८५, ५०४, ७४८, ६२७, ६२८, ११२६	टॉक	६८२
चणगीया	७४१	ठाकुर	६५१, ६४३
चाण	२०४	डागीय	२४१
चिणालिया	३३५	डागा	३००, ३१७
चीपू	७५१	डांगी	२११, ७२२
चींचट	२२०, २७२, ४२४, ६६३,	डीडावत	१७७, ४३३, ७२०
चूँपड	८२६	डीवउडा	३७०
चोपडा	७७८, ८४०,	डूँगरिया	३८२
चोरवेडिया	५६३, ११०८, ११०६,	डेडाणा	५४४
(चोरडिया)	१११७, ११२०, ११२२, ११२३, ११३२, ११६६.	डोमेल	५५
चोवलदग	८५३	ढोर	४०७, ६६०, ६६१
छाजहड	४५६, ७७२, ८०६, ६०१, ६७३, १०४४	तातरहीला	६६५
छाहड	४३०	तातहड	५७१, ६०५
		तेलहर	३८१, ४६७, ६८५
		थामलेचा	७१३, ८१६, ८४२
		थिरुत	३४८
		थूल	४८३, ४६६, ५८५
		दरडा	३७६
		दूगड	२५७, ३६४, ४६६, ५७०, ७०३, १०४१, १०६२,
		दुसाम	२६७
		देसलहर	१०६७

देल्हाशाखा	१२६	पीपाड़ा	४६८, ४७०, ८६३, ६५६
दोसी	४४२, ८८८,	पूगलिया	६१८
दोसीबोहड़	६२०	पोसालिया	२८६, ८०१
धनाणेचा	८५६	फोफलिया	७२६, ७६१, ७७६
धरकट	३३२	बगुलिया	६६६
नउवीया	५६४	बडाहडा	२१४
नगडियाना	३०३	बलहि	५१५
नवल	४६५	बरहडिया	३२५, ३३३, ७४२, ६७४
नवलखा	२००, ३१२	बम्भ	२६२, ७६७, ८३६
नहुनेचा	८००	बलोहडिया	२६२, ४५५
नाग	७७६	बहकडा	८८२
नागूणा सोमलशाखा	२५६	बहुरा	३६७, ४१५, ४२५, ४६८,
नावियाडा	८०५		५४१, ५४२, ५७४, ६६१, ६८२,
नाहर	२३३, २७५, ३५२ ४०५,		६८२, १०८५, ११३१, ११६२
	४०६, ४१८, ५८१, ८१८,	वातरुणरु	४७४
	६६४		
नांदेचा	३८६	वापणा	२०५, २५४, ६७१, ७७७,
परिघल	६३४		६२३, १०४०
प्राहोचा	३४२, ३६३, ३६६,	वावल	६६४
	५८३, ७३६, १०८३,	वावेल	४३८, ७१०, ७५३
	१११२, ११७०, ११७४	वाहिया	४६३
पल्हवड	७७४, ६०२	वांठिया	११७६
पहाणेचा	८६४	बूघडा	६१६
पंचुली	८६८, ८६६	बोहित्थिरा	७७५, ६७०, १०६४
पंचाणेचा	४०३	बोकडिया	१८२
पाटदंड	५४३	बोरोदिया	६८१, ८५६
पातीणी	११२७, ११२८, ११३४,	भरटाणा	२३१
पापड	१००६	भरदव	८७३
पोरिख	५१२, ६४४	बहकटा	६१२
पोरेसाणी	१०६१	भण्डारी	३११, ४६१, ७८६,
पालडेचा	८३१		६८३, ११६१, ११६२
पालहड	११३८	भणसाली	२६४, ३७७, ४२३,
पाल्हाउत	५५६, ६२१, १०४३		५३८, ६१३, ६५४, ७६६
पहिल	५०६		

भण्डारी	६८३	लाभू	८८१
भाण्डाजत	११४०	लालण	२८७
भाँडिया	६३८	लिगा	२५६, ४६३
भूरा	१४०	लिंबोदिया	६६३
भेलडिया	७८३	लूणिया	६४
महता	६२६, ११०४	लूसड	२६१
महरोल	६७६	लेतिया	२५५
मंडलेचा	५१४	लोढा	२३६, २४०, २८६, ३२२, ३२८, ३८६, ३६७, ४१३, ४३१, ५१८, ५२०, ५६६, ६११, ६६८, १००१, १०३७, १०६५, १०६६, १०७७, १०६४, १०६५, १०६६, ११००, ११०१, ११०५,
मंडोवरा	२३४	लोलस	३४६
मंडोरेचाबहुरा	७२५	वच्छश	५४८
मन्त्रीश्वर	७१२, ६३७, १०१४	वडालम्बिया	३६५
मादडेचा	८६०	वणवट	३५३, ७१५
मालहू	३७४, ४६२	वढाला	८८५
माण्डलेचा बूहरा	६५५	वलटउण	७१४
मांडुत्र	३५६	वरलव	६८१
मूठिया	४४५	वहकटा	११३५
मुथा	६२६	विणेेलिया	७८२
मुसल	७५८, ११३०, ११८७	वित्रांगच्छरु	४२८
मुहतियाण मुण्डतोड	६८४	विनायकीया	६६०, ८३०
मूधा	६७८, ६७६	वीचूहस	११६७
मुण्डलेह	६२८	वीरेचा	४३४
मेडतवाल	८७६	श्रेष्ठि	६७१, ४४३, ५६०, ६०७, ८४१, ६५३.
मोहणेचा	१००७	समदडिया	११३६
मोहणोत	११६५, १२००	संखवाल	७०६, ६०७,
रेखाणी	२३०	सखवालेचा	२२२, ८६८
रोटागण	६८६	सघवी	६२६
रोहरीया	५८		१०१३, १०६२, १०६३
रोहिण्य	७५६	स्वयम्भ	६६६
राध्ही	७८०		
रांका	२८५, २६६, ३१६, ४६२, ५३४, ६४७, ७६३, ८५२, ६३३		
लंडिका	१०१२		
ललवाणी	११२१		

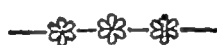
स्वर्णगिरिया	३६४	सुराणा	१४, २१३, २४३, ३७६,
साउल	६६६		४४१, ५२६, ६६८, ७०२,
साउलेचा	८२३		७०५, ७३५, ६०४, ६१५,
सामकठ	४०४		६४२, ६४७, ६५८, ६५६,
साली	७६८		१११४, ११८०, ११८१.
साहिजवा	६७५	सूरुआ	७३०
साहूला	३१८, ६७१	सेथाल	६७६
साहूसाख	६३६, ६६५	सोखुलान्वय	१०७
सांड	५११, ६६७, ७६६	सोढवाल	१०००
सांपुडा	१८६	सोन	८७०
साम्भरथा	७६२	सोनी	१७६, ३७८, ४०१, ५७३,
सीखनो	२७४		८६५, ६२२, ११६१
सिंघड	११०३	सोपरा	४४०
सिद्धाडिया	८२८	सीसोदिया	४६४, ७६४
सिधी	६७६	श्रेष्ठि	२१६
सींधुड	८८४	हरियाणा	४५४
सीतोरेचा	८३२	हंगड	४७१
सुचिन्ती	३२०, ३४४, ३६३,	हींगड	४५१
	४०८, ४७६, ४८४,	हुम्ब	६३६
	६४८, ८२५, ८२६.	हुम्बड	५४६

—दिगम्बर गोत्रों कीसूची—

उत्रेश्वर	८१०	नन्दकेरतर	१०३८
उत्तरसुर	२७८	परवेसह	१०८४
कमलेश्वर	३८३	बुध	३६२, १०१५
कासिन	७६१	बोठेचा	६६६
कांकडेश्वर	१०२८	वासिल	८३३
गंगाआ	२०७	संपडिया	२७६
गिरिलव	५५१	सावड	१०४६
दानीपत	६२५		

परिशिष्ट ८

लेखरथ भावरू-भाविकाओं के नामों की तालिका



अगरुतिमलू	८३३	अजु	४१५
अजन	४७७	अजुआ	१०१६
अंधकूराणी	५५१	अजेसि	६८६
अंपायू	४३१	अट्ट	६६७
अमू	१०८१	अणपू	५४३
अउपल	६१६	अणभू	३५१
अकिक	२२	अणुपमदे	२७३, २६३
अकखा	७८६	अणयशदे	१५१
अखयराज	२४२, ७७८, १०१६, ११७१, १२००	अदा	३३४, ५५६
अगरसी	११६६	अदापाल	६०५
अच्युत	६२६	अदौता	६३८
अचलदास	५६६, ५६७, ११६१, ११७६, ११८५	अनतराम	६०८
अचला	६६३	अना	७३७
अचू	३६२, ८१५	अपाहमा	६७४
अछवादे	६७७, १००६	अपू	३६१, ५२६, ७५६, ७६१,
अजा	२७८, ६८६, ६८६, ६५१	अपूरवदे	१०६६, ११४६, ११५५
अजाइबइदे	११४३, ११४७, ११४८, ११५१	अभयपाल	२४२
अजाण	५८५	अमकू	२३८
अजित	८५७	असनदे	११७७
अजी	७४३	अमर	६५३, ७१३, ७७७
अजीआ	२८०	अमरदत्त	१०१२
		अमरसिंह	११६१
		अमरसी	१०७६, ११४३—५०, ११५६, ११७१

अमरा	३६६, ४८२, ६५४, ६६१, ७७०, ८५५, ८६४, ८८५, ११४०, ११६१	असू	४३३
अमरादे	११४३, ११५०	अहविदे	४७६
अमरी	२६६, ५६१, ६१६, ६२५, ६४७, ६६३, ६६४, ७८७, ७८६, ८०१, ८८२, १०३४	अहिवदे	२४२, ६८८, ८३८, ८६१
अमसभणदे	८६३	आका	६४१
अमा	६२०, १०३६	आजा	३१०
अमी	६६१, ७६०, ८३४	आजी	५७२
अमीदे	१७८	आढत	१०१०
अमीपाल	७४५, ८२२, ६२७, ६८८, १०२२, १०४४, ११४३-११४६, ११५०, ११५३, ११५४	आढा	६१५, ६४२
अमृत	१०६४	आढू	६१५, १०११
अमृतदे	१०४४	आणद	८८७, १०३४
अमूलकदे	१०२२	आणदि	६०५
अमोलकदे	११४०	आता	६१४
अरघू	५२५	आतू	८०२
अरथू	७२८	आदिकरण	१००२
अरदास	१११०	आना	६०३
अरपू	३४६	आपू	१७७, ८३४
अरसी (सिंह, सींह)	५६, १५८, ४११, ४१२, ७७६	आभू	५३
अरि	२०२, ३६२	आंवड़	५६, ६३६
अर्चू	४२१	आवण	४४
अर्जुन (अर्जन)	२६५, ३२५, ३३३, ३४१, ३७१, ४५३, ४६६, ४७१, ५४६, ६१४, ६२४, ८३३, ६१०, ६७७	आंवदत्ता	२४२
अविचल	११७६	आंवदीवी	८७१
		आंबा १७८, २१७, ३६२, ५१३, ५३६, ६६०, ६६८, ८६८, ८६०	
		आमकुमार	८०
		आमरमुणया	४०८
		आमसीह	१५८, १७२
		आमा	७१४
		आयल	११०५
		आरक	५२५
		आल्ह	१७७
		आल्हण	५४, २६५
		आल्हणदे १७२, २३५, ३६५, ४५०, ५२५	
		आल्हणसीह	११२

आल्हा	१६२, १८०, २२६, ३४६, ५४५, ७६३	उग्रसेन	५६६, ५६७
आल्ही	४११, ७६२,	उजल	६२६
आसकरण	१३६, ११४३-११५१, ११५३, ११५४, ११७६,	उजोअण	१०१
आसड	२४२	उदयकिरण	६६८
आसढ	७८७	उदयमति	२०
आसधर	६०, ७४६	उदयराज	३६४
आसपाल	२७८, ५६६	उदयसिंह	७२, ३०६, ४६२, १०३४, १०६८, १०७६,
आसराज	१०६४, ११५५	उदसु	६८०
आसल	३६	उदिर	५६६
आसलदे	२०२	उधरण	४५, ३१५, ४७२, ७६४
आसा	४५, १०६, १६२, २०२, ४७६, ४६७, ६१७, ६२४, ६६१, ६७६, ६७८, ७१६, ७४६, ८१०, ८३८, ६०८, ६७७, ६६०, ६६१	उमकू	३६२
आसु	४७५,	उमादेवी (ऊमादे,	१८४, २३४,
आसूरा	७४५	उमादे)	४२४, ५६६, ५८३, ६५७, ७७८, ८२२, ८३५, ८६६, ६८५
आहड	६६	उमी	५०६, ८२४
आहवदे	१०१२	ऊजी	७७६
इन्द्रवदे	८६४	ऊदपाल	३४२
इन्द्राणी	६५७	ऊदलदे	८२८
इरिया	५०८	ऊरा	१४४, २३५, २६१, ३७१, ४११, ५२४, ५३५, ५३७, ५८१, ५८७, ७४३, ८०२, ८२८, ८४७, ८५८, ८६३, ६१३
इसर	३३६, ५६३, ६३०, ७४२, ६८३, १११२	ऊधा	४१८, ५८४, ६११, ७६२
इहवदे	७४२	ऋषभदास	१०१२, १०१७, ११४३- ११४८, ११७१
ईगा	१०७३	ऋषभवीर	७३६
ईल्हशी	२११	कउतिगदे	३६६, ४४८, ४६६, ७७६, ८३८
ईल्हा	२११	कउडिमदे	११४३-११४६
ईसर	२१३, २३६, ५१२, ६११, ६४६	कउरसिंह	१५६
ईसरदास	११७३		
उगम	५६५, ७७२		

कजरा	६६०	कणादेवी	८५२, ६५१, १००६,
कजरी	६६६		१००८
ककुमा	१०१५	कर्णसी	८३६
ककुया	१०२	कर्ण	८४८
कचरा	८६०, ८६२, १०१७, ११४३-११४६	कर्मचंद	६६६, १०७०
कजा	१०४८	कर्मण	६७, ८६, १०५, २११, ४७५, ४७७, ११८०
कजुआ	७८, १४७, १८५, १८६, १८८, ३०२, ३६६, ७२६	कर्मदास	७३२
कनक	५१६, ११०४, ११४२	कर्मपाल	१४५
कनकादे	१०१५, १०२५, १०३४, ११०५	कर्मा	६७, २६३, ३५४, ४०१, ४०४, ४६१, ४६४, ४६६, ६३१, ७१२, ७७३, ७७८, ७७६, ८०२, ८६३, ८६८, ६१८, ६३३, ६५६
कनुई	४७६	कर्मादे	११४२
कपूरचंद	११४३, ११४६, ११४६, ११५०, ११५४	कर्मासीह (कर्मासी)	२३७ ३२८, ४७०, ५२४, ७१७, ८६४, ६०३, ६८१, ६६८, १०१८
कपूरदास	११४८, ११५३, ११५४, ११६१	कर्मादे	२४३, २६३, ३४६, ४०४, ४३०, ४६४, ६३७, ७३३,
कपूरदे	८६, ३८६, ४६७, ४७०, ६६०, ८६३ ६३६	कर्मी (करमी)	४३१, ४६१, ६११, ७४०, ७५८, ८०८, ८१०, ८२१,
कपूरा	११०१	करण	८४६
कपूरी	१५१, ६५६, ६२३	करणादेवि	६३
कमलराज	२२४	करणीसी	२३४
कमलश्री	४२२, ४८५	करपू	३८३
कमलसीह	८४८, १००८	करमलदे	२३८
कमला	४३२, ४७०, ६४५	करमाही	५४१
कमलादे	३८७, ६३१, ७८३, ८३८, ८५२	कवरा	२४८, ३४६, ६५०
कसा	१०१५	कल्याणदे	६७८, ६७६, १६३४,
कसानस	३६		
कमी	४८६		
कर्ण (करणा)	२३८, २५०, ४६७, ५४३, ६०१, ६२६, ६४६, ६६६, ८४०,		

कल्याणमल्ल	५५, ६६५	कालणदे	१४७
कल्हण	८२, ६५, ७७४	काला	३५१, ३८८, ४८५,
कला	४७०, ६७८		४६४, ५६५, ७६०.
कला	१०७६, ११२६	कालाही	५७१
कलुआ	१७०	काली	३६२, ८१३
कश्मीरदे	४७०, ८६३	कालू	१८४, २११, ३५०, ३७५,
कस्तूरी	११०३		३६०, ४६७, ६३६, ६४४,
कसमे	१०६८		८२७, ६४६
कसू	६४६	किसनादे	८०३
कहा	१०३८	कीका	४८०, ५०६, ५६१
काउ' (काऊ)	२०३, २०७, ३३१	कीकी	४७८, ५५८, ५६४, ८११,
	७११ ७४३, ८६१, ६१३		८६५ ११६३, ११६४
कांकट	६४६	कीता	३८७, ५ ४, ७१८
काका	७११	कील्हणदे	४७०, ६७१, ७७३, ८२२
काच्छा	३७४	कील्हा	४०६, ८४०, ८७८
काजा	५२५, ५३६, ६३७, ८१७,	कुअर	११०५,
	६०४, ६१८, ६७०	कुअरपाल (कु रपाल)	२०८ २३७
काडा	२७३		३००, ४४२,
कादा	३७४, ७२०		४६८, ६८६,
कानलदे	२०६		६४८, ६८६,
कान्हड	११४, ३०४		१००१, १०२८,
कान्हा (कान, काना, कांह)	३६		११०१,
	२०६, २५१, २६४, २६५,	कुअरि	४६४
	२६१, ३२६, ३४८, ३४६,	कुउडि	११५
	३५०, ३८३, ४४८ ४८६.	कुटुर्काणि	२०५
	५६०, ६०८, ६६५, ६६१,	कुडिमदे	६०५, ८५२
	८३८, ८५३, ८६२ ६६४.	कुन्ति	४५६, ६६४
कान्हू	३०४, ४५२	कुन्तिगदेवि (कु तिगदे, कु तगदे)	
काभू	६०८		४६५ ५१५, ७०४, ७१८,
काममणि	२१०	कुवेर	१०४३
कामादे	२६८, २८३, २६०, ५३६	कुम्भल	५६२
कामा	७७६	कुम्भा	७८, ५२४ ६०१, ७८६
काम्	२०५	कुमर	१०८१

कुमरदेवि	६०	केशदेव	५६
कुमरमीह	८६	केशराज	५१०
कुमरी	३२६	केसरदे	१०३४, १०३६
कुमारदे	१०५२	केसव	५६७, ५८६, ८१८, ६५६, १०४८, १०६८
कु रमी	४४३, ४७६	कोकट	१०७
कुं धरसिंह	१०८	कोचर	३२०
कुं रा	३०८	कोजा	११४४
कुरादे	५२४, १०२२	कोडकी	१०४२
कुलचद	६२७	कोडम	८३३
कुलधर	१०६, ११५, १०४८	कोडा	८३०
कु लेचंद	४२	कोडिमदे	६६२, १२००
कुं श	१०१६	कोयवादे	३२१
कुशल	१६७, ८८१	कोल्हा	४५०, ७८०
कुशलदे	१०६२	कोहटा	१४
कुशला	४२२, ५५५, ५७७, ५८५, ६१८, ६६३	खररुद	१८६
कुसुमा	११३०	खरहथ	५०६, ७७२, ७६६, ६६६
कूंचा	५२४	खाख	११८८
कूडा	६७५	खाखट	६७६
कूपा (कूपा)	३६२, ५१३, ५३६, ५८७, ६६१, ८५३	खाहर	६५०
कूमा	४६२	खिमादे	६७६
कृपा	३५६, ७३४	खिबुधा	११३२
केदा	६४८	खिमसिरी (खीमसीरी)	१३४, १३७, १६२, ३३८, ८६२
केनू	१००	खीमदे	१०३३
केल्हण	६६, १४२, १८८, ८४२	खीमधर	१०००
केल्हा (के. १)	६७, २०८, २०६, ३१६, ३२१, ३८६, ४४७, ५३६, ६७१, ६८४, ७८२, ८२४, ८६३, ६४१, ६६३, ४००, ८६६	खीमपाल	३३०
केल्ही	४००, ८६६	खीमराज (खिमराज,	१८६, २६७, ३२८, ३६४, ४४६, ५४१, ५५६, ५७३, ५७५, ६०६, १०७७
केल्हू	१६६	खीमराज, खीमराज)	३२८, ३६४, ४४६, ५४१, ५५६, ५७३, ५७५, ६०६, १०७७
केल्	३६०	खीमसी (खीमसिह)	१३७, १४६, २११, ३८८, ६६७,

	६६४, ८६५		६६७, ६७०, ६८०, ६८६,
खीदा	१३१, ३५३, ३७४,		६६६, ७२४, ७३०, ७५३,
	५६०, ६६०, ८१७		७८१, ७६४, ८१२, ८५६,
खीमा	१३३, १६२, २०७, २७१,		१०७६, ११११
	२६४, ३४७, ३५१, ३६५,	खेतादे	५८७, ६७६
	४०१, ४७२, ४८६, ५१३,	खेतू	१२६, ५६२, ६६६, ८४०
	५५०, ५६८, ६१८, ६३६,	खेमलदे	६६१
	६८१, ७२५, ८०८, ८१२,	खेमी	४६६, ६२७, ११३८
	८४६, ८४७, ८८६, ८६३,	खेमाई	६२८
	८६६, ६३२, ६३४, ६६२,	खेमी	६८६
	६६७, ६६८, ६६२, १०२५,	खेमू	४४०
	१०८२, १०६२	खेहा	१६३
खीमाई	७४१	गगदास	१०३१
खीवपाल	४४५	गंगा	१०४, ३६६, ८२२, ८७५
खीवर	४२१	गंगादे	३८६, ३६०, ४६२,
खेइखा	६६६		६३५, ७६३, ६०७
खेई	६६६	गई	८४०
खेटा	६७६, ६१०	गडडर	११३
खेढा	२५३, २६४, ३५३,	गडर	१२८
	४६२, ७२६	गडरदे (गडरादे,	५८५, ६७१,
खेढी	४२१	गडरदे)	६८६, ७६३, ७८२
खेतलदे	४२५, ४८४, ५४३, ६६१,	गडरवर	१०१७
	६८६, ७२५, ७६४, ८१७,	गडरा	५७१
	८८६, ११३८	गडरी	७२०, ८००, ६७५
खेतश्री	६५३	गजर	४६१
खेतसी (खेतसिह)	४६१, ८५४,	गजणी	१६१
	१०५८ १०६०, ११२७,	गजरदेवी	७१०
	११२८, ११६५	गजसीरी	३३२
खेता	२०१, २२६, २३६-२३८,	गजा	६५, ३१७
	२४७, २५०, २७६, ३५४,	गढमल्ल	६२२, १००६
	३६७, ३६०, ४०८, ४२५,	गणदेव	२४
	४८४, ४६२, ४६३, ४६६,	गणपति	४६५, ७६३, ८३८
	५११, ५१६, ५६१, ६६१,	गणीया	१०१२

गदा	१३८	गुणराज	२३४, २५८, ५८१,
गदु	६४७		६३१, ६४४, ८२४
गभू	७	गुणसिरी	८६, २६१, २४८, ४१३
गमतादे	८२६	गुणा	३६३, ४१३
गयधर	५८१	गुणादे	७८०
गरीबदास	११४३-११४६, ११५५	गुणिया	६२० ६६२
गहिल	३८	गुरदे	८०६
गांगश्री	६२५	गुरादे	४५३
गांगवार	११६०	गुरी	६५६, ८५४, ६४५
गांगा	२७७, ३८८, ४६२, ६१५,	गूंगा	६७१
	८४८, ८७७, ८६६, ६३६,	गूदा	२८८
	१०३३	गूजर	५८५
गांगी	१६५, २७६, ४३५, ५३७,	गूजरदे	१००७
	५४०, ६१६, ६४२, ६६६,	गूजरि	५७६, ५८१
	७४६, ८८७, ६६६	गेदा	४५६
गांडा	६४२	गेला	३८७, ५४३, ६४०
गांऊदसिह	३७७	गेली	६६६
गातण	४३२	गेहला	८३३
गिना	५७७	गेहा	३६०, ५०३
गिरजू	८६६	गोइन्द	२१२, ३८७, ५४६, ५६७.
गिरधर	१०६२		६७१, ७४७, ८२१
गिरमल	१००८	गोई	६६८
गिरराज	३८६, ४३७	गोगवदे	८८४
गीणा	३२४	गोगद	६५१
गीणाई	५१०	गोगन	५६३
गुजर	५६०	गोगा	६७, ३८६, ५६६
गुढसीआ	१०३२	गोणा	५७, ८६१
गुणदत्त	६०७	गोदा	३४७, ६४८
गुणदेवि	४०	गोधा	४८६
गुणधर	४६, ८६, ७८२	गोपा	५०४, ५५६, ६३८,
गुणपति	८१५		६७४ ८४७
गुणपाल	८४५	गोपाल	२६८, ३८३, ७४८, ११८७
गुणपालही	५७०	गोमति	७६०, ७६६, ६५५
		गोयंक	६२७

गोरआ	४८२	चउला	७८५
गोरल	२०१	चउहथ	५६८, १०१०, १०११, १०४०
गोरा	४१५, ५६६, ६२८	चतुरगदे	१०६०, ११२७, ११२८, ११४३, ११४३, ११४६
गोरी	८३८, ८६१, ८६६, ६२७, ६२८	चत्रु	७७०
गोवंल	२६६, ५६२, १०८६	चन्द्र	७५, ३६४, ११०४
गोवंलदेवी	१०८६	चन्ददेवी	४७
गोविन्द	१६, २७६	चन्दन	८
गोलण	७४	चन्दो	५८७
गोला (गोल्ह, गोल्हा)	१६४, २६१, ६६६, ७०६, ७४०, ८२७, ८३३	चन्दू	४, १००५
गोसल	१०७, २४८, ३०३, ३३३, ३६१, ४५३, ७८२	चंपकू	१०१५
गोसा	१०७७	चपलदे	८३२
गोहा	१६३	चम्पू	११३५
गौइन्द	४५१	चमकू	५५७, ६१५, ६१६, १००६
गौड़ीदास	११०३	चरडा	५५५
गौपाही	६०५	चहुवदेव	४६४
गौरदे	३६०	चारु	२४०, ७११, ७६१
गौरी	३६४, ४६६	चांगी	६६७
घट्टे	६३६	चाया	३७६, ५१३, ५५५, ६७३, ७२५, ७७६, ७८६, ११३८
घडसी	१६८, ३२७, ४४०, ६८१	चाचिग	७७६
घरघति	५६७	चार्था	६६०
घाचा	२०	चांद	६८६
घीसंकरा	१०३४	चांदगदे	८५७
घूघल	५२२	चांदलदे	६१६
घूहड़	५५४	चांदा	३६६, ५१६, ५७६, ६१४, ६१५, ६६६, ७१६, ७६२, ८४२, ८८६
घेल्ह	७७४	चांदि	५६०
घेली	७०३	चांदी	३६२
घोघर	५६४, ८४२	चांदू	३७०, ७६८
चउथा	५६७	चांपड़	३४६
चउरा	७७६		

चांपलदे	५८४, ६६७, ६७२, ८६५, ६३७, ११३१	चोथा	६३६
चांपसी (चांपसिह)	१२८, १०७६, ११३१, ११४३-११५६	चोला	१०८१
चापा	३५६, ३६२, ४५२, ४५७, ५१३, ५३८, ५६५, ५८४, ६०१, ६२०, ६६७, ६८६, ७२५, ७७१, ७८६, ७६३, ८६५, ६०८, ६१३, ६१५, ६३७, ६४२, ६८७, ६६१, १०६२, १०६३	चोली	१०१३
चांपू	१६१, ३१५, ६०६, ६०६, ६२०, ६६१	चोहथ	७६६
चाप	७६	छपाई	८२१
चारु	३०२	छाछा	६०५
चावन	३४६, १०२३	छाजलदे	४६७
चाहड	७३, ८०, ३६४, ४६३, ५५४, ६११, ६७२, ७२२, ७५६, ८१८, ६१४	छाजू	४०४, ४६८, ४६७, ६२३, ८२८, ८४१, ११३० ३३६, ४६५, ६६२
चाहिणदै	५६२, ७२५, ७५६, ६३०	छाडा	७७४
चाहिणि	१७४	छाहड	६४२
चाहिमदे	२५१	छाहणी	४६२
चिराइत्र	७६४	छीछर	७६७
चुथा	३६६, १०८२	छीता	२६०
चूडा	५६५, ६१३ ८७७	छीहल	८०
चूणा	६२७	छूहदेव	५५०
चूहड	८५८, ६६४, ६६५	जंगी	४४३, ६६६, १०१८, ११३६
चूहथ	५१४, ६३०, ६३२	जइता	३५४, ३६०, ३६०, ४३०, ५५३, ७५७, ७८८, ६४५
चूहा	५०४	जइती	६०१, ६२०
चेतन	११६४	जइतु	८८५
चोखा	८४६, ८५८, ८७१	जइतू	५४०
चोजा	६५७	जगड	८०, १०८१
		जगडा	४५६
		जगत	६२३
		जगपाल	७२, १४५, ६०६, ६२५
		जगमाल	१६६, ४४८, ४६५ ४७१, ६१२, ६६७, ६६८, ६८७
		जगसीह	१४६
		जगसी	४०४, ५०६, ८४७, ६६७, ६६८
		जगा	५६३, ७७६, ६६१, ६६३

जता	५६३	जसद	२३३
जदू	११३६	जसधन	२५५
जनकू	३००, ४७५	जसधर	६०
जनु	८५७	जसपाल	६०
जनु	६४३	जसभ	२४
जबीर	६५८, ६५६	जसमादे	१८२, २३३, ३५३, ४४८, ४६४, ५१५, ७७७ ८१०, ८२२, ११६०, ११८७
जय	४५	जसमार्या	२६०
जयकरणा	११०६	जसवीर	८०५
जयंतपाल	६६८	जसहरड	२७
जयतमाल	६८७, ११६०	जसा	२४४, ३०६, ५६८, ७८६, ६८७
जयतलदे	१५०	जसाकोरु	१०६
जयता	१२६, १४४, १५०, २३७, ३०३, ३५४, ३७२, ४५२, ६५१, ८०६, ६०६, १०१८	जसाविति	७४
जयतु	२२२, ५४६, ८७७	जसु	१८८
जयदत्त	११३६	जसू	८३५
जयदास	१०६२	जहजलदे	४७२
जयपाल	१६१, १०३३	जाऊँ	५८४
जयमल	११७६	जागू	४६४
जयराज	११६७	जांजणदे	६४०
जयवंत	८७४, ६६३, १०६६, १०८३, ११३१, ११३२, ११८३	जाजा	७८५
जयवतदे	११३१	जाजी	५७
जयसिंह	३५३, १०३२	जाटा	३३५, ६२१, ६२६, ६६८
जयसीह	७१	जाणा	१५६, ५१५, ६६६, ७५६
जर्पू	७६१	जाणी	२३७
जवणसी	८३३	जाथाराम	४६४
जवणादे	६६३	जादवदे	५१२
जशवत	१०१६, ११७२, ११७६, ११८४, ११८५	जानू	४७६
जशवतदे	११७२, ११७६, ११८५	जाल्हण	६६
जसकुमार	६५	जाल्हणदे (वि)	६३, ३०५, ५८३, ७५१
		जाला	१६, ४६७, ६८६, ८१०, ६६३

जाली	६७	न७४, १०१६, १०३२	जीविणी	४२६, ६१४, ७००, ७४०, ७४५, ७७२, ६६१
जाल्हा	४१६, ५५८, ८५५, ११३२		जीवी	८०६, ८३३
जालू	८३७		जीवू	४६५, ४६७
जावड	५५६, ५६६, ६१०, ७५५, ७५७, ८४५, ६६३		जुगराज	६६८
जावद	५३६		जूढा	१००७
जावलदे	४३०		जूढिआ	१०३२
जावा	६६३		जेजा	२६०
जासू	७४, २४६, २८०, ४६१, ५६१, ६८३		जेठश्री	१०६५
जिदा	४७		जेठा	१०६५, ११६०
जिनचन्द्र	४०		जेठू	८८०
जिणदत्त (जिनदत्त)	१५, ४२१ ४६२, ५५५, ८२८		जेतलदे	८१०
जिनदास-	३०७, ५०२, ८२२, ८४५, ६६६, १०६३, १११२, ११२६, ११६६ ११७०, ११७३, १२००		जेता	८१७, १०८३
जिणपाल	६६७, ६५८		जेमलदे	११६२
जिणश्री	५३६		जेला	२६६
जिल्हा	२५६		जेल्ला	२०४, ३१४, ६२७
जिसमादे	६१६		जेवंत	५०८, १०३३
जीऊ	३४६, ४०१		जेवतदा	१०३३
जीदा	३७४, ३६७, ५०८		जेसल	१४३, १८२, ५१५, ६७६
जीवण	३१३		जेसलदे	६७८, ६७६
जीवनदे	११७३		जेसा	१६२, २८०, ४६६, ५३५, ६२४, ६४६, ६६२, ७७५, ७८६, ८००, ८६७, ६१६, ६३४
जीवराज	१६१, ८७४, १००६, १०१६, ११३२, ११६६, ११७०, ११७३, ११७४		जेसी	३४७
जीवराम	६७६		जेसामाड्या	७०१
जीवा	६६७, ७४६, ८१०, ८२२, ८७४, ८८२, ६४५, १००५, १०१६, १०३२, १११२, ११३३		जैसी	८३५
जीवाई	६३६		जोई	४६१
जीवादे	४६३, ७०५, ८४७,		जोगड	६८
			जोगा	३७७, ७४७, ८४५, ८८२
			जोगी	६४५, १०००
			जोजी	६१५
			जोडमदे	१०४७
			जोधा	८०५, ११६०
			जोला (ल्हा)	३४, ६२८
			जोवा	६७०

भकमलदे	५४६	४३७, ५८०, ६११,
भगडा	५३६	७८६, ८६१, ८८२, ६७३
भनकू	४४४	ठाकुरसी (ठाकरसी, १६०, ३७७,
भनू	६५८	ठाकुरसिंह) ४४४, ५६२, ६२६, ६८३,
भमशी	१००७	७२७, ७२८, ८०८, ८२७,
भाइआ	६४६	८३३, ८६६, ८८१, १०२५,
भांभण	८०, ८५, १२२, १७६,	११६२
	४२६, ५५१, ६५१, ८२०,	डउठा ५७२
	६७६, १००६	डामर २४४, ५५५
भांभा	३६०, ८६०	डालू १०१, १०७, २३१,
भाभा	११६	४६३, ६६५
भाभू	६३२	डाहा ४१७, ५३६, ५६५, ६८३,
भांबशी	४८१	८८३, ६६८, १०६६,
भावा	४८१	१०६४, १०६५, १०६६
भाली	८६८, ८६६	डाहिया ८४८
भावहही	३६३	डाही ४१४, ५५६, ७००, ७२६,
भीथी	१००६	७४५, ७६५ ८६८, ८६६,
भीवर	८२२	६५२
भूठा	६८७	ढीडा २५७, ३५८, ५६६,
ढबकू	६१४, ६७६, ७०६,	७०२, ६१४
	८६५, ६७७	ढीडी ७४८
टबी	८३७	डुंगरदे ११३२
टबू	८३२	डूगर, ३१, १६०, १६५, १६७,
टाला	२५०, ६२०	२०५, २१४, २१७, २७०,
टाला	२६३	२८७, ३०१, ३३१, ३७१,
टिला	७६७	४१७, ५०८, ५४, ५४२,
टीवू	५३१	५६१, ६३२, ७६५, ८५०,
टीलण	२११	८६८, ८६६, ६१०, ६६६.
टील्हा	५२६	डूंगरनाथ १०६७
टोडर	६७४, १०६३	डूंगरसी ४६१, १००७, ११२७,
टेहा	६८२	११३२, १२००
टोहा	६३०	ढवी ५४६
ठाकुर (ठाकर)	२३६, ३०६, ३७५,	ढाला ३३१

ढाली	५८६	६८६, ६६१, ७१७, ८०१,
ढाहा	७६८	८१५, ८२०, ८२७, ८३७,
णावू	७५८	८६१, ६१६, ६३४, ६४४,
णामा	३६५	६६५, १०४३, ११८१, ११६७
तंन्नाभ	४३३	तेजी ६२१
ताउ	४७४	तेजू १२६, ३८७, ६००,
तारा	७४२	६२५, ६२७, ६७८,
तारादे	३३८, ३३६, ४८६, ४६५	७५६, ८४६, १३२६
तारु	५५७, ६७३, ६६६,	तेलनी १६४
	८०६, ८८५	तेली ४७५
ताल्ला	५६०, ६५५	तोडा २६६
ताल्ही	१०८	तोल्हण २४४, ६७०
तिलक	८४३	तोल्हनदे ८४२
तिलोकसी	८१५	तोल्हा (तोला) ११५, १८०, २४१,
तिलोगचंद	६३७	२४४, ३२७, ३३८, ३३६,
तिहुणश्री	२४१	३६०, ४०७, ४४६, ४६५,
तिहुणसी	१०७	८३६, ८४२, ८५८, ६१६,
तिहुणा	८६, २६६, ४५६, ६१५,	६३४, ६६०, ६६५, ६७८,
	७४१, ७८०, ६१३, ६१८	६७६, ६६२, १००४, ११४४
तीजू	४६१	तोली ३६१, ५६८, ६३८, ६६५,
तीडा	१२६	११४३, ११४४
तील्ही	१६१	थरवू ८२१
तुलही	८३३	थावर ८६१, ८६७
तेजपाल	११६३, ११६४	थावरवच्छी १०३५
तेजमल	१०२७	थाहरू ६३, ६६७, ६८२
तेजराजि	३६०	थाहा ७७५
तेजलदे	१४६, ५२३, ६८६,	याहू ५८१
	७१८, १०६६, १०६४,	थिरपाल १४६, १५१, ५६७, ६६१
	११८१	थिरा ८०२
तेजसरू	६५३	थेजा ६७१
तेजसी	१०१३	थेरा ७६६
तेजा	१०७, १५१, १६७, १६६,	थू ४५
	२०५, ३३८, ३४५, ३८०,	दत्ता ११३२
	५२३, ५२८, ५६०, ६३६,	

दफर्या	३४८	देऊआ	६६४
दलहदे	६४३	देऊती	१६०
दलू	८०२	देकार	११४३, ११४४
दसरथ	४१६, ६७८, ६७६	देकू	६२७
दाखा	१०३४	देगू	६२८
दाडिमदे	६६५, ८८३, १०३४, ११६५	देदा	७८, ६६, १०५, १३४, १४३, २१०, २६५, ३८५, ४१६, ४५६, ४६६, ७५३, ८७०, १०५८, १०६२, १०६३, ११०४
दादह	४१६	देधर	७५६
दादू	४५, २०५, २७२	देपा	२५०, ५४७, ५६६, ६०१, ६०३, ७७३
दामा	५०६, ७२०	देपाल	२६२, ३०७, ४१८, ४७८, ५३१, ५६६
दामोदर	१६	देपू	७०, २०१, ३१५, ८४४
दामोदेव	१०४६	देमति	१५, ८६१
दासराज	११३१	देल्ह	३६७
दासा	५७५, ८४८, ८५०	देल्हण	४६, ६२
दासी	८२७	देल्हणदे	२५६, ३७०, ५६६, ६०६, ६६७
दासू	५२६	देल्हा	६७, २१३, २५४, ३३४, ३४७, ४००, ४०४, ४३६, ४७०, ५०६, ५५६, ६१६, ६३४, ७७५
दाहड	१०५	देल्ही	५२८
दिनकर	६३७	देल्हू (देल्ह)	६११, ६६७, ७८६, ८३२
दिनगल	१०१	देवकरण	८७३, १०२५
दीता	६१६	देवचद	६, १०३, १०१६
दुर्गादास	११०१	देवण	२६२
दूदी	३४८	देवत्री	२६२
दूतल	६७०	देवदत्त	३६७, ५८३, ६६२, ७५१, ७६२, ६५८, ६५६, १११८, १११६, ११२०
दूता	७७, ३७०, ३७६, ६२२, ७५६, १००६		
दूनहत	३३३		
दूनहदे (बी)	६४३, ६७५		
दूल्हा (दूला)	३६०, ५८५, ६१६, ६७०, ८६६, ६७५		
दूल्हादे	३१३		
दूली	६१८		
देऊ	७७, २५०, ५५१, ५५७, ५६५, ४८४, ७६८, ८२७, ८७७		

देवदास	ननर, न६१	देहड	३६४
देवधर	४६१, न६२	देहा	१०३८
देवपाल	२०८, ५६७	दोसा	७७५
देवयाक	१५५	दौला	७६०
देवराज	१६७, २३५, ३६१, ३०२, ३०७, ३१६, ४४६, ४८२, ६२८, ७८२, ८०६, ८८७, १०३१	धणदत्त	६०७
देवराजही	५३६,	धणदे	३२, ६७६
देवलदे	२१०, २५३, ३१०, ३७२, ३६६, ४३६, ४७०, ४७२, ५१६, ५६६, ६०३, ७४३, ७५८, ७६४, ८७०, ६०२, ६१७, ६६८, ११२२, ११४३, ११४४	धणदेव	८०
देवसा	४४	धणदेवी	५७८
देवश्री	१०६, २६१, ७४२	धणपति	५२६
देवसी (ह-सिंह)	१०१, २५३, ३७२, ५१६, ५५६, ६०६, ७६३, ७६२, ८१०, १०७६, १११८, ११५६, ११६५	धणपाल	१०८, १४२, ५७८, ६३६, ७८८
देवसेन	७४५	धणपाल	६१५, ६४२
देवा	११७, १३३, २७२, ३४७, ३५५, ४३०, ४३७, ४७२, ४७८, ४८८, ४६१, ५०३, ५०५, ५४८, ५५६, ५६६, ५६७, ५८३, ६३२, ६६२, ७०६, ७३३, ७४२, ७४३, ७७०, ८०८, ८६५, ६१७, ६६७, ६६८, ६६६	धणलाल	७५४
देवायन	७६४	धणसिंह	१६१, ४१६
देवी	३६२	धन	५५
देवितारौ	८३३	धनदास	६६६
देसल	४२४	धनपाल	७०३
		धनराज	३०२, ३६४, ४७१
		धनश्री	६०७
		धना (ना)	२८२, ३७८, ४१३, ४१४, ४१८, ४२२, ५०३, ५१७, ५७३, ६१७, ६६६, ६६६, ७००, ७०६, ७४३, ७८६, ८१३, ८३०, ८५४, ८६४, ६१७, ६६२, ६८५, १०८५
		धनार्ई	५६३, ८४७
		धनागसी	१००
		धनी	६८५
		धरणा	८२, ६०, १६६, २५०, ४८६, ५६८, ७२६
		धरणी	१४५, २७६
		धरणदेव	६
		धरमाई	११६३

धरमादे	६७१	धीरलदे	५०५-
धर्म	६६२, ७६६	धीरा	३२६, ३६५, ४३५, ४७५,
धर्मण	६००		४८६, ४८७, ५०५, ६४६,
धर्मपाल	२०७		६६०, ८७८, ६५७, १००३
धर्मसिरी	३०४	धीरू	१०३४
धर्मसी (सिह)	४७०, ५४०, ५४८,	धीहा	१०३३
	७३८, ७४२, ७६७,	धुम्बा	५५७
	८०६, ६१०	धुरा	५५४
	११४३, ११६६	धूना	८०१
वर्मा (रमा)	१७७, २१२, २५१,	धूरी	११३४
	२६२, ३०४, ३६२, ४७७.	धृति	५५६
	५५६, ६६६, ७३३, ७७६,	धाघू	५४६
	७६६, ८२४, ६३२, ६३४,	नङ्गसिरी	३४५-
	१०००	नजला	३८७
धर्मादे	३०५, ८५४	नगदास	१११७
धर्मिणी	४०५, ५६६, ५६७, ६३६,	नगरणवाल	५२२
	६४६. ७०१, ७११	नगराज	२८५, ४१६, ५१०,
धाई आ	८४८, ६००		५५०, ५७०, ६७६,
धाऊ	६३७		७७८, ११६१
धाधलदे	१५६, ५२८, ५२६,	नगराजी	१०४३
	७२६, ७४७	नगा	५७४, ८६४, ११४३, ११४४
धांधा	५०६. ५८८, ६१६	नणा	१४३
धानसिरी	८५७	नथूही	५३६
धाना	३३८, ३४७, ३४६, ३६१	नन्दन	१५०
धानी	२७७	नन्दा	६८६
धामा	२४७, ६४४	नन्दी	३०५
धारलदे	३२६ ५३६, ५४०, ८६४	नन्दीदास	१०६१
धारा	१६०, १६५, ६४१,	नन्नोदेवी	७३६
	७५६, ६००	नपा	५५५, ८८०
धारावत	१०६४	नमीदास	८५१
धारी	७५५	नयण	११८७
धारू	७६४	नयणा	३४३, ५००, ६०३, ६६१,
धावी	६८२		६८६
धिणा	१४४		
धीना	१७७, ५४८		

नयणादे	१०६, २६२, ११४३, ११४४.	नवीरदास	११७१
नयणी	१००६	नाई	६०६, ६६३, ६६४, १०२३.
नयणू	२३७, ६६६	नाऊ (ऊँ)	४८०, ६६३, ७४३
नयनश्री	१०१, ८१४	नाकी	८५५
नयणसी	१६४	नाकू	६५५
नरगण	७२०	नाखा	७४३
नरदे	४८६	नागदेव	७०
नरदेव	५२२, ८०६, ६०४, ६३६ ६४८	नागलीदे	८१८, ८८७
नरपति	११४, ३४६, ५४०, ६३६,	नागसीह	१७५
नरपाल	३८३, ६३८, ६८८, १०२८,	नागा	५७२, ८१०
नरमदा	६७८, ६७६,	नाजल	७८२
नरराज	२५५	नाजिम गुलाबचंद	३३७
नरवद	२३८, ७४०, ८११, ६१८,	नाटा	७०४
नरसा	२८५	नाडी	४११
नरसी (सिंह)	६२, ११२, १८५, २०६, २२०, २३७, २८८, ३४६, ३६०, ३६६, ४१२, ४८१, ४६४, ४३४, ५६५, ६१६, ६८२, ६८५, ६६०, ७६१, ७७१, ७८१, ८०८, ८१४, ६७०, १०२०, १०७६, ११६१, ११६६, ३८६	नाथ	८३१
नरहरण	७०७, ७०८	नाथनदे	६०२
नरीआ	३४६	नाथा	२२८, ६०२, ६२२, ७२७, ७६०, ८२४, ८४३,
नवरंग	१०८३, १११२, ११३२, ११८७	नाथी	५६८, ६११, ६८८,
नवरगदे	११०६, १११७, ११३२, ११६६	नाथू	२५४, ३८५, ३६७, ५०६, ६१७, ६६६, ६६५, ८७०,
नयलादे		नानकराज	४५
		नानकदे	१५१
		नानजी	१०४३, ११६६
		नाना	३७०, ४१७, ८१०
		नानिग	२६२, ५७०, ६२३, ७०३, ६६४, १०२१ ८२३
		नानी	२७८, २६८
		नानू	३०४, ५४६, ६८२
		नापा	३६०
		नाभा	७१७, ७८१, ८३१, ६३४, ६३८
		नामनदे	५०५, ५५७
		नामसी	

नायक	३३६	नीरार	७३४
नायकदे	१२७, ३३६, ५५५, ५७४,	नीराल	६६१
	८३६	नूना	२०१, ६६६
नायण	१०७४	नेईआ	६७७
नायरी	४५	नेजा	१६०
नायबदे	८५६	नेतमी	३६५, १००७, ११००,
नारद	८८५		११३२
नारायण	१०७६, ११६१,	नेता	६३२, १११२
नारिनदे	७०४, ८६३, १०३१	नेनसिहैक	१
नारिन्ददेवी	३१२	नेना	२६३, ३२८, ४४६
नारुण	६६०	नेम	६७०
नाला	२०१	नेमराज	१०३८
नालहश्री	४६६	नेमा	२६३, ३६७, ४६४
नाल्हा	३०४, ३७५, ५८८		७४८, ८७४
	६५३, ८३६, ८६३	नेमिकुमार	१२
नाल्ही	३८८	नेमीचन्द्र	१७४
नाल्हू	४६६	नेमीदास	११३०, ११३५, ११७७,
नावलदे	५७०		११८२, ११८७
नासण	३७२	नेमू	८५१
नाह	२०१, ६६७	नेव	७
नाहड	१५६	नोजा	११४०
नाहाकदे	६६७	नोता	११२७
नियतसिह	८६५	नोल्हा	६६४, ६६५
निपुनी	८८२	नोहल	४४०
निमिणी	६३२	नौजेक	१
निलु	८१०	नौहल	६६७
निल्हा	६११	पगारसिह	८७५
निश्चारदे	११२०	पचा	६५६
नीणादे	६८३	पची	८५७
नीणू	७५६	पछाड़ा	२०८
नीबड़दे	६७०	पजून	११५
नीबा	४६६, ५६०, ६१०, ६१८,	पजेत्तमालह	५४६
	६८८	पचारण	३५४, ७४५, ७६२, ८३७,
नीबा	७७५, ६८०, १११६		६७०, १०१३, ११२६
नीरा	२०७	पंचूली	८६८, ८६६

पट्टक	११८	प्रतापदे	११८७
पता	८३५	प्रतापमल्ल	१६६
पदम (पद्म)	१२१, ४८६, १०५०	प्रतापसी	११०६
पदमदे	-६४०	प्रभा	६७४
पद्मलदेवी	१६६	पल्ह	८६३
पद्मलदे	६७३	पल्ही	६७६
पद्मश्री	३२५	पहती	६५२
पद्मसी (पद्मसिंह)	३८५, ७६३, ८३३, ६६७, ६६८, १०१३	पहड	१४१
पद्मा (पद्मा),	१६६, २५८, २६८, २६४, ३०५, ४७०, ५२१, ५४८, ५७१, ६५२, ६७६, ७२४, १०५६	पहकू	८४६
पद्मादे	५५५, ५८८	पहिरा	८७४
पर्दा	१४१, ६३६, ६०३, ६४०, ६६४	पहिराज	२७६, ५६७, ६२३, ७४८, ७६०
पदी	३६५, ८६०	पहुदेव	२४
पहू	११२६	पाउधा	२३४
पनश्री	१०२६	पाचा	६७६, ८०४
पन्ना	३२४, ४८४, १०२६	पाँचा	३८८, ४२६, ६२०, ७६४, ८०३, ६०६, १०४३
परमा	५७	पांचू	४३१, ७८८
परवत (पर्वत)	२२५, २२८, २८६, ३४४, ४०६, ४१७, ४२०, ४४३, ४५५, ४८७, ५१६, ५६१, ६०६, ६२३, ८३२, ६४१, ६७३, ६७८, ६७६	पाटल	८७७
परवतदे	८२६	पांडण	७८२
परसा	११०७	पांडु	३६८
प्रथमसिरी	२२५	पाणीरुद्र	२७०
प्रथमा	४७८, ६०६	पातल	३६६, ८०२
प्रद्योत	६७४	पाता	६४२, ७४३
परताप	२०२	पातू	७३०
		पादा	१२०
		पादू	८६३
		पानल	६४५
		पानलदे	६४५
		पाना	१८३, १०६२, १०६३
		पानारां	६२५
		पांण्ड	२४६
		पापा	२१५

पामदे	३६२	पियवर	७३८
पामा	४६६	प्रिमलदेव	२४६
पारस	३४५, ४४३, ५७६, ७६७, ८२८	प्रिमी	७००
पारवती	६१७	पीचन	४००
पालक	१३५	पीथा	६०३, ११८७
पालदे	१७०, ६३४	पीपराज	११५६
पालहण	१४२, ६२५, ६७२	पीपा	७७
पालहणदे	१६७, ३६०, ४४३, ६०६, ७२७, ७४८, ७५१, ७७१, ७६७	प्रीता	६६३
पालहणसिंह	१६६	प्रीमलदे	४२०
पालहणसी	५४०	पीलादे	२४५
पालहा	११८, २२३, २८४, ३५२, ३५८, ३६६, ३८१, ३८४, ४४६, ४५६, ५०५, ५५१, ५६४, ६१८, ७१६, ७२७, ८०६, ८४०, ८५५, ८६८, ८६६	पीवा	८३०
पालही	४५६, ८३३	पुनसिरी	१६६
पाल्हू	३४५, ३६६	पुञ्जल	२७१, ३३६
पास	६८६	पुरसा	६२६
पासड	४४३, ७२४, ७७२	पुरुसा	११६८
पासदत्त	७५१	पुहती	१००६
पासरभू	१०५८	पूजल	१३१
पासलदे	६६४	पू (पू) जा	२६८, ३०२, ४१२, ४१३, ४२८, ४८३, ५१७, ५३६, ७५६, ६०४, ६४४, १०२३
पासवीर	१६६	पू (पू) जी	२७७, २६४, ४०३, ६४७
पासा	४८३, ४८८, ६६४	पू (पू) जो	१७०, ३११
पासिक	३२१	पूतणी	६६६
पानू (सु)	७, २२४, ७०३, ६४४, ६७२, ११२६	पूतली	६८७
पाहल्ल	७६५	पूता	५६४
पाहुल	२५	पुतू	२२१
पिमुणि	२६	पूनड	१०१
		पूनपाल	१२६, १५६
		पूनम	१३८
		पूनसिंह (सी,	६७, १२७, १६०,
		पुनसी)	२५५, ५०७, ६३१

पूना	६१, १०२, २०६, २४६,	पोमदत्त	८८४
	३४६, ३६२, ४०६, ४५६,	पोमलदे	४७०
	५५६, ५६९, ५६५, ७३४,	पोमा	२६३, २८०, ३१६, ३२१,
	८०२, ८१५, ८६२, १०६०,		५०५, ५३१, ६०६, ६६६
	१०६३, ११०८, ११३१	पोसादे	६८५
पूनादे (वी)	७०, ७३४, ६७८,	पोमी	५५६
	६७६, १०६२, १०६३	पोहट	६८५
पूनि	७५	पोहू	१११६, ११०२
पूनिदे	११०६	पौराऊ	७८०
पूनी	३६४	फडीआ	६८७
पूया	६७६	फत्तू	५४५, ६४६
पूरण	७५१	फदकू	३१३
पूरादे	११७८	फदा	५०१
पूरिगदे	८८१	फदू	५६१, ६४५
पूरी	१८६, २१६, २६६, २८७,	फमराण	६२२
	३०७, ३१७, ५४६, ५५७,	फमराणदे	६२२ ^{१०}
	५७५, ५६१, ६०३, ८०२,	फमरू	३३०
	८१०, ८६७, ६४५, ११८०	फलू	३२७
पूवा	३४६	फाउणि	१६६
पृथ्वीपाल	५४	फाडे	५४८
पेथा	२१६, २८१, २८६, २६३,	फालहू	३५६
	३१७, ३६७, ४२६, ५३८,	फीदा	८२३
	५७६	फुअड	३५१
पेमल	११००	फूला	७६६
पेसा	१८६, ४६६, ५३४, ८६७	फूसामल	२१
प्रेमराज	१०७७	फेटा	६६०
प्रेमलदे	४८७	फेरु	४६०, ७६२
पेदा	८६४	वंगआ	६३७
पेसा	६६६	वंगा	१५३
पोइणी	८४५	वड़चू	५३१
पोखी	१३०	वहूरा	४३२
पोपट	६६१, १०१५	वदघी	६६०
पेदा	१००, ४७१	वडा	३६७

बहुआ	३१०, ८५७	बेहड	१६६
बना	३८४	बोडा	८६६
बहमा	३६	बोदू	३४६
बाल	१०३३	बोहिथ	२६२, ४६६, ६७१,
बलहा	१५		११३४, ११४३
बला	१०७३	भउंडु	७२१
बहुचंद	११६	भगवानदास	१०६४
बहुरा	६०१, ५६०	भडा	६१६
बहुरी	८६४	भदू	२२६, ५३४
बाई	७४३, १०१३	भयरव	६२८, ११७१
बाऊ	६२८, ६४१	भमरादे	७८२
बाघा	५०१, ६३६, ८४३	भरमा	५५४, ६८७
बानू	७८८	भरमादे	५६६, ७१५, ७६६, ६६७,
बाल्हा (बाला)	२६३, ४५५, ४६४		६६८, १११७
बाल्ही	६४६	भरमी	३७४
बालू	२७५	भरह	५२०
बास	११३	भरहा	६३८
बाहड	१३३, २६१, २६८, ३५१	भरू	६१२
बाहडदेव	८८	भला	५६५
बाहडसोम	३६	भवानी	६६४, ६६५
बाहा	१०६	भवानीदास	६६८
बाहीथ	६८	भाऊ	४४६, ६४३, ६२७,
बिलहु	५५४	भाखर	२२१, ३०५, ३७४, ७१५,
बीजुत	४५		७६४, ८१६
बीदा	१००४	भागा	८६६
बीमा	१००४	भागा	१०४३
बुद्धिसेन	५६६	भाग्यचद	११४१
बूचा	६७१	भाडा	४१८, ६७५, ७८८, ६१४
बूटा	१४३	भाणा	६०८, ६७८, ६६७, ११३२
बूटी	१११	भाटा	६०३
बूदी	१०६१	भावा	२०५, २५१, २६४, ३६५,
बूहड	७६१		५१५, ७६६, ८३४, ६७०
बेला	७१७	भावा	३७४

भानव	१६	भीमण	२८७
भानू	५५६, ६८८	भीमराज	१०६६, १०६४
भामर	५७७	भीममिह	२३८, ११४१
भामसी	३४६	भीमा	६७, १५७, १८०, १६१,
भामा	१०८३		२०६ २६५, ३१८, ३२६,
भामादे	१०२६		४७२, ५३८, ५४६, ७१५,
भामिनि	३५८		७६०, ८३६, ८४३, ६६२,
भायणी	१३६		६६६
भारती	६	भीमाउ	६६६
भारमल्ल	५२६, ६७०	भीमिणी	६४३
भारमल	८६४	भीष्मताप	५१०
भारिमल्ल	१०३३	भुणा	५३६
भारल	७८२	भुता	३०२
भारवणदे	१०३२	भूचर	३६२, ५२८
भाला	२८६	भूणा	३०६, ३१६
भाउह	७४१	भूदावर	८६०
भावढ	७७७, ६४०	भूपति	६२८, ११३२
भावदेव	६७१	भूपर	३०६
भावल	२४६	भूभा	१७०
भावलदे	१४२, २०६, २७०,	भूभुज	५०१
	३०६, ३२६, ३६५, ५२६,	भूरा	२४७
	६८५, ७१३, ८१६, ८३८,	भेऊ	१०५६
	६०८, ६६२	भेदा	८५७
भावसिह	१०३६	भेदाअरि	१२१
भाषा	७३४	भेला	६३२
भाषण	११६१	भोज	४५
भीखणमल	१०११	भोजराज	१०६०
भीखा	३६३, ६०४	भोजल	१०६०
भीता	१२६	भोजलदे	६४८, ११२०, ११२७
भीदा	३७४, ७१४	भोजा	१८०, २३६, ४३३, ४८१,
भीनी	४५६		४८४, ५५६, ५६२, ५६६,
भीमंठ	४३०		६४८, ६७०, ६८३, ७००,
भीमजी	१०२०		७०२, ७४३, ७८४, ८७८,
			८८६, १०४८, ११२०, ११२७

भोजी	६४७	मना (मन्ना)	८६१, २६२, २८३,
भोटा	७८४		३४६, ३५२, ३८६,
भोला	२४३, ५८१, ७६६, ७८२, ८३८, ६१२		४५७, ५४८, ६००, ६८०, ७३७, १००८, १०१६, ११३६
भोली	२८६, ५८६, ६३७, ६६०, ६६६	मन्नादे	१००८
मंजू	६२४	मनि	२६५
मङ्ग (न)	१६१, २६६, ५६१	मनोहरदे	११६७
मङ्गलि(ली)क	१६४, ३१३, ३७८, ४४२, ६७६, ६४५	मन्मी	३६४
मदोयरो	४५५	मयणलदे	५२३
मगसा	१०६८	मरगदी	५८६
मगन	१४०	मरमट	६२६
मगा	४४	मलयसीह	१७३
मगादे	१०३३	मलवसीह	६०
मग्गा	३१८	मल्हाई	६७६, ६११
मग्नादे	११५७	मला	५१३
मवा	७६३, ८८२	महण	१८३, २६३
मचकू	७६५	महणश्री	४०६, ८१४
मची	५०३	महणसीह	४३, १३७, २२८, ५७८
मचू	६३३	महणा	११०, १७७, ३००, ४०१, ६८४, ६८६, ७८२, ८०५, ८६८
मङ्गू	५६४	महणादे	११०
मडा	८२७	महता	५७८
मणी	६६३	महराज	४७३, ६६०
मदन	१११, १२३, ७४६	महराजी	४०७
मदनमानिक	६६	महा	४४३
मदनसी	१०७७	महाकाल	८२७
मदनी	५७०	महाधर	११४
मदा	३६८	महानन्द	६५
मदिरा	५७७	महाबल	१११६
मरगसी	१०००	महासिरी	४७३
मन	११७७	महिगलदे	५६१
मनकू	७४४	महिपा	२२६, २७६, ४२६, ४६०, ६८४, ७०६, ७५५, ८४६
मनरगदे	१०६०, १०६१, ११८२		
मनले	१०३८		

महिषादे	१११६, ११३६, ११४६	माण(णि)क	३६, ७६, २५४,
महिरा	५६६, ७०६, ८७४		२८३, ४०८, ४४४,
महिराज	३२०, ४०६, ४१५,		६०२, ७०५, ७०६,
	५४४, ६६६, ८१४		७२२, ६००, ६५५
महिरी	७४८	माणिकचंद	६५
महिलण	५६	माणिकदे	२४३, ४०३, ५११,
मही	४८६, ६६६		५१६, ५८७, ६३६, ६४०,
महीआ	७५०		६६७, ६६०, ७२८, ७३६,
महीधर	८५		७७६, ८१०, ८५६, ६१६,
महीपति	४२५, १३४		१००८
महीपाल	३६, ४३, ८७, १५६,	माणिभद्र	४
	१५७, ३००, ३८०, ४१२,	माणी	६६०
	४१६, ८८४, ६११, ६६७,	मातर	३८८
	६६८, ६८६	माता	६८२
महुणसी	४८०	माधव	५८३, ६३१
महोर्वच	१६	माधी	६७६
माई	२६५, ३८१, ६०८	माधू	८३६
माईआ	६४०, ६४६, ८३०	मानसिध	१०६०, १०६१,
माऊ	५०१, ६५५, ७५२,		१०६२, ११६५
	८६७, १०३४	माना	११६१
माका	७३४, ६६६, १०३१	मानादे	१०८४
माकू	४७७, ६७५	मानू	४७८, ६६२, ७१०, ७६५,
मांगा	८७१, ११५६		८०७, ८४२, ८७८, ६१२, ६६१
मांजा	२२८	मपू	६५८
मांजी	६६२	मामट	५०७
मांजू	२३७	मायेआरि	२५५
मांडण	२४, ३४६, ३६१, ३६५,	माल्ह	६४२
	४०८, ५११, ५१६, ६५१,	माल्हण	१०३, ३६५
	६६७, ७२८, ७३२, ७४३,	माल्हणदेवी	११७, २६६, ३२४,
	७५७, ७७६, ८१०, ८३७,		४१५, ४५७, ४६०,
	८८८, ६३६, १०८७, १०७५		७०६, ७८३, ८०५,
मांढा	८०१		६१०, ६६३, १०४३,
माडा	४६८		१०४४

मालहा (ला)	१६६, २०६, ३४८,	मूलादे	११०६३
	२५३, २५६, ३६०,	मूली	३५४, ५६८
	५१६, ५३७, ५४४,	मूल्ही	२१८
	५६१, ५६४, ६४०,	मूल्	१७४
	६६६, ६६०, ७१०,	मेचू	२१५
	७७२, ८७३, ८८०,	मेघपाल	१४२
	११४३, ११४४	मेघराज	३००, ६५८, १०३७
मालही	२५४, २६८,	मेघा	१७६ ३०६, ३१४, ३८८,
माहण	६७ ५७८, ११६१		४६६, ६००, ६३०, ६३८,
माहव	७४५		७७७, ८१७, ८२५, ८४७,
माहा	५१४		६१६, १०३८, १०६६,
मित्रदत्ता	३७२		१०६७, ११४४, ११६६
मितापदे	१०३३	मेघादे	१७६, ३५६, ३६१,
मिहरश्री	८८७		७१३, ८१६
मीका	६१०	मेघी	५८७ ८५८
मीकार	६५२	मेघू	८३८
मीता	४५	मेतू	१००
मीतु	८७७	मेघा	१६०, १६७ २७६, ४७३,
मीदा	८३१		४६६
मीया	१०६६	मेघू	२७८
मीरादे	१०६३, ११७६,	मेरा	५६१ ६७५, ८४४
	११८३, ११८४	मेरू	१०५४
मुक्तादे	३४४, ६३१, ६८४	मेल्ह	६६४
मु जाल	२४४	मेला (ल्हा)	२६६, ३१८, ४१६,
मुनिचद्र	३०		५४७, ७८१, ८०६,
मुनी	३२८		८१०, ८६०
मुहणसी	७०७, ७०८	मेलाई	१०२३
मूंगा	२६२, ५७८	मेलादे	५४७, ६१६, १०३३
मूजा	१६३, ७५६	मेलू	२४६
मूलपाल	११०	मेवा	२५५
मूला	४२६, ४६६, ५७०, ६४०,	मेहण	३२६
	७११, ७४४, ७८५, १०४२,	मेहा	१५६, १५६, ३२६, ५०३,
	१०६२, १०६३, १११६		६७५, ६७८, ६८२, ७१६,
			८५५ १०७४ ११५६

मेहिणी	"	६५५	रगसा	४५७
मोक्कल	२३२, ४६०, ८१४		रंगा	६५६, ६८८
मोक्षसी	२८६		रंगाई	६७६
मोका	८२१		रंगादे	६२१, ६६६, ६७७, ६८७,
मोखलदे	१६५			६६०, १०१५, १०४५,
मोगा	८७२			१०६६, १०८५, १०८६,
मोडा	२३७			१०६४, १०६५, ११००,
मोडी	२१०			१११२, ११६०, ११६६,
मोढ	२२२			११७०
मोथा	६१८		रगावाई	१०३४
मोदा	१०६२		रंगी	८८७
मोल्हा	१८१, ५१२, ६६१, ६६८		रगू	७०२
मोहण	२०६, ३०१, ३१८,		रजादे	४८२
	३४२, ४११, ७१३,		रदू	२८८
	८१६, ६६३, ११६६,		रणधीर	८६३, ६३२, ६५६, ११०२
मोहणदे	३०१, ७२१		रणमल्ल	५१४, ७७६, १०१०
मोहनसी	११५६		रणवीर	७७३, ७६४, ८८३
मोहनी	३१८		रणसिंह	२३३, ६७६, ७१७
मोहिण	१५८, १८१		रतन	१०८, २६७, ५८१
यगद	१०१		रतनचद	११६१
यमुनादे	१०६८		रत्नपाल	७०६, ७४८, ८५८,
यशवतदे	१०६४			६०६, ६११
यशा	६७६		रत्नराज	६६५
यशोदा	११३३		रतनश्री (सिरी)	२६७, ८७५
यशोराज	१		रत्नसी	५०४, ६२८, ६६७,
				६६८, १०१८
यसमादे	६२६, ८००, ८३४,		रतना (रत्ना)	६७, १३२, २८३,
यादव	५५३			३५८, ४०४, ५०१,
यादो	११०२			५१३, ५२६, ५६७,
यामणी	३६			६१३, ६६२, ६७६,
यावित्री	२६२			७३३, ७३६, ७५५,
योधा	४६३			७७०, ७६०, ८०८,
योमुचाथ	६६६			८३६, ८६४, ८८६,
				६१०, ६४४

रतनादे (रत्नादे) २१२, २८३, ३८५, ४१०, ५१४, ५६१, ६७७, ७६६, ७३६, ७७६, ८१२, ६०६, १०१५	राजधर ६६३
रत्नावती ११४७	राजपाल ५५०, ६२२, ६७७, १०८४, १०६२ ११३५
रत्नी ६११	राजमती ३६
रती ७६०	राजल १३२
रत्तू (रत्तु) ६३६, ६६२, ७०२, ८२४	राजलदे १७५, ४०५, ५७६, ७१७, ७३१, ८३४, १०४२, १११०, ११३५,
रतनू (त्नू) ४४४, ४५७, ४७४, ५०१, ६०५	राजश्री १०६५
रभा १००२	राजसिग ८६१
रभापुरी ३६५	राजसी १०७६, १०८५
रभू ४७६	राजा १७४, १७५, ३०३, ३४३, ३६२, ४८५, ५०६, ५३७, ५५७, ५७६, ६३६, ६३७, ६४८, ६६२, ६८३, ७१७, ७२४, ७३१, ७३८, ७६८, ८१५, ८३०, ८४७, ८६२, ८७४, ६१४, ६४४, ६४६, ६६७, ६६८, ६८२, १०१३, ११००
रमकू ७२६, ८६६	राजी २७, ५७६, ६८१
रमा १०३६	राजुल १५३
रमाई ५५७, ६१५, ८७२, ६६७, ६६८, ६६५	राजुलदेवी १३३
रमादे ६५१	राजू २८३, ५१२, ५६२, ६३६, ६५३, ६५६, ७०१, ७१६, ८३१, १०६५
रयणादे २३७, ३१६, ३४३, ३४८, ७०६, ८१५	राणा ८६, १६७, २३७, २७०, २७६, २८५, ३६२, ४२०, ४८७, ५४५, ५६१, ६००, ६५७, ६७८, ६६२, ७२०, ७३४, ७४३, ७४८, ६१६, ६५१, ६८७, १००८, १०७३, ११६०
रही ६५१	राणादे २८५
राइधन ११६३, ११६४	
राऊ ६६२	
राउल ३३३, ३३८, ५४७, ७०६, ८११, १०४८	
राका ८०६	
राखलणदे २८८	
राखी ३१४	
रागी ३५०	
राघव २१, ४५५, ४८७, ६६३, ११८६	
राजह ६२, १०६, ८६५	
राजदे ११६६, ११७०	

राणी	४१, २७६, ३३१ ३५४, ५१३, ६१०, ६३४, ६१८, १०१४	१०६५, १०६६, ११०५, १११६, ११३६
राणू	३४६	१११६
राता	६३	१०५३, १०७६ १११४, ११२६, ११६१, ११६२
राथली	१०८६, १०८७	५१३
रादा	७२८ ८८८	७६२, १००६
रानड	६३६	७१४
रानीग	६६	४०
रानू	३८३, ७६५, ६१८	६३२
रांभलदे	५४५, ७५५	११०१
रांभा	५५५	३६५
रांमू	५०२, ३६७, ८१३, ८६८, ८६६	६०६
राम	१०७३	६२६
रामकवरवाई	३७	६३०
रामजी	१०६७, १११६	८४३
रामण	३११	१०६४
रामंति	५७६, ६२८	१६१, २०६
रामराज	४६८	५६३
रामजी (सिंह)	२२१, २४२, ६४१	६७६
रामा	२१५, ३०८, ३४६, ३४६, ३६७, ४०२, ५०३ ५५२, ५५६, ५८१ ६१४, ६५५, ८०७, ८६५ ८६०, १०२८, १०३६	४६६
रामादे	६६२	४६६
रायचंद	६६२, १११४, ११६५	४६६
रायण	३२	४६६
रायदास	६८८, ११३४	८२१
रायदेवि	१३३	८२१
रायपाल	७५८, १०६२, १०६३	८२१
रायमल्ल	७७६, ८५६, ६३५, १०६६, १०७६, १०६४,	८२१
		३६२, ६१७
		२१७, ३०८, ७६६, ८६१
		६५५, ८०५
		१०२, ५०३
		६०२
		४८४
		१
		३२२, ५३६, ५३६, ५८६, ७३७, ७७०, ८४४ ८६५, ६१६, ६४६, ६५६, ६६०, १०३४ १०८०

नपादे	४८३, ७३७, ८०४, ६३३	लखीई	६७६
	१०३४, १०६२, १०६३,	लगसिरि	५६६
रूपी	३००, ५६०, ६८७, ८६०	लघु	६८६
रूपिणी	२६५, ५४७ ५६७	लच्छी	११३१
रुलहा	३१६	लछमा	८१७
रेखा	१०६५	ललत्त	५३
रेखश्री	१०६५	ललता	१६८
रेडा	३२६, ५२८, ५३६, ८२८	ललतादे	१६३ १६८, ६४१, ६३६,
रेडू	३२६		६६१
रेणादे	६५६	ललनू	८११
रोयत	४७	लली	२४२
रोहिणी	५१०, ६१४	लभमा	१३१
लखणश्री	३७६, ४४१	लहरू	५८७
लखणसी	१६६	लहुआ	६६३
लखणा	३७६	लक्ष्मट	३०
लखन	६६६	लक्ष्मी	१२३
लखम	३६	लक्ष्मीदास	६६४, ६६५
लखमण	७६, १३५, २४३ ३८०	लक्ष्मीसेन	५६६, ५६७
	३८५, ४३६-४४१ ५१२,	लाई	३२०
	५३७, ६०६, ६३३, ६८१	लाकू	६८२
	७७३, ७८२, ८८८ १०६६	लाखण	३५६, ८०३, ८०४, ६६४
लखमश्री (सिरि)	६३, ५४२	लाखणदे	१६८, ३५८, ४१७,
लखमसी	६५६		७६७, ६६४, ६६७
लखमसेन	२७६	लाखा	१२२, २३२, ३०३, ३३२,
लखमा	१६८, ३२१, ४४६ ५२८,		३४०, ३५८, ४१७, ४४२,
	६५८, ७२८, ८६०, ६६१,		४४७, ५६६, ६४४, ७०६,
	१००३, १०८४		७६४, ७६७, ८६४, ६६७,
लखमाई	६३५, ७४४		६६८, ६७४, १०६५,
लखमादे	४८, ५११, ६४४, ६६७, ७७३,		११३७, ११५२
	७७६, ७८६, ८०४, ८०५	लाखी	४५५
लखमीदास	११३६	लाखू	१८०, ४०२, ५४४, ५६५,
लखराज	१०१६		७१६
लखा	६७२	लाघु	४३२
लखी	२६३, ६२३, ७७५		

लाछलदे	५१६, ६००, ६०७, ६६३, १००७	लीलाई	२२४
लाछा	७६६, ८८५	लीलादे	१५६, ४२६, ५०८, ७५७, ७६८
लाछी	१३३, ६४५, ७३०, १०१३	लीलू	३०६
लाछू	१०६, ५५३, ६६०	लुंटा	७६८
लाटा	६१४	लूणागदेव	८८
लाडकि	७००, ६४६	लूणासिंह	१५१
लाडण	३६, ५८६	लूणा	६१, ३८१, ४३७, ४८७, ५१८, ५२८, ५८०, ५८८, ६५६, ७३०, ८३४, ८८५
लाडमदे	६६४, १०५०	लूणादे	१७६, ३८१, ६५६
लाडि	७२२	लूणी	६५७, ७७६
लाडकि	८५४, ८८०	लूलराय	५३
लाडिमदे	१०६५, १०६६, ११५२	लूहोला	४६६
लाडी	३१८, ३७२, ७४३	लोला	२८६, ४१७, ४२६, ४३६, ५१६, ६००, ६१४, ८४६, ८८५, ८८६
लाढम	८३३	लोलादे	८४६
लादा	१३०	लोहट	४३६, ७२२, ७६७
लाधू	४४२, ५६६, ५६७	लोहड	६६
लापा	५५८	वसल	८७०
लाभा	६६७, १०३४	ब्रजांग	५१३
लाभी	६६८	वइजणकु	२२८
लाभू	७११	वइजलदे	४४२, ७२६, ६१०
लांबा	३४७	वइजा	७२६, ७८८
लालचंद	१०६४	वइजू	३६२
लालण	८५६	वइतलदे	३६२
लाला	३६, ३०६, ३५२, ६६६, ८४३, ८४७, ८८५	वइता	२०३
लाली	६६०, ७४७, १००३, १००४, १०१५	वइरा	३७७
लाहड	४५५	वउलदे	६८५
लिक्त	५३५	वग्ना	७०
लीता	५४५	वच्छा	७०
लीवा	२२१	वच्छराज	५३४, ७६४, ८२६, १००५, १११६
लीना	२०६, २६६, ३५१, ८००, ६६०, ६६३		

थच्छा	४८८, ६०३, १०८५	३०६, ३७६, ३६०, ३६१,
वजराज	१०८२	४६३, ५१३, ६०५, ८६६,
वज्रांग	८८७	६०६, १००४
वजसा	३६६	वल्लभराजा १०७६
वडा	३६२	बल्हादे ८८४, ११५६
बडुआ	७५२, ७६५, ८६४	बला ५८७
बडुआदे	८६४	बलिराज ३३२
बणवीर	४१६, ८६३, ८६८	बलीआ १०१५
बणा	८२३, ८५६, ६३०	स्वता १३६, ३४७, ३८०, ६१४,
बणु	४६२	६३६, ८१०, ८५४, ६१७,
बदरगदे	११३१	१०२८, १०३५, ११५६,
बदा	६३६	११८१
बना	७६५, ८२०, ६३७	वस्ताही ११८१
बया	६०६	वस्तु १३८
बयजल	४५, ७२४	वस्तुपाल ८८४, १०१६, १०६५,
बयजलदे	१५२, ३११, ४५६	१०६६
बयजा	३१	वसा ७१४
बयरसिंह	४६५, ५३६	बहद ३३
बयरा	५३३	बहलादे १००३
बयासी	३११	बाकल १०७३
बर्जी	४१४	बाचा ६१२, ६३०, ६५४, ६६३
बर्जू	७६०, ६२०	बाचाऊ ४४
बर्द्ध मान	४६४, ६१७, ८८७, ६७७,	बाछा २०१, ३४०, ३५५, ५६१,
	११०८, १११६, ११६१	६८७, ८१०, ८८३, ११५६
बरजा	८१७	बाछू ३७८, ६५८, ७५६
बरजू	८०६, ६६६, १००४	बाजू ३३०
बरता	७०२	बाभणदे २३७
बरदेव	७६, २२२	बाढा ३०६, ५३२
बरमा	३६	बाढा ६५२
बरनाग	७८७	बाण ५३७
बरम्हा	८५७	वादी ७४१
बरषा	६६१	बादू ४२८
बरसा	२८५	यानकाई ८६५
बरसिंह (संघ, सिंग)	२०७, ३००,	बानीर ७८४

वाना	१५०, ५०६	विमल	२५, ३३६
वानी	७०७, ७०८	विमलचन्द्र	१०३८, ११८१
वानू (नु)	२३०, ३८८, ६१७, ७२६, ७८७, ६३१	विमलदास	११८२
वामादे	८६६	विमलादे	३४४, ८५६, ६६२, १०३५, १०८५,
वारी	२८६, ७८६		११५६, ११८१
वारु	४१२, ४३१, ७१२, ७६६	विरा	१००३
वालहा	२६५, ३४०, ४४७, ५६४,	विरु	२७८
वालहादे	६६४, ७६६, ८५६, १०८८	विरुग	७२६
वाल्ही	३५०, ५०६	विरुआ	३८३
वालहादे	३६७	विल्हणादे	१८६
वाला	५४८, ५७६, ६२६, ७१६, ७७२	विल्ही	४०६
वाहिणादे	५१४	विवेक	१०८६, १०८७
विउलश्री	४८१	विसनदाम	१०४४
विकआ	५०३	वीकम	१६०, ३७७
विकी	२६६	वीका	७२३
विज्जू	३४६	वीकू	६३६
विजपाल	१५३, ६७६	वीजल	२३०
विजमलनाक	३४६	वीजलदे	५०१, ६४१, ८१८
विजयपाल	२८४	बीजा	१५२, २६१, २७८, ४०६, ८१८, ८४१
विजयराज	६८६	बीजू	५६१
विजयश्री	२३०	बीमल	१३२, ६७७
विजयसी	४३१	बीमलदे	७३६
विजसी	८५७	बीठा	१०१५
विजयसीह	३५	बीडा	३६३
विजा	७२४, ८३२, ६४५, ६४७	बीडू	५६
विणहा	६७६	बीढा	३८५
विद्याधर	६६७, ६६८	बीरुआ	१०१५
विनादे	८४७	बीतरादे	५२२
विप्रादे	६८२	बीदा	३४३, ६४८, ७३३, ६०८, ६३०, ६७३, १०८५

बीधी	६४८	वील्हा	१६८, २५७, २८१, ३४०,
बीना	४६५		३८०, ४६४, ५३३, ७८६,
बीन्	१०७५		६१७
बीप्रा	८	वील्हादे	८८३ ११५२,
बीषा	१२६	वील्ही	५३७
बीमलादे	१०३८	बीला	१०३४,
बीर	४२	बीली	१०३८
बीरड	४५६	बीसल	४६ ७६, ३०४, ३८८, ४१६,
बीरण	३६५		४४२ ५२७, ५६४, ६०६,
बीरणाग	१२		६६४, ७२६, ७७८, ८५१,
बीरणि	२२६		६८३
बीरदास	१०३१, १०४४, ११२२,	बीसा	७६८
	११२६	वेऊ	६३३
बीग्दे	५७०	वेगड	५५६
बीरदेव	१४	वेगी	८०६
बीरपाल	२५६, ६४६, ७१२, ६७७,	वेजपाल	२१६
	६६१, १०१८, १०५२ १०७४,	वेदा	५८५
बीरम	६२ ४६१, ५०६, ६६४, ८८३	वेला, (वेल्हा)	१८६, ३२६, ४६३,
बीररत्न	१०३२		५३७, ५४५, ५६२,
बीरसेन	५६७		७००, ७५३, ८८१,
बीरा	२२७, २४०, २४५, ३०७, ४६१,		११८६
	४८१, ५४५, ५६१, ६२६, ६६२,	वेलाउला	६७७
	६८३, ७३०, ७४२, ८३८, ८७७,	वेंजराज	६२२
	६३५, ६६७,	वैरा	११५६
बीरादे	११२२, ११५१, ११७१,	वोडा	८६८
	११७३	शदराज	५२५
बीरि	७५	शदु	५५४
बीरिणि	७८१	शाणी	२७८, ५५२, ५६३, ५७४,
बीरी	१७७, ४७१, ८१०, ६७५,		८४७
	१०६६	शिखर	२१४, २८७, ७०३,
बीरु	४२०, ६५५, ६४८,	शिखरा	७७८
बील्हण	१७५	शिवकर	६६५
बील्हणदे	१६८, ७६२, ६१७	शिवदत्त	५३८, ६५०

शिघराज	३६४, ७७४, ६०४ ६२०	६६४, १०७३
शिवराम	३७६	४५
शिवा	३४४, ५२६, ५५६, ६५२, ७१६, ७२७, ८४८	श्रीसमर २२०
शीलू	७७०	श्रीहा ६७४
शुभकर	६१७	सकतन ६२६
शुभंकर	७०	सकतादे (कादे) ६२१, ७६३, ७७७, ८४७, ६६१, ६६५, ११००
शुभवस्ता	१३२	सकर्मण ३७६, ४४१, १२००
शेखर	७०२, ६४७	सखता ८०१
शेखराज	६८४	सगकू ८०२
शेषा	५३८	सगर ८२६
श्रवण	८७६	सगरा ६६५
शृङ्गारदे	१०४७	सधा ६६५
श्रियादेवी (द्व)	४४, १८३, ४६३, ७२३	सजना १८३
श्रीकरण (र्ण)	६८८, ११४७	सजालदेव १४७
श्रीचंद	४२४, ४३५	सणखी ४७१
श्रीधर	१५५, २२४, ४२३, ६४५, ६६५	सत्ता ६५२
श्रीनाथ	४५	सदराज ६४४
श्रीपा	६३१	सदा ६५८, ६६१
श्रीपाल	३३६, ७६४, ८२६, ८५०, १०१४, १०३३	सदारंग ३३३, ४१०
श्रीपालनदे	३६६	सदाही ६५०
श्रीफल	४३३	सधारण २२६, ४०५, ४४७, ८७०, ६२७, ६३२
श्रीमल्ल	४६३, ५४१, ८२८, ११२६	सधारणदास ६८८
श्रीमोहरण	१०१	सधुरु ६१५
श्रीरंग	४०५, ६३३	सड ६७२
श्रीरूप	६५४	संडा ६७३
श्रीवच्छ	२३	सडो २२०
श्रीवत्स	६२१	सन्तड २
श्रीवन्त	२७२, ६०४, ६५०, ७४१, ६०१, ६०३, ६२२, ६४३,	सन्तोक ५४३
		सधारु ६४२
		सपराई ५५८
		स्फारक ५

सम्पद्	७६७	सरसू	४२६
सम्पत्तलटि	७८५	सरामानी	४०७
सम्पूरी	७२७, ७३५	सरु	५२०
सन्द्रू	५६३	सरुदमा	१०३८
सम्बर	४१	सरूपदे	४८५, ७५१, ६१६, ६६४, ६६५, १०३३, ११३७
समउर	६३६	सलखण	१७, ६६, ७६४
समदा	५७१, ७३७	सलखणदे	४६, ११२, ५३८, ८८६
समधर	२३४, २६२, २७८, २८३, ४६१, ५६२, ६३८, ६४०, ६६३, ६७४, ७२३, ७३२, ७४३, ७८२, ८३२, ८३७, ८६६, ६८७	सलखम	४५
समर	७०५	सलखा	२२०, ४६६
समरण	८५८	सलखु	८४८
समरथ	६०७, ६८८	सलदेव	१७
समरसी	४६५	सलरा	८३४
समरा	११५, ७११, ७६२, ८७३, ६८५, १११६	सलहू	८६२
समरु	६५५	सला	८५१
समसीरी	३४६	सवतीर	२७२
समावरा	१०३७	सविराज	८०६
समीरदे	१८८, ५६८	ससधर	७०७, ७०८
समुधर	३८२	सहगई	५१०
सदयवच्छ	६२०	सहजलदे	६६, १६५, ३६८, ५०५, ५६७, ५६२, ६२४, ६६६, ८१२, ६१४, ६४६
स्याणी	३३५, ६१२	सहजपाल	२७, ६७७
सरघाई	६६८	सहजा	२६६, ३८७, ४६६, ८३२, ८४२, ६१२, ६२३
सरतू	६०६	सहडा	१३८
सरवण	३०७, ४०५, ५१३, ६७३, ६४८	सहदेव	४६६, ४८५, ६५६, ७३०
सरस	५३०	सहय	१०२६
सरसती	६२३	सहसमल्ल	४६२, ६१५, ६४२, ६६१, ६७३
सरसा	४३८	सहसराज	४२४
		सहसवीर	७०२, ६६३, १११६

सहसा (हिसा)	१५२, २२३, ३१२,	सांडा	२८३, ४१८, ६१४, ६१५
	४६१, ४८६, ५६७, ५८०, ६०५,	साढा	२२३, २४३
	६४०, ६४३, ७६६, ८३७, ८५३,	साणी	५५६
	८५६, ८६१, ६१८, ६२१, ६७७	साता	६४२, ७२१, ७७८
महली	६५२	सांति	८०
सहारण	८१६	साथू	५००
सहिआ	७४३, ७६६, ८६६, ६४५	सादा	३८०, ४२३, ४३६, ४४४,
सहिणी	४३		४७६ ४८८, ७१३, ७६५,
साईआ	७४३		८२६, १०६०
साऊ	७६, १७३, २०७, ४७७,	साद्राण	६३
	५६५, ८४७, ६२१	सादी	८२३
साऊ'	४६६	सादूल	४८३, ५०२, ६५७, ८१६,
सांकण	१०७		६२०, १०५५
साखेड	६११	साधा	२३४
सांगण	३८१, ६०७	साधारण	२८२, ५२६
सांगा	२३७, ३५६, ३६१, ३६८,	सावी	६०५
	३६६, ४४८, ४७८, ४८१,	साधू (धु)	२८३, ५०८, ५६२,
	५१५, ५५२, ५८७, ७११.		५६३, ६०४
	८१२, ६५३, ६६५, १०३१,	सानाउ	६११
	१०३३	सापड	४१६
सागी	२५६	सापू	२८५, ८०१
सांगू	३५४	सांपू	७४६
सांचा	४६३, ६१२	सामत	१६४, १६०, २५८, ४७५,
साचू	६७		५६२, ६७६, ७४३, ८६४
साजण	६१, ६७ १४५ २१०,	सामल	१६५, १७६, ४०५, ७४३,
	२६५, ६६१, ७४१ ७६८		६००, १०१३
	८११, ८२२, ८७३	सामलदे	४०५
साजणसी	६२०	सामली	१००
साजा	८६, ८५३, ११७८	सामा	५२८ ५६१, ७८६, ८४७
सांढा	६३५	सामी	३८८
साठा	१०७	सामीदास	१०४४, १०६०, १०६१.
साडण	७३६		११३०, ११८२
साड	२१७	साम	८५२

सायंर	१७१, २००, ३४४, ३५७, ५३८, ६७६, ७८६,	सिंगारदे	३५८, ५३८, ६५७, ८४१, ६५३, १००६, १०८१
सायौ	१०४३	सिंगारु	१०८६
सारंग	१७१, १७३, २२६, २८०, ३८८, ३६४, ४५४, ४६०, ६६५, ६८१, ६६६, ७६३, ७६७, ७६१, ८५६, ६४७, ११४६	सिधराज	३४२, १०३१
सारण	४६४	सिधही	७६१
सांदी	५२२	सिघा	२८३, ४३४, ४४४, ४५१, ५३७, ८१३, ८४३, ८५२, ६५१, १००६, ११०६, १११७
सारू (रु)	३२२, ३५०, ५६४, ५६८, ६१३, ७०७, ७०८, ६००, ६४६	सिणगारदे	१०१८
साल्ह	६३६	सिणा	८४१
साल्हणदे	१०२८	मिरि	३०७
साल्हा	१३०, १७१, ३८४, ४१४, ४२२, ५१८, ५५८, ५७६, ६५४, ६६६, ६८१, ८२१, ६१६, ६२६, ६३८	सिरिपाल	१२८
साल्ही	२८२	सिरियादे	६१६, १०१४
साल्हु	३४८	सिरोहत	६३५
सालिंग	८०, २८३, ५०२, ५८४, ७४२, ७४६, ८३७, ८५२, ८७६, १०६२	सिरिकुआर	१११
सालिंगही	४७१	सिवेदेब	२८
साबड	१८१ ३२७	सिवराज	४७१, ५००, ७५८
साचित्री	६६१	सिवा	२७६, ३४७, ७७६, ८३२
साहड	१२६	सिंहदेव	६८
साहयादा	६६८	सिहरथ	११४
साहा	७८७	सिंहराज	७४५
साहिउवा	६७४	सिंहादे	६४४
साहारन	६१	सीऊ	६४२
साहिमल्ल	११३०	सीतादे	२२३, ३६७, ६५७, ८६८, ६०३, ६०४
		सीदा	३६५
		सीधर	५६१, ६५०, ६८०, ८५३, ८८६, ८६६
		सीपा	७४७, ६२१, ६४७
		सीरग	८५८
		सीरीआदे	६८५
		सीलण	११७
		सीला	११०१

सीसा	१७८	सुं वरासा	२२०
सीहड	६२३	सुत्राति	६
सीहमल्ल	११३०	सुहडसिरि	४८५
सीहा (सीहा)	१५१, २२७, २४८, ३६३, ३६७, ४६६, ४७३, ५४०, ५६५, ६६२, ७०४ ६४४, ६४५, ११८७	सुहडा	२४६, ४८५, ४८८, ५७०, ६२३, ६८८
सुककि	३६	सुहडादे	४४८
सुखमति	२०	सुहडाहर	४२८
सुखमल्लदे	११३०	सुहव	१०, ४१६
सुखमादे	३२०	सुहा	२४६
सुखमिणी	२८	सुहागदे	३२४, ५६३, ७७५, ८४७, ८६४, ६३६, ६६५, ६७१, ११७१, ११८३
सुखु	११२६	सुहागश्री	४८१
सुगुण(दे(गनादे)	४३७, ६३२, ६६२	सूजा	६८२, ११२६
सुचा	७४७	सूजू	५८२
सुण	७४२	सूदागोइद	६६५
सुतारण	१०५०	सूदी	४६२
सुन्दरदास	४१०, ११३०	सूदौदेवी	१०८०
सुंदरि	६७५, ७६८	सूमा	२४
सुनखत	४२४	सूरचंद	८८०
सुनन्द	११०४	सूरज	४३५
सुपरणादे	१०३४	सूरजदे	११७३
सुभवीर	६७१	सूरजन	६०३
सुयश	२३६	सूर्जनदे	५८२
सुरजा	४६६	सूरजी	१०६७
सुरताण (आण)	३०४, ८४६, १०५१, १०५५, १११३	सूरण	१०८८
सुरमदे	८३८	सूरतनी	३५
सुरा	६०८	सूरदास	११४३-११४५, ११५१
सुललित	६०५	सूरमदे	३६८, ५११, ७३३, ६३१, ११६१
सुलवी	२३२	सूर्यसेन	५६६, ५६७
सुलेसरी	६२०	सूरा	२०३, ३८८, ५२१, ५८१, ८३२, ८७६
सुवंदे	७१६		

सूली	३८५	सोभा	१७२, २८७, ४५७, ६८४
सूवा	८७४	सोभाई	३१६
सूहवदे	४८३, ४६०, ५२१, ५८१, ७८६, ६०१, ६०३, ६८८	सोभागदे	१०१८, ६०२५, १०३१, १०५३, १११३, १११६
सेऊ	४३४	सोभागिणी	६५२
सेगा	६६५	सोमचंद	११६१
सेढा	२७३, ६६५	सोमदत्त	८८०, ६४२
सेदू	३३५	सोमदास	१०६१
सेना	५४६	सोमदेव	७०
सेपलदे	८८२	सोमल	५२१, १११६
सेरू	६३५	सोमलदे	६३६, १०६२
सोजा	२७१	सोमा	१५१, १६५, १६१, २१८, २४१, ३७१, ४३८, ५०१, ५३७, ५५६, ५६३, ६५२, ७१२, ७३५, ७७७, ७८४, ८२१, ६३६, ६४५, १००५, १०१८, १०६७
सोजी	६३६, ६६२	सोमिल	८१२
सोढल	६१	सोहग	३०१
सोढा	३६८, ४६६, ५७०, ५७४, ६२२, ६४२	सोहगदेवि	२४६
सोनपाल	३२४, ४६८, ५६६, ६०४, ७०३, ७०५, ६४८, १००१, १०६५, ११०१	सोहगा	२५
सोनल	३८, ७६४	सोहड	२०५
सोनलदे	२७७, ३८७, ८१२, ८६८, ६३६	सोहा	८२३
सोनश्री	१०६५	सोहागदे	८५८, १००६, १३४३
सोना	२७७, ३१३, ३४५, ३६६, ३८१, ३६३, ४२२, ४३७, ४४५, ४८८, ६०७, ६१३, ७५८, ८६५, ८६६, ६३६, ६६२	सोहिणदे	२४५
सोनाई	४६०, ८४५, ८८०	सोहिणी	६७७, ८८६
सोनादे	४७०, ५१७, १०१६	सोहिय	४६
सोनी	५१७, ६११, ६६६	सोहिल	३६४, ७४८
		सोही	७६०
		सोहीलालदे	११७६
		संकर	८०
		संगतादे	१११६
		सगार	११६१

संगारदे	६०५	हर्षा (रखा, सी)	५१३, ५३६, ६०३
सग्राम	११४३, ११४४		६८४, ७१३, ७१६
सग्रोमसी	२८२		८१६, ८५४, ८६६
सघराजो	५८७		८७७, ८६९, ६१३
संसार	६६३		६१६, ६४६, ६७४
ससारचंद	३७१, ६०७, ६५०, ७१५		६६६, १०१७, १०१६
ससारदेवी (दे)	११८, २१६,		१०३७, १०३८, १०८३
	४६१, ५०२, ६१०,		१११२, ११६६, ११७०
	६५४, ७४६, ७७४,		११७३, ११७६, ११८२
	८७४		११८३, ११८४
हसा	४५५, ४८८, ६२३, ७३५,	हर्षाई	६३६
हउदा	४५०	हर्षा (पु, रखु, रखू)	३०२, ३१६,
हचिन	३८१		४१८, ५२०, ५७२
हचू	६०४		६०१, ७६७, ८०८
हठा	४७६		८१८, ८४३, ८४७
हपू	४६५	हरा	७३६, ८८५
हमीर	६३१	हरि	२
हमीरदे	५७०, ६७०, ६७६,	हरिआ	६३४, ७४४
	८१५, ८८६, ६०६	हरिकरण	११८७
	१०३८, १-८४	हरिगण	६४०
हरदास	७४५, ८६१, १००६,	हरिचंद	३०३, ३४६
	१०४४	हरिपाल	४८, १२३
हरपति (त)	१७६, ८१५, ६२५,	हरिचर	७५
	१०१५	हरिशज	८७३
हस्पाल	२७४, ५४८, ६५३	हलू	७४५
हरमदे	१०१७	हर्षमदे (रसमदे, देवी)	३३३, ४८५,
हररोज	६६३, ६६४, ७३३,		६६४, १०१७,
	८२१, ६०६, १०००		१०१६, १०३८,
हरखादे	१०१५		१०५०, ६०५,
हर्षराज	५६		११७१, ११८७
		हाता	४०८
		हानी	७६२
		हापराज	५६६

हापा	१७०, १७७, १६६, ४३१,	हीरी	३३५
	४५४, ५६४, ६४५, ६६१	हीरू	३६३, ४६५, ५०७,
हांपा	४२६		५६३, ५६४, ६६२,
हाला	१६१, ४७४		८२७, ८४४, ६८७
हाल्हा	६२६	हुँति	४७८
हासल	१०५	हुतल	८८६
हांमल	६२३	हृदा	८६५
हमा	३६१, ६११, १०५६	हेतु	२७३
हांसलदे	५६६, ६७३, ७१४, ७३६,	हेनीवाई	१०३४
	८१७, ८८१, १००४	हेमराज	२१३, २३५, २६६,
हांसा	३४५, ३७५, ४५२, ५६१,		३०७, ६६६, ८८७,
	५६६, ८०६, ८१७, ८८१,		६०४, ६५८, ६५६
	६८८, १००४, १०८५	हेमल	१४६
हांसी	२६५, ६३५	हेमथी (सिरि)	२६६, ३४६, ६०४,
हांसू (सु)	१६६, २६५, ५६४,		६५८, ६५६
	६५६, ७३७, ६०८	हेमसीह	२६६
हाथीआ	५६	हेमसेन	११
हिंडसिरो	७१०	हेमा	६६, १३८, २५५, २७६,
हिता	४५		२६५, ३५२, ५०४, ५३७,
हिमपाल	५७३		५८१, ६१६, ६१८, ६४७,
हिमराज	५७३		७६५, ७७०, ८२६, ६०६,
हिमादे	५७७		६२७, ६६६, ६६७, ६६८,
हिल्ला	७३५		१०३८, १०८५, ११३४
हीरराज (प्रसिद्धनाम वगुला)	३३२	हेमाई	६३८
हीरा	१७५, २१८, २६६, ३१०,	हेमादे	२१३, २३५
	३४१, ३५६, ४२५, ६३५.	हेमी	८३६, ६०६
	६६३, ७१०, ७१४, ७५०,	हेमो	४८५
	७६८, ७६६, ७८२, ७६५,	हेला	४३०
	८४७, ८७८, ६०६, ६२६,	हेली	८४८
	६७७, ६८५, ६६३	होवा	६४
हीराई	८६५	होला	४६३, १०८५, १०८८
हीरादे	२५५, ३५६, ४२५,	त्रिपुरादे	७४४
	४६३, ५३६, ५४४,	त्रीकम	१७५
	७८२, ८७३, ६६२,	त्रै लोक्यचंद्र	८८४
	६७४, १०१५, १११२	ज्ञालप	६८१